



भारतीय निर्यात-आयात बैंक
Export-Import Bank of India

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2015-16

सतत विकास और समृद्धि के लिए साझेदारी की मजबूत डोर

पूरी दुनिया में सतत विकास और साझी समृद्धि पर बढ़ते फोकस ने वैश्विक भागीदारी को बढ़ावा दिया है। वैश्विकता की ओर तेजी से अग्रसर इस दुनिया में सतत विकास के लक्ष्य को हर स्तर पर भागीदारी के साझा प्रयासों से हासिल किया जा सकता है। इनमें सरकारी और निजी स्तर पर भागीदारी, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के बीच भागीदारी, विकास बैंकों, सहायक एजेंसियों, सरकारों, कारोबारियों, शैक्षणिक समुदायों, विचारकों और सिविल सोसायटी जैसे संगठनों के बीच भागीदारी और साझा प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। ऐसी भागीदारी से आबादी के हर हिस्से के लिए रोजगार सृजन होता है और आर्थिक अवसर बनते हैं। वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास के एक सहभागी के रूप में भारत ने अपनी एक महत्वपूर्ण जगह बनाई है और भारतीय एक्जिम बैंक जैसी संस्थाओं की पहलें ऐसे प्रयासों का विशिष्ट उदाहरण हैं। बैंक ने बीते कुछ वर्षों में दुनिया की विकास संस्थाओं के साथ महत्वपूर्ण भागीदारी की है।

इस वार्षिक रिपोर्ट का आवरण पृष्ठ विभिन्न देशों और सतत विकास के लिए प्रयासरत वैश्विक संस्थाओं की साझेदारी का ही प्रतिबिंब है। एक दूसरे में गुंथे धागों से बनी विभिन्न रंगों की यह मजबूत डोर इस साझेदारी का ही प्रतीक है। एक्जिम बैंक के सहयोग से भारतीय कंपनियां दुनियाभर में विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाएं स्थापित कर समाज के निचले तबके को आजीविका उपलब्ध करा कर लोगों का जीवन संवार रही हैं। बैंक रणनीतिक भागीदारी के जरिए साझेदार देशों में लोगों का जीवनस्तर सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है और अपने इस उद्देश्य को पूरा करने की खातिर अपनी विभिन्न साझेदार संस्थाओं के साथ मिलकर सक्रियता से काम कर रहा है। बैंक द्वारा जारी किए गए ग्रीन बॉन्ड (भारत से जारी किया गया पहला अंतरराष्ट्रीय ग्रीन बॉन्ड) जहां पर्यावरण अनुकूल परियोजनाओं के वित्तपोषण के जरिए पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देंगे, वहीं इनसे अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के वित्तपोषण के जरिए साझेदार देशों में पर्यावरण अनुकूल और ढांचागत विकास परियोजनाओं की स्थापना में मदद मिलेगी। ये प्रयास भारत के साथ-साथ सहभागी देश और वैश्विक समुदाय सभी के लिए हितकारी सिद्ध होंगे। एक्जिम बैंक द्वारा बड़ी संख्या में विदेशों में परियोजनाओं को सहायता दी गई है जिन्होंने साझेदार देशों के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव लाने का काम किया है। विदेशों में रोजगार सृजन, सड़क और रेलवे निर्माण द्वारा परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने व स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार करने एवं संचार व्यवस्था के जरिए लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने में इन परियोजनाओं की अहम भूमिका रही है। इसके अतिरिक्त, इनमें से कई परियोजनाएं भारत में विनिर्माण क्षेत्र के विकास और रोजगार सृजन में भी मददगार रही हैं, क्योंकि इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए अधिकांश माल भारत से ही जाता है। इस तरह बैंक सरकार की 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों में भी लगातार सहयोग करता रहता है।

एक्जिम बैंक सतत विकास तथा सामाजिक-आर्थिक बदलाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए साझेदारी की इस डोर को और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक्जिम बैंक के लिए यह गौरव का विषय है कि यह भारत सरकार की पहल पर ब्रिक्स वार्षिक सम्मेलन 2016 और अफ्रीकी विकास बैंक की 2017 की वार्षिक बैठक की मेजबानी में सक्रिय भागीदारी कर रहा है।

विषय वस्तु

| | |
|---------------------|----|
| निदेशक मंडल | 02 |
| अध्यक्ष का वक्तव्य | 04 |
| प्रबंधन | 08 |
| आर्थिक परिवेश | 09 |
| निदेशकों की रिपोर्ट | 19 |
| व्यवसाय परिचालन | 25 |
| वित्तीय विवरण | 53 |
| निर्यात विकास कोष | 89 |

निदेशक मंडल



श्री यदुवेन्द्र माथुर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारतीय निर्यात-आयात बैंक



सुश्री रीता तेवतिया
सचिव
वाणिज्य विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय



श्री रमेश अभिषेक
सचिव
औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय



श्री अमर सिन्हा
सचिव
आर्थिक संबंध एवं डी पी ए
विदेश मंत्रालय



डॉ. एम. डी. पात्रा
कार्यपालक निदेशक
भारतीय रिजर्व बैंक



श्री किशोर खरात
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
आई डी बी आई बैंक लिमिटेड



सुश्री गीता मुरलीधर
अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक
ई सी जी सी लिमिटेड



श्री डेविड रस्कीना
उप प्रबंध निदेशक
भारतीय निर्यात-आयात बैंक



श्री देबाशिस मल्लिक
उप प्रबंध निदेशक
भारतीय निर्यात-आयात बैंक



डॉ. अरविंद सुब्रमण्यन

मुख्य आर्थिक सलाहकार
आर्थिक कार्य विभाग
वित्त मंत्रालय



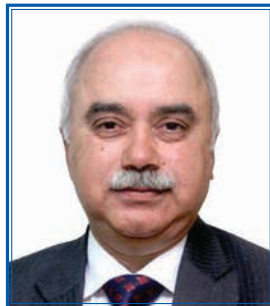
श्री पंकज जैन

संयुक्त सचिव
वित्तीय सेवाएं विभाग
वित्त मंत्रालय



श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य

अध्यक्ष
भारतीय स्टेट बैंक



श्री राजीव ऋषि

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

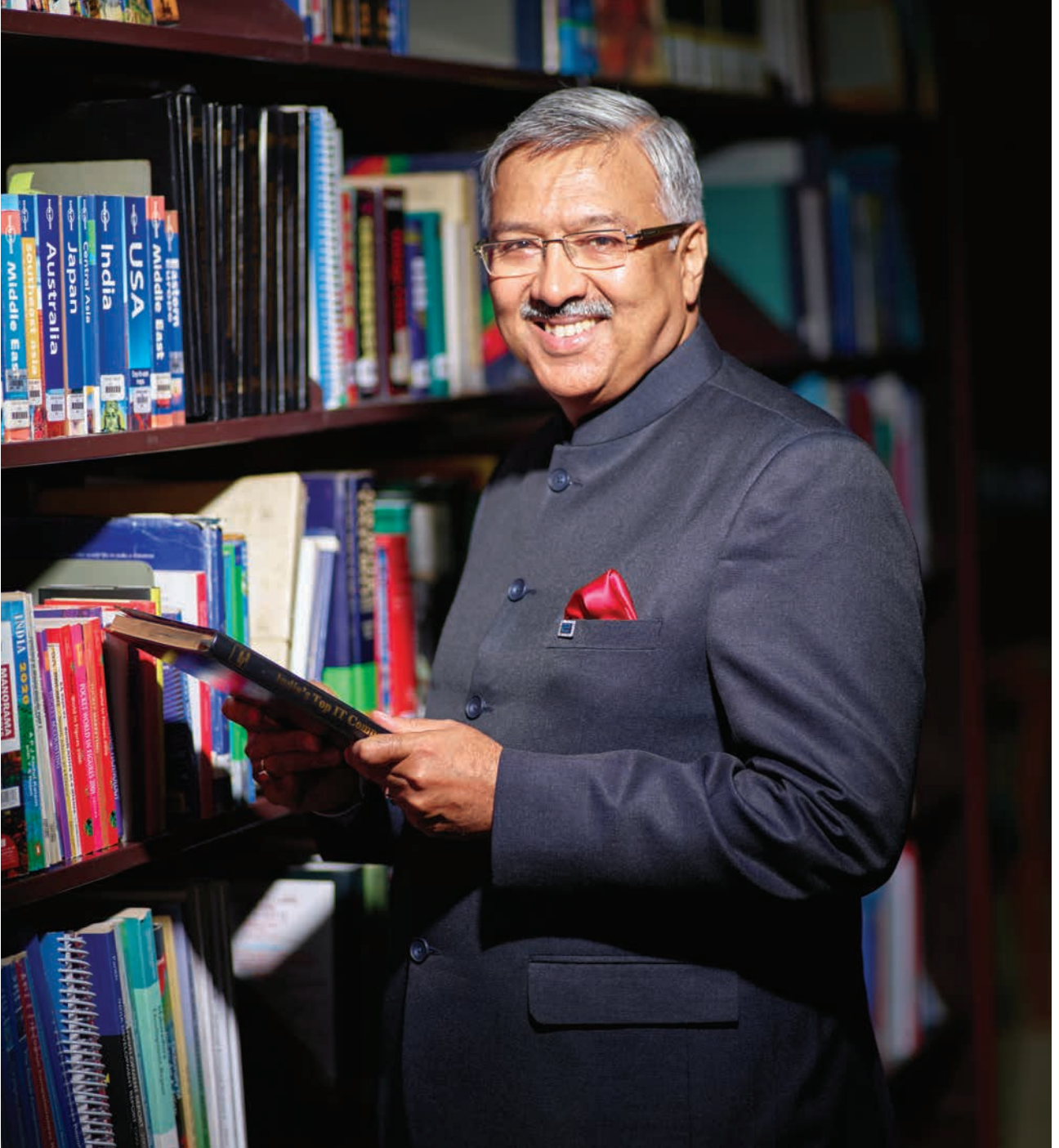


श्रीमती उषा अनन्तसुब्रह्मण्यन

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी
पंजाब नेशनल बैंक

(18 मई, 2016 तक की स्थिति)

अध्यक्ष का वक्तव्य



बीता वर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए चुनौतीपूर्ण रहा, जो अन्य बातों के साथ, अनियमित विकास और विश्व व्यापार में आई गिरावट में परिलक्षित हुआ। हालांकि, विकसित देशों और उभरते बाजारों में इस हलचल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रही और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक रही। यह साल भारत के बैंकिंग क्षेत्र के लिए भी सामान्य नहीं था। वैश्विक मंदी की पृष्ठभूमि में बढ़ते गैर-निष्पादक ऋणों के चलते बैंकों को मंद

औद्योगिक विकास और कंपनियों के तेजी से गिरते परिणामों के साथ दो-चार होना पड़ा। हालांकि कॉर्पोरेट क्षेत्र में दबाव कुछ कम होने के संकेत मिले हैं, लेकिन मांग में कमी और कमजोर ऋण सेवा क्षमता का जोखिम बना हुआ है। यद्यपि एक्जिम बैंक परिचालन परिणामों के मामले में बीते साल की अनियमितताओं के बावजूद सुदृढ़ रहा, लेकिन इस साल बैंक के निवल लाभ में कमी दर्ज हुई है। भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय क्षेत्र में सुधार के लिए कुछ उपाय शुरू किए हैं और

कॉर्पोरेट क्षेत्र में मजबूत सुधारों से जल्द स्थिरता आने की उम्मीद है।

एक्जिम बैंक 'ब्रैंड इंडिया' के संवर्द्धन और भारतीय कंपनियों के वैश्वीकरण प्रयासों में मदद के लिए उत्साहपूर्वक अपने मिशन में लगा हुआ है। बैंक को बीते दो वर्षों से भारत सरकार की ओर से पूँजी के रूप में नियमित सहयोग मिल रहा है। विशेष रूप से रणनीतिक परियोजना निर्यात को लेकर एक्जिम बैंक से बढ़ती उम्मीदों और भूमिका को देखते हुए हमें आगे भी यह सहयोग मिलते रहने की उम्मीद है। एक्जिम बैंक का जोखिम आस्ति अनुपात अच्छे स्तर पर है और रेटिंग संप्रभु रेटिंग के समतुल्य है।

व्यवसाय पहलें

बैंक का तुलन-पत्र अब एक ट्रिलियन रुपए की सीमा को पार कर गया है। विकासशील विश्व में बिजली, सड़क, स्वास्थ्य और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण ढांचागत परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए 63 देशों को ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की गई हैं। भारतीय परियोजना निर्यातकों ने राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाता (एन ई आई ए) के अंतर्गत एक्जिम बैंक के क्रेता ऋण की मदद से विदेशों में अपनी मौजूदगी बढ़ाई है। एन ई आई ए के अंतर्गत सकारात्मक सूची में देशों की संख्या इस साल 53 से बढ़ाकर 78 कर दी गई है यानी निर्यात की संभावनाएं और बढ़ गई हैं। भविष्य में ऐसे ही सहयोग प्रदान करने के लिए बैंक के पास परियोजनाएं तैयार हैं, और संविदाएं निगोसिएशन के विभिन्न चरणों में हैं।

इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने विदेशों में रणनीतिक महत्व की परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए एक अन्य योजना का शुभारंभ किया, जिसके अंतर्गत एक्जिम बैंक ऐसी परियोजनाओं को रियायती दर पर वित्तपोषण प्रदान कर सकता है। इस योजना के अंतर्गत पहला ऋण बांग्लादेश में 'मैत्री सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट' के लिए मंजूर किया गया है। यह गर्व और संतोष का विषय है कि ढांचागत विकास के क्षेत्र में भारतीय कंपनियां विदेशों में बड़े मूल्य की परियोजनाओं की संविदाएं हासिल कर रही हैं।

भारत सरकार द्वारा स्थापित और एक्जिम बैंक द्वारा प्रबंधित विशेष 'निर्यात विकास निधि' के परिचालन के लिए भी कदम उठाए गए हैं। इस निधि के अंतर्गत भारत से ईरान को माल एवं सेवाओं के निर्यात के लिए ₹ 30 बिलियन का क्रेता ऋण प्रदान करने हेतु सात ईरानी बैंकों के साथ एक विस्तृत रूपरेखा करार (अंब्रेला फ्रेमवर्क एग्रीमेंट) किया गया है। करार के अनुसार इस सुविधा का इस्तेमाल ईरान में चाबहार बंदरगाह

के विकास और भारत से स्टील रेल के आयात के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा।

एक्जिम बैंक अपने निधिक और गैर-निधिक सहयोग और सलाहकारी सेवाओं के जरिए भारतीय परियोजना कौशल का दुनियाभर में विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंक नई निर्यात उन्मुख इकाइयों की स्थापना, उनके विस्तार, उनके आधुनिकीकरण, उपकरणों की खरीद और शोध एवं विकास के लिए निधिक सहयोग प्रदान करता है। निर्यात क्षमता सृजन और विदेशी निवेश वित्त जैसे हमारे ऋण कार्यक्रमों ने बीते दशकों में सफलता के नए प्रतिमान गढ़े हैं। भारतीय कंपनियों ने ऑस्ट्रेलिया से लेकर रोमानिया और एंटिगा तक इंजीनियरी माल, कागज उत्पाद, तेल एवं गैस, रसायन, सॉफ्टवेयर और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में अपने विदेशी निवेश के लिए एक्जिम बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त की है। एक्जिम बैंक को उन भारतीय कंपनियों पर गर्व है, जिन्होंने बैंक की भागीदारी से नई उंचाइयां हासिल की हैं।

इसके साथ ही एक्जिम बैंक ग्रामीण भारत के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भी भली-भांति समझता है। हमारा प्रयास है कि देश की इस विकास यात्रा में ग्रामीण भारत भी साथ-साथ चले। बैंक देश के ग्रामीण इलाकों में स्थित उद्यमों के वैश्वीकरण में सहयोग करता है। पिछले एक दशक से अधिक समय से बैंक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के उत्पादों की विदेशी बाजारों में मार्केटिंग के जरिए उनका सहयोग करता आ रहा है। इस दिशा में हमारे प्रयासों से सकारात्मक परिणाम मिले हैं और मणिपुर ब्लैक पॉटरी, चेन्नापटना लकड़ी के उत्पाद, कोल्हापुरी फुटवेयर, जनजातीय कला, हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों के अलावा अन्य उत्पादों ने विभिन्न बाजारों में अपनी पहुँच बना ली है। ऐसे उत्पादों को परंपरागत बाजारों में पहुँचाने के अलावा बैंक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के उत्पादों को दुनियाभर में पहुँचाने के लिए ई-कॉमर्स वेबसाइटों के भी संपर्क में है। भारतीय विनिर्माताओं और ग्रामीण उद्यमियों के लिए निर्यात ऑर्डर हासिल करने में बैंक की सफलता असीम संतोष प्रदान करती है और हमारी संवर्द्धक की भूमिका को आगे बढ़ाती है।

बैंक ने उत्पाद विकास और डिजाइन संबंधी विषयों पर भी ध्यान दिया है। शहरों के साथ-साथ बैंक ने देश के सुदूर कस्बों-गांवों में पहुँचकर विभिन्न विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की हैं। बैंक ने ग्रामीण शिल्पियों को विभिन्न मेलों और प्रदर्शनियों में अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने और बेचने के लिए एक मंच प्रदान किया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक पहुँचने में सहयोग किया है।

संसाधनों की बात करें तो एक्जिम बैंक ने अंतरराष्ट्रीय ऋण और पूँजी बाजार में अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखी है। 2016 में भारत से बाहर पहले डॉलर मूल्यित बॉन्ड एक्जिम बैंक द्वारा ही जारी किए गए। बैंक ने सी एन एच बॉन्ड जारी कर नए मुद्रा बाजार में भी अपनी मौजूदगी बढ़ाई है।

शोध एवं विश्लेषण

शोध एवं विश्लेषण एक्जिम बैंक के लिए हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है। भौगोलिक क्षेत्रों, व्यावसायिक क्षेत्रों और व्यापार नीति पर बैंक के शोध कार्यों को सरकार और देश के अकादमिक संस्थानों में विशिष्ट प्रतिष्ठा प्राप्त है। इस साल प्रकाशित हमारे शोध कार्यों में कंबोडिया, लाओ पी डी आर, म्यांमार, वियतनाम (यानी सी एल एम वी), चीन, ईरान, पाकिस्तान, रूस, तुर्की, दक्षिण अफ्रीका, पश्चिम अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में व्यापार की संभावनाओं को रेखांकित किया गया। वहीं, व्यावसायिक क्षेत्रों में रक्षा उपकरण, चमड़ा, जैविक उत्पाद और स्टील उद्योगों पर शोध किए गए। समसामयिक विषयों की बात करें तो बैंक ने 'अंतरराष्ट्रीय सौर सहयोग: संभावनाओं का विकास' शीर्षक से एक शोध प्रकाशित किया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय सौर सहयोग के सदस्य देशों में बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए चुनौतियों और रणनीति को रेखांकित किया गया है। बैंक अपने शोध एवं विश्लेषण कार्यों को परंपरागत और आधुनिक दोनों तरह के प्रासंगिक विषयों में विस्तारित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संस्थागत संबद्धताएं

एक परामर्शदाता के रूप में बैंक का सराहनीय ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। बैंक की इस भूमिका के संदर्भ में बैंक को विकासशील देशों में परामर्श संबंधी कार्य प्राप्त होते रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र (आई टी सी) जेनेवा से बैंक को रवांडा में व्यापार प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के लिए क्षेत्र में एक निर्यात ऋण और बीमा संस्था स्थापित करने का कार्य सौंपा गया। यह कार्य 'अफ्रीका परियोजना के लिए भारतीय व्यापार और निवेश को सहयोग' कार्यक्रम के तहत सौंपा गया था। राष्ट्रमंडल सचिवालय द्वारा एक्जिम बैंक को श्रीलंका निर्यात ऋण बीमा निगम (श्रीलंका एक्सपोर्ट क्रेडिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन) को सहयोग करने के लिए अधिकृत किया गया था। बैंक को इस असाइनमेंट पर अनुवर्ती कार्रवाई के हिस्से के रूप में बैंक द्वारा की गई सिफारिशों को कार्यान्वित करने में निगम को पुनः सहयोग करने संबंधी कार्य सौंपा गया।

एक्जिम बैंक ने दुनियाभर की संस्थाओं के साथ सहभागिता के जरिए अपने परंपरागत संबंधों को और मजबूत किया है। बहुपक्षीय संस्थाओं और भारतीय कंपनियों को एक मंच प्रदान

करने के उद्देश्य से एक्जिम बैंक ने विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक द्वारा निधिक परियोजनाओं में व्यवसाय के अवसरों पर शृंखलाबद्ध सेमिनार आयोजित कराए। इन सेमिनारों में भारतीय आपूर्तिकर्ता, संविदाकार और परामर्शदाताओं ने हिस्सा लिया और उन्हें बहुपक्षीय संस्थाओं के अधिकारियों से सीधे संवाद करने का अवसर मिला।

हालिया वर्षों में बैंक ने अफ्रीका महाद्वीप में अपनी पहुंच बढ़ाई है। अफ्रीकी विकास बैंक समूह की वार्षिक बैठक के अवसर पर एक्जिम बैंक द्वारा आयोजित 'अफ्रीका-इंडिया पार्टनरशिप डे' सबसे ज्यादा लोगों की हिस्सेदारी वाले कार्यक्रमों में से एक है। बीते साल नई दिल्ली में तीसरी 'इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट' भी हुई, जिसमें भारत में अफ्रीकी प्रतिनिधियों की अब तक की सबसे बड़ी मौजूदगी दर्ज की गई। समिट के दौरान घोषित की गई 10 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था भारत के लिए अफ्रीका के महत्व को प्रदर्शित करती है। इस अवसर पर एक्जिम बैंक ने फोकस अफ्रीका सेमिनार का भी आयोजन किया, जिसमें सरकार, प्रतिष्ठित संस्थाओं और कारोबारी जगत की प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। समिट के इतर एक्जिम बैंक द्वारा अफ्रीका में ढांचागत परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की भागीदारी को सुगम बनाने के लिए स्थापित की गई कुकुज़ा प्रोजेक्ट डेवलपमेंट कंपनी (के पी डी सी) की उद्घाटन बैठक भी आयोजित की गई। कुकुज़ा प्रोजेक्ट डेवलपमेंट कंपनी एक्जिम बैंक, अफ्रीकी विकास बैंक, इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फायनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और भारतीय स्टेट बैंक की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है।

एशियन एक्जिम बैंक फोरम की स्थापना 1996 में एक्जिम बैंक की पहल पर की गई थी। अपनी स्थापना के 20वें वर्ष में यह फोरम निर्यात ऋण एजेंसी परिचालन के विभिन्न पहलुओं पर सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करने और आर्थिक सहयोग के एक प्रभावी मंच के रूप में उभरा है।

भारत 2016 के लिए ब्रिक्स फोरम का अध्यक्ष है और एक्जिम बैंक ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था के अंतर्गत भारत से मनोनीत विकास बैंक है। बैंक ने ब्रिक्स सदस्य देशों द्वारा स्थापित किए गए 'न्यू डेवलपमेंट बैंक' के साथ काम करने की इच्छा प्रदर्शित करते हुए ब्रिक्स देशों के विकास बैंकों के साथ एक बहुपक्षीय सहयोग करार किया है।

निदेशक मंडल

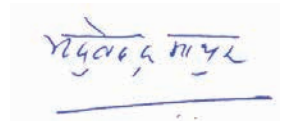
वर्ष के दौरान बैंक के निदेशक मंडल में परिवर्तन हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की वाणिज्य सचिव

सुश्री रीता तेवतिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री राजीव ऋषि, आई डी बी आई बैंक लिमिटेड के उप प्रबंध निदेशक श्री बी.के. बत्रा, आई डी बी आई बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सी ई ओ श्री किशोर खरात, वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग के संयुक्त सचिव श्री आलोक टंडन, पंजाब नेशनल बैंक की प्रबंध निदेशक और सी ई ओ श्रीमती उषा अनन्तसुब्रह्मण्यन, वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग के संयुक्त सचिव श्री पंकज जैन, विदेश मंत्रालय के सचिव (आर्थिक संबंध) श्री अमर सिन्हा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग के सचिव श्री रमेश अभिषेक को निदेशक मंडल में नियुक्त किया गया।

बैंक ऑफ इंडिया की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती वी. आर. अय्यर, आई डी बी आई बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री एम. एस. राघवन, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव श्री राजीव खेर, आई डी बी आई बैंक लिमिटेड के उप प्रबंध निदेशक श्री बी.के. बत्रा, वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग के

संयुक्त सचिव श्री आलोक टंडन, विदेश मंत्रालय की सचिव (आर्थिक संबंध) सुश्री सुजाता मेहता, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति और संवर्द्धन विभाग के सचिव श्री अमिताभ कांत ने अपना कार्यकाल पूरा होने या कार्यालय में परिवर्तन होने के फलस्वरूप अपने-अपने निदेशक पद से त्यागपत्र दे दिए हैं। निदेशकों के रूप में दिए गए उनके बहुमूल्य योगदान के लिए बैंक उनका आभार मानता है।

एक साल किसी भी संस्था की विकास यात्रा में बस एक मील का पत्थर होता है। अब अपने 35वें साल में प्रवेश कर रहे एक्जिम बैंक को एक तरफ विश्व व्यापार में आई गिरावट जैसी चुनौती से निपटना है, तो वहीं दूसरी तरफ भारत में दबावग्रस्त आस्तियों में हुई अप्रत्याशित वृद्धि से भी पार पाना है। बैंक ने बीते वर्षों में बदलते वैश्विक और घरेलू बाजारों से सामंजस्य स्थापित करते हुए अपनी भूमिका और कार्यों को तदनुसार समायोजित कर लगातार खुद को विकसित किया है। मुझे विश्वास है कि एक्जिम बैंक की टीम अपने समक्ष आने वाली इन नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है।



यदुवेन्द्र माथुर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

प्रबंधन



बैठे हुए, बाएं से दाएं: हर्षा बंगारी, दीपाली अग्रवाल, रीमा मार्फतिया, देबाशिस मल्लिक, गुरुदेन्द्र माथुर,
डेविड स्कीना, संगीता शर्मा, सुनीता सिंदवानी, मंजिरी भालेराव, दया चंद्रहास

खड़े, बाएं से दाएं: नदीम पंजेतन, प्रहलादन अय्यर, मुखल सस्कार, श्रीराम सुब्रमण्यम,
सुदत्त मंडल, डेविड सिनाटे, गौरव भंडारी, उत्पल गोखले, सैन्युअल जोसेफ



सी.पी. रविंद्रनाथ मेनन
(वर्तमान में न्यू डेवलपमेंट बैंक,
शांघाई में प्रतिनिधित्व पर)



आर्थिक परिवेश

वैश्विक अर्थव्यवस्था

वर्ष 2015 में वैश्विक विकास दर 2014¹ की 3.4 प्रतिशत से घटकर 3.1 प्रतिशत रह गई। यह आंकड़ा पण्य कीमतों में गिरावट, पूँजीगत प्रवाह में कमी और मंद वैश्विक व्यापार के बीच उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में लगातार गिरावट को प्रदर्शित करता है। उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में लगातार पांचवें वर्ष गिरावट दर्ज की गई है (2015 में यह 4 प्रतिशत थी, जबकि 2014 में 4.6 प्रतिशत)। वहीं, विकसित अर्थव्यवस्थाओं की विकास दर में हल्की वृद्धि दर्ज की गई है (2014 में 1.8 प्रतिशत की तुलना में 2015 में यह 1.9 प्रतिशत रही)।

विश्व व्यापार

वैश्विक पण्य व्यापार के 2014 में 3.2 प्रतिशत गिरावट की तुलना में 2015¹ में 2.4 प्रतिशत गिरने का अनुमान है। इसकी वजह चीन, ब्राजील और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से आयात मांग में कमी आने, तेल और अन्य प्रमुख पण्यों की गिरती कीमतों के साथ-साथ विनिमय दरों में अनिश्चितता रही है। प्राथमिक गैर-ईंधन पण्यों² के विश्व व्यापार मूल्य में (यूएस डॉलर में) वर्ष 2015 में 17.5 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जबकि इसी अवधि के दौरान तेल कीमतों में 47.2 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में निजी पूँजी प्रवाह

वर्ष 2015 में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में निवल निजी पूँजी प्रवाह घटकर 13 साल के सबसे निचले स्तर 240 बिलियन यूएस डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष 1 ट्रिलियन यूएस डॉलर था। अधिकांश गिरावट चीन से पूँजी निकासी के कारण आई, जहां 2010-14 के दौरान 387 बिलियन यूएस डॉलर की औसत वार्षिक पूँजी आवक के बाद आवक मात्र 110 बिलियन यूएस डॉलर तक रहने का अनुमान है।

उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के चालू खाते का शेष

उभरती अर्थव्यवस्थाओं के चालू खाते में वर्ष 2015 में घाटा दर्ज किया गया। इनका चालू खाता शेष 2014 में जीडीपी के 0.5 प्रतिशत अधिशेष से वर्ष 2015 में जीडीपी के 0.2 प्रतिशत घाटे में बदल गया। मध्य पूर्व क्षेत्र का चालू खाता अधिशेष भी घाटे में बदल गया, जिसका मुख्य कारण तेल राजस्व घटना है। जबकि, उप सहारीय अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्रों में चालू खाता घाटा और अधिक बढ़ गया।

उभरती अर्थव्यवस्थाओं का बाह्य ऋण

उभरती अर्थव्यवस्थाओं का बाह्य ऋण, माल और सेवाओं के निर्यात प्रतिशत के रूप में 2013 के 75.5 प्रतिशत की तुलना में 2014 में बढ़कर 78.4 प्रतिशत (उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार) हो गया। समग्रतः विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का ऋण भुगतान अनुपात 2013 के 8.4 प्रतिशत से बढ़कर 2014 में 8.9 प्रतिशत हो गया।

भारतीय अर्थव्यवस्था

भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान पिछले साल के 7.2 प्रतिशत की तुलना में 7.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक रही। विकास का आधार उच्चतर सार्वजनिक निवेश, अबाधित खपत और निम्न ब्याज दरों जैसे सकारात्मक कारक रहे। ध्यान देने योग्य बात यह है कि वैश्विक मांग में आई गिरावट से भारत के निर्यात में कमी आने और लगातार दो साल से सामान्य से कम मानसून के चलते उत्पादकता प्रभावित होने के बावजूद आर्थिक विकास की रफ्तार बढ़ी है।

कृषि

भारतीय कृषि क्षेत्र में वृद्धि तो दर्ज की गई किन्तु यह धीमी रही। पिछले साल सूखे के कारण दर्ज की गई 0.2 प्रतिशत की कृषि विकास दर वित्तीय वर्ष 2015-16 में बढ़कर 1.1 प्रतिशत हो गई। हालांकि वित्तीय वर्ष 2015-16 में खाद्यान्न उत्पादन में 0.5 प्रतिशत गिरावट आई² किन्तु यह पिछले साल की 4.9 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले काफी कम रही। इसी तरह, तिलहन उत्पादन में भी पिछले साल की 16 प्रतिशत की तुलना में अनुमानित 4.1 प्रतिशत की ही गिरावट दर्ज की गई। इस क्षेत्र में विकास में पशुचारा उत्पाद, वानिकी और मत्स्यपालन जैसे खंडों का प्रमुख योगदान रहा जिनमें वित्तीय वर्ष 2015-16 में 5.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। जीडीपी में कृषि और संबंधित क्षेत्रों का योगदान पिछले साल के 16.3 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में गिरकर 15.3 प्रतिशत रह गया।

उद्योग

औद्योगिक क्षेत्र में पिछले वर्ष के 5.9 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 7.3 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की गई। इस क्षेत्र में विकास का प्रमुख कारक विनिर्माण क्षेत्र रहा, जिसमें वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 9.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और जीडीपी में इसका योगदान 17.5 प्रतिशत रहा। इसके बाद खनन एवं उत्खनन, बिजली,

स्रोत: 1) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यूईओ), अप्रैल 2016
2) कृषि, सहयोग एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

गैस और जल आपूर्ति तथा निर्माण क्षेत्रों का स्थान रहा। वित्तीय वर्ष 2015-16 में औद्योगिक क्षेत्र का जीडीपी में योगदान 31.2 प्रतिशत के स्तर पर अपरिवर्तित रहा।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वृद्धि वित्तीय वर्ष 2014-15 की 2.8 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में 2.4 प्रतिशत रही। आईआईपी के क्षेत्रवार वर्गीकरण के अनुसार, विद्युत क्षेत्र में औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर पिछले वर्ष के 8.4 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में गिरकर 5.6 प्रतिशत रह गई। खनन क्षेत्र में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2014-15 की 1.4 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में बढ़कर 2.2 प्रतिशत हो गई। जबकि विनिर्माण क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2015-16 में वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2014-15 की 2.0 प्रतिशत के समान ही रही।

आईआईपी के उपयोग आधारित वर्गीकरण के अनुसार उपभोक्ता माल, आधारभूत माल और मध्यवर्ती माल की वृद्धि दर वित्तीय वर्ष 2015-16 में क्रमशः 3.5 प्रतिशत, 3.0 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत रही जबकि पूँजीगत माल में 2.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। विनिर्माण क्षेत्र में विकास के प्रमुख खंड फर्नीचर (44.3 प्रतिशत), मोटर गाड़ियां, ट्रेलर और सेमीट्रेलर (7.5 प्रतिशत), कपड़ा (6.7 प्रतिशत), कोक, रिफाइनडपेट्रोलीयमउत्पादऔरपरमाणुईंधन (6 प्रतिशत), रसायन एवं रासायनिक उत्पाद और रेडियो एवं टीवी तथा संचार उपकरण (3.8 प्रतिशत प्रत्येक), लकड़ी और लकड़ी उत्पाद तथा कॉर्क (3.2 प्रतिशत), कागज और कागज उत्पाद (3.1 प्रतिशत), टेक्सटाइल (2.6 प्रतिशत), मशीनरी और उपकरण (2.2 प्रतिशत), अन्य गैर-धात्विक उत्पाद (1.5 प्रतिशत) और मशीनरी तथा उपकरणों के अलावा फेब्रिकेटेड मेटल उत्पाद (1.4 प्रतिशत) रहे।

सेवाएं

हालांकि सेवा क्षेत्र में विकास दर वित्तीय वर्ष 2014-15 की 10.3 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में थोड़ी घटकर 9.2 प्रतिशत रही, फिर भी सेवा क्षेत्र का अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण योगदान बना हुआ है। सेवा क्षेत्र में गिरावट लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाओं की वृद्धि दर का 10.7 प्रतिशत से घटकर 6.9 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाना; वित्तीय, रियल एस्टेट और पेशेवर सेवाओं में विकास दर का 10.6 प्रतिशत से घटकर 10.3 प्रतिशत रह जाना और इस अवधि के दौरान व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण सेवाओं की विकास दर का 9.8 प्रतिशत से घटकर 9.5 प्रतिशत रह जाना प्रदर्शित करता है। देश के जीडीपी में सेवा क्षेत्र का योगदान वित्तीय वर्ष 2014-15 के 52.5 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2015-16 में 53.5 प्रतिशत रहा।

बुनियादी क्षेत्र

बुनियादी क्षेत्र के आठ प्रमुख खंडों यानी कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोलीयम रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली की विकास दर वित्तीय वर्ष 2014-15 की 4.5 प्रतिशत से वित्तीय वर्ष 2015-16 में घटकर 2.7 प्रतिशत रह गई। इस अवधि के दौरान प्राकृतिक गैस (-4.2 प्रतिशत), स्टील और कच्चा तेल (-1.4 प्रतिशत प्रत्येक) उद्योगों में गिरावट दर्ज की गई। उर्वरक उद्योग में पिछले साल की 0.1 प्रतिशत वृद्धि दर के मुकाबले इस साल 11.3 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ सुधार देखा गया। अन्य क्षेत्रों जैसे – बिजली, सीमेंट, कोयला और रिफाइनरी उत्पादों में क्रमशः 5.2 प्रतिशत, 4.7 प्रतिशत, 4.6 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई।

मुद्रास्फीति

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए संयुक्त उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित मुद्रास्फीति वित्तीय वर्ष 2014-15 के 6.0 प्रतिशत के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2015-16 में घटकर 4.9 प्रतिशत पर आ गई। सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति में आई गिरावट का प्रमुख कारण खाद्य और गैर-खाद्य सहित गैर-ईंधन श्रेणी में आने वाली चीजों की मुद्रास्फीति का कम होना रहा। गैर-खाद्य, गैर-ईंधन श्रेणी के निम्न रहने की मुख्य वजह आवास (किराया), परिवहन, संचार, शिक्षा और अन्य सेवाओं में कम महंगाई रही।

पण्य और उत्पादों की कीमतों में वैश्विक गिरावट के चलते थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में भी गिरावट दर्ज की गई। डब्ल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति नवंबर 2014 से ही ऋणात्मक स्तर पर बनी हुई है और वित्तीय वर्ष 2015-16 में यह वित्तीय वर्ष 2014-15 की (-) 2.0 प्रतिशत से घटकर (-) 2.5 प्रतिशत रही। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान मानसून के औसत से भी कम रहने तथा दालों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों के साल की दूसरी छमाही में उछाल के बावजूद डब्ल्यूपीआई आधारित खाद्य मुद्रास्फीति में भी गिरावट जारी रही और यह 3.2 प्रतिशत रही।

पूँजी बाजार

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान भारत में निवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवक पिछले साल के 32.6 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर 36.0 बिलियन यूएस डॉलर रही, जबकि निवल पोर्टफोलियो निवेश में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। यह पिछले साल के 40.9 बिलियन यूएस डॉलर से गिरकर वित्तीय वर्ष 2015-16 में (-) 3.6 बिलियन यूएस डॉलर रह गया।

विदेशी व्यापार और भुगतान संतुलन

भारत का पण्य निर्यात पिछले वर्ष के 310.3 बिलियन यूएस डॉलर की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 262.0 बिलियन यूएस डॉलर रहा, जो वैश्विक पण्य कीमतों के गिरने और मांग घटने के कारण वैश्विक व्यापार में आई गिरावट को प्रदर्शित करता है। भारत का आयात भी पिछले वर्ष के 448.0 बिलियन यूएस डॉलर की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 15.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 380.4 बिलियन यूएस डॉलर का रह गया।

पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात वित्तीय वर्ष 2015-16 में पिछले साल के मुकाबले 46.4 प्रतिशत गिरकर 30.4 बिलियन यूएस डॉलर का रहा। वहीं, गैर-तेल निर्यात में भी वित्तीय वर्ष 2015-16 में 8.7 प्रतिशत की समग्र गिरावट दर्ज की गई। भारत से निर्यात होने वाले ज्यादातर पण्यों में इस अवधि के दौरान ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 82.9 बिलियन यूएस डॉलर का तेल आयात किया गया, जो पिछले साल की तुलना में 40.1 प्रतिशत कम रहा। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान गैर तेल आयात 297.5 बिलियन यूएस डॉलर का रहा, जो पिछले साल की तुलना में 3.9 प्रतिशत कम रहा।

समग्र व्यापार घाटा वित्तीय वर्ष 2014-15 के 137.7 बिलियन यूएस डॉलर से घटकर वित्तीय वर्ष 2015-16 में 118.4 बिलियन यूएस डॉलर रह गया।

सेवाओं के निर्यात में वित्तीय वर्ष 2015-16 में 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो वित्तीय वर्ष 2014-15 के 158.1 बिलियन यूएस डॉलर के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2015-16 में गिरकर 154.3 बिलियन यूएस डॉलर का रह गया। सॉफ्टवेयर निर्यात में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान 73.1 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2015-16 में 74.2 बिलियन यूएस डॉलर का हो गया। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान भारत के सेवा आयात में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान 81.6 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर 84.6 बिलियन यूएस डॉलर का हो गया। समग्रतः वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए सेवा अधिशेष वित्तीय वर्ष 2014-15 के 76.5 बिलियन यूएस डॉलर के मुकाबले गिरकर 69.7 बिलियन यूएस डॉलर रहा।

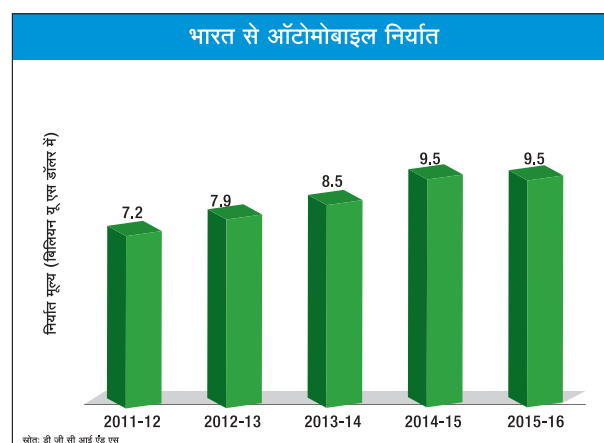
इसी अवधि के दौरान पूँजीगत और वित्तीय खाते के अंतर्गत भी निवल आवक 27.8 बिलियन यूएस डॉलर से घटकर 23.2 बिलियन यूएस डॉलर रह गई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मार्च 2015 के अंत के 341.6 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर मार्च 2016 के अंत तक 360.2 बिलियन यूएस डॉलर हो गया। भारत का बाह्य ऋण मार्च 2015 के अंत के 475.0 बिलियन यूएस डॉलर से मार्च 2016 के अंत तक बढ़कर 485.6 बिलियन यूएस डॉलर हो गया, जो मुख्यतः दीर्घावधि ऋण में वृद्धि दर्शाता है।

युनिदा क्षेत्रों का प्रदर्शन

ऑटोमोटिव क्षेत्र

ऑटोमोबाइल क्षेत्र में वर्ष-दर-वर्ष 2.6 प्रतिशत की उत्पादन वृद्धि दर से वित्तीय वर्ष 2015-16 में सुधार जारी रहा। ऑटोमोबाइल के सभी खंडों में बिक्री में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई। वहीं दूसरी तरफ, इस उद्योग का निर्यात निष्पादन निराशाजनक रहा। समग्र ऑटोमोबाइल निर्यात में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 0.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि पिछले साल इस क्षेत्र में 12.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई थी। भारतीय बाजार में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की बढ़ती

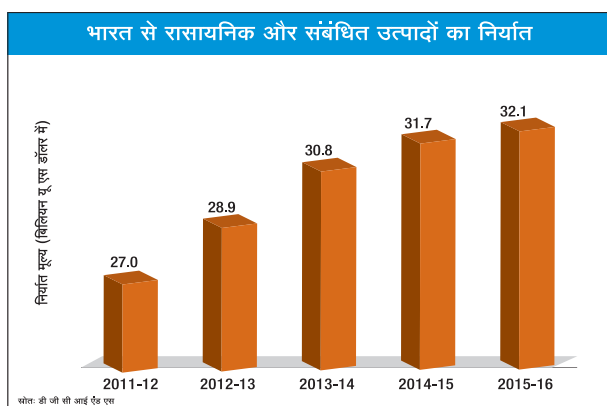


संख्या इस बात का प्रमाण है कि घरेलू बाजार में अच्छी संभाव्यता के साथ-साथ विदेशी बाजारों के लिए विनिर्माण हब बनने की क्षमताएं भी देश में हैं। भारतीय ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन के हालिया आकलन के अनुसार ऑटो पुर्जा उद्योग 4.6 प्रतिशत की सीएजीआर से वृद्धि दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2009-10 के 30.8 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2014-15 में 38.5 बिलियन यूएस डॉलर का हो गया है। इसके अतिरिक्त, उद्योग का निर्यात 21.7 प्रतिशत की जबरदस्त सीएजीआर दर्ज करते हुए वित्तीय वर्ष 2009-10 के 4.2 बिलियन यूएस डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2014-15 तक 11.2 बिलियन यूएस डॉलर का हो गया। भारत से अधिकांश ऑटो पुर्जे यूरोप (वित्तीय वर्ष 2014-15 में कुल पुर्जों का 36.4 प्रतिशत निर्यात) को निर्यात किए जाते हैं। इसके बाद एशिया (25.3 प्रतिशत) और उत्तर अमेरिका (23.2 प्रतिशत) का स्थान है। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग

में अप्रैल 2000 से मार्च 2016 के दौरान संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 15.1 बिलियन यूएस डॉलर रहा।

रसायन

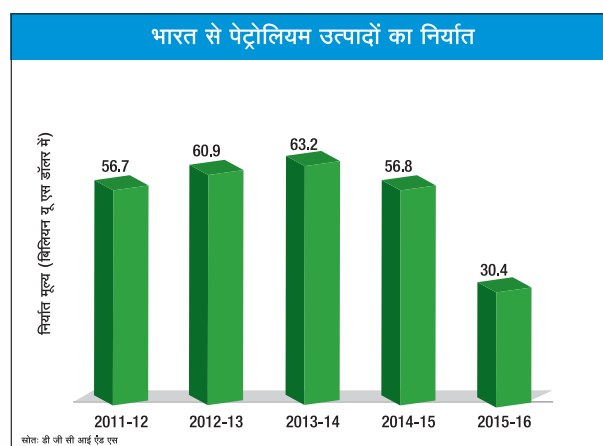
भारत के राष्ट्रीय आर्थिक विकास में रसायन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रसायनों और रासायनिक उत्पादों के लिए औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 3.8 प्रतिशत की दर से बढ़े। हालाँकि वित्तीय वर्ष 2014-15 की तुलना में इसमें (-) 0.3 प्रतिशत की



मामूली सी गिरावट आई है। निर्यात की बात करें तो रसायनों और रासायनिक उत्पादों के लिए आईआईपी वृद्धि दर इस अवधि के दौरान समग्र आईआईपी में 2.4 प्रतिशत की वृद्धि से ज्यादा रही। रसायन और संबंधित उत्पादों का निर्यात वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 1.3 प्रतिशत की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज करते हुए 32.1 बिलियन यूएस डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि के दौरान रसायन और रासायनिक उत्पादों का समग्र निर्यात में 12.3 प्रतिशत हिस्सा रहा, जो वित्तीय वर्ष 2014-15 में हुए निर्यात से दो प्रतिशत बिंदु ज्यादा है। भारतीय रसायन उद्योग (उर्वरक के अलावा) अप्रैल 2000 से मार्च 2016 तक 11.9 बिलियन यूएस डॉलर का संचयी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त करने वाले शीर्ष 10 क्षेत्रों में शुमार रहा, जिसका भारत के कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवक (288.6 बिलियन यूएस डॉलर) में 4.1 प्रतिशत योगदान है।

पेट्रोलियम उत्पाद

भारत सरकार ने 1990 की समाप्ति के बाद से ऊर्जा कंपनियों को रिफायनरियों में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस निवेश की मदद से देश कूड ऑयल का आयातक होने के बावजूद 2001 में पेट्रोलियम उत्पादों का निवल निर्यातक बन गया। पेट्रोलियम आयोजना तथा विश्लेषण कक्ष द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार रिफायनरियों और फ्रैक्शनेटर्स से पेट्रोलियम पदार्थों का उत्पादन गत वित्तीय वर्ष के 220.7 मिलियन मिट्रिक टन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान बढ़कर 231.3 मिलियन



मिट्रिक टन (एमएमटी) हो गया। हालांकि हाल के वर्षों में वैश्विक अर्थव्यवस्था सुस्त रहने से निर्यात प्रभावित हुआ है, लेकिन इसके बावजूद भारत में पेट्रोलियम रिफाइनरी क्षेत्र में हुए क्षमता विस्तार से पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में वित्तीय वर्ष 2005-06 से वृद्धि होती रही है।

गिरती कीमतों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चुनौतीपूर्ण दौर में पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान (-) 46.4 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई और निर्यात पिछले साल के 56.8 बिलियन यूएस डॉलर से गिरकर 30.4 बिलियन यूएस डॉलर का रह गया। यद्यपि कुल निर्यात में पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात का हिस्सा वित्तीय वर्ष 2009-10 के 15.7 प्रतिशत से लगातार बढ़ते हुए वित्तीय वर्ष 2013-14 में 20.1 प्रतिशत तक पहुंच गया था। तथापि, वित्तीय वर्ष 2014-15 में पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात गिरकर 18.3 प्रतिशत तथा वित्तीय वर्ष 2015-16 में और गिरकर 11.6 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया। अप्रैल 2000 से मार्च 2016 तक की अवधि के दौरान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में 6.7 बिलियन यूएस डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश हुआ।

वस्त्र एवं परिधान

वस्त्र एवं परिधान उद्योग औद्योगिक उत्पादन, रोजगार तथा निर्यात में योगदान के जरिए भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उद्योग का देश के सकल घरेलू उत्पाद (जी डी पी) में लगभग 5 प्रतिशत योगदान है, जबकि समग्र औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) एवं देश के निर्यात दोनों में लगभग 14 प्रतिशत योगदान है। भारत वैश्विक वस्त्र एवं परिधान व्यापार में लगभग 5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ 2014 में (उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार) वस्त्र एवं परिधान निर्यात में दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक था। इसमें वस्त्र निर्यात का हिस्सा भारत के कुल टेक्सटाइल एवं परिधान निर्यात का 55% है। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान भारत से टेक्सटाइल तथा संबंधित उत्पादों का निर्यात

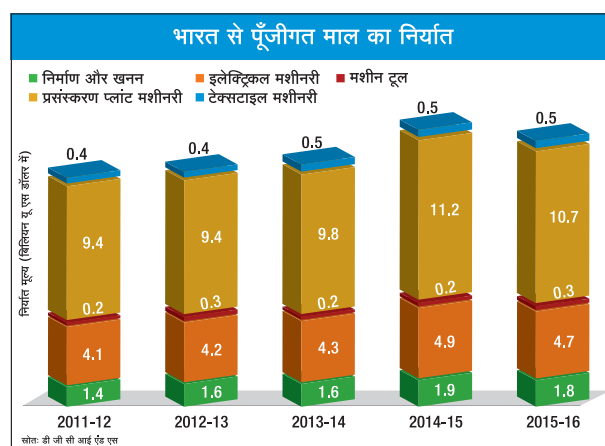
36.3 बिलियन यू एस डॉलर का रहा जिसमें वर्ष-दर-वर्ष आधार पर (-) 2.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसी अवधि के दौरान रेडिमेड कपड़ों के निर्यात में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 0.8 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल 2000 से मार्च 2016 के दौरान टेक्सटाइल क्षेत्र (डाई और प्रिंट सहित) को 1.9 बिलियन यू एस डॉलर का एफ डी आई प्राप्त हुआ है।

औषधियां (फार्मास्युटिकल्स)

भारतीय औषधि बाजार मात्रा की दृष्टि से वैश्विक स्तर पर तीसरा तथा मूल्य की दृष्टि से तेरहवां सबसे बड़ा बाजार है। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान फार्मास्युटिकल उत्पादों का निर्यात 11.4 प्रतिशत की वर्ष दर वर्ष वृद्धि दर्ज करते हुए 12.9 बिलियन यूएस डॉलर का रहा। भारत के कुल निर्यात में फार्मास्युटिकल्स का हिस्सा वित्तीय वर्ष 2014-15 के 3.7 प्रतिशत से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2015-16 में 4.9 प्रतिशत हो गया। भारत से फार्मास्युटिकल उत्पादों का निर्यात मुख्य रूप से अमेरिका (39.0 प्रतिशत), दक्षिण अफ्रीका (4.1 प्रतिशत), यूके (3.6 प्रतिशत), नाइजीरिया (3.0 प्रतिशत) और रूस (2.7 प्रतिशत) को रहा।

पूँजीगत माल

पूँजीगत माल उद्योग किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतिक आधार है। भारत में विनिर्मित प्रमुख पूँजीगत माल में भारी विद्युत मशीनरी, टेक्सटाइल मशीनरी, मशीन उपकरण,



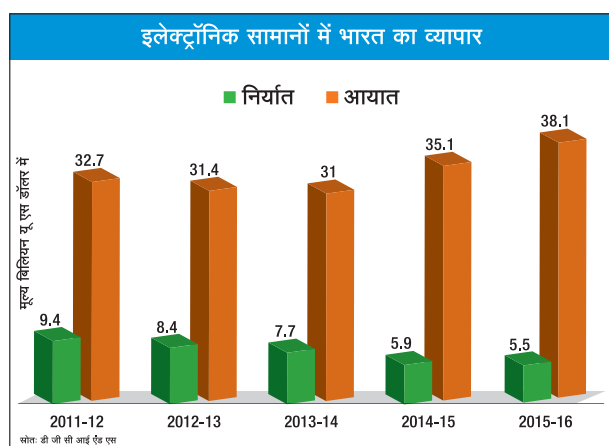
खुदाई तथा निर्माण उपकरण सहित खनन उपकरण, सड़क निर्माण उपकरण, छपाई मशीनें, डेयरी मशीनें, औद्योगिक रेफ्रिजरेशन तथा औद्योगिक ताप भट्टी उपकरण आदि शामिल हैं। वित्तीय वर्ष 2014-15 में सुधार के बाद वित्तीय वर्ष 2015-16 में पूँजीगत माल उद्योग में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर (-) 2.9 प्रतिशत की ऋणात्मक वृद्धि दर्ज की गई और निर्यात गत वर्ष की तुलना में (-) 4.0 प्रतिशत गिरकर 18.0 बिलियन यू एस डॉलर के स्तर पर आ गया। जबकि इसी अवधि के दौरान पूँजीगत मशीनरी का आयात वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 4.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 41.1 बिलियन यू एस डॉलर रहा।

इलेक्ट्रॉनिक सामान

वित्तीय वर्ष 2011-12 से वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान इलेक्ट्रॉनिक सामानों का आयात 3.9 की सी ए जी आर



माननीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने 30 जनवरी, 2016 को एक्जिम बैंक का दौरा किया।



से बढ़ा, जबकि इसी अवधि के दौरान भारत से इलेक्ट्रॉनिक सामानों के निर्यात में ऋणात्मक (-)12.4 सी ए जी आर दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान भारतीय इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात लगातार चार वर्षों से गिरावट दर्ज करते हुए 5.5 बिलियन यू.एस. डॉलर पर पहुंच गया। इसी अवधि के दौरान वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए भारतीय इलेक्ट्रॉनिक सामानों का आयात 38.1 बिलियन यू.एस. डॉलर मूल्य का रहा। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान भारतीय इलेक्ट्रॉनिक उद्योग क्षेत्र के प्रमुख निर्यात बाजारों में यू.एस.ए (16.8 प्रतिशत), यू.ए.ई (10.0 प्रतिशत), चीन (5.9 प्रतिशत), सिंगापुर (5.3 प्रतिशत) तथा यू.के (5.0 प्रतिशत) रहे। आयात के मामले में चीन 56.3 प्रतिशत हिस्से के साथ सबसे बड़ा स्रोत रहा जबकि इसके बाद दक्षिण कोरिया (6.5 प्रतिशत), सिंगापुर (5.3 प्रतिशत), यू.एस.ए (4.5 प्रतिशत), मलेशिया (4.2 प्रतिशत) तथा जर्मनी (2.7 प्रतिशत) का स्थान रहा।

खाद्य प्रसंस्करण

उत्पादन, वृद्धि, उपभोग तथा निर्यात की दृष्टि से खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारत के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है तथा इसे भारत सरकार द्वारा प्राथमिक क्षेत्र का दर्जा दिया गया है। भारतीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का देश के कुल खाद्य बाजार में 32 प्रतिशत तथा भारत के निर्यात में 13 प्रतिशत हिस्सा है। भारतीय खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में फल तथा सब्जियाँ, मसाले, मांस तथा पोल्ट्री, दूध तथा दूध उत्पाद, अल्कोहलिक तथा गैर-अल्कोहलिक पेय, फिशरी, वृक्षारोपण, अनाज प्रसंस्करण तथा अन्य उपभोक्ता उत्पाद समूहों जैसे कंफेक्शनरी, चॉकलेट तथा कोकोआ उत्पाद, सोया आधारित उत्पाद, मिनरल वॉटर तथा उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ शामिल हैं। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग वित्तीय वर्ष 2010-11 के 10.6 बिलियन यू.एस. डॉलर से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2015-16 में 18.0 बिलियन यू.एस. डॉलर का हो गया, जो 11.2 प्रतिशत की सी.ए.जी.आर. प्रदर्शित करता है।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान प्रमुख नीतिगत परिवर्तन

ऋण नीति

- रेपो दर को कई चरणों में घटाकर जून 2015 के 7.50 प्रतिशत से मार्च 2016 में 6.75 प्रतिशत कर दिया गया। रिवर्स रेपो दर भी तदनुसार 5.75 प्रतिशत पर समायोजित हो गई।
- सांविधिक तरलता अनुपात (एस.एल.आर.) मार्च 2016 में 21.5 प्रतिशत की दर पर अपरिवर्तित रहा।

व्यापार नीति

- सरकार ने अक्टूबर 2015 में 110 नई मदों को शामिल कर भारत से माल निर्यात योजना (मर्चेन्डाइज एक्सपोर्ट फ्रॉम इंडिया स्कीम) का विस्तार किया है। 2,228 मदों की प्रोत्साहन दर/कंट्री कवरेज बढ़ाई गई।
- विदेश व्यापार महानिदेशालय (डी.जी.एफ.टी.) ने आयातकों/निर्यातकों की सुविधा के लिए जून 2015 में डी.जी.एफ.टी. मोबाइल एप्लीकेशन चालू किया है। इससे विदेश व्यापार नीति एवं उससे संबंधित अन्य दस्तावेजों को आसानी से प्राप्त करने तथा विभिन्न प्राधिकारों की ट्रांसमिशन स्थिति की जांच करने एवं शिपिंग बिल आदि की स्थिति का पता लगाने में मदद मिलेगी।
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने तथा भारत के निर्यातों को बढ़ाने में राज्यों की सक्रिय सहभागिता के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के साथ निरंतर संपर्क हेतु जुलाई 2015 में एक व्यापार विकास एवं संवर्द्धन परिषद की स्थापना की गई।
- डी.जी.एफ.टी. ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड (आई.आई.एफ.टी.) के साथ मिलकर सितम्बर 2015 में निर्यात-आयात व्यवसाय में ऑनलाइन सर्टिफिकेट कार्यक्रम 'निर्यात बन्धु एट योर डेस्कटॉप' प्रारम्भ किया।

निवेश नीति

- रक्षा क्षेत्र में ऑटोमेटिक रुट के जरिए 49 प्रतिशत तक के समेकित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफ.डी.आई.) की अनुमति दी गई, जो पहले सरकार द्वारा अनुमोदन रुट के तहत था। 49 प्रतिशत से अधिक विदेशी निवेश के प्रस्ताव पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश संवर्द्धन बोर्ड (एफ.आई.पी.बी.) द्वारा विचार किया जाएगा।
- न्यूनतम भूमि क्षेत्र, न्यूनतम पूँजी तथा परियोजना से प्राप्त राशि के देश में रहने या देश से बाहर जाने संबंधी मानकों

में छूट प्रदान कर निर्माण क्षेत्र में एफ डी आई नीति को उदार बनाया गया।

- टाउनशिप, मॉल/शॉपिंग सेंटर तथा व्यवसाय केन्द्रों के परिचालन एवं रखरखाव के लिए पूरी तरह से तैयार परियोजनाओं में ऑटोमेटिक रूट के अंतर्गत 100 प्रतिशत एफ डी आई की मंजूरी दी गई।
- ऑटोमेटिक रूट के जरिए कॉफी/रबड़/इलायची/पॉम ऑयल तथा ऑलिव ऑयल प्लांटेशन पर 100 प्रतिशत तक एफ डी आई की अनुमति दी गई है।
- निजी क्षेत्र के बैंकों में 74 प्रतिशत तक समेकित एफ डी आई की अनुमति दी गई है।
- सीमा शुल्कबद्ध क्षेत्र के अंतर्गत स्थित ड्यूटी फ्री शॉप्स में ऑटोमेटिक रूट के तहत 100 प्रतिशत एफ डी आई की अनुमति प्रदान की गई।
- क्षेत्रीय वायु परिवहन सेवा (आर एस ओ पी) में ऑटोमेटिक

रूट के अंतर्गत 49 प्रतिशत तक के विदेशी निवेश की अनुमति दी गई।

- शत-प्रतिशत एफ डी आई वाले क्षेत्रों में कार्यरत लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एल एल पी) में ऑटोमेटिक रूट के अंतर्गत 100 प्रतिशत एफ डी आई की मंजूरी प्रदान की गई तथा एफ डी आई से जुड़ी निष्पादन शर्तों को हटा दिया गया।
- प्रसारण क्षेत्र, डी टी एच, टेलीपोर्ट, मोबाइल टी वी तथा केबल नेटवर्कों में 100 प्रतिशत एफ डी आई की अनुमति दी गई। इसमें 49 प्रतिशत ऑटोमेटिक रूट के अंतर्गत मंजूरी दी गई जबकि उससे अधिक के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश संवर्द्धन बोर्ड से अनुमति लेनी होगी।
- समाचार एवं समसामयिक खबरों से जुड़े टी वी चैनलों को छोड़कर अन्य चैनलों की अपलिकिंग के लिए ऑटोमेटिक रूट के अंतर्गत 100 प्रतिशत एफ डी आई की अनुमति दी गई।

वैश्विक अर्थव्यवस्था के संक्षिप्त आंकड़े

(% परिवर्तन)

| | 2011 | 2012 | 2013 | 2014 | 2015 (आ) | 2016 (अ) |
|---|------------|------------|------------|------------|------------|------------|
| I. वैश्विक विकास दर (वास्तविक जी डी पी) | 4.2 | 3.5 | 3.3 | 3.4 | 3.1 | 3.2 |
| (क) विकसित अर्थव्यवस्थाएं | 1.7 | 1.2 | 1.2 | 1.8 | 1.9 | 1.9 |
| अमेरिका | 1.6 | 2.2 | 1.5 | 2.4 | 2.4 | 2.4 |
| कनाडा | 3.1 | 1.7 | 2.2 | 2.5 | 1.2 | 1.5 |
| यूरो क्षेत्र | 1.6 | -0.9 | -0.3 | 0.9 | 1.6 | 1.5 |
| यू के | 2.0 | 1.2 | 2.2 | 2.9 | 2.2 | 1.9 |
| जापान | -0.5 | 1.7 | 1.4 | -0.03 | 0.5 | 0.5 |
| | | | | | | |
| (ख) उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं | 6.3 | 5.3 | 4.9 | 4.6 | 4.0 | 4.1 |
| उभरता एवं विकासशील एशिया | 7.8 | 6.9 | 6.9 | 6.8 | 6.6 | 6.4 |
| चीन | 9.5 | 7.7 | 7.7 | 7.3 | 6.9 | 6.5 |
| भारत | 6.6 | 5.6 | 6.6 | 7.2 | 7.3 | 7.5 |
| लैटिन अमेरिका और कैरीबियाई क्षेत्र | 4.9 | 3.2 | 3.0 | 1.3 | -0.1 | -0.5 |
| मध्य पूर्व और उत्तर अमेरिका | 4.6 | 5.1 | 2.1 | 2.6 | 2.3 | 2.9 |
| उपसहारीय अफ्रीका | 5.0 | 4.3 | 5.2 | 5.1 | 3.4 | 3.0 |
| सी आई एस देश | 4.8 | 3.5 | 2.1 | 1.1 | -2.8 | -1.1 |
| रूस | 4.3 | 3.5 | 1.3 | 0.7 | -3.7 | -1.8 |
| उभरता और विकासशील यूरोप | 5.4 | 1.2 | 2.8 | 2.8 | 3.5 | 3.5 |
| | | | | | | |
| II. विश्व पण्य व्यापार (मात्रात्मक वृद्धि दर) | 6.9 | 2.5 | 3.1 | 3.2 | 2.4 | 2.8 |
| वैश्विक पण्य निर्यात (यूएस बिलियन डॉलर में) | 17,913 | 18,049 | 18,486 | 18,591 | 16,266 | 15,739 |
| | | | | | | |
| III. विश्व व्यापार मूल्य (यूएस डॉलर, % परिवर्तन) | | | | | | |
| विनिर्माण | 6.4 | 0.5 | -1.0 | -0.7 | -4.0 | -2.7 |
| तेल | 31.6 | 1.0 | -0.9 | -7.5 | -47.2 | -31.6 |
| गैर ईंधन प्राथमिक पण्य | 18.0 | -10.0 | -1.4 | -4.0 | -17.5 | -9.4 |

नोट: आ=आकलन; अ=अनुमान

आई एम एफ, विश्व आर्थिक परिदृश्य (डब्ल्यू ई ओ) अप्रैल 2016

भारतीय अर्थव्यवस्था के संक्षिप्त आंकड़े

| संकेतक | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--|---------|---------|---------|---------|---------|---------------------|
| जी डी पी (वर्तमान मूल्य पर, बिलियन यू एस डॉलर) | 1708.5 | 1823.2 | 1828.9 | 1863.9 | 2041.9 | 2075.8 ¹ |
| वास्तविक जी डी पी वृद्धि (%) | 8.9 | 6.7 | 5.6** | 6.6** | 7.2** | 7.6** |
| जी डी पी में क्षेत्रीय हिस्सा (%) | | | | | | |
| कृषि एवं संबद्ध कार्यकलाप | 14.6 | 18.5 | 17.8** | 17.5** | 16.3** | 15.3** |
| उद्योग | 27.9 | 32.5 | 31.9** | 31.5** | 31.2** | 31.2** |
| सेवाएं | 57.5 | 49.0 | 50.3** | 51.0** | 52.5** | 53.5** |
| मुद्रास्फीति दर (डब्ल्यू पी आई, वार्षिक औसत %) | 9.6 | 8.9 | 7.4 | 6.0 | 2.0 | -2.5 |
| मुद्रास्फीति दर (सी पी आई, वार्षिक औसत %) | 10.4 | 8.3 | 10.2 | 9.5 | 6.0 | 4.9 |
| सकल राजकोषीय घाटा (जी डी पी का %) | 4.8 | 5.9 | 4.9 | 4.5 | 4.1 | 3.9 ² |
| विनिमय दर (₹/यू एस डॉलर वार्षिक औसत) | 45.6 | 47.9 | 54.4 | 60.5 | 61.1 | 65.5 |
| विनिमय दर (₹/यूरो वार्षिक औसत) | 60.2 | 65.9 | 70.1 | 81.2 | 77.5 | 72.3 |
| निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर) | 249.8 | 306.0 | 300.4 | 314.4 | 310.3 | 262.0 |
| % परिवर्तन | 39.8 | 22.5 | -1.8 | 4.7 | -1.3 | -15.6 |
| तेल निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर) | 36.4 | 56.7 | 60.9 | 63.2 | 56.7 | 30.4 |
| % परिवर्तन | 29.0 | 55.9 | 7.3 | 3.8 | -10.2 | -46.4 |
| गैर-तेल निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर) | 213.4 | 249.2 | 239.5 | 251.2 | 253.6 | 231.6 |
| % परिवर्तन | 41.8 | 16.8 | -3.9 | 4.9 | 0.9 | -8.7 |
| आयात (बिलियन यू एस डॉलर) | 369.8 | 489.3 | 490.7 | 450.2 | 448.0 | 380.4 |
| % परिवर्तन | 28.2 | 32.3 | 0.3 | -8.3 | -0.5 | -15.1 |
| तेल आयात (बिलियन यू एस डॉलर) | 106.0 | 155.0 | 164.0 | 164.8 | 138.3 | 82.9 |
| % परिवर्तन | 21.6 | 46.2 | 5.9 | 0.4 | -16.0 | -40.1 |
| गैर-तेल आयात (बिलियन यू एस डॉलर) | 263.8 | 334.3 | 326.7 | 285.4 | 309.7 | 297.5 |
| % परिवर्तन | 31.1 | 26.7 | -2.3 | -12.6 | 8.5 | -3.9 |
| व्यापार शेष (बिलियन यू एस डॉलर) | -120.0 | -183.3 | -190.3 | -135.8 | -137.7 | -118.4 |
| सेवाओं का निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)* | 124.6 | 140.9 | 145.7 | 151.8 | 158.1 | 154.3 |
| सॉफ्टवेयर निर्यात (बिलियन यू एस डॉलर)* | 53.1 | 62.2 | 65.9 | 69.4 | 73.1 | 74.2 |
| सेवाओं का आयात (बिलियन यू एस डॉलर)* | 80.6 | 76.9 | 80.8 | 78.7 | 81.6 | 84.6 |
| सेवा शेष (बिलियन यू एस डॉलर)* | 44.0 | 64.0 | 64.9 | 73.1 | 76.5 | 69.7 |
| चालू खाता शेष (बिलियन यू एस डॉलर)* | -47.9 | -78.2 | -87.8 | -32.4 | -26.8 | -22.1 |
| चालू खाता शेष-जी डी पी के प्रतिशत (%) में | -2.8 | -4.2 | -4.8 | -1.7 | -1.3 | -1.1 |
| विदेशी मुद्रा भंडार (बिलियन यू एस डॉलर) | 304.8 | 294.4 | 292.0 | 304.2 | 341.6 | 360.2 |
| बाह्य ऋण (बिलियन यू एस डॉलर) | 317.9 | 360.8 | 409.4 | 446.2 | 475.0 | 485.6 |
| बाह्य ऋण-जी डी पी अनुपात (%) में | 18.2 | 21.1 | 22.4 | 23.8 | 23.8 | 23.7 |
| अल्पावधि ऋण/कुल ऋण (%) | 20.4 | 21.7 | 23.6 | 20.5 | 18.0 | 17.2 |
| कुल ऋण सेवा अनुपात (%) | 4.4 | 6.0 | 5.9 | 5.9 | 7.6 | 8.8 |
| सकल विदेशी निवेश आवक (बिलियन यू एस डॉलर) | 36.0 | 46.6 | 34.3 | 36.0 | 45.1 | 55.4 |
| जीडीआर/एडीआर (बिलियन यू एस डॉलर) | 2.0 | 0.6 | 0.2 | 0.02 | 1.3 | 0.4 |
| एफआईआई (निवल) (बिलियन यू एस डॉलर) | 29.4 | 16.8 | 27.6 | 5.0 | 40.9 | -3.5 |
| एफडीआई जावक (बिलियन यू एस डॉलर) | 17.2 | 10.9 | 7.1 | 9.2 | 4.0 | 8.8 |

नोट: ¹ - भारत सरकार के पूर्वानुमान; ² - भारत सरकार के अनुमान; ³ - आईआईएफ अनुमान; * - 2009-10 के बाद के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिए गए हैं जो आई एम एफ द्वारा बीओपी आंकड़ों को रिपोर्ट करने संबंधी दिशा निर्देशों के अनुरूप नए मानक प्रारूप में हैं; ** - आंकड़े संशोधित आधार वर्ष 2011-12 के अनुसार।

स्रोत: आर्थिक सर्वेक्षण, विभिन्न मुद्रा; केन्द्रीय बजट; भारतीय रिजर्व बैंक मासिक बुलेटिन, वार्षिक रिपोर्ट एवं साप्ताहिक सांख्यिकीय अनुसूचक; वित्त मंत्रालय; सी एस ओ; वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय; अंतरराष्ट्रीय वित्त संस्थान (आई आई एफ)।



निदेशकों की रिपोर्ट



निदेशक मंडल की बैठक।

निदेशकों को 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा परीक्षित तुलना-पत्र तथा लेखों के साथ, इस बैंक द्वारा निष्पादित कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

परिचालनों तथा वित्तीय निष्पादन की समीक्षा

ऋण परिसंपत्तियाँ

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2014-15 की ₹ 576.84 बिलियन ऋण राशि के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान अपने विभिन्न ऋण कार्यक्रमों के अंतर्गत ₹ 725.76 बिलियन की ऋण राशि मंजूर की। वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 385.08 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान बैंक ने ₹ 518.22 बिलियन के ऋण का संवितरण किया। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान ऋण भुगतान वित्तीय वर्ष, 2014-15 के ₹ 294.47 बिलियन की तुलना में ₹ 398.17 बिलियन रहे। 31 मार्च, 2016 को कुल ऋण-आस्तियाँ ₹ 1,025.37 बिलियन की रहीं, जो गत वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की कुल ऋण आस्तियों में 34 प्रतिशत रुपया ऋण तथा शेष 66 प्रतिशत विदेशी मुद्रा ऋण के रूप में था। यथा 31 मार्च, 2016 को अल्पावधि ऋण कुल ऋणों तथा अग्रिमों के 18 प्रतिशत थे।

गैर-निधिक सुविधाएँ

बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 59.68 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान ₹ 26.94 बिलियन की गैर-निधिक ऋण सुविधाएं प्रदान की गईं। इनमें परियोजना गारंटियाँ, वित्तीय गारंटियाँ तथा साख पत्र शामिल थे। बैंक का कुल गैर-निधिक पोर्टफोलियो जिसमें गारंटियाँ, साख पत्र एवं आपाती साख पत्र शामिल रहे 31 मार्च, 2015 के ₹ 108.47 बिलियन से 7 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए 31 मार्च, 2016 को ₹ 115.55 बिलियन रहा। जारी गारंटियाँ जहां वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 42.25 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान ₹ 25.69 बिलियन की रहीं, वहीं साख पत्र वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 5.96 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के

दौरान ₹ 7.66 बिलियन के रहे। यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की बहियों में बकाया गारंटियाँ 31 मार्च, 2015 के ₹ 102.13 बिलियन की तुलना में ₹ 105.78 बिलियन रहीं तथा साख-पत्र यथा 31 मार्च, 2015 के ₹ 6.34 बिलियन की तुलना में यथा 31 मार्च, 2016 को ₹ 9.77 बिलियन के रहे।

आय/व्यय

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान सामान्य निधि लेखे में ₹ 4.53 बिलियन का कर पूर्व लाभ दर्ज किया है जबकि वित्तीय वर्ष 2014-15 में ₹ 11.35 बिलियन का लाभ दर्ज किया गया था। ₹ 1.38 बिलियन का आयकर प्रदान करने के बाद वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कर पश्चात लाभ की राशि ₹ 3.16 बिलियन रही, जबकि वित्तीय वर्ष 2014-15 में यह ₹ 7.26 बिलियन थी। इस लाभ में कमी का मुख्य कारण आकस्मिक व्यय हेतु प्रावधानों में 121 प्रतिशत वृद्धि रहा, जो 31 मार्च 2015 के ₹ 939 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2016 को ₹ 2,077 करोड़ हो गया है। यह अतिरिक्त उच्च प्रावधान 31 मार्च, 2016 को समाप्त तिमाही के दौरान बढ़ी गैर-निष्पादक आस्तियों और भविष्य में संभावित चूक को रोकने तथा दबावग्रस्त आस्तियों के लिए किया गया है। इस लाभ में से ₹ 0.53 बिलियन की राशि आरक्षित निधि में अंतरित की गई है। इसके अतिरिक्त बैंक ने ऋण शोधन निधि में



एक्जिम बैंक ने अपनी मार्केटिंग सलाहकारी सेवाओं के जरिए निर्यातकों को निर्यात बढ़ाने में सहयोग के लिए आंध्र प्रदेश सरकार के साथ एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।



एक्जिम बैंक ने हस्तशिल्प उत्पादों की आसान और पारदर्शी बिक्री के लिए भारत के पहले सोशल मार्केटप्लेस गोकूप सॉल्यूशंस एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

₹ 0.15 बिलियन अंतरित किए हैं और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 36 (1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित निधि में ₹ 2.17 बिलियन अंतरित किए हैं। शेष ₹ 0.32 बिलियन की राशि भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 के अनुसार भारत सरकार को अंतरित की जाएगी।

ऋणों पर ब्याज, विनिमय, कमीशन, दलाली और शुल्क आदि को मिलाकर कारोबारी आय वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 48.63 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में ₹ 55.65 बिलियन रही। निवेश आय, बैंक जमा राशियों आदि पर ब्याज आय वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 27.58 बिलियन की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में ₹ 32.16 बिलियन रही। वित्तीय वर्ष 2015-16 में ब्याज व्यय ₹ 60.78 बिलियन रहा जिसमें उधारियों के बढ़ने के कारण गत वर्ष की तुलना में ₹ 6.81 बिलियन की वृद्धि हुई। प्रशासनिक खर्च (आकस्मिकताओं के लिए प्रावधानों को छोड़कर) वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 2.38 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कुल व्यय का 2.52 प्रतिशत रहा।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान निर्यात विकास निधि का कर पूर्व लाभ वित्तीय वर्ष 2014-15 के ₹ 48.76 मिलियन की तुलना में ₹ 47.94 मिलियन रहा। ₹ 16.65 मिलियन का कर प्रावधान करने के बाद कर पश्चात लाभ ₹ 31.29 मिलियन रहा जबकि वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान यह ₹ 32.12 मिलियन था। ₹ 31.29 मिलियन का लाभ अगले वर्ष के लिए ले जाया गया है।

उधारियाँ

यथा 31 मार्च, 2016 को कुल उधार राशियाँ ₹ 933.17 बिलियन की रहीं जो 31 मार्च, 2015 के ₹ 787.11 की तुलना में 18.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

संसाधन

वर्ष के दौरान बैंक को भारत सरकार से ₹ 13 बिलियन की पूँजी प्राप्त हुई। यथा 31 मार्च, 2016 को ₹ 63.59 बिलियन की चुकता पूँजी तथा ₹ 51.27 बिलियन की आरक्षित निधियों सहित बैंक के कुल संसाधन ₹ 1,048.03 बिलियन रहे। एक्जिम बैंक के संसाधन आधार में बॉन्ड, जमा प्रमाण-पत्र, वाणिज्यिक पत्र, सावधि जमा राशियाँ, आवधिक ऋण और विदेशी मुद्रा जमा राशियाँ/उधार राशियाँ/दीर्घावधि स्वैप आदि शामिल हैं। वर्ष के दौरान बैंक ने विभिन्न परिपक्वता अवधि के कुल ₹ 369.65 बिलियन के संसाधन जुटाए। जिनमें ₹ 231.83 बिलियन के रुपया संसाधन तथा 2.08 बिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन थे। जुटाए गए विदेशी मुद्रा संसाधनों में ₹ 1.80 बिलियन यू एस डॉलर की समतुल्य राशियाँ बॉन्ड/द्विपक्षीय/क्लब/सामूहिक ऋणों के जरिए तथा 0.28 बिलियन यू एस डॉलर की समतुल्य राशियाँ क्रय-विक्रय स्वैप/ऑन-शोर जमा राशियों के जरिए जुटाई गईं। यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक के पास कुल विदेशी मुद्रा संसाधन राशियाँ 10.64 बिलियन यू एस डॉलर की थीं तथा बकाया रुपया उधार राशियाँ ₹ 470.13 बिलियन की रही। यथा 31 मार्च, 2016 को बाजार से जुटाई गई उधारियाँ बैंक की कुल उधार राशियों का 100 प्रतिशत तथा कुल संसाधनों का 89 प्रतिशत थीं।

विदेशी मुद्रा संसाधन

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान, बैंक ने 1.80 बिलियन यू एस डॉलर के समतुल्य विदेशी मुद्रा संसाधन जुटाए (वर्ष के दौरान जुटाए गए तथा पुनर्भुगतान किए गए को छोड़कर)। बैंक ने जनवरी 2016 में 5.5 वर्षों के लिए 500 मिलियन यू एस डॉलर के यूरो डॉलर बॉन्ड जारी किए। यह 2016 में भारत से बाहर डॉलर में जारी किया गया पहला बॉन्ड है। संव्यवहार न्यूनतम न्यू इश्यू प्रीमियम पर जारी किया गया जबकि अस्थायी बाजार दशाओं (वर्तमान भू-राजनैतिक स्थितियों, घटते कूड



एक्जिम बैंक और निर्यात-आयात बैंक मलेशिया बर्हद के बीच एक सहयोग करार किया गया। इसका उद्देश्य दोनों बैंकों के हितों वाली परियोजनाओं को सहयोग प्रदान करने के लिए वित्तपोषण, गारंटी और अन्य वित्तीय कार्यप्रणालियों में सहयोग बढ़ाना है।



एक्जिम बैंक ने आर्थिक शोध और द्विपक्षीय व्यापार को सुगम बनाने तथा निवेश में सहयोग बढ़ाने के लिए दुबई आर्थिक परिषद, दुबई सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ऑयल मूल्यों, अनिश्चित इक्विटी मार्केट और अत्यन्त अस्थिर बाजार स्थितियों में) में यह एक अत्यंत प्रतिस्पर्द्धी दर है, जबकि एशिया के कई प्रतिष्ठित बॉन्ड जारीकर्ताओं ने साल के प्रारम्भ में उच्च न्यू इश्यू प्रीमियम पर अपने रिपीट बॉन्ड जारी किए हैं। ये बॉन्ड इमर्जिंग मार्केट बॉन्ड इंडेक्स में शामिल हैं। बैंक ने अपनी लंदन शाखा द्वारा निजी स्थापना के जरिए अगस्त 2015 में दो चरणों में कुल 600 सी एन एच मिलियन के सी एन एच बॉन्ड जारी किए। इस संव्यवहार से बैंक ने विभिन्न मुद्राओं में अपने निवेशक आधार को व्यापक बनाया है तथा इस संव्यवहार के साइज व मूल्य में अंतरराष्ट्रीय ऋण बाजारों में अपना स्थान बना लिया है। यह निवेशक ताइवान की सबसे बड़ी बीमा कंपनियों में से एक है। बैंक ने नवम्बर 2015 में 164.50 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तथा 42.80 मिलियन यू एस डॉलर के उरिदाशी बॉन्ड (विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित और सीधे जापानी घरेलू निवेशकर्ताओं को बेचे गए) जारी किए। बैंक ने उरिदाशी बॉन्ड बाजारों में चौथी बार बॉन्ड जारी किया है तथा इससे बैंक का नाम नियमित बॉन्ड जारीकर्ता के रूप में जापानी बाजारों में शामिल हो गया है। फरवरी 2016 के दौरान बैंक ने 120 मिलियन यू एस डॉलर के निंजा ऋण के जरिए (विदेशी कंपनियों तथा संस्थाओं के लिए जापान में सिंडिकेटेड ऋण की व्यवस्था की गई) एकबार पुनः जापानी बाजार में प्रवेश किया है। बैंक ने अब तक विभिन्न विदेशी मुद्राओं जैसे ऑस्ट्रेलियाई डॉलर, यूरो, जापानी येन, मैक्सिकन पिसो, ऑफशोर रेनमिन्बी, सिंगापुर डॉलर, दक्षिण अफ्रीकी रैंड, स्विस् फ्रैंक, तुर्किश लीरा तथा यू एस डॉलर आदि में संसाधन जुटाए हैं।

अंतरराष्ट्रीय तथा घरेलू रेटिंग

बैंक को मूडीज ने बी ए ए 3 (सकारात्मक) रेटिंग, स्टैंडर्ड एंड पूअर्स ने बी बी बी- (स्थिर) तथा फिच ने

बीबीबी- (स्थिर) रेटिंग तथा जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जे सी आर ए) ने बी बी बी+ (स्थिर) रेटिंग प्रदान की है। उपरोक्त सभी रेटिंग निवेश ग्रेड या उससे ऊपर की हैं, जो भारत की संप्रभु रेटिंग के समतुल्य हैं। बैंक के घरेलू ऋण लिखतों को दीर्घावधि लिखत के लिए क्रिसिल तथा इकरा जैसी रेटिंग एजेंसियों से सर्वोच्च 'ए ए ए' तथा अल्पावधि लिखत के लिए क्रिसिल, इकरा एवं केयर एजेंसियों से ए 1+ रेटिंग प्रदान की गई है।

आस्ति गुणवत्ता

वित्तीय संस्थाओं के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक के विवेकपूर्ण मानदंडों के अनुसार उस ऋण/कर्ज सुविधा को गैर-निष्पादक आस्तियों (एन पी ए) के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसके संबंध में देय ब्याज और/या मूलधन 90 दिनों से अधिक समय से बकाया है। यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की सकल गैर-निष्पादक आस्तियाँ ₹ 42.75 बिलियन रहीं, जो बैंक के वित्तीय वर्ष 2014-15 में कुल ऋणों तथा अग्रिमों के 2.94 प्रतिशत की तुलना में वित्तीय वर्ष 2015-16 में 4.17 प्रतिशत है। यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की निवल गैर-निष्पादक आस्तियाँ



एक्जिम बैंक द्वारा कोत दि'वार को 24 मिलियन यूएस डॉलर की ऋण-व्यवस्था दी गई।

₹ 8.55 बिलियन (प्रावधान घटाकर) रहें जो इसके ऋण तथा अग्रिमों (प्रावधान घटाकर) का 0.86 प्रतिशत हैं। यथा 31 मार्च, 2016 को प्रावधान कवरेज अनुपात (पी सी आर) 80 प्रतिशत था।

आस्ति वर्गीकरण

‘अवमानक आस्तियाँ’ वे आस्तियाँ होती हैं जिनके ब्याज और/अथवा जिनके मूलधन की किस्तें 90 दिनों से अधिक अतिदेय होती हैं। जहाँ अवमानक आस्तियाँ 12 माह से अधिक अवधि तक गैर-निष्पादक संपत्ति के रूप में बनी रहती हैं, ऐसी आस्तियों को ‘संदिग्ध आस्तियों’ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ‘हानि आस्तियाँ’ वे होती हैं जो वसूली के योग्य नहीं समझी जाती। यथा 31 मार्च 2016 को 4.17 प्रतिशत की सकल गैर-निष्पादक आस्तियों में से अवमानक आस्तियाँ 2.76 प्रतिशत और संदिग्ध आस्तियाँ 1.41 प्रतिशत रहें। यथा 31 मार्च, 2016 को निवल गैर निष्पादक आस्तियां कुल ऋणों और अग्रिमों की 0.86 प्रतिशत रही; जो अवमानक आस्तियां हैं। संदिग्ध आस्तियों के लिए पूर्ण प्रावधान किया गया है। यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की कोई हानि आस्तियाँ नहीं थीं।

पूँजी पर्याप्तता

जोखिम आस्ति की तुलना में पूँजी का अनुपात (सी आर ए आर) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 9 प्रतिशत की तुलना में यथा 31 मार्च 2016 को 14.55 प्रतिशत रहा, जो यथा 31 मार्च, 2015 को 15.34 प्रतिशत था। यथा

31 मार्च, 2016 को ऋण-इक्विटी अनुपात 8.12:1 रहा जबकि यथा 31 मार्च, 2015 को यह 7.95:1 था।

ऋण (एक्सपोजर) मानदंड

भारतीय रिज़र्व बैंक ने अखिल भारतीय मियादी ऋणदात्री संस्थाओं के लिए 31 मार्च, 2002 से एकल उधारकर्ता के लिए वित्तीय संस्थाओं की पूँजी निधियों का 15 प्रतिशत और समूह उधारकर्ताओं के लिए 40 प्रतिशत की अधिकतम ऋण सीमा निर्धारित की है। बोर्ड के पूर्व अनुमोदन से विशेष मामलों में पाँच प्रतिशत तक अतिरिक्त ऋण सहायता (अर्थात् एकल उधारकर्ता के लिए वित्तीय संस्था की पूँजी निधियों के 20 प्रतिशत और उधारकर्ता समूह के लिए पूँजी निधियों के 45 प्रतिशत तक कुल ऋण सहायता) दी जा सकती है। वैयक्तिक उधारकर्ताओं तथा समूह उधारकर्ता के लिए अधिकतम ऋण सहायता सीमा को क्रमशः 20 प्रतिशत तथा 45 प्रतिशत अधिकतम सीमाओं के अतिरिक्त 5 प्रतिशत बिंदु (अर्थात् कुल पूँजी निधियों का 5 प्रतिशत) और 10 प्रतिशत बिंदु (अर्थात् कुल पूँजी निधियों का 10 प्रतिशत) तक और बढ़ाया जा सकता है बशर्ते कि अतिरिक्त ऋण सहायता बुनियादी क्षेत्र की परियोजनाओं के लिए हो। यथा 31 मार्च, 2016 को एकल तथा समूह उधारकर्ताओं को बैंक की वित्तीय सहायता भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नियत सीमा के भीतर थी। यथा 31 मार्च, 2016 को एक उधारकर्ता को एक्सपोजर मानदंड पूँजी निधि के 15 प्रतिशत से अधिक था जिसके लिए निदेशक मंडल/प्रबंध समिति से अनुमोदन प्राप्त



मॉरिशस सरकार को प्रदान की गई 46 मिलियन यू एस डॉलर की ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत हिंदुस्तान एअरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा निर्मित एच ए एल-डी ओ-228-202 (के) विमान की सुपुर्दगी।



नई दिल्ली में सी आई आई द्वारा आयोजित इंडिया-लैटिन अमेरिका एंड कैरिबियन कॉन्क्लेव के दौरान एक्जिम बैंक के प्रकाशन 'एल ए सी देशों के साथ भारत के व्यापार को बढ़ावा: चुनिंदा देशों पर फोकस' जारी किया गया।

किया गया। यथा 31 मार्च, 2016 को इस उधारकर्ता को एक्सपोजर बैंक की पूँजी निधि का 19.61 प्रतिशत था।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय संस्थाओं को यह भी सूचित किया है कि वे विशिष्ट उद्योग क्षेत्रों को ऋण सहायता के लिए अपनी आंतरिक सीमाएं अपनाएं ताकि विभिन्न क्षेत्रों को

ऋण का समान रूप से वितरण हो। बैंक ने प्रत्येक उद्योग क्षेत्र के लिए अधिकतम ऋण सहायता सीमा बैंक के कुल ऋण पोर्टफोलियो की 15 प्रतिशत निर्धारित की है। यथा 31 मार्च, 2016 को किसी भी एकल उद्योग को बैंक की कुल ऋण सहायता 15 प्रतिशत से अधिक नहीं थी।



व्यवसाय परिचालन

एक्ज़िम बैंक निर्यातों के वित्तपोषक
के रूप में

परियोजना, उत्पाद एवं सेवा निर्यात

बैंक विभिन्न प्रकार की निर्यात ऋण सुविधाएँ जैसे परियोजना निर्यात वित्त तथा सलाहकारी सेवाएँ, पूँजी उपकरण वित्त, निर्यात परियोजना नकदी प्रवाह घाटा वित्तपोषण तथा गारंटियाँ आदि प्रदान करता है। बैंक भारतीय परियोजना निर्यातकों को निधिक सहायता तथा परियोजना संबंधी गारंटी सुविधाओं सहित व्यापक वित्तपोषण सुविधाएँ प्रदान करता है।

निर्यात संविदाएं

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान 50 भारतीय निर्यातकों द्वारा 39 देशों में कुल ₹ 225.51 बिलियन की 95 संविदाएं प्राप्त की गईं जो वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान 56 भारतीय निर्यातकों द्वारा 40 देशों में कुल ₹ 497.81 बिलियन की 105 संविदाओं की तुलना में हैं। वर्ष के दौरान प्राप्त संविदाओं में ₹ 114.12 बिलियन मूल्य की 55 टर्नकी संविदाएं, ₹ 97.87 बिलियन मूल्य की 18 निर्माण संविदाएं, ₹ 12.37 बिलियन मूल्य की 10 आपूर्ति संविदाएं तथा ₹ 1.15 बिलियन मूल्य की 12 तकनीकी परामर्शी तथा सेवा संविदाएं शामिल थीं।

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के दौरान भारतीय कंपनियों द्वारा प्राप्त की गई परियोजना निर्यात संविदाओं में गत वर्ष की तुलना में प्रत्यक्ष रूप से गिरावट दर्ज की गई है, जो वास्तव में डाटा गैप को प्रदर्शित करती है। कार्यकारी समूह व्यवस्था के अंतर्गत बैंक को 100 मिलियन यू.एस. डॉलर से अधिक की सभी परियोजना निर्यात संविदाओं पर पोस्ट अवार्ड अनुमोदन प्रदान करना अनिवार्य होता था, इसलिए



एक्जिम बैंक ने वॉकहार्ट लिमिटेड, मुंबई को कंपनी की शोध एवं विकास गतिविधियों और पूँजीगत व्यय के लिए सहयोग प्रदान किया।

बैंक केन्द्रीय एजेंसी के रूप में भारतीय कंपनियों द्वारा ली गई परियोजना निर्यात संविदाओं के संबंध में आंकड़े संग्रह करने का कार्य भी करता था। किन्तु, जुलाई 2014 में भारतीय रिजर्व बैंक ने कार्यकारी समूह व्यवस्था को खत्म करने का निर्णय लिया। भारतीय रिजर्व बैंक ने अब यह घोषणा की है कि एक्जिम बैंक/वाणिज्यिक बैंक बिना किसी मौद्रिक सीमा तथा अनुमति के पोस्ट अवार्ड अनुमोदन पर विचार कर सकते हैं तथा बाद में पोस्ट अवार्ड अनुमोदन के नियम एवं शर्तों में संबंधित विदेशी मुद्रा विनियम प्रबंधन अधिनियम के दिशानिर्देशों/विनियमों के तहत परिवर्तन कर सकते हैं। इन परिवर्तनों के परिप्रेक्ष्य में, बैंक को अब परियोजना निर्यातों से संबंधित व्यापक डाटा प्राप्त नहीं होता है। इसलिए चालू वर्ष के आंकड़े केवल उन्हीं परियोजना निर्यात संविदाओं से संबंधित



तंजानिया सरकार को 178.125 मिलियन यू.एस. डॉलर की ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत तंजानिया में अपर रूब वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के विस्तार के लिए वी.ए. टेक वाबाग लिमिटेड, भारत द्वारा परियोजना निष्पादन किया गया।



बांग्लादेश सरकार को 862 मिलियन यू एस डॉलर की ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत ड्रेजर और अन्य पोतों की आपूर्ति की गई।

हैं जिन्हें बैंक को अनुमोदन प्रदान करने तथा सहायता के लिए निर्दिष्ट किया गया है तथा इनकी तुलना गत वर्ष के आंकड़ों से नहीं की जा सकती है।

कुछ प्रमुख परियोजनाएं:

- इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स (इंडिया) लि. द्वारा ओमान में निष्पादित की जा रही बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना की निर्माण संविदा, निर्माण, संस्थापना, कमीशनिंग तथा जांच हेतु इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट व निर्माण संविदा की जांच के कार्य शामिल हैं।
- वी ए टेक वाबाग लि. द्वारा पेनगोरंग, मलेशिया में निष्पादित की जा रही रिफायनरी तथा पेट्रोकेमिकल इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट के लिए तथा एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्लांट के लिए आर ई – फीड डिजाइन प्रतिस्पर्द्धा तथा इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, निर्माण तथा कमीशनिंग संविदा।
- के ई सी इंटरनेशनल लि. द्वारा आबू धाबी में निष्पादित की जा रही 183 किमी. डबल सर्किट 400 केवी ओवरहेड ट्रांसमिशन लाइन तथा डबल वायर्ड 72 फाइबर्स ऑप्टिकल ग्राउंड वायर के लिए संविदा।
- आई एल एवं एफ एस ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क्स लि. द्वारा मैड्रिड सिटी, स्पेन में निष्पादित की जा रही सड़क निर्माण तथा मरम्मत परियोजना के लिए संविदा।
- शापूरजी पल्लोनजी एंड कंपनी प्रा. लि. द्वारा रवांडा में निष्पादित की जा रही 2X35 मेगावाट पीट-फायर्ड पॉवर प्लांट के लिए इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट संविदा।
- शापूरजी पल्लोनजी एंड कंपनी प्रा. लि. की संयुक्त उद्यम कंपनी अरमाडा मदुरा ईपीसी लि. (ए एम ई एल), मार्शल आईलैंड द्वारा इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट, स्टोरेज तथा जहाज को खाली करने हेतु दी गई संविदा।

निर्यात ऋण एवं गारंटियाँ

वर्ष के दौरान बैंक ने आपूर्तिकर्ता ऋण, क्रेता ऋण और परियोजना निर्यात के वित्तपोषण के लिए कुल ₹ 262.24 बिलियन की राशि मंजूर की जबकि पिछले वर्ष में ये मंजूरियाँ ₹ 249.61 बिलियन की थीं। वर्ष के दौरान किए गए संवितरणों की राशि गत वर्ष के ₹ 135.68 बिलियन की तुलना में ₹ 260.10 बिलियन रही। वर्ष के दौरान अनुमोदित तथा जारी की गई गारंटियों की राशि गत वर्ष के क्रमशः ₹ 45.33 बिलियन तथा ₹ 19.93 बिलियन की तुलना में क्रमशः ₹ 16.41 बिलियन तथा ₹ 20.99 बिलियन रही। ये गारंटियाँ बिजली उत्पादन, ट्रांसमिशन तथा वितरण एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास जैसे क्षेत्रों में विदेशी परियोजनाओं से संबंधित थीं।

क्रेता ऋण

क्रेता ऋण एक्जिम बैंक का एक विशिष्ट कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत बैंक भारतीय निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए विदेशी क्रेताओं को भारत से उनके आयातों को वित्तपोषण प्रदान करने के लिए ऋण देता है। क्रेता-ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत एक्जिम बैंक भारतीय निर्यातकों को पात्र मूल्य का भुगतान उनकी बिना किसी जिम्मेदारी के करता है। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान, क्रेता-ऋण सुविधा के अंतर्गत बैंक द्वारा 6 विदेशी कंपनियों को कुल ₹ 5.17 बिलियन की ऋण सुविधाएं प्रदान की गईं। क्रेता ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत कुल ₹ 15.80 बिलियन के संवितरण किए गए जिनमें बांग्लादेश, कोत दि'वार, घाना, केन्या, मोजाम्बिक, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, तंजानिया, थाइलैंड, यू ए ई, यू एस ए, युगांडा, यू के, जाम्बिया तथा जिम्बाब्वे के लिए निर्यात शामिल हैं। क्रेता-ऋण के अंतर्गत निर्यात किए गए सामानों में परिवहन वाहन एवं ऑटो कल-पुर्जे, इंजीनियरिंग सामान, कृषि आधारित उत्पाद एवं वस्तुएं, स्वर्ण तथा हीरे



ग्रिड से जुड़ी 17 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना की स्थापना के लिए एक्जिम बैंक ने वेलस्पन ग्रुप का सहयोग किया।

के आभूषण, स्टील तार तथा तार निर्मित रॉड, ईंधन तथा फर्नेश ऑयल एवं धागे आदि शामिल हैं। लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों के कई निर्यातकों ने क्रेता-ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत दायित्व रहित भुगतान सुविधा का लाभ उठाया।

बैंक भारत से परियोजना निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए निरन्तर प्रयासरत रहा है। भारत सरकार के 'राष्ट्रीय निर्यात बीमा खाते' के अंतर्गत क्रेता ऋण (बी सी-एन ई आई ए) नामक उत्पाद के शुभारंभ से भारतीय परियोजना निर्यातों को सहायता प्रदान करने के बैंक के इन प्रयासों को बल मिला है। बैंक द्वारा इस कार्यक्रम के अंतर्गत 31 मार्च, 2016 तक 2.49 बिलियन यू एस डॉलर की 22 परियोजनाओं को 2.19 बिलियन यू एस डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है जिनमें श्रीलंका के डाम्बुला प्रांत में एक जल शोधन संयंत्र की स्थापना तथा रिजर्वारों में इसकी आपूर्ति; बैरा पोर्ट, मोजाम्बिक में एकीकृत एल पी जी तथा बिटुमेन स्टोरेज सुविधा की स्थापना, श्रीलंका में अलुथगमा, मथुगमा तथा अगलवत्ता एकीकृत जल आपूर्ति परियोजना के लिए प्लांट की डिजाइन निर्माण संविदा तथा पोलगाहावेला, पोथुहेरा के लिए सिविल, मैकेनिकल व इंजीनियरिंग कार्य एवं श्रीलंका में अलव्वा एकीकृत जल आपूर्ति परियोजना, श्रीलंका में कुंडासाले-हारागामा जल आपूर्ति परियोजना हेतु प्लांट एवं डिजाइन निर्माण संविदा के लिए सिविल एवं मैकेनिकल तथा इंजीनियरिंग कार्य, तथा जिम्बाब्वे, तंजानिया एवं सेनेगल को वाहनों एवं स्पेयर्स की आपूर्ति संविदाएं शामिल हैं। बैंक ने बी सी- एन ई आई ए कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रमुख भारतीय परियोजना निर्यातकों की ओर से 6.27 बिलियन यू एस डॉलर मूल्य की 36 परियोजनाओं को कुल 5.11 बिलियन यू एस डॉलर की सहायता प्रदान करने के लिए सिद्धांततः सहमति दी है।



बैंक द्वारा प्रदत्त ऋण-व्यवस्था कार्यक्रम के अंतर्गत जांबिया में आंशिक वित्तपोषित 120 मेगावाट का इलेक्ट्रिकल हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट।



एक्जिम बैंक ने गुयाना सरकार को वहां सड़कों को जोड़ने वाली परियोजना के लिए 50 मिलियन यू एस डॉलर की ऋण-व्यवस्था (एल ओ सी) प्रदान की।

ऋण-व्यवस्थाएं

एक्जिम बैंक विदेशी वित्तीय संस्थाओं, क्षेत्रीय विकास बैंकों, संप्रभु सरकारों और अन्य विदेशी संस्थाओं को ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करता है ताकि इन देशों के क्रेता आस्थगित भुगतान शर्तों पर भारत से विकासशील तथा आधारभूत परियोजनाओं, उपकरणों एवं माल तथा सेवाओं का आयात कर सकें। वर्ष के दौरान, बैंक ने भारत से परियोजनाओं, माल तथा सेवाओं के निर्यात को सहायता प्रदान करने के लिए कुल 2.61 बिलियन यू एस डॉलर की नौ ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की हैं। एक्जिम बैंक द्वारा वर्ष के दौरान प्रदान की गई ऋण-व्यवस्थाओं में बांग्लादेश, कोत दि'वार, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, गिनी, गुयाना, म्यांमार, तंजानिया एवं जिम्बाब्वे की सरकारों को दी गई ऋण-व्यवस्थाएं शामिल हैं। ये ऋण-व्यवस्थाएं विद्युत इंटरकनेक्शन परियोजना, विद्युत वितरण परियोजना के विकास, स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ बनाने, ताप विद्युत परियोजना के नवीकरण/उन्नयन, माइक्रोवेव रेडियो लिंक के कार्यान्वयन, सड़क संपर्क परियोजना एवं विभिन्न सामाजिक एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास परियोजनाओं (जैसे विद्युत, रेलवे, सड़क परिवहन, सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी, शिपिंग, स्वास्थ्य एवं तकनीकी शिक्षा क्षेत्र) आदि के लिए वित्तपोषण प्रदान करेंगी तथा निर्यात को बढ़ावा देंगी। वर्तमान में एक्जिम बैंक द्वारा अफ्रीका, एशिया, सी आई एस, यूरोप, लैटिन अमेरिका तथा ओशीनिया क्षेत्रों के 63 देशों को 203 ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान की गई हैं, जिनके तहत 14.27 बिलियन यूएस डॉलर की ऋण वचनबद्धताएं हैं। इनके अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में परियोजनाओं को निधि प्रदान की जा रही है और वे परियोजनाएं कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

भारत सरकार की रियायती वित्तपोषण योजना

भारत सरकार ने विदेशों में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में बोली लगाने वाली भारतीय

कंपनियों को रियायती दर पर वित्तीय सुविधा प्रदान करने हेतु एक्जिम बैंक को एक नई वित्तपोषण योजना के लिए मंजूरी प्रदान की है। इस योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने के लिए कंपनी को भारत के निवासी नागरिक के स्वामित्व वाली होना चाहिए तथा परियोजना को पूरा करने के लिए कम से कम 75 प्रतिशत आवश्यक सामग्री भारत में निर्मित होनी चाहिए। इस योजना के अंतर्गत एक्जिम बैंक ने बांग्लादेश के रामपाल में 2x660 मेगावाट की मैत्री सुपर थर्मल पावर परियोजना के वित्तपोषण के लिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड और एन टी पी सी लिमिटेड, इंडिया की 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी 'बांग्लादेश-इंडिया फ्रैंडशिप पावर कंपनी लिमिटेड' को 1.60 बिलियन यूएस डॉलर राशि के ऋण को मंजूरी प्रदान की है। इस परियोजना की संविदा एक अंतरराष्ट्रीय बिडिंग के जरिए भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड को मिली है।

निर्यात प्रतिस्पर्द्धात्मकता का सृजन

बैंक के पास भारतीय कंपनियों की निर्यात प्रतिस्पर्द्धात्मकता बढ़ाने के उद्देश्य से कई वित्तपोषण कार्यक्रम हैं। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान एक्जिम बैंक ने निर्यात प्रतिस्पर्द्धात्मकता में वृद्धि हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल ₹ 236.53 बिलियन के ऋण मंजूर किए। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत ₹ 230.31 बिलियन संवितरित किए गए।

निर्यात उन्मुख इकाइयों को ऋण

वर्ष के दौरान, बैंक ने 52 निर्यात उन्मुख इकाइयों को ₹ 67.50 बिलियन के दीर्घावधि ऋण मंजूर किए जिनके अंतर्गत संवितरणों की राशि ₹ 59.51 बिलियन रही। उत्पादन उपकरण वित्त कार्यक्रम के अंतर्गत 12 निर्यातक कंपनियों को उपकरणों के अधिग्रहण के लिए ₹ 10.26 बिलियन मंजूर



एक्जिम बैंक ने मार्शल आइलैंड्स को फ्लोटिंग, प्रोडक्शन, स्टोरेज और ऑफलोडिंग (एफ पी एस ओ) पोत की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण के लिए अर्मादा मादुरा ई पी सी प्राइवेट लिमिटेड को 500 मिलियन यू एस डॉलर की संविदा का वित्तपोषण किया।

किए गए। इस कार्यक्रम के अंतर्गत संवितरणों की राशि ₹ 10.15 बिलियन रही। इसी प्रकार 11 कंपनियों को ₹ 4.50 बिलियन के दीर्घावधि कार्यशील पूँजी ऋण मंजूर किए गए, जिनके अंतर्गत संवितरणों की राशि ₹ 3.81 बिलियन रही।

प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (टी यू एफ एस)

कपड़ा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एक्जिम बैंक को प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना के अंतर्गत परियोजनाओं को स्थापित करने एवं उनकी पात्रता को हेतु अनुमोदन प्रदान करने तथा अनुमोदित परियोजनाओं को सीधे सब्सिडी प्रदान करने के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप



भारत सरकार की एक्ट ईस्ट नीति के अनुकरण में एक्जिम बैंक ने सी एल एम वी (कंबोडिया, लाओ पी डी आर, म्यांमार और वियतनाम) देशों में भारतीय निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष पहल की है। भारतीय निजी कंपनियों के लिए इस क्षेत्र में विद्यमान विभिन्न निवेश अवसरों के प्रसार के लिए बैंक ने वर्ष के दौरान सेमिनार आयोजित किए।



एक्जिम बैंक ने मेक्सिको के प्यूब्ला शहर में फॉक्सवैन एजी की मांग की आपूर्ति हेतु वाइपर सिस्टम विनिर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए पीएमपी ऑटो कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड को सहयोग प्रदान किया।

में नियुक्त किया गया है। यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक ने ₹ 182.36 बिलियन राशि की 225 परियोजनाओं को अनुमोदन प्रदान किया। अनुमोदित और संवितरित ऋणों की समग्र राशि क्रमशः ₹ 65.52 बिलियन तथा ₹ 34.20 बिलियन रही। कपड़ा उद्योग को प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना के अंतर्गत बैंक द्वारा प्रदान की गई सहायता वस्त्र निर्माण के विभिन्न क्षेत्रों तथा भारत के कई राज्यों में फैली हुई है।

विदेशी निवेश वित्त

भारतीय बाह्य निवेश को सहायता प्रदान करने के लिए इकटिरी वित्त, ऋण, गारंटियां और सलाहकारी सेवाएँ प्रदान करने की दृष्टि से बैंक के पास एक विस्तृत कार्यक्रम है। वर्ष के दौरान 31 कंपनियों को 15 देशों में उनके विदेशी निवेश के आंशिक वित्तपोषण के लिए कुल ₹ 56.96 बिलियन की निधिक तथा गैर-निधिक सहायता मंजूर की गई। एक्जिम बैंक ने अब तक 78 देशों में 436 कंपनियों को 563 उद्यमों की स्थापना हेतु मदद की है। वर्ष के दौरान बैंक द्वारा सहायता प्राप्त विदेशी निवेशों में ऑस्ट्रेलिया में खाद्य एवं पेय पदार्थों के लिए कलरिंग बिज़नेस तथा औद्योगिक रंजकों का अधिग्रहण, अमेरिका



घाना के कोमंडा में 1250 टीसीडी क्षमता वाले सल्फर रहित चीनी के प्लांट के लिए घाना सरकार को एक्जिम बैंक की ऋण-व्यवस्था के अंतर्गत 35 मिलियन यूएस डॉलर का वित्तपोषण प्रदान किया गया।

के एंटिगा में एक विश्वविद्यालय की स्थापना, रोमानिया में कंपनी मैनुफैक्चरिंग इंजीनियरिंग उत्पादों का अधिग्रहण तथा ऑस्ट्रेलिया में एक लॉजिस्टिक कंपनी का अधिग्रहण शामिल है। बैंक द्वारा विदेशी निवेश में कुल ₹ 491.46 बिलियन की राशि प्रदान की गई है, जिनमें विभिन्न क्षेत्र यथा फार्मास्युटिकल्स, घर सज्जा, रेडीमेड कपड़े, निर्माण, कागज एवं कागज उत्पाद, कपड़ा एवं वस्त्र, रसायन, रंजक, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तथा



एक्जिम बैंक ने मणिपाल एजुकेशन (मॉरिशस) प्राइवेट लिमिटेड, मॉरिशस को अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ एंटिगा की स्थापना के लिए सहयोग प्रदान किया। एंटिगा अमेरिका में (मुख्य तौर पर न्यूयॉर्क में) क्लीनिकल रोटेशन के लिए 30 अस्पतालों से संबद्ध है और कैरिबियाई क्षेत्र में आधुनिक मेडिकल स्कूलों में से एक है।

सूचना प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी सामान, प्राकृतिक संसाधन (कोयला तथा वन), धातु तथा धातु प्रसंस्करण, कृषि तथा कृषि आधारित उत्पाद, स्टील एवं तैल एवं गैस आदि शामिल हैं।

आपाती साख-पत्र/साख-पत्र

निर्यात उन्मुख इकाइयों के लेन-देनों को सुगम बनाने के लिए बैंक मुख्य रूप से आयात वित्तपोषण के लिए साख-पत्र (एल सी) जारी करता है। बैंक प्रतिस्पर्द्धी दरों पर गारंटियों/एस बी एल सी के जरिए निर्यात उन्मुख इकाइयों के लिए वित्तीय गारंटियां भी प्रदान करता है। वर्ष के दौरान बैंक ने ₹ 4.71 बिलियन की वित्तीय गारंटियां प्रदान की है। 31 मार्च, 2015 की ₹ 58.18 बिलियन की तुलना में 31 मार्च, 2016 को बैंक का वित्तीय गारंटी पोर्टफोलियो ₹ 46.31 बिलियन रहा। वर्ष के दौरान, बैंक ने ₹ 7.66 बिलियन के 209 साख-पत्र जारी किए। इसके अलावा बैंक निर्यात दस्तावेजों के परक्रमण (निगोसिएशन) तथा संग्रहण का भी कार्य करता है। वर्ष के दौरान बैंक ने ₹ 38.05 बिलियन के 2,115 निर्यात दस्तावेजों का संव्यवहार किया।



व्यवसाय परिचालन

एक्ज़िम बैंक निर्यात सुगमकर्ता के रूप में

आधारिक व्यापार पहलें

बैंक अपनी आधारिक पहलों के जरिए ग्रामीण भारत में स्थित उद्यमों के वैश्वीकरण में मदद करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारंपरिक शिल्पकारों, बुनकरों तथा ग्रामीण उद्यमियों के लिए नए अवसरों का सृजन कर समाज के तुलनात्मक रूप से वंचित वर्गों की मदद करना है।

वर्ष के दौरान बैंक ने पंजाब के एक सामाजिक उद्यम को सहयोग दिया, जो करीब 2500 महिला शिल्पियों के साथ मिलकर उनके सशक्तीकरण और गायब होती फुलकारी कला के पुनरुत्थान के लिए काम करता है। बैंक ने इस संगठन की कार्यशील पूँजी जरूरतों को पूरा करने के लिए आंशिक वित्तपोषण प्रदान किया है। बैंक ने पंजाब की एक को-ऑपरेटिव सोसायटी के साथ मिलकर पंजाब के पटियाला जिले के थुहा गांव में 30 मास्टर शिल्पियों के लिए डिजाइन विकास कार्यशाला का आयोजन किया। बैंक ने राजस्थान के भी एक ऐसे ही संगठन को ऋण के जरिए सहयोग प्रदान किया, जो शिल्पियों और किसानों की आजीविका में लगातार सुधार के उद्देश्य से लगभग 3500 शिल्पियों के साथ मिलकर काम करता है। बैंक ने उत्तर प्रदेश के भी दो संगठनों को क्रमशः आंवला प्रसंस्करण और हथकरघा उत्पादों हेतु उत्पादन केंद्रों की स्थापना के लिए आंशिक वित्तपोषण के रूप में सहयोग प्रदान किया है। वर्ष के दौरान बैंक ने आंध्र प्रदेश के श्रीकलाहस्ती स्थित एक सोसायटी, जो लकड़ी के हस्तशिल्प और कलमकारी सामान बनाती है; कर्नाटक के बेंगलूर स्थित एक कंपनी, जो हथकरघा तथा हस्तशिल्प उत्पादों के उत्पादन में संलग्न है; तमिलनाडु के नीलगिरी स्थित सामाजिक उद्यम, जो कृषि-पारिस्थितिकी उत्पादों को बढ़ावा देते हुए जनजातीय समुदाय के करीब 2000 शिल्पियों के साथ मिलकर काम करता है और बिहार के भागलपुर स्थित हथकरघों से बने उत्पादों की सीधी बिक्री में संलग्न एक सामाजिक उद्यम को भी सहयोग जारी रखा।



मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै में कला प्रदर्शनियों में प्रदर्शित एक्जिम बैंक द्वारा सहायता प्राप्त शिल्पियों की परंपरागत और जनजातीय लोक चित्रकारी।



एक्जिम बैंक द्वारा आयोजित पुरकल स्त्री शक्ति समिति के लिए चार महीने की डिजाइन विकास कार्यशाला।

बैंक हस्तशिल्प उत्पादों के लिए डिजाइन विकास कार्यशालाओं का आयोजन कर इनकी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मौजूदगी बढ़ाने के उद्देश्य से ग्रामीण शिल्पियों और दस्तकारों को सहयोग प्रदान करता रहा है।

बैंक ने उत्तराखंड में देहरादून के पुरकल क्षेत्र के लगभग सभी गांवों की 25 महिला मास्टर शिल्पियों के लिए उत्पाद एवं डिजाइन विकास कार्यशाला के आयोजन में एक सोसायटी का सहयोग किया। यह सोसायटी बीते 25 वर्षों से ग्रामीण समुदाय के वंचित वर्गों के जीविकोपार्जन, शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए काम कर रही है। यह सोसायटी एप्लीक और पैचवर्क तकनीक का इस्तेमाल करते हुए करीब 1200 शिल्पियों के साथ मिलकर हस्तशिल्प उत्पादों के उत्पादन में संलग्न है। बैंक ने असम के दरांग जिले और आसपास के गांवों के 50 मास्टर शिल्पियों के लिए भी रचनात्मक और आधुनिक हथकरघा डिजाइन संबंधी एक महीने की कार्यशाला के आयोजन में सहयोग किया।

बैंक द्वारा सहयोग प्राप्त ये कार्यशालाएं उत्पाद विकास और डिजाइन से जुड़े अहम विषयों को सुलझाने में बेहद कामयाब रहीं। साथ ही शिल्पियों को ऐसे उत्पादों की प्रतिकृतियां विकसित करने में भी मदद मिली, जिनकी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों में बड़ी मांग है।





एक्जिम बैंक ने उत्तराखंड स्थित मंदाकिनी महिला बुनकर संघ की महिला बुनकरों के लिए कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

मार्केटिंग सलाहकारी सेवाएं

बैंक अपनी मार्केटिंग सलाहकारी सेवाओं के जरिए भारतीय कंपनियों में निर्यात क्षमता के सृजन और संवर्द्धन तथा उनकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। बैंक भारतीय कंपनियों के उत्पादों एवं सेवाओं हेतु विदेश में वितरकों/खरीदारों/भागीदारों की तलाश के जरिए उनके वैश्वीकरण के प्रयासों में मदद करता है। एक्जिम बैंक विदेश में प्लांट या परियोजनाएं स्थापित करने या विदेशी कंपनियों के अधिग्रहण में भी सहयोग करता है। बैंक अपनी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों की समझ, विदेशों में अपनी मौजूदगी और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ अपने संस्थागत संबंधों का लाभ उठाते हुए सफलता शुल्क आधार पर भारतीय कंपनियों की मार्केटिंग में मदद करता है।

वर्ष के दौरान बैंक ने 10 नई कंपनियों के उत्पादों और सेवाओं की मार्केटिंग के लिए उनके साथ अधिकार पत्रों पर हस्ताक्षर किए और कंपनियों को विभिन्न उत्पादों के लिए देश-विदेश में कुल 75 ऑर्डर हासिल करने में मदद की। बैंक ने कोलंबिया में वेयरहाउस और बंदरगाह के लिए स्टील लिंक चेन मटीरियल, मणिपुर के ब्लैक पॉटरी उत्पादों को अमेरिका की एक रिटेल

चेन में और हस्तनिर्मित टेक्सटाइल को भारत व अमेरिका में ई-कॉमर्स कंपनियों तक पहुंचाने में मदद की है।

इसके अलावा कई हस्तशिल्प सामान और जनजातीय एवं लोक पेंटिंग का भी देशभर में विपणन किया गया और श्रीलंका से लैमिनेटेड ट्यूब तथा बोतलों के लिए ऑर्डर हासिल किए गए।

बैंक ने ब्लॉक प्रिंटेड बैग, पेंटिंग, हस्तनिर्मित कागज उत्पाद, हाथ से बुने स्टोल, हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों, पेपर कटर, जूट के उत्पाद, कढ़ाई की हुई टेक्सटाइल, पॉटरी, हस्तनिर्मित कार्पेट, कोल्हापुरी चप्पलों, चेन्नापटना के नक्काशी किए हुए लकड़ी के सामान के विपणन में भी सहयोग प्रदान किया।

उत्पादों के विपणन के अलावा बैंक ने निम्नलिखित भारतीय कंपनियों को विदेशों में भागीदार तलाशने में भी मदद की:-

- मालदीव में एक आयलैंड रिसोर्ट बनाने के लिए शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप और मालदीव की बिग स्टोन इन्वेस्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बीच एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।



एक्जिम बैंक ने विभिन्न हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को बैंक के लिए कॉर्पोरेट खरीद के जरिए सहयोग प्रदान किया।



एक्जिम बैंक ने सूरजकुंड मेले और काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल में हिस्सा लेने में विभिन्न शिल्पकारों को सहयोग प्रदान किया।

- पांचाचुली महिला बुनकर संघ ने हाथ से बुने अपने उत्पाद अमेरिकी बाजार में ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए बेचने के लिए अमेरिका स्थित ई-कॉमर्स कंपनी नोविका के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए।

कार्यशाला/प्रशिक्षण कार्यक्रम

बैंक ने नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन (एन आई डी) के साथ मिलकर उत्पाद विकास कार्यशाला का आयोजन कर जयपुर स्थित अनूठी नाम के स्वयं सहायता समूह को सहयोग प्रदान किया। 10 दिवसीय इस कार्यशाला में 22 ग्रामीण महिलाओं ने हिस्सा लिया, जिन्हें ब्लॉक प्रिंटिंग तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे परंपरागत और ब्लॉक प्रिंटिंग व कढ़ाई की तकनीकों का इस्तेमाल करते हुए नए उत्पाद विकसित कर सकें।

बैंक ने उत्तराखंड के मंदाकिनी महिला बुनकर संघ के साथ मिलकर 35 महिला बुनकरों के लिए 6 महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान इन्हें कताई, बुनाई का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के जरिए केदारनाथ बाढ़ प्रभावित महिलाओं को जीविकोपार्जन का साधन मिला।

कार्यक्रम/प्रदर्शनी

बैंक ने सूरजकुंड मेला प्राधिकरण के साथ मिलकर 15 शिल्पियों को उनके उत्पाद फरवरी 2016 में हरियाणा में



जयपुर स्थित स्वयं सहायता समूह 'अनूठी' की महिला शिल्पियों के लिए ब्लॉक प्रिंटिंग में एक्जिम बैंक प्रायोजित उत्पाद विकास कार्यशाला।

लगने वाले सूरजकुंड मेले में प्रदर्शित करने और बेचने के लिए सहयोग प्रदान किया। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इस मेले में बड़ी संख्या में खरीदार आए और शिल्पियों को नए बाजारों में पहुंच बनाने में मदद मिली।

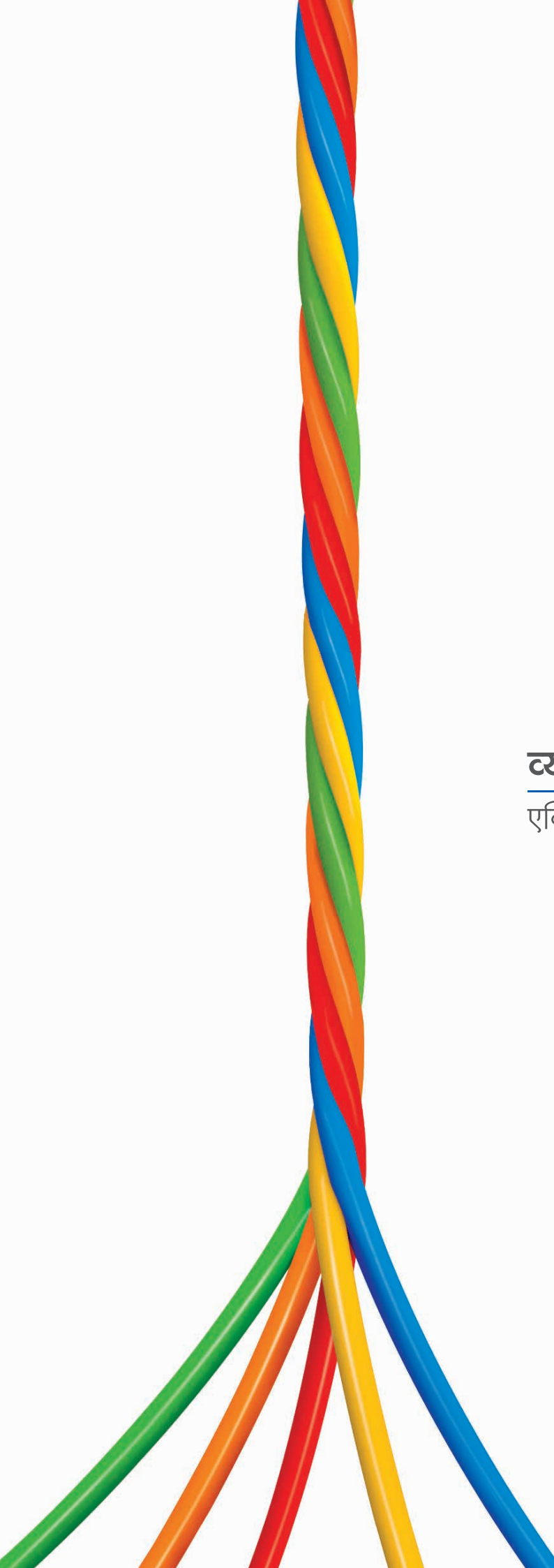
बैंक ने फरवरी 2016 में मुंबई के काला घोड़ा आर्ट फेस्टिवल के दौरान भी बुनकरों और शिल्पियों को सहयोग प्रदान किया। इस उत्सव ने आधारीक शिल्पियों को अपने उत्पादों की प्रदर्शनी के लिए एक मंच प्रदान किया। इससे उन्हें नए बाजार तलाशने तथा सीधे बिक्री में मदद मिली।



नई दिल्ली में आयोजित होम एक्सपो में एक्जिम बैंक से सहयोग प्राप्त अनूठी द्वारा अपने ब्लॉक प्रिंटेड कपड़ों की प्रदर्शनी।

बैंक ने वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान कंसर्न इंडिया फाउंडेशन और सीक्योर गिविंग के साथ मिलकर चेन्नै, मुंबई और नई दिल्ली में परंपरागत और जनजातीय कला प्रदर्शनियां आयोजित करने में सहयोग किया। इन प्रदर्शनियों में पश्चिम बंगाल, गुजरात, ओडिशा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित पूरे भारत से विभिन्न राज्यों की परंपरागत और जनजातीय पेंटिंग बिकीं।

बैंक ने जयपुर स्थित अनूठी स्वयं सहायता समूह के लिए नई दिल्ली में आयोजित 'होम एक्सपो इंडिया' में बूथ स्पेस दिलाकर उसे भी सहयोग प्रदान किया। यह एक्सपो हस्तशिल्प निर्यात संवर्द्धन परिषद द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के लिए 'अनूठी' को बड़ी संख्या में खरीदारों तक पहुंचने और स्थानीय एवं विदेशी बाजारों में व्यवसाय के नए अवसर तलाशने में मदद मिली।



व्यवसाय परिचालन

एक्जिम बैंक निर्यात संवर्द्धक के रूप में



भारत सरकार को शुद्ध लाभ अधिशेष के रूप में 433 करोड़ रुपए की आर टी जी एस रसीद की प्रस्तुति।

शोध एवं विश्लेषण

बैंक का शोध एवं विश्लेषण समूह अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार और निवेश पर गुणात्मक और मात्रात्मक शोध तकनीकों के जरिए विभिन्न शोध अध्ययन करता है। समूह द्वारा क्षेत्रीय, उद्योग खंड और नीति संबंधित तीन विस्तृत श्रेणियों में किए जाने वाले शोध अध्ययन प्रासंगिक आलेखों और कार्यकारी आलेखों और पुस्तकों आदि के रूप में प्रकाशित किए जाते हैं। वर्ष के दौरान निम्नलिखित शोध अध्ययन प्रकाशित किए गए:-

- बहुपक्षीय विकास बैंकों द्वारा निधिक परियोजनाएं: हालिया ट्रेड और भारतीय निर्यातकों के लिए अवसर



बैंक के स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान के तहत अफ्रीकी विकास बैंक के पूर्व अध्यक्ष डॉ. डेनोल्ड कबरुका ने 'नए वैश्विक परिदृश्य में भारत-अफ्रीका निवेश को बढ़ावा' विषय पर व्याख्यान दिया।

- भारत से जैविक उत्पादों के व्यापार की संभावनाएं
- दक्षिणपूर्व एशिया में मूल्य संवर्द्धन शृंखलाएं और विनिर्मित वस्तुओं में व्यापार
- भारतीय स्टील उद्योग: निर्यात संभावनाएं
- अंतरराष्ट्रीय सौर सहयोग: संभावनाओं का विकास
- रक्षा उपकरण उद्योग: आत्मनिर्भरता और निर्यात को बढ़ावा
- भारतीय सेवा क्षेत्र: एक विश्लेषण
- फोकस अफ्रीका: दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एस ए डी सी) के साथ भारत की सहभागिता बढ़ाना
- एक्ट ईस्ट: कंबोडिया, लाओ पी डी आर, म्यांमार और वियतनाम (सीएलएमवी) के साथ भारत की सहभागिता बढ़ाना
- पश्चिम बंगाल से निर्यात: संभावनाएं और रणनीति
- मेक इन इंडिया: रेलवे की निर्यात संभावनाओं को पहचानना
- भारतीय चमड़ा उद्योग: परिदृश्य और रणनीतियां
- अफ्रीका के साथ भारत के व्यापार संबंधों का संवर्द्धन: संक्षिप्त विश्लेषण
- तुर्की: भारत के व्यापार और निवेश संभावनाओं का एक अध्ययन



एक्जिम बैंक ने सिएरा लियोन में शापूरजी पल्लोनजी द्वारा पांच सितारा होटल परियोजना के लिए 21.25 मिलियन यू एस डॉलर की गारंटी सुविधाओं के रूप में सहयोग प्रदान किया।

- एल ए सी (लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देश) देशों के साथ भारतीय व्यापार का संवर्द्धन: चुनिंदा देशों पर फोकस
- रूस के साथ भारत के व्यापार को बढ़ाने की संभावनाएं: संक्षिप्त विश्लेषण
- चीन के साथ भारत के व्यापार को बढ़ाने की संभावनाएं; संक्षिप्त विश्लेषण
- पाकिस्तान के साथ भारत के व्यापार को बढ़ाने की संभावनाएं: संक्षिप्त विश्लेषण
- ईरान के साथ भारत के व्यापार को बढ़ाने की संभावनाएं: संक्षिप्त विश्लेषण
- इकोवास के साथ भारत के व्यापार संबंधों को बढ़ाना: संक्षिप्त विश्लेषण

सूचना और सलाहकारी सेवाएं

बैंक कई प्रकार की सूचना, सलाहकारी और सहायता सेवाएं प्रदान करता है। ये सेवाएं बैंक के वित्तपोषण कार्यक्रमों की पूरक हैं। ये सेवाएं भारतीय कंपनियों और विदेशी संस्थाओं को शुल्क के आधार पर प्रदान की जाती हैं। इन सेवाओं में बाजारों से संबंधित सूचना, क्षेत्र और व्यवहार्यता अध्ययन, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं की पहचान, भागीदारों की खोज, निवेश सुगमीकरण तथा भारत और विदेश दोनों में संयुक्त उपक्रमों का विकास आदि शामिल हैं।

वर्ष 2015 में अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र (आई टी सी) जेनेवा ने सीता (अफ्रीका में भारत के व्यापार और निवेश को सहयोग) परियोजना के अंतर्गत एक्जिम बैंक को एक कार्य सौंपा था। यह कार्य था- रवांडा में व्यापार प्रतिस्पर्द्धा बढ़ाने के लिए निर्यात ऋण और निर्यात ऋण बीमा के लिए क्षमता सृजन। इसका उद्देश्य रवांडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संवर्द्धन के लिए बढ़ती निर्यात ऋण और निर्यात ऋण बीमा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक अलग कम्पनी स्थापित करना और प्रस्तावित एजेंसी के लिए एक व्यवहार्य ऑपरेटिंग

मॉडल सुझाना था। यह कार्य सीता के तहत आई टी सी की बहु-चरणीय परियोजना का हिस्सा है।

बैंक को वित्तीय वर्ष 2013-14 में राष्ट्रमंडल सचिवालय द्वारा श्रीलंका एक्सपोर्ट क्रेडिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन (एस एल ई सी आई सी) को सहयोग करने के लिए अधिकृत किया गया था। बैंक को वर्ष के दौरान पूर्व असाइनमेंट पर अनुवर्ती कार्रवाई के हिस्से के रूप में बैंक द्वारा की गई सिफारिशों को कार्यान्वित करने में एस एल ई सी आई सी को सहयोग करने संबंधी कार्य सौंपा गया था।

अंतरराष्ट्रीय सौर सहयोग (आई एस ए) फ्रांस में 2015 में जलवायु सम्मेलन के दौरान सीओपी 21 की पृष्ठभूमि में बनाया गया। यह विपुल सौर संसाधन वाले 121 देशों का समूह है, जहां साल में 300 दिन सूरज खिलता है। ये देश कर्क रेखा और मकर रेखा के बीच स्थित हैं। यह गठबंधन इन देशों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और तथा समस्याओं के पारस्परिक सहमति के आधार पर निदान करने के लिए एक साझा मंच प्रदान करता है। एक्जिम बैंक ने भारत सरकार की इस पहल के समर्थन में "अंतरराष्ट्रीय सौर सहयोग: संभावनाओं का विकास" शीर्षक से एक अध्ययन किया है। इसमें आई एस ए देशों में बिजली आपूर्ति बेहतर करने की प्रमुख चुनौतियों और रणनीतियों को रेखांकित किया गया है। अध्ययन में सहयोग की रूपरेखा देते हुए इस पहल को आगे बढ़ाने हेतु आई एस ए सदस्य देशों के लिए एक वित्तीय एवं 'नीतिगत सहयोग प्रणाली' भी प्रस्तुत की गई है।

विदेशों में बहुपक्षीय निधिक परियोजनाएं

बैंक अपनी सूचना और सहयोग सेवाओं के जरिए भारतीय कंपनियों को विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक (ए डी बी), अफ्रीकी विकास बैंक (ए एफ डी बी) और यूरोपीय बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट (ई बी आर डी) द्वारा निधिक परियोजनाओं में कारोबार स्थापित कराने में मदद करता है। ऐसी



एक्जिम बैंक ने कांगो सरकार के साथ 34.50 मिलियन यू एस डॉलर और 109.942 मिलियन डॉलर के दो ऋण-व्यवस्था करारों पर हस्ताक्षर किए।



जिम्बाब्वे सरकार को वाहन और कलपुर्जों की आपूर्ति के लिए एक्जिम बैंक ने क्रेता ऋण कार्यक्रम के अंतर्गत अशोक लेलैंड लिमिटेड को वित्तपोषण प्रदान किया। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट से जिम्बाब्वे को इनकी रवानगी के अवसर पर एक्जिम बैंक का प्रतिनिधिमंडल।

बहुपक्षीय एजेंसियों द्वारा निधिक परियोजनाएं आपूर्तिकर्ताओं, ठेकेदारों और परामर्शदाताओं को कारोबार के अच्छे अवसर प्रदान करती हैं। ऐसी परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की बढ़ती सहभागिता को देखते हुए एक्जिम बैंक बहुपक्षीय एजेंसियों के साथ मिलकर सेमिनार आयोजित कराता रहा है।

बैंक ने ए डी बी के साथ मिलकर ए डी बी निधिक परियोजनाओं में अवसरों पर चेन्नै, नई दिल्ली, गुवाहाटी और जयपुर में श्रृंखलाबद्ध सेमिनार आयोजित किए। इनमें बहुपक्षीय निधिक परियोजनाओं के अंतर्गत आपूर्तिकर्ताओं, ठेकेदारों और परामर्शदाताओं के लिए कारोबार के अवसरों की सूचना साझा की गई। साथ ही ऐसी परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की प्रभावी भागीदारी के लिए महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई।

इसी प्रकार विश्व बैंक द्वारा निधिक परियोजनाओं में कारोबार के अवसरों पर नई दिल्ली और बेंगलोर में दो सेमिनार आयोजित किए गए। विश्व बैंक द्वारा निधिक परियोजनाओं में प्रोक्योरमेंट (प्रापण) सुधारों पर नई दिल्ली में एक कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

बैंक द्वारा ई बी आर डी के सहयोग से 'भारतीय बैंकों के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता वित्तपोषण' विषय पर मुंबई में

भी एक सेमिनार आयोजित किया गया था। सेमिनार में ई बी आर डी प्रतिनिधिमंडल ने ऊर्जा आत्मनिर्भरता वित्तपोषण में ई बी आर डी का ट्रैक-रिकॉर्ड प्रस्तुत किया, जिसमें पता चला कि बैंक अपना ऊर्जा आत्मनिर्भरता निवेश बैंक के कुल वार्षिक कारोबार का करीब 25 प्रतिशत बढ़ा चुका है। इस सेमिनार का उद्देश्य भारतीय बैंकों को ऐसे ही ऊर्जा आत्मनिर्भरता वित्तपोषण ढांचा अपनाने के लिए प्रेरित करना था, ताकि वे अपने ग्राहकों के ज्यादा से ज्यादा ऊर्जा आत्मनिर्भरता अवसरों को वित्तपोषित कर सकें और इस कारोबार श्रृंखला को बढ़ाया जा सके।

एक्जिमिअस शिक्षण केंद्र

बैंक के एक्जिमिअस शिक्षण केंद्र (ई सी एल), मुंबई द्वारा भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश को सुगम बनाने और भारतीय निर्यातकों व आयातकों की जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सेमिनारों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही समसामयिक विषयों पर निर्यातकों एवं आयातकों के लिए सेमिनारों एवं सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाता है।

वर्ष के दौरान आयोजित सेमिनारों में व्यापार संघों, भारतीय निर्यातक संघ संगठन (फिओ), विदेश व्यापार महानिदेशालय, कस्टम्स, ई सी जी सी लिमिटेड और अग्रणी वाणिज्यिक बैंकों के अधिकारियों ने जानकारी प्रदान की। वर्ष के दौरान ई सी एल ने निर्यातकों के लिए विभिन्न क्षेत्रों के निम्नलिखित टियर-1 और टियर-2 शहरों में 17 सेमिनार आयोजित किए:

- 'ब्रिक्स देशों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए क्षमता सृजन कार्यक्रम' विषय पर फिक्की के सहयोग से दिल्ली और अहमदाबाद में दो सेमिनार।
- 'विदेश व्यापार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता' विषय पर श्रीनगर में और 'विदेश व्यापार में अवसर और चुनौतियां' विषय पर शिलाँग में सी आई आई के सहयोग से दो सेमिनार।



एक्जिम बैंक का 'पश्चिम बंगाल से निर्यात: संभावनाएं और रणनीति' शीर्षक शोध अध्ययन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी द्वारा जारी किया गया।



विदेशी सरकारों को ऋण-व्यवस्थाएं प्रदान करने संबंधी भारत सरकार की नई 'भारतीय विकास एवं आर्थिक सहयोग योजना' (आइडियाज) के लिए एक्जिम बैंक ने विभिन्न शहरों में चर्चा सत्रों का आयोजन किया।

- विश्व व्यापार केंद्र के सहयोग से 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुगमीकरण' विषय पर भुवनेश्वर में सेमिनार।
- भारतीय निर्यातक संघ संगठन (फिओ) के सहयोग से 'विदेश व्यापार में अवसर और चुनौतियां', 'भारत में विदेश व्यापार बढ़ाना', 'उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए प्रोत्साहित करना', 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश को बढ़ाना' जैसे विषयों पर नोएडा, पुणे, विशाखापट्टनम, वाराणसी, मदुरै, मैंगलोर, जयपुर, वड़ोदरा और कानपुर में नौ सेमिनारों की एक श्रृंखला आयोजित की गई।
- 'विदेश व्यापार में अवसर' विषय पर फेडरेशन ऑफ कर्नाटक चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से मैसूर में सेमिनार।
- भारत सरकार के वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की 'निर्यात बंधु योजना' को बढ़ावा देने और इसे सुगम बनाने के लिए युवा उद्यमियों को प्रोत्साहित करने हेतु डी जी एफ टी और टेक्सप्रोसिल के सहयोग से भिवंडी, ठाणे में सेमिनार।
- गोवा चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ मिलकर भारत के 'विदेश व्यापार को बढ़ावा' विषय पर सेमिनार।

संस्थागत संबद्धताएँ

देश के व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने बहुपक्षीय एजेंसियों, निर्यात ऋण एजेंसियों, बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं, व्यापार संवर्द्धन निकायों तथा निवेश संवर्द्धन बोर्डों के साथ अपने संस्थागत संबंधों का एक नेटवर्क विकसित किया है।

इसी दिशा में बैंक ने ब्रिक्स देशों के चार प्रमुख विकास बैंकों (ब्राजील, रूस, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका) के अध्यक्षों के साथ ब्रिक्स राष्ट्रों द्वारा प्रवर्तित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) को सहयोग देने संबंधी करार पर हस्ताक्षर किए। इस करार का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग मानदंडों- समानता, पारस्परिक हित और उत्तरदायित्वपूर्ण वित्तपोषण तथा ब्रिक्स के राष्ट्रीय विकास बैंकों की विद्यमान सहभागिता के अनुरूप

एन डी बी को सहयोग देने संबंधी व्यापक एजेंडा तैयार करना है। इस करार से ब्रिक्स विकास बैंकों और एन डी बी के बीच सहयोग मजबूत होगा तथा एक दूसरे के बीच सूचना, अनुभवों और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही गारंटियां और काउंटर गारंटियां प्रदान करने, सह-वित्तपोषण और बॉन्ड जारी करने को भी बढ़ावा मिलेगा। इस करार पर उफा, रूस में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन 2015 की बैठक के दौरान ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्षों/सरकारों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

बैंक ने उफा, रूस में आयोजित ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था की वार्षिक बैठक से इतर ब्राजीलियाई विकास बैंक (बी एन डी ई एस) के साथ भी एक सहयोग करार पर हस्ताक्षर किए। इस संबंध में हुए सहमति ज्ञापन का उद्देश्य ज्ञान, सूचना और सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणाली के पारस्परिक आदान-प्रदान सहित कर्मियों में क्षमता निर्माण, परियोजना विकास कौशल, संयुक्त कार्यक्रमों का संवर्द्धन, शोध एवं कार्यक्रम, पीपीपी जैसी आपसी लाभ वाली परियोजनाओं के लिए प्रभावी वित्तपोषण का विकास और सह-वित्तपोषण करना है।

हस्तशिल्प उत्पादों के लिए निर्यात बाजार और सामाजिक उद्यमों के विकास के लिए एक्जिम बैंक ने गोकूप सॉल्यूशंस एंड सर्विसेज प्राइवेट के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किए। भारत का पहला 'सोशल मार्केटप्लेस' गोकूप डॉट कॉम हस्तशिल्प उत्पादों की आसान और पारदर्शी बिक्री के लिए



एक्जिम बैंक ने एफकोन्स इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड को चेन्नै मेट्रो रेल परियोजना के निष्पादन के लिए ₹ 1 बिलियन का वित्तीय सहयोग प्रदान किया।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है, जो सहकारी समितियों, सामुदायिक शिल्पियों और बुनकरों को अपने उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में समर्थ बनाता है। गोकूप द्वारा विकसित यह प्लेटफॉर्म और इसकी मार्केटिंग सेवाएं भारत में सहकारी समितियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचाने, निष्पक्ष कारोबारी सौदे करने और निम्न आय वर्ग के उत्पादकों को बेहतर जीवन स्तर प्रदान करती हैं।

एक्जिम बैंक ने वित्तपोषण, गारंटी और अन्य वित्तीय व्यवस्थाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से निर्यात-आयात बैंक मलेशिया बर्हाद के साथ एक सहयोग करार किया है, ताकि दोनों बैंकों के पारस्परिक हितों वाली परियोजनाओं को सहयोग प्रदान किया जा सके। इस संबंध में एशियाई एक्जिम बैंक्स फोरम (ए ई बी एफ) की 21वीं वार्षिक बैठक से इतर टोक्यो में सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

एशियन एक्जिम बैंक फोरम

एशियन एक्जिम बैंक्स फोरम की 21वीं बैठक दिसंबर 2015 में टोक्यो, जापान में हुई। इस बैठक की विषयवस्तु 'विश्व की विशाल ढांचागत जरूरतें और निर्यात ऋण एजेंसियां' थी। बैठक की मेजबानी और अध्यक्षता जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल को-ऑपरेशन ने की। इसमें ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, इंडोनेशिया, जापान, कोरिया, मलेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और वियतनाम सदस्य देशों के उच्चाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में बहुपक्षीय वित्तीय संस्था एशियाई विकास बैंक ने स्थायी अतिथि के रूप में और ईरान, मंगोलिया तथा श्रीलंका ने पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लिया। इस दौरान

ए ई बी एफ के सभी नियमित सदस्यों ने सर्वसम्मति से तुर्क एक्जिम बैंक को फोरम के एसोसिएट सदस्य के रूप में शामिल किया।

ए ई बी एफ की स्थापना 1996 में भारतीय निर्यात-आयात बैंक की पहल पर की गई थी। यद्यपि निर्यात ऋण एजेंसियों को सामान्यतया अपने देशों के निर्यात को बढ़ावा देने में सहयोग प्रदान करने हेतु प्रतिस्पर्द्धी के रूप में देखा जाता है, तथापि इस फोरम का उद्देश्य प्रतिस्पर्द्धा के साथ समन्वय करना है। एशियाई एक्जिम बैंक फोरम का उद्देश्य परस्पर आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देकर एशियाई एक्जिम बैंकों के बीच दीर्घकालिक व सुदृढ़ संबंध बनाना है।

यह फोरम प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिए जानकारी के आदान-प्रदान के लिए एक सुदृढ़ मंच भी प्रदान करती है। इसके जरिए सदस्य संस्थाओं के स्टाफ को वित्तपोषण, पूँजी बाजार, निर्यात से पहले वित्तपोषण, लघु, मध्यम उद्यमों को वित्तपोषण, पण्य वित्तपोषण, देश जोखिम, विदेश में निवेश जैसे विविध क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ कार्यप्रणालियां सीखने में मदद मिलती है। वर्ष के दौरान सदस्य संस्थाओं द्वारा तीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इनमें भारतीय निर्यात-आयात बैंक ने तमिलनाडु के मामल्लपुरम में जनवरी 2016 में ढांचागत विकास के लिए वित्तपोषण' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट

इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट (आई ए एफ एस) की तीसरी बैठक 26-29 अक्टूबर, 2015 के दौरान नई दिल्ली में हुई।



‘फोकस अफ्रीका’ पर नई दिल्ली में एक्जिम बैंक के सेमिनार के दौरान एक्जिम बैंक का हालिया प्रकाशन ‘अफ्रीका के साथ भारत के व्यापार रिश्तों को बढ़ावा: एक संक्षिप्त विश्लेषण’ माननीय केंद्रीय वित्त, कॉर्पोरेट मामले और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अरुण जेटली के करकमलों द्वारा जारी किया गया।



‘ढांचागत विकास के लिए वित्तपोषण’ विषय पर तमिलनाडु के मामल्लपुरम में एक्जिम बैंक द्वारा आयोजित एशियाई एक्जिम बैंक फोरम के 32वें प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी।

इससे इतर एक बैठक में एक्जिम बैंक ने कुकुजा प्रोजेक्ट डेवलपमेंट कंपनी (के पी डी सी) की उद्घाटन बैठक का आयोजन किया, जिसकी स्थापना अफ्रीका की ढांचागत परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की भागीदारी को सुगम बनाने के लिए की गई थी। कुकुजा प्रोजेक्ट डेवलपमेंट कंपनी का गठन इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फायनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आई एल एंड एफ एस), अफ्रीकी विकास बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एक्जिम बैंक की एक संयुक्त उपक्रम कंपनी है।

बैंक ने ‘फोकस अफ्रीका’ शीर्षक से 27 अक्टूबर, 2015 को एक सेमिनार का आयोजन भी किया। इसका उद्घाटन वित्त, कॉर्पोरेट मामले और सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अरुण जेटली द्वारा किया गया। सेमिनार में अफ्रीकी देशों की सरकारों और प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधिमंडल तथा अफ्रीकी और भारतीय कारोबारी समुदाय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती निर्मला सीतारमण का एक विशेष सत्र भी रखा गया था। केंद्रीय ऊर्जा, कोयला और अक्षय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पीयूष गोयल ने भी सेमिनार को संबोधित किया था।

बैंक ने अफ्रीकी सरकारों और अपने समरूपी संस्थाओं से और बेहतर रिश्ते बनाने के लिए आई ए एफ एस के दौरान अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधियों के साथ कई द्विपक्षीय बैठकें भी की।

एक्जिम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं का वैश्विक नेटवर्क

एक्जिम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के वैश्विक नेटवर्क (जी-नेक्जिड) की स्थापना एक्जिम बैंक की पहल पर अंकटाड के तत्वावधान में मार्च 2006 में जेनेवा में की गई थी। नेटवर्क ने विभिन्न विकासशील देशों के एक्जिम बैंकों तथा विकास वित्त संस्थाओं के सहयोग से दक्षिण-दक्षिण सहयोग

तथा निवेश को बढ़ाने में अच्छा कार्य किया है।

व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार

बैंक और कंफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सी आई आई) द्वारा ‘सी आई आई-एक्जिम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार’ की स्थापना 1994 में भारतीय कंपनियों द्वारा अपनाई जाने वाली उत्कृष्ट गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों (टी क्यू एम) को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। यह पुरस्कार यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (ई एफ क्यू एम) मॉडल पर आधारित है। यह वार्षिक पुरस्कार काफी प्रतिष्ठित है तथा उद्योग जगत में इसकी मान्यता है। किसी कंपनी को यह पुरस्कार पारदर्शी एवं कड़ी परीक्षण प्रक्रिया के बाद ई एफ क्यू एम मॉडल पर प्रदान किया जाता है। वर्ष 2015 में 22 कंपनियों को विभिन्न स्तरों के गुणवत्ता प्रशंसा पत्र मिले। भिलाई स्टील प्लांट और रैलिस इंडिया लिमिटेड सी आई आई-एक्जिम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार की विजेता रहीं।

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध पुरस्कार

बैंक द्वारा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध पुरस्कार (ईरा) की स्थापना 1989 में की गई थी। इसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों तथा शिक्षण संस्थाओं में भारतीय नागरिकों द्वारा अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र, व्यापार तथा विकास और संबद्ध वित्तपोषण के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देना है। इस पुरस्कार के अंतर्गत तीन लाख पचास हजार रुपये की नकद राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। वर्ष 2014 में डॉ. कल्याण शंकर को उनके शोध प्रबंध ‘चुनिंदा दक्षिण पूर्व एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में चुनिंदा विनिर्मित वस्तुओं के व्यापार में अंतर-देशीय मूल्य वर्द्धन श्रृंखलाओं का विश्लेषण’ के लिए प्रदान किया गया। डॉ. शंकर ने पुणे विश्वविद्यालय से 2011 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है।

स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान

एक्जिम बैंक स्थापना दिवस वार्षिक व्याख्यान माला की



अफ्रीका में ढांचागत परियोजनाओं में भारतीय कंपनियों की भागीदारी को सुगम बनाने हेतु कुकुजा प्रोजेक्ट डेवलपमेंट कंपनी की स्थापना के लिए एक्जिम बैंक ने विधायी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। कंपनी में अन्य हिस्सेदार इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फायनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड, अफ्रीकी विकास बैंक और भारतीय स्टेट बैंक हैं।

शुरुआत 1986 में की गई थी। इस व्याख्यान माला को वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव डालने वाले समसामयिक व्यापार और विकास मुद्दों पर बहस तथा चर्चा के एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में ख्याति प्राप्त है। वर्ष 2015 के लिए वार्षिक व्याख्यान डॉ. डोनाल्ड कबेरुका ने दिया, जो सितंबर 2005 से सितंबर 2015 तक अफ्रीकी विकास बैंक के अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में हार्वर्ड केनेडी स्कूल में हॉजर लीडर इन रेजिडन्स के रूप में पदस्थ हैं। डॉ. कबेरुका ने 'नए वैश्विक परिदृश्य में भारत-अफ्रीका निवेश को बढ़ावा' विषय पर व्याख्यान दिया।

ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था

ब्रिक्स फोरम 2016 के लिए भारत को अध्यक्ष चुना गया है और ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था के अंतर्गत भारत से मनोनीत विकास बैंक होने के नाते ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग

व्यवस्था की अध्यक्षता एक्जिम बैंक को मिली है। बैंक ने सदस्य बैंकों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए 10-11 मार्च, 2016 को उदयपुर में तकनीकी समूह बैठक का आयोजन किया। भारत की अध्यक्षता के दौरान बैंक ने कार्यक्रमों और सेमिनारों की श्रृंखला की योजना बनाई है। इसमें ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था की वार्षिक बैठक और वित्तीय फोरम शामिल हैं।

भारतीय एक्जिम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार

भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स अंतरबैंक सहयोग व्यवस्था के अंतर्गत बैंक ने 'भारतीय एक्जिम बैंक ब्रिक्स आर्थिक शोध पुरस्कार' की स्थापना की। इस पुरस्कार का उद्देश्य ब्रिक्स सदस्य देशों से संबंधित समसामयिक विषयों पर केंद्रित प्रमुख शोध अध्ययनों को प्रोत्साहित करना है। पुरस्कार स्वरूप एक प्रशस्ति पत्र और 15,00,000/- रुपए (लगभग 20,000 यू.एस. डॉलर) की सम्मान राशि प्रदान की जाएगी। निर्णायक मंडल ब्रिक्स के पांचों सदस्य देशों के ऐसे नागरिकों की डॉक्टरेट थीसिस को प्रविष्टि के तौर पर स्वीकार करेगा, जिन्हें किसी राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय या वैश्विक अकादमिक संस्थान द्वारा डॉक्टरेट की उपाधि दी गई हो या डॉक्टरेट की उपाधि के लिए जिनका आवेदन स्वीकार कर लिया गया हो।

एडफिएप पुरस्कार

बैंक को एशिया प्रशांत में विकास वित्त संस्थाओं के संघ (एडफिएप) द्वारा एपिया, सामोआ में हुई 39वीं वार्षिक बैठक के दौरान व्यापार विकास श्रेणी में उत्कृष्ट विकास परियोजना पुरस्कार 2016 (आउटस्टैंडिंग डेवलपमेंट प्रोजेक्ट अवॉर्ड) प्रदान किया गया। एडफिएप डेवलपमेंट पुरस्कार उन सदस्य संस्थाओं को प्रदान किया जाता है, जिनके प्रयासों से संबद्ध



एक्जिम बैंक ने मध्य श्रीलंका के डांबुला क्षेत्र में 9 जल संग्रहण केंद्रों को वितरण और प्रतिदिन 30 मिलियन लीटर क्षमता वाले जल शोधन संयंत्र (वाटर ट्रीटमेंट प्लांट) की स्थापना और उसके क्रियान्वयन के लिए 81.69 मिलियन यू.एस. डॉलर की संविदा को सहयोग प्रदान किया। परियोजना का निष्पादन वी.ए. टेक वाबाग द्वारा किया जा रहा है।



एक्जिम बैंक ने क्रेता ऋण सुविधा के अंतर्गत बी एस आर एम स्टील मिल्स लिमिटेड, बांग्लादेश को फर्नेस आधारित बिलेट विनिर्माण प्लांट की स्थापना के लिए सहयोग किया।

देशों में वित्तपोषित परियोजनाओं से विकासात्मक प्रभाव उत्पन्न हुआ हो। पुरस्कार उन सदस्यों को प्रदान किए जाते हैं, जिन्होंने एडफिएप पुरस्कार मंडल के निर्णय में ठीक बीते वर्ष में उत्कृष्ट और नवोन्मेषी विकास परियोजनाएं निष्पादित की हों या उन्हें बढ़ाया हो। एडफिएप ने बैंक के विभिन्न नवोन्मेषी उत्पादों के लिए ट्रेड डेवलपमेंट पुरस्कार प्रदान कर विकासात्मक भूमिका में बैंक के योगदान को सराहा है। 2016 का एडफिएप ट्रेड डेवलपमेंट पुरस्कार रवांडा में न्याबोरंगो हाइड्रोपावर प्लांट की स्थापना के लिए दिया गया है, जो नेशनल पावर ग्रिड को 18 फीसदी बिजली देता है। रवांडा का लक्ष्य 2017 तक 563 मेगावाट बिजली का उत्पादन करना है।

निर्यात संवर्द्धन के लिए राज्यों को एक्जिम बैंक द्वारा सहयोग

देश के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के वित्तपोषण, सुगमीकरण और संवर्द्धन के लिए स्थापित देश की शीर्ष निर्यात वित्त संस्था होने के नाते एक्जिम बैंक देश के राज्यों से निर्यात बढ़ाने तथा क्षेत्रीय उद्यमियों को विदेशों में व्यापार अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बैंक ने 'पश्चिम बंगाल से निर्यात: संभावनाएं और रणनीति' शीर्षक से एक शोध अध्ययन किया है, जिसमें राज्य के परंपरागत रूप से मजबूत ऐसे उद्योगों को रेखांकित किया गया

है, जिन्हें और मजबूती प्रदान की जा सकती है। साथ ही उन उद्योगों के सामने आने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है। इस अध्ययन को जनवरी 2016 में हुए द्वितीय वैश्विक बंगाल व्यापार सम्मेलन में पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री द्वारा जारी किया गया।

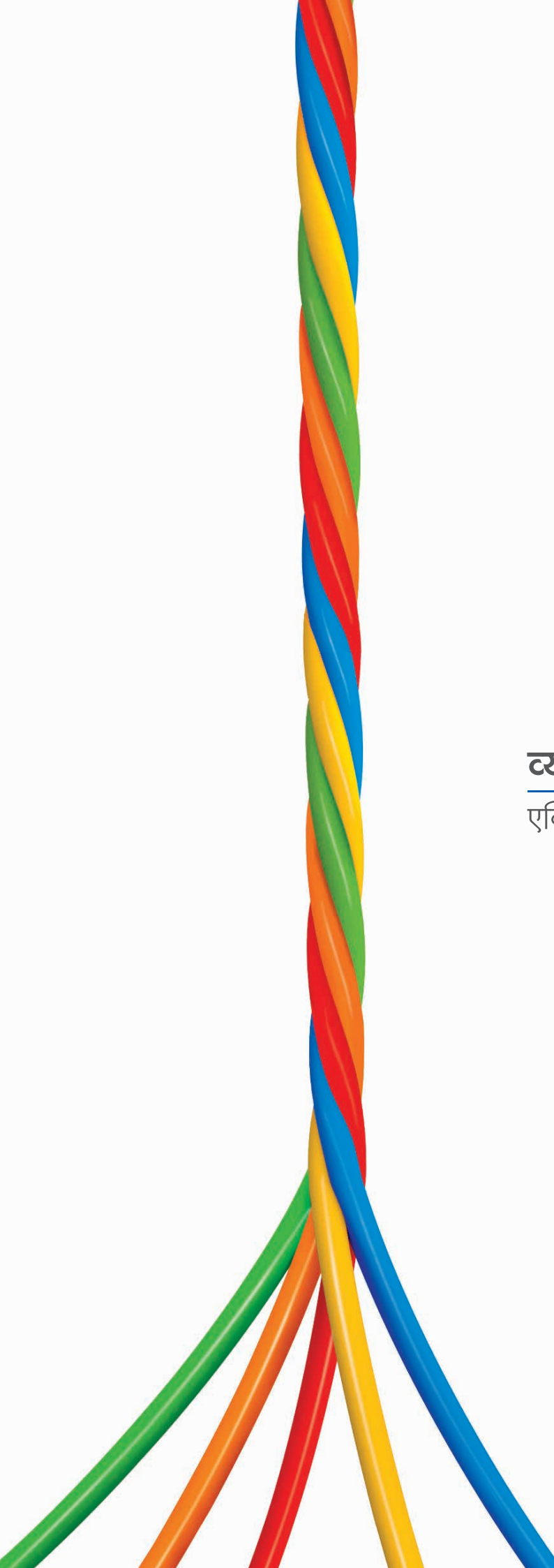
देश के विभिन्न राज्यों में अपने क्षेत्रीय कार्यालयों के जरिए बैंक विभिन्न निर्यातकों को निधिक सुविधाएं प्रदान करना चाहता है,



एक्जिम बैंक को एडफिएप द्वारा उत्कृष्ट विकास परियोजना पुरस्कार प्रदान किया गया।

ताकि उन्हें वैश्विक बाजार में अवसर प्रदान किए जा सकें। इस दिशा में बैंक और आंध्र प्रदेश सरकार ने आंध्र प्रदेश से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक सहमति ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एक्जिम बैंक आंध्र प्रदेश स्थित निर्यातकों को अपनी मार्केटिंग सलाहकारी सेवाओं के जरिए नए बाजारों में

पहुंच बनाने और उपयुक्त भागीदार तलाशने में सहायता कर उनका निर्यात बढ़ाने में मदद करेगा। इसके अलावा बैंक क्षमता निर्माण कार्यशालाओं के जरिए निर्यातकों के कौशल विकास और चुनिंदा व्यापार मेलों तथा प्रदर्शनियों में उनकी भागीदारी बढ़ाने में भी मदद करता है।



व्यवसाय परिचालन

एक्जिम बैंक का संस्थागत ढांचा

मानव संसाधन प्रबंधन

यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 325 थी जिनमें सनदी लेखाकार, प्रबंधन स्नातक, अर्थशास्त्री, बैंकर, विधि, पुस्तकालय एवं प्रलेखीकरण विशेषज्ञ, इंजीनियर, भाषा विशेषज्ञ, मानव संसाधन तथा सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल हैं। इनमें से 275 प्रोफेशनल स्टाफ सदस्यों की सहायता कुशल और प्रतिबद्ध प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जाती है। बैंक एक 'लर्निंग संस्था' है, जो अपने अधिकारियों के कौशलों का निरंतर उन्नयन करने के लिए विभिन्न सामूहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। अधिकारियों को उनके कौशल विकास के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए नामित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान बैंक के 245 अधिकारियों ने बैंक परिचालनों से संबंधित विविध विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सेमिनारों में भाग लिया। इन कार्यक्रमों में कार्यशील पूँजी प्रबंधन, वित्तीय विवरणों का विश्लेषण, परियोजना आयोजना, परियोजना निगरानी एवं नियंत्रण प्रणाली, व्यापार वित्त, ऋण जोखिम, रुपया संसाधन, संप्रेषण कौशल तथा सांगठनिक कौशल के लिए नेतृत्व विकास आदि शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान, प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा आयोजित 38 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 70 प्रतिशत अधिकारियों को नामित किया गया था। 10 समूह प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें: परियोजना एवं इंफ्रास्ट्रक्चर वित्तपोषण, परियोजना वित्त के लिए वित्तीय मॉडलिंग, परियोजना मूल्यांकन: उपकरण एवं तकनीक, कॉर्पोरेट बैंकिंग, ऋण मूल्यांकन की आधारभूत जानकारी, एम एस एम ई को वित्तपोषण, फॉरेंसिक लेखांकन एवं अन्वेषी आंतरिक लेखा परीक्षा, चुनौतीपूर्ण परिवेश में जोखिम प्रबंधन, अनर्जक आस्तियों का प्रबंधन, बैंकों में ऋण जोखिम प्रबंधन की बेसल II आई आर बी अप्रोच, बेसल III मामले एवं बैंकिंग क्षेत्र



एक्जिम बैंक ने हर्षा इंजीनियर्स लिमिटेड (एच ई एल), अहमदाबाद को जॉनसन मेटल एस आर एल, रोमानिया में 100 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए आंशिक वित्तपोषण में सहयोग प्रदान किया।

में चुनौतियां, नेतृत्व की चुनौतियां, शीर्ष प्रबंधन सुरक्षा नेतृत्व, अव्यवस्था प्रबंधन, डायनेमिक समय प्रबंधन, लोगों के जरिए नेतृत्व प्राप्त करना, सेवानिवृत्त होने वाले कार्यपालकों के लिए कार्यक्रम, बिग डेटा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं ज्ञानार्जन खोज तथा कॉर्पोरेट ग्रूमिंग, सामान्य एवं खान-पान शिष्टाचार आदि शामिल हैं।

अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन-जातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का प्रतिनिधित्व

यथा 31 मार्च, 2015 को बैंक की सेवा में कुल 325 कर्मचारियों में से 33 अनुसूचित जाति, 21 अनुसूचित जन-जाति और 49 अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं। बैंक ने इन स्टाफ सदस्यों को सूचना प्रौद्योगिकी और व्यावसायिक संप्रेषण कौशल संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया है। बैंक ने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, नई दिल्ली के अनुसूचित जाति और जन-जाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करना जारी रखा है। बैंक ने कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रीयल टेक्नोलॉजी



फिक्की-एक्जिम बैंक के संयुक्त कार्यक्रम 'ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार और निवेश संवर्द्धन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम' के दौरान एक्जिम बैंक के अध्ययन ब्रिक्स में शोध एवं विकास: एक अध्ययन' जारी किया गया।

(केआईआईटी) यूनिवर्सिटी, ओडिशा; नॉर्थ ईस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एनईआरआईएसटी), अरुणाचल प्रदेश; दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (डी एस ई) तथा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जे एन यू), नई दिल्ली के आरक्षित वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियाँ देना भी प्रारंभ किया है।

“कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम 2013” के अंतर्गत आंतरिक शिकायत समिति

इस अधिनियम के अनुपालन में बैंक ने कार्य स्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न संबंधी घटनाओं की शिकायतों पर विचार करने के लिए एक समिति का गठन किया है। बैंक अपने कर्मचारियों की सुरक्षा को सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानता है और इसके लिए अपने कर्मचारियों को सुरक्षित कार्य-स्थल प्रदान करता है। समिति द्वारा नियमित बैठकें की गई हैं तथा बैंक के कर्मचारियों को इस विषय पर जागरूक करने के लिए सभी कार्यालयों में जागरूकता सत्रों का भी आयोजन किया गया है।

राजकोष

बैंक की एकीकृत ट्रेजरी अतिरिक्त निधियों के निवेश, मुद्रा बाजार तथा फॉरेक्स परिचालनों तथा प्रतिभूतियों की खरीद-बिक्री सहित निधि प्रबंधन का कार्य देखती है। बैंक ने फ्रंट/मिडल/बैंक ऑफिस कार्यों को अलग किया है और एक आधुनिकतम डीलिंग रूम स्थापित किया है। बैंक की ट्रेजरी अपने ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के उत्पाद यथा विदेशी मुद्रा सौदे, निर्यात दस्तावेजों की वसूली/परक्रामण, अंतरदेशीय/विदेशी साख-पत्र/गारंटियाँ जारी करना तथा संरचित ऋण आदि प्रदान करती है। बैंक अपने बाजार जोखिमों तथा तुलन पत्र जोखिमों को कम करने तथा न्यून लागत पर निधियाँ जुटाने के लिए वित्तीय व्युत्पन्न (डेरिवेटिव) संव्यवहारों का



एक्जिम बैंक को 'ख' क्षेत्र में राजभाषा कार्यान्वयन तथा गृहपत्रिका एक्जिमिअस के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पुरस्कृत किया गया।



एक्जिम बैंक अंतरराष्ट्रीय आर्थिक शोध वार्षिक पुरस्कार 2014 के विजेता डॉ. वी. कल्याण शंकर को मुख्य आर्थिक सलाहकार, भारत सरकार डॉ. अरविंद सुब्रमण्यन द्वारा पुरस्कृत किया गया।

भी उपयोग करता है। बैंक भारतीय वित्तीय नेटवर्क (इंफिनेट) का एक सदस्य है तथा इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी (आई डी आर बी टी) से रजिस्ट्रेशन ऑथरिटी भी प्राप्त है। बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक के निगोशिएटेड डीलिंग सिस्टम-ऑर्डर मैचिंग सेगमेंट (एन डी एस-ओ एम) के माध्यम से सौदा करने के लिए डिजिटल प्रमाण पत्र प्राप्त है, जो भारत सरकार की प्रतिभूतियों के क्रय-विक्रय के लिए इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन का एक मंच प्रदान करता है। बैंक की प्रतिभूतियाँ तथा विदेशी मुद्रा लेन-देन मुख्यतः भारतीय समाशोधन निगम लिमिटेड (सीसीआईएल) द्वारा प्रदान की गई गारंटी निपटान सुविधा के जरिए किये जाते हैं। बैंक सी सी आई एल अनुषंगी लेन-देन दायित्व खंड (सी बी एल ओ) का भी एक सक्रिय सदस्य है। बैंक सीसीआईएल के रेपो डीलिंग सिस्टम, क्लियर कॉर्प ऑर्डर मैचिंग सिस्टम (सीआरओएमएस) का भी सदस्य है। यह सीसीआईएल द्वारा शुरू किया गया प्रत्यक्ष ऑर्डर मैचिंग प्लेटफॉर्म है, जो सभी प्रकार की सरकारी प्रतिभूतियों की मार्केट खरीद बिक्री में T+0/T+1 आधार पर सहायता प्रदान करता है। सीसीआईएल सभी सीआरओएमएस की केंद्रीय काउंटरपार्टी के रूप काम करती है और सी सी आई एल द्वारा निपटानों की गारंटी दी जाती है। बैंक ने लंदन शाखा से कनेक्टिविटी के साथ केन्द्रीकृत स्विफ्ट सुविधा कार्यान्वित की है जो 'मल्टिपल बैंक आइडेंटिफायर कोड्स' को संभालने में सक्षम है।

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में प्रगति

वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान बैंक ने राजभाषा नीति के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाने में अपने प्रयासों को जारी रखा है। राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के उपबंधों के अनुपालन में परिपत्र, प्रेस-विज्ञप्तियाँ, सूचनाएँ एवं रिपोर्टें द्विभाषिक रूप में जारी की गई हैं। राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अनुपालन में हिन्दी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए गए हैं।



एक्जिम बैंक ने टी वी एस लॉजिस्टिक्स सर्विसेज इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी एशियानिक्स सप्लाय चेन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (टी वी एस एशियानिक्स), सिंगापुर को ऑस्ट्रेलिया स्थित 'ट्रांसफर इंटरनेशनल फ्रेट' में 55 फीसदी हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए सहयोग प्रदान किया।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए वार्षिक कार्यक्रम को कार्यान्वित किया गया तथा विभिन्न मानदंडों पर लक्ष्य प्राप्ति के लिए कार्य-योजना तैयार की गई। प्रधान कार्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठकों के जरिए इसकी प्रगति की तिमाही आधार पर समीक्षा एवं मॉनीटरिंग की गई। बैंक के अधिकारियों को हिन्दी में प्रशिक्षित करने के लिए लक्ष्य के अनुसार हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। यूनीकोड फॉन्ट के प्रयोग को प्रोत्साहित किया गया तथा कम्प्यूटरों पर इसके प्रयोग हेतु अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। बैंक ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टॉलिक)/राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति/वित्तीय सेवाएँ विभाग की राजभाषा कार्यान्वयन समिति तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की बैंकों तथा वित्तीय संस्थाओं के लिए राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सक्रियता से भाग लिया तथा बैठकों में लिए गए निर्णयों को कार्यान्वित किया।

बैंक के अधिकारियों को अपने दैनिक कार्य में हिन्दी का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एक प्रोत्साहन योजना बैंक में लागू है। बैंक की गृहपत्रिका 'एक्जिमिअस' में हिन्दी खंड भी शामिल है। अधिकारियों को हिन्दी में अपने लेख देने के लिए प्रोत्साहित किया गया तथा सर्वोत्तम लेखों को पुरस्कृत किया गया है। बैंक अपने अधिकारियों को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आयोजित अंतरबैंक हिन्दी प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु प्रोत्साहित करता है। हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान न रखने वाले अधिकारियों को हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान दिलाने के लिए प्रशिक्षण हेतु नामित किया गया। सरकार के निदेशों के अनुसरण में 1 सितम्बर, 2015 से बैंक में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

बैंक की कॉर्पोरेट वेबसाइट हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। बैंक के व्यवसाय एवं परिचालन संबंधी सूचना बैंक की हिन्दी वेबसाइट पर व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए उपलब्ध कराई गई/अद्यतित की गई।

बैंक के परिचालनों एवं प्रक्रिया साहित्य के अनुवाद के अलावा चुनिंदा प्रासंगिक आलेख एवं कार्यकारी आलेख हिन्दी में अनूदित किए गए। बैंक के त्रैमासिक प्रकाशन 'एक्जिमिअस: एक्सपोर्ट एडवांटेज' के सभी अंकों का हिन्दी रूपांतरण 'एक्जिमिअस: निर्यात लाभ' शीर्षक के अधीन प्रकाशित किया गया। बैंक के एक द्विमासिक प्रकाशन 'एग्री एक्सपोर्ट एडवांटेज' के अंकों को भी हिन्दी में 'कृषि निर्यात लाभ' शीर्षक के अधीन प्रकाशित किया गया। हिन्दी तथा अंग्रेजी के अलावा इसे 10 अन्य भारतीय भाषाओं में अनूदित कर वितरित किया गया।



एक्जिम बैंक ने फुलकारी उत्पादों के लिए छह महीने की डिजाइन विकास कार्यशाला का आयोजन किया।

हिन्दी के प्रगामी प्रयोग विषयक सरकार की नीति के अनुसरण में बैंक के पुस्तकालय (ज्ञान केंद्र) को विदेश व्यापार, वाणिज्य, वित्तपोषण, बैंकिंग, सूचना प्रौद्योगिकी तथा अन्य विषयों पर नई पुस्तकों से समृद्ध बनाया गया। शासकीय प्रयोजनों के लिए हिन्दी के प्रयोग की गति में तेजी लाने के बैंक के प्रयासों को विभिन्न प्राधिकरणों से मान्यता प्राप्त हुई है। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में गठित बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (टॉलिक), मुम्बई ने वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए समस्त वित्तीय संस्थाओं में से एक्जिम बैंक के प्रधान कार्यालय को हिन्दी में सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया है। बैंक के पुणे क्षेत्रीय कार्यालय तथा कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय को भी अपने कार्यालयों में हिन्दी में सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए क्रमशः टॉलिक पुणे तथा टॉलिक कोलकाता द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए हैं। भारतीय रिज़र्व द्वारा बैंक की गृहपत्रिका 'एक्जिमिअस' को 32 प्रतिभागी बैंकों/वित्तीय संस्थाओं में वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए द्विभाषिक गृहपत्रिका के रूप में



एक श्रीलंकाई आयातक को लैमिनेटेड ट्यूबों की आपूर्ति के लिए एक्जिम बैंक ने राजकोट स्थित एंटीला प्रोपैक को सहयोग प्रदान किया।

लगातार पांचवी बार पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसके साथ ही ख क्षेत्र में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बैंक को वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया है। बैंक के स्टाफ सदस्यों को भी टॉलिक के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी

विभिन्न घटकों के बीच सूचना के बेहतर प्रसार और प्रयोक्ता तथा प्रणाली क्षमताओं को मजबूत करने के लिए बैंक ने ज्ञान प्रबंधन, संचार उपकरणों को उन्नत करना जारी रखा है।

परिचालन व्यवसाय आसूचना, बैंक व्यापी सिस्टम; प्रलेखन प्रबंधन एवं कार्य प्रवाह; नेटवर्क; ढांचागत सुविधा तथा सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रणालियों को सक्षम बनाया गया है तथा उनका उन्नयन किया गया है। बैंक ने सूचना प्रौद्योगिकी अभिशासन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए अपने परिचालन एवं प्रक्रियाओं को मजबूत किया है। बैंक की रिव्यू की गई कार्पोरेट वेबसाइट (www.eximbankindia.in) ने बैंक में किए गए विभिन्न शोध कार्य-कलापों, व्यावसायिक अवसरों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार अग्रताओं पर सूचना का व्यवस्थित ढंग से प्रचार-प्रसार करना जारी रखा है। इसके अलावा, इस पर बैंक के विभिन्न ऋण कार्यक्रमों तथा सूचना एवं सलाहकारी सेवाओं से संबंधित जानकारी भी उपलब्ध है। बैंक एशियाई एक्जिम बैंक फोरम का सदस्य है तथा बैंक इनकी वेबसाइट का प्रबंधन करता है। एक्जिम बैंक पहली और अकेली वित्तीय संस्था है, जिसने आर टी जी एस/एन ई एफ टी को लागू किया है तथा अब यह स्वयं स्वतंत्र रूप से भुगतान एवं निपटान कर रहा है। बैंक ने एकीकृत कोर बैंकिंग प्रणाली (सी बी एस) भुगतान चैनलों (आर टी जी एस/एन ई एफ टी) के साथ न केवल निधि प्रबंधन में सुधार किया है बल्कि निधि विनियोजन चक्र को कम कर वास्तविक समय पर भी कर दिया है। बैंक ने सिस्टम आधारित आस्ति निगरानी प्रणाली को अपनाया है। यह प्रणाली भविष्य में होने वाली



एक्जिम बैंक द्वारा अपने स्टाफ के लिए टीम बिल्डिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

चूकों से बचने के लिए चेतावनी अलर्ट जारी करती है। बैंक ने डिजिटल इंडिया पहल के साथ कदम मिलाते हुए आंतरिक प्रक्रियाओं का ऑटोमेशन करने के लिए शेयरप्वाइंट पोर्टल तैयार किया है।

कॉर्पोरेट अभिशासन

एक्जिम बैंक अपने सभी प्रकार के संप्रेषणों के संबंध में पूरी पारदर्शिता तथा ईमानदारी बरतता है और सभी संबंधितों को पूर्ण, सही और स्पष्ट सूचना प्रदान करना सुनिश्चित करता है। बैंक कॉर्पोरेट अभिशासन की उत्कृष्ट पद्धतियों के अनुपालन के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसके लिए सदैव तत्पर रहता है। इस पर समुचित नियंत्रण के लिए बैंक ने एक व्यवस्था विकसित की है तथा इसकी उपादेयता की निरंतर समीक्षा करता रहता है। व्यवसाय/वित्तीय निष्पादन से संबंधित मामले, विश्लेषण आंकड़े/सूचना आदि को निदेशक मंडल/निदेशक मंडल की प्रबंधन समिति (एम सी) को समीक्षा के लिए आवधिक आधार पर रिपोर्ट किया जाता है। सभी कानूनों, विनियमों तथा अन्य प्रक्रियाओं, भारत सरकार/रिज़र्व बैंक द्वारा जारी विनियमों के पालन के संबंध में बैंक में बोर्ड द्वारा अनुमोदित एक अनुपालन नीति है और एक वरिष्ठ अधिकारी को अनुपालन अधिकारी के रूप में उत्तरदायी बनाया गया है, जो किसी भी प्रकार के विचलन को लेखा परीक्षा समिति (एसी) को रिपोर्ट करता है। वर्ष के दौरान बैंक के निदेशक मंडल की पाँच बैठकें तथा प्रबंधन समिति की आठ बैठकें आयोजित की गईं।

आंतरिक लेखा परीक्षा समिति

बैंक की लेखा परीक्षा समिति का उद्देश्य बैंक के संपूर्ण लेखा परीक्षा कार्यों की देख-रेख करना तथा उसे मार्गदर्शन प्रदान करना है ताकि प्रबंधन के एक माध्यम के रूप में उसकी प्रभावशीलता में वृद्धि हो और वह सांविधिक/बाहरी/

आंतरिक/संगामी लेखा परीक्षा रिपोर्टों तथा भारतीय रिज़र्व बैंक की निरीक्षण रिपोर्टों में उठाये गये सभी मुद्दों के संबंध में अनुवर्ती कार्रवाई करे। निदेशक मंडल के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले बैंक के वार्षिक वित्तीय विवरणों की जांच लेखा परीक्षा समिति द्वारा की जाती है। इसके साथ ही लेखा परीक्षा समिति आवधिक आधार पर बैंक की निधि प्रबंधन समिति तथा आस्ति-देयता समिति की भी समीक्षा करती है। वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की छह बैठकें हुईं।

आस्ति-देयता प्रबंधन (ए एल एम)

बैंक की आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड ऑफिस के सहयोग से बाजार जोखिमों की निगरानी तथा प्रबंधन करती है। बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित व्यापक आस्ति देयता प्रबंधन/नकदी नीतियों के अनुसार एल्को नकदी/ ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन करती है। एल्को की भूमिका में अन्य बातों के साथ-साथ भारतीय रिज़र्व बैंक/बोर्ड द्वारा निर्धारित विवेकपूर्ण सीमाओं की तुलना में बैंक की मुद्रा-वार संरचनात्मक नकदी तथा ब्याज दर संवेदनशीलता की स्थितियों की समीक्षा करना, नकदी प्रवाहों के आवधिक दबाव परीक्षणों के परिणामों की निगरानी करना और ब्याज दर, घट-बढ़ की तुलना में (क) निवल ब्याज आय की संवेदनशीलता और (ख) आर्थिक मूल्य की संवेदनशीलता के आकलन के माध्यम से आंकी गई ब्याज दर जोखिम की मात्रा के आधार पर कार्रवाई करना शामिल है। मुद्रावार तरलता जोखिमों का नियमित आधार पर परीक्षण किया गया तथा मुद्राओं की उपलब्धता में कमी के आकलन के अवसर समय-समय पर मुद्रावार योजनाएं तैयार की गईं। जोखिम पर मूल्य की गणना भारत सरकार की प्रतिभूतियों के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध तथा ट्रेडिंग के लिए रोकी गई पोर्टफोलियो के लिए की गई है। निधि प्रबंधन समिति (एफ एम सी)



एक्जिम बैंक, अफ्रीकी विकास बैंक और फिक्की द्वारा कोट दि'वार के आबिदजान में संयुक्त रूप से आयोजित अफ्रीका-इंडिया पार्टनरशिप डे।



नई दिल्ली में इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट के दौरान 'फोकस अफ्रीका' विषय पर एक्जिम बैंक द्वारा आयोजित सेमिनार।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में अनुमोदित संसाधन योजना के अनुसार निवेशों/विनिवेशों और उधार राशियाँ/संसाधन जुटाने से संबंधित निर्णय लेती है। निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति द्वारा निधि प्रबंधन समिति (एफएमसी) तथा आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) के कार्यों की समीक्षा की जाती है।

जोखिम प्रबंधन

बैंक में एक एकीकृत जोखिम प्रबंधन समिति (आईआर एम सी) गठित है जो परिचालन समूहों से स्वतंत्र है और यह सीधे शीर्ष प्रबंधन को रिपोर्ट करती है। एकीकृत जोखिम प्रबंधन समिति विभिन्न जोखिमों (पोर्टफोलियो, तरलता, ब्याज दर, तुलन-पत्र से इतर और परिचालन जोखिम), निवेश नीतियों तथा उनसे संबंधित विनियामक एवं अनुपालन मुद्दों के बारे में बैंक की जोखिम प्रबंधन नीतियों की समीक्षा करती है। एकीकृत जोखिम प्रबंधन समिति आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को), निधि प्रबंधन समिति (एफ एम सी) तथा ऋण-जोखिम प्रबंधन समिति (सी आर एम सी) के परिचालनों की देख-रेख करती है, जिनमें से सभी में क्रॉस-फंक्शनल प्रतिनिधित्व होते हैं। जहाँ आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक में आस्ति-देयता प्रबंधन नीति और प्रक्रियाओं से संबंधित मुद्दों को देखती है और बैंक के समग्र बाजार जोखिम (चलनिधि, ब्याज दर जोखिम और विदेशी मुद्रा जोखिम) का विश्लेषण करती है वहीं ऋण जोखिम प्रबंधन समिति (सी आर एम सी), ऋण-नीति और प्रक्रियाओं की देखरेख और बैंक के ऋण जोखिमों का विश्लेषण, प्रबंधन तथा नियंत्रण करती है। बैंक के पास आस्ति गुणवत्ता और ऋण समीक्षा में सुधार के लिए आधुनिक ऋण जोखिम प्रबंधन मॉडल (सी आर एम) है जिससे (गुणवत्ता तथा मात्रात्मक पैरामीटरों/उपायों की व्यापक श्रेणी के जरिए) बैंक को बेहतर ऋण मूल्यांकन निर्णय लेने तथा उत्कृष्ट पोर्टफोलियो प्रबंधन

क्षमता में मदद मिलती है। संबंधित प्रस्तावों के लिए उत्तरदायी अधिकारियों द्वारा दी गई रेटिंग की समीक्षा स्वतंत्र रूप से एक रेटिंग समिति द्वारा की जाती है। व्यवसाय निरंतरता तथा आकस्मिकता प्रबंधन के लिए बैंक अपने हर कार्यालय की समेकित वार्षिक समीक्षा करता है। व्यवसाय निरंतरता बनाए रखने तथा जोखिमों के प्रभाव को कम करने की दृष्टि से प्रत्येक कार्यक्रम की नियमित समीक्षा की जाती है।

ऋण निगरानी समूह

दबावग्रस्त ऋण आस्तियों की बेहतर निगरानी तथा अनर्जक आस्तियों में रिकवरी प्रक्रिया को सुदृढ़ बनाने के लिए बैंक में ऋण प्रशासन समूह (एल ए जी) कार्यरत है। ऋण प्रशासन समूह बोर्ड अनुमोदित वसूली नीति के जरिए अनर्जक आस्तियों की वसूली सुनिश्चित करता है और नए स्लिपेज को रोकने सहित जिन अनर्जक आस्तियों को व्यवहार्य बनाया जा सकता है उन्हें अर्जक आस्ति श्रेणी में लाने हेतु उनका पुनर्वास करता है। ऋण खातों के ए बी सी वर्गीकरण (क्रेडिट रेटिंग माइग्रेशन की मॉनिटरिंग सहित) की एक प्रणाली विद्यमान है। बैंक में अलग-अलग समितियों द्वारा अतिदेय व अनर्जक आस्तियों की मासिक समीक्षा की जाती है। बैंक अनर्जक अस्तियों की वसूली के लिए बहुस्तरीय वसूली अभियान चलता है जिसमें कानूनी कार्रवाई, कोर्ट रिसीवर के जरिए आस्तियों की बिक्री, वार्ताओं के जरिए वसूली, एक बारगी निपटान, आस्ति प्रतिभूतिकरण और पुनर्रचना एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम के अंतर्गत आस्तियों का कब्जा लेकर उनकी वसूली आदि शामिल हैं।

सभी निपटान प्रस्तावों की जाँच करने तथा इन्हें आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों को अंतरित करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश और विधि तथा बैंकिंग के क्षेत्रों में गहन अनुभव रखने वाले दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों से युक्त एक स्वतंत्र जाँच समिति गठित है।

बैंक में के वाई सी, ए एम एल एवं पी एम एल उपाय

बैंक ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित अपने ग्राहक को जानिए (केवाईसी), धनशोधन निवारण (एएमएल) तथा धनशोधन निषेध (पीएमएल) नीतियाँ अपनाई हैं। केवाईसी, एएमएल तथा पीएमएल नीतियों में शामिल हैं—

- (क) ग्राहक स्वीकार्यता नीति
- (ख) ग्राहक पहचान प्रक्रिया
- (ग) संव्यवहारों की निगरानी
- (घ) जोखिम प्रबंधन

बैंक द्वारा बैंकों के एक्युटी डेटाबेस को भी एक्सेस किया जाता है जो विश्व के प्रमुख बिजनेस पब्लिशर्स, रीड बिजनेस इंफोर्मेशन, जो रीड एल्सीवियर समूह की इकाई है, की एक ऑनलाइन डेटाबेस सेवा है। यह बैंकों के लिए अनुपालन डेटाबेस है। अद्यतित एक्युटी डेटाबेस काफी व्यापक है और इसमें विश्व के सभी प्रमुख बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा वित्तीय नियामकों द्वारा जारी चेतावनी सूचियों का समावेश है। बैंक के सभी ग्राहकों को न्यूनतम के वाई सी अपेक्षाओं के अधीन लाया जाता है। इससे स्वाभाविक व्यक्ति/कानूनी व्यक्ति तथा 'लाभकर्ता स्वामित्व' की पहचान में मदद मिलती है। के वाई सी नीतियाँ तथा प्रक्रियाएं सावधि जमा खाता धारकों, प्रतिनिधि बैंकों, नए स्टाफ की भर्ती तथा ट्रेजरी संव्यवहारों से संबंधित प्रतिपक्षी पार्टियों पर भी लागू की जाती हैं। के वाई सी मानदंडों के अनुपालन के संबंध में बैंक एक प्रश्नावली के माध्यम से अन्य बैंकों से आवश्यक जानकारी प्राप्त करता है। बैंक भारतीय रिज़र्व बैंक, सेबी द्वारा विनिर्दिष्ट प्रक्रियाओं तथा तरीकों के अनुसार कतिपय संव्यवहारों के बारे में रिकार्ड/सूचना भी रखता है तथा यह रिकार्ड, संव्यवहार की तारीख से दस वर्षों तक सुरक्षित रखे जाते हैं। बैंक ने के वाई सी, ए एम एल तथा पी एम एल के उपायों के अनुपालन के लिए एक मुख्यअधिकारी भी नियुक्त किया है। के वाई सी तथा

ए एम एल नीति को बैंक की वेबसाइट पर भी रखा गया है।

ऋणदाओं के लिए आचार संहिता

ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता बैंक में भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप ऋणदाताओं के लिए उचित आचार संहिता विद्यमान है जो निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित है। इस नीति की समीक्षा प्रत्येक वर्ष की जाती है।

सूचना का अधिकार

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 में परिभाषित अनुसार एक्जिम बैंक एक लोक प्राधिकरण है। अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत भारतीय नागरिक सूचना प्राप्त करने के लिए बैंक के लोक सूचना अधिकारी अथवा सहायक लोक सूचना अधिकारियों को अपने आवेदन भेज सकते हैं। इनके पते बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

संयुक्त उद्यम

भारतीय निर्यात-आयात बैंक द्वारा स्थापित ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सल्टेंट्स लि. (जी पी सी एल) एक्जिम बैंक तथा विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाली 11 अन्य प्रतिष्ठित निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के बीच एक संयुक्त उद्यम है जिसकी स्थापना 1996 में की गई थी। जी पी सी एल एक नवोन्मेषी संकल्पना थी जिसकी स्थापना कृषि, ऊर्जा, उद्योग, खनन, परिवहन, जल संसाधन आदि क्षेत्रों से जुड़ी अग्रणी कंपनियों की भागीदारी में की गई थी। जी पी सी एल ने गत वर्ष अपनी प्रोक्योरमेंट सेवाओं के दायरे को बढ़ाया है जिनमें परियोजना की पहचान करना, कन्सेप्ट अध्ययन, रिपोर्टों को तैयार करना, ऋणदाता इंजीनियर के रूप में काम करना, परियोजना का ड्यू डिलीजेंस करना, परियोजना की निगरानी करना, मूल्यांकन, क्षमता निर्माण तथा द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय ऋण एजेंसियों को विभिन्न सेवाएं प्रदान करना शामिल है। कंपनी ने ₹ 12.70 मिलियन के कर पूर्व लाभ के साथ वित्तीय वर्ष 2015-16 में ₹ 44.59 मिलियन की आय दर्ज की है।



वित्तीय विवरण

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

भारत के राष्ट्रपति

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

- हमने भारतीय निर्यात-आयात बैंक (बैंक) की सामान्य निधि के संलग्न 31 मार्च, 2016 के तुलन-पत्र और साथ ही उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की सामान्य निधि के लाभ और हानि लेखे एवं समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी तथा लेखा नीतियों एवं अन्य विवरणात्मक आँकड़ों की लेखा परीक्षा की है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेवारी

- बैंक प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम 1981 ("अधिनियम") तथा उसके अधीन विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। इस जिम्मेवारी में बैंक की आस्तियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं से बचने हेतु अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप समुचित लेखा अभिलेख रखने; उचित लेखा नीतियों का चयन एवं अनुप्रयोग; उचित एवं तार्किक आकलन पद्धति अपनाने; तथा उसकी डिज़ाइन, कार्यान्वयन तथा वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आवश्यक आंतरिक नियंत्रण शामिल है ताकि वित्तीय विवरण तैयार करने और उसे प्रस्तुत करने हेतु उपयुक्त लेखा रिकॉर्डों की शुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि लेखा रिकॉर्ड धोखाधड़ी अथवा भूलवश आई गलत सूचनाओं से रहित सत्य और न्यायसंगत स्थिति बताते हैं।

लेखा परीक्षक की जिम्मेवारी

- हमारी जिम्मेवारी इन वित्तीय विवरणों की हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर रिपोर्ट देना है।
- हमने यह लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का

अनुपालन करते हुए अपनी लेखा परीक्षा को इस प्रकार निष्पादित और नियोजित करें ताकि तर्कपूर्ण रूप से यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन वित्तीय विवरणों में किसी प्रकार की कोई महत्वपूर्ण सूचना गलत नहीं है।

- लेखा परीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में राशियों एवं प्रकटीकरण को प्रमाणित करने वाले साक्ष्यों की परीक्षण आधार पर जाँच करना शामिल है। इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूर्णतया लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर है जिसमें महत्वपूर्ण विवरणों के संबंध में भूल अथवा धोखाधड़ी के चलते भ्रामक मिथ्याकथन जोखिमों का आकलन करना शामिल है। इन जोखिमों के मूल्यांकन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में लेखा परीक्षकों के विचार से इन विवरणों को त्रुटिरहित ढंग से तैयार करने में बैंक के आंतरिक नियंत्रणों तथा प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों एवं बैंक के प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों के आकलन के साथ ही समग्र वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है।
- हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षा के लिए हमारे द्वारा प्राप्त किए गए साक्ष्य पर्याप्त और समुचित हैं तथा हमारे लेखा परीक्षा अभिमत के लिए तर्क संगत आधार प्रदान करते हैं।

अभिमत

- हमारी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार निम्नलिखित लेखा विवरण तथा उन पर लेखा टिप्पणियाँ भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं तथा भारत में सामान्यतः मान्य लेखा मानकों के अनुरूप सच्ची और सही स्थिति प्रदर्शित करती हैं:
 - यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की सामान्य निधि का तुलन-पत्र;
 - यथा 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखा;
 - 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी

अन्य विधिक तथा विनियामक मामलों पर रिपोर्ट

8. तुलन पत्र, तथा लाभ और हानि खाता तथा नकदी प्रवाह विवरण अधिनियम अंतर्गत विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।
9. **हम यह रिपोर्ट करते हैं कि:**
 - (i) लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।
 - (ii) बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में आए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अंतर्गत हैं।
10. हमारी राय में तुलन पत्र, लाभ और हानि लेखा तथा नकदी प्रवाह विवरणी भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी अनिवार्य लेखा मानकों के अनुरूप हैं।

11. हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:

- (i) इस रिपोर्ट में प्रस्तुत तुलन पत्र, लाभ-हानि लेखा बैंक की लेखा बहियों और विवरणों के अनुरूप हैं।
- (ii) हमारे विचार में और हमारे परीक्षण के आधार पर बैंक द्वारा विधि निर्धारित अनुसार इन बहियों का उचित अभिलेख रखा गया है।

कृते सोराब एस. इंजीनियर एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 110417 डब्ल्यू

सीए एन.डी. अंकलेसरिया

पार्टनर

सदस्यता सं-10250

नई दिल्ली, 18 मई, 2016

तुलन-पत्र यथा 31 मार्च, 2016 को

| | | सामान्य निधि | |
|--|-------------------|-------------------------------------|-------------------------------------|
| | | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
| देयताएँ | अनुसूचियाँ | | |
| 1. पूँजी | I | 63,593,663,881 | 50,593,663,881 |
| 2. आरक्षित निधियाँ | II | 51,274,380,950 | 48,432,478,706 |
| 3. लाभ और हानि खाता | III | 315,800,000 | 4,330,000,000 |
| 4. नोट, बॉन्ड एवं डिबेंचर | | 758,415,735,967 | 654,813,805,834 |
| 5. देय बिल | | - | - |
| 6. जमा राशियाँ | IV | 20,957,976,444 | 20,145,564,929 |
| 7. उधार राशियाँ | V | 153,792,093,951 | 112,145,856,396 |
| 8. चालू देयताएँ एवं आकस्मिकताओं हेतु प्रावधान | | 54,223,325,895 | 50,853,115,547 |
| 9. अन्य देयताएँ | | 49,604,540,404 | 42,934,844,838 |
| योग | | 1,152,177,517,492 | 984,249,330,131 |
| आस्तियाँ | | | |
| 1. नकदी एवं बैंक शेष | VI | 54,437,772,262 | 45,119,549,425 |
| 2. निवेश | VII | 53,555,303,809 | 49,820,071,236 |
| 3. ऋण एवं अग्रिम | VIII | 979,917,321,381 | 834,209,687,541 |
| 4. भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन पत्र | IX | 11,250,000,000 | 14,890,000,000 |
| 5. अचल आस्तियाँ | X | 1,001,849,707 | 1,041,036,561 |
| 6. अन्य आस्तियाँ | XI | 52,015,270,333 | 39,168,985,368 |
| योग | | 1,152,177,517,492 | 984,249,330,131 |
| आकस्मिक देयताएँ | | | |
| i) स्वीकृतियाँ, गारंटियाँ, परांकन तथा अन्य दायित्व | | 63,035,684,000 | 54,510,751,000 |
| ii) वायदा विनिमय संविदाओं की बकाया राशियों पर | | 1,606,793,100 | 11,975,645,800 |
| iii) हामीदारी एवं वचनबद्धताओं पर | | - | - |
| iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएँ | | 160,936,200 | 122,925,000 |
| v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है | | 1,851,000,000 | 1,853,700,000 |
| vi) संग्रहण के लिए बिल | | - | - |
| vii) सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर | | - | - |
| viii) भुनाये गये/पुनःभुनाये गये बिल | | - | - |
| ix) अन्य राशियाँ जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है | | 53,009,168,100 | 54,684,530,400 |
| योग | | 119,663,581,400 | 123,147,552,200 |

‘लेखों पर टिप्पणियाँ’ संलग्न हैं।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से
श्री यदुवेन्द्र माथुर
 अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सुश्री रीता तेवतिया

श्री राजीव ऋषि

श्री डेविड रस्कीना

श्री अमर सिन्हा

श्री किशोर खरात

श्री देबाशिस मल्लिक

श्री पंकज जैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
 कृते सोराब एस. इंजीनियर एण्ड कंपनी
 सनदी लेखाकार
 फर्म रजि नं. 110417डब्ल्यू
 (सीए एन डी. अंकलेसरिया)
 पार्टनर
 (एम सं. 010250)

नई दिल्ली, 18 मई, 2016

लाभ और हानि लेखा यथा 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए

| | | सामान्य निधि | |
|---|------------|-----------------------|-----------------------|
| व्यय | | इस वर्ष ₹ | गत वर्ष ₹ |
| | अनुसूचियाँ | | |
| 1. ब्याज | | 60,220,521,575 | 53,354,962,719 |
| 2. ऋण बीमा, शुल्क एवं प्रभार | | 557,465,467 | 618,707,736 |
| 3. स्टाफ के वेतन, भत्ते आदि और सेवांत लाभ | | 573,498,843 | 482,132,649 |
| 4. निदेशकों एवं समिति के सदस्यों की फीस तथा व्यय | | - | 75,872 |
| 5. लेखा परीक्षा की फीस | | 1,008,000 | 1,008,000 |
| 6. भाड़ा, कर, बिजली और बीमा प्रीमियम | | 180,182,761 | 156,851,013 |
| 7. संचार विषयक व्यय | | 41,107,755 | 40,675,200 |
| 8. विधि विषयक व्यय | | 46,859,764 | 26,971,262 |
| 9. अन्य व्यय | XII | 733,331,105 | 611,717,185 |
| 10. मूल्य ह्रास | | 158,350,644 | 171,021,434 |
| 11. ऋण हानियों/निवेशों पर आकस्मिकताओं, मूल्य ह्रास के लिए प्रावधान | | 20,764,754,808 | 9,389,101,183 |
| 12. आगे ले जाया गया लाभ | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |
| योग | | 87,810,322,607 | 76,206,989,561 |
| आयकर के लिए प्रावधान [आस्थगित कर राशि ₹ 6,276,735,814 सहित (गत वर्ष आस्थगित कर राशि ₹ 2,081,376,848)] | | 1,375,539,641 | 4,095,022,482 |
| तुलन-पत्र में आंतरित शेष लाभ | | 3,157,702,244 | 7,258,742,826 |
| | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |
| आय | | | |
| 1. ब्याज और बट्टा | XIII | 82,937,552,343 | 71,478,625,732 |
| 2. विनिमय, कमीशन, दलाली और फीस | | 2,679,635,294 | 3,232,767,339 |
| 3. अन्य आय | XIV | 2,193,134,970 | 1,495,596,490 |
| 4. तुलन-पत्र को ले जायी गयी हानि | | - | - |
| योग | | 87,810,322,607 | 76,206,989,561 |
| घटाया गया लाभ | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |
| पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज-कर प्रावधान का प्रतिलेखन | | - | - |
| | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |
| 'लेखों पर टिप्पणियाँ' संलग्न हैं। | | | |

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से
श्री यदुवेन्द्र माथुर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सुश्री रीता तेवतिया

श्री राजीव ऋषि

श्री डेविड रस्कीना

श्री अमर सिन्हा

श्री किशोर खरात

श्री देबाशिस मल्लिक

श्री पंकज जैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते सोराब एस. इंजीनियर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म रजि नं. 110417डब्ल्यू
(सीए एन डी. अंकलेसरिया)
पार्टनर
(एम सं. 010250)

नई दिल्ली, 18 मई, 2016

तुलन-पत्र की अनुसूचियाँ

सामान्य निधि

| | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
|---|-------------------------------------|-------------------------------------|
| अनुसूची I: पूँजी: | | |
| 1. प्राधिकृत | 100,000,000,000 | 100,000,000,000 |
| 2. निर्गमित एवं प्रदत्त: (केन्द्रीय सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त) | 63,593,663,881 | 50,593,663,881 |
| अनुसूची II: आरक्षित निधियाँ: | | |
| 1. आरक्षित निधि | 35,679,061,886 | 35,153,159,642 |
| 2. सामान्य आरक्षित राशियाँ | - | - |
| 3. अन्य आरक्षित राशियाँ: | | |
| निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि | - | - |
| ऋण शोधन निधि (ऋण-व्यवस्थाएं) | 1,955,319,064 | 1,809,319,064 |
| 4. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित राशि | 13,640,000,000 | 11,470,000,000 |
| | 51,274,380,950 | 48,432,478,706 |
| अनुसूची III: लाभ और हानि लेखा | | |
| 1. परिशिष्ट में उल्लिखित लेखा के अनुसार शेष | 3,157,702,244 | 7,258,742,826 |
| 2. घटाएं: विनियोजन: | | |
| - आरक्षित निधि को अंतरित | 525,902,244 | 1,091,742,826 |
| - निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित निधि को अंतरित | - | - |
| - ऋण शोधन निधि को अंतरित | 146,000,000 | 137,000,000 |
| - आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 36(1) (viii) के अधीन विशेष आरक्षित निधि को अंतरित | 2,170,000,000 | 1,700,000,000 |
| 3. निवल लाभ का शेष (एक्जिम बैंक अधिनियम, 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केंद्र सरकार को अंतरणीय) | 315,800,000 | 4,330,000,000 |
| अनुसूची IV: जमा राशियाँ: | | |
| (क) भारत में | 20,957,976,444 | 20,145,564,929 |
| (ख) भारत के बाहर | - | - |
| | 20,957,976,444 | 20,145,564,929 |

| | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
|---|-------------------------------------|-------------------------------------|
| अनुसूची V: उधार राशियाँ: | | |
| 1. भारतीय रिज़र्व बैंक से: | | |
| (क) न्यासी प्रतिभूतियों पर | - | - |
| (ख) विनिमय बिलों पर | - | - |
| (ग) राष्ट्रीय औद्योगिक ऋण (दीर्घावधि परिचालन) निधि से | - | - |
| 2. भारत सरकार से | - | - |
| 3. अन्य स्रोतों से: | | |
| (क) भारत में | 27,982,259,380 | 20,086,246,078 |
| (ख) भारत के बाहर | 125,809,834,571 | 92,059,610,318 |
| | 153,792,093,951 | 112,145,856,396 |
| अनुसूची VI: नकदी एवं बैंक में शेष: | | |
| 1. हाथ में नकदी | 441,091 | 400,030 |
| 2. भारतीय रिज़र्व बैंक में शेष | 1,166,198,086 | 5,451,484 |
| 3. अन्य बैंकों में शेष: | | |
| (क) भारत में | | |
| i) चालू खातों में | 1,923,368,204 | 746,537,449 |
| ii) अन्य जमा खातों में | 17,235,150,000 | 25,870,200,000 |
| (ख) भारत के बाहर | 32,863,504,658 | 18,496,960,462 |
| 4. मांग और अल्प सूचना पर प्रतिदेय राशि/ सी बी एल ओ के अंतर्गत ऋण | 1,249,110,223 | - |
| | 54,437,772,262 | 45,119,549,425 |

| | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
|---|-------------------------------------|-------------------------------------|
| अनुसूची VII: निवेश: (मूल्य में हास का निवल, यदि कोई है) | | |
| 1. केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियाँ | 30,641,326,101 | 25,556,314,956 |
| 2. इक्विटी शेयर और स्टॉक | 1,925,667,391 | 1,700,753,740 |
| 3. अधिमान शेयर एवं स्टॉक | 24,667,500 | 113,023,300 |
| 4. नोट, डिबेंचर एवं बॉन्ड | 19,963,642,817 | 22,449,979,240 |
| 5. अन्य | 1,000,000,000 | - |
| | 53,555,303,809 | 49,820,071,236 |
| अनुसूची VIII: ऋण एवं अग्रिम: | | |
| 1. विदेशी सरकारें | 311,369,649,152 | 275,616,942,773 |
| 2. बैंक: | | |
| (क) भारत में | 118,556,386,266 | 99,380,409,358 |
| (ख) भारत के बाहर | - | - |
| 3. वित्तीय संस्थाएं: | | |
| (क) भारत में | - | - |
| (ख) भारत के बाहर | 29,378,726,376 | 27,206,870,787 |
| 4. अन्य | 520,612,559,587 | 432,005,464,623 |
| | 979,917,321,381 | 834,209,687,541 |
| अनुसूची IX: भुनाये गये/पुनः भुनाये गये विनिमय बिल और वचन-पत्र: | | |
| (क) भारत में | 11,250,000,000 | 14,890,000,000 |
| (ख) भारत के बाहर | - | - |
| | 11,250,000,000 | 14,890,000,000 |

| | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
|---|-------------------------------------|-------------------------------------|
| अनुसूची X: अचल आस्तियाँ: (लागत पर मूल्यहास घटाकर) | | |
| 1. परिसर | | |
| सकल राशि (आगे लाया गया) | 1,699,706,684 | 1,360,999,990 |
| वर्ष के दौरान परिवर्द्धन | 34,815,571 | 338,706,694 |
| वर्ष के दौरान निपटान | - | - |
| वर्ष के अंत में सकल राशि | 1,734,522,255 | 1,699,706,684 |
| संचित ह्रास | 847,175,825 | 774,233,945 |
| निवल राशि | 887,346,430 | 925,472,739 |
| 2. अन्य | | |
| सकल राशि (आगे लाया गया) | 845,735,505 | 805,305,468 |
| वर्ष के दौरान परिवर्द्धन | 84,937,149 | 67,309,381 |
| वर्ष के दौरान निपटान | 33,792,022 | 26,879,344 |
| वर्ष के अंत में सकल राशि | 896,880,632 | 845,735,505 |
| संचित ह्रास | 782,377,355 | 730,171,683 |
| निवल राशि | 114,503,277 | 115,563,822 |
| | 1,001,849,707 | 1,041,036,561 |
| अनुसूची XI: अन्य आस्तियाँ: | | |
| 1. निम्नलिखित पर उपचित ब्याज: | | |
| (क) निवेशों/बैंक राशियाँ | 10,120,323,475 | 8,965,770,682 |
| (ख) ऋण एवं अग्रिम | 13,606,131,376 | 10,968,139,181 |
| 2. विविध पक्षों के पास जमा राशियाँ | 33,666,234 | 29,453,044 |
| 3. प्रदत्त अग्रिम आयकर (निवल) | 9,425,982,298 | 7,665,368,624 |
| अन्य [आस्थगित कर आस्तियों सहित | | |
| 4. ₹ 14,515,647,472 | 18,829,166,950 | 11,540,253,837 |
| (गत वर्ष – ₹ 8,238,911,658)] | | |
| | 52,015,270,333 | 39,168,985,368 |
| अनुसूची XII: अन्य व्यय: | | |
| 1. निर्यात संवर्द्धन व्यय | 46,065,093 | 35,031,827 |
| 2. डाटा प्रोसेसिंग और संबद्ध व्यय | 18,424,976 | 26,327,975 |
| 3. मरम्मत और रख-रखाव | 169,754,863 | 122,245,579 |
| 4. मुद्रण और लेखन सामग्री | 10,741,599 | 9,878,219 |
| 5. अन्य | 488,344,574 | 418,233,585 |
| | 733,331,105 | 611,717,185 |

| | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
|---|-------------------------------------|-------------------------------------|
| अनुसूची XIII: ब्याज एवं बट्टा: | | |
| 1. ऋणों और अग्रिमों/बिलों की भुनाई/ पुनर्भुनाई पर ब्याज और बट्टा | 52,846,706,783 | 45,288,786,392 |
| 2. निवेशों/बैंक शेष राशियों पर आय | 30,090,845,560 | 26,189,839,340 |
| | 82,937,552,343 | 71,478,625,732 |
| अनुसूची XIV: अन्य आय: | | |
| 1. निवेशों की बिक्री/पुनर्मूल्यांकन पर निवल लाभ | 1,937,820,580 | 1,175,251,780 |
| 2. भूमि, भवन और अन्य आस्तियों की बिक्री पर निवल लाभ | 303,034 | 2,269,893 |
| 3. अन्य | 255,011,356 | 318,074,817 |
| | 2,193,134,970 | 1,495,596,490 |

टिप्पणी:

'देयताओं' [अनुसूची IV (क) देखिए] के अंतर्गत 294.11 मिलियन यू.एस. डॉलर की 'ऑन शोर' विदेशी मुद्रा जमा राशियाँ (गत वर्ष 298.29 मिलियन यू.एस. डॉलर) शामिल हैं जो प्रतिपक्षी पार्टी बैंकों/संस्थाओं द्वारा एक्जिम बैंक के पास रेसीप्रोकल रुपया जमा/बॉन्डों के पेटे रखी गई हैं। आस्तियों अनुसूची सं. VI 3.(क) (ii) देखिए के अंतर्गत नकदी तथा बैंक जमाओं में ₹ 16.72 बिलियन (गत वर्ष ₹ 15.61 बिलियन) की रुपया जमा शामिल है जो कि स्वैप्स संव्यवहारों के कारण है। आस्तियों के अंतर्गत अनुसूची सं. VII 4. देखिए कुल ₹ 1.99 बिलियन (गत वर्ष ₹ 2.17 बिलियन) की बॉन्ड राशि शामिल है जो स्वैप्स के कारण है।

यथा 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी

| विवरण | वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2016 | राशि (₹ मिलियन में) वर्ष समाप्ति 31 मार्च, 2015 |
|---|-----------------------------|--|
| परिचालनगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह कर पूर्व निवल लाभ और असाधारण मदें | 4,533.2 | 11,353.8 |
| निम्नलिखित के लिए समायोजन: | | |
| - अचल आस्तियों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल) | (0.3) | (2.3) |
| - निवेशों की बिक्री से (लाभ)/हानि (निवल) | (1,937.8) | (1,175.3) |
| - मूल्यहास | 158.4 | 171.0 |
| - बट्टे में डाले गए बॉन्ड निर्गमों पर छूट/व्यय | 152.7 | 120.8 |
| - निवेश उतार-चढ़ाव आरक्षित लेख से अंतर | - | - |
| - ऋणों/निवेशों एवं अन्य प्रावधानों के लिए प्रावधान/बट्टे खाते डालना | 20,764.8 | 9,389.1 |
| - अन्य | - | - |
| | 23,671.0 | 19,857.1 |
| निम्नलिखित के लिए समायोजन | | |
| - अन्य आस्तियाँ | (4,648.0) | (2,595.2) |
| - चालू देयताएं | (12,462.4) | 14,386.7 |
| परिचालनों से नकदी निर्माण | 6,560.6 | 31,648.6 |
| आय कर/ब्याज कर का भुगतान | (7,675.3) | (6,345.3) |
| परिचालनगत कार्यकलापों से निवल नकदी प्रवाह | (1,114.7) | 25,303.3 |
| निवेशगत कार्यकलापों से नकदी प्रवाह | | |
| - अचल आस्तियों की निवल खरीद | (118.9) | (402.5) |
| - निवेशों में निवल परिवर्तन | (1,797.4) | (9,482.3) |
| निवेशगत कार्यकलापों में उपयोग की गयी/से जुटायी गयी निवल नकदी | (1,916.3) | (9,884.8) |
| वित्तपोषण कार्यकलापों से नकदी प्रवाह | | |
| - प्राप्त इक्विटी पूँजी | 13,000.0 | 13,000.0 |
| - लिए गए ऋण (चुकोती घटाकर) | 145,746.9 | 71,966.5 |
| - दिए गए ऋणों, बिलों की भुनाई और पुनर्भुनाई (प्राप्त चुकोती घटाकर) से | (142,067.6) | (103,116.3) |
| - इक्विटी शेयरों पर लाभांश तथा लाभांश पर कर (केन्द्र सरकार को अंतरित निवल लाभ अधिशेष) | (4,330.0) | (3,390.0) |
| वित्तीय कार्यकलापों में प्रयुक्त/से अर्जित निवल नकदी प्रवाह | 12,349.3 | 21,539.8 |
| नकदी और नकद समतुल्य में निवल वृद्धि/(गिरावट) | 9,318.3 | (6,121.3) |
| प्रारंभिक नकदी एवं नकदी तुल्य | 45,119.5 | 51,240.8 |
| अंतिम नकदी एवं नकदी तुल्य | 54,437.8 | 45,119.5 |

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से
श्री यदुवेन्द्र माथुर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सुश्री रीता तेवतिया
श्री राजीव ऋषि
श्री डेविड रस्कीना

श्री अमर सिन्हा

श्री किशोर खरात

श्री देबाशिस मल्लिक

श्री पंकज जैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते सोराब एस. इंजीनियर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म रजि नं. 110417डब्ल्यू
(सीए एन डी. अंकलेसरिया)
पार्टनर
(एम सं. 010250)

नई दिल्ली, 18 मई, 2016

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ एवं लेखों की टिप्पणियाँ

I महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

i) वित्तीय विवरण

क) तैयारी का आधार

भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्विजि बैंक) का तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा (सामान्य निधि एवं निर्यात विकास निधि), भारत में प्रचलित लेखा सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। वित्तीय विवरण जब तक अन्यथा उल्लिखित न हो ऐतिहासिक लागत पद्धति के तहत तैयार किए गए हैं। बैंक द्वारा अपनाई गई लेखा नीतियाँ गत वर्ष प्रयोग की गई लेखा नीतियों के अनुरूप हैं। एक्विजि बैंक का तुलन-पत्र तथा लाभ और हानि लेखा भारतीय निर्यात-आयात बैंक सामान्य विनियमावली, 1982 में दिए गए रूप में तथा ढंग से तैयार किए गए हैं, जिसे भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (1981 का संख्यांक 28) की धारा 39(2) के अधीन भारत सरकार के पूर्व अनुमोदन से निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र डी बी एस. एफ आई डी.सं. सी -18/01.02.00/2000-01, दिनांकित 13 अगस्त, 2005 और उसके बाद में अपेक्षित अनुसार कतिपय महत्वपूर्ण वित्तीय अनुपात/आंकड़े, 'लेखों की टिप्पणियाँ' के खंड के रूप में दर्शाए गए हैं।

ख) आकलन का प्रयोग

निर्धारित तिथि को वित्तीय विवरणों को तैयार करने तथा आय और व्यय को रिपोर्ट करने के दौरान आस्ति तथा देयताओं की राशि रिपोर्ट करने के लिए (आकस्मिक देयताओं सहित) प्रबंधन को कुछ अनुमानों/आकलनों का सहारा लेना पड़ता है। प्रबंधन की राय के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करने में प्रयोग किए गए यह आकलन/अनुमान समुचित और तार्किक हैं।

ii) राजस्व की गणना

गैर-निष्पादक आस्तियों और "भार ग्रस्त आस्तियों" पर ब्याज, दंड स्वरूप ब्याज, वचनबद्धता प्रभार जिन्हें नकदी आधार पर हिसाब में लिया जाता है, को छोड़कर आय/व्यय का निर्धारण उपचय आधार पर किया गया है। गैर-निष्पादक आस्तियों का निर्धारण अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया है। एक्विजि बैंक के बॉन्डों पर दिया जाने वाला बट्टा/मोचन प्रीमियम बॉन्ड की अवधि के दौरान परिशोधित किया गया है और ब्याज व्यय में शामिल किया गया है।

iii) आस्ति वर्गीकरण और प्रावधानीकरण

तुलन-पत्र में दर्शायी गई ऋण और अग्रिम राशियों में गैर-निष्पादक आस्तियों हेतु प्रावधानों को घटाकर सिर्फ मूलधन बकाया राशियाँ शामिल हैं। प्राप्त होने वाले ब्याज को "अन्य आस्तियों" में समूहित किया गया है।

खाते की कमजोरी और वसूली हेतु संपार्श्विक प्रतिभूतियों पर निर्भरता के अनुसार ऋण आस्तियों को निम्नलिखित समूहों में वर्गीकृत किया गया है: मानक आस्तियाँ, अवमानक, आस्तियाँ, संदिग्ध आस्तियाँ और हानि आस्तियाँ। ऋण आस्तियों का वर्गीकरण एवं प्रावधानीकरण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय सावधि ऋणदात्री संस्थाओं को जारी किए गए मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप है।

iv) निवेश

संपूर्ण निवेश-पोर्टफोलियो को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

क) "परिपक्वता तक धारित" (परिपक्वता तक रखने के इरादे से अर्जित प्रतिभूतियाँ),

ख) "क्रय-विक्रय के लिए धारित" (प्रतिभूतियाँ इस इरादे से अर्जित की जाती हैं कि अल्पावधि मूल्य/ब्याज दर में होने वाले उतार-चढ़ावों आदि का लाभ उठाकर उनका क्रय-विक्रय किया जाए) और

ग) "बिक्री के लिए उपलब्ध" (शेष निवेश)।

निवेशों को निम्नलिखित रूप में पुनः वर्गीकृत किया गया है:

- i) सरकारी प्रतिभूतियाँ
- ii) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियाँ
- iii) शेयर
- iv) डिबेंचर और बॉन्ड
- v) सहायक कंपनियों/संयुक्त उपक्रमों
- vi) अन्य (वाणिज्यिक-पत्र, म्युचुअल फंड की यूनितें आदि)

निवेशों के विभिन्न लिखतों का वर्गीकरण, श्रेणीकरण, श्रेणियों के बीच परिवर्तन और निवेशों का मूल्य निर्धारण, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अखिल भारतीय सावधि ऋणदात्री संस्थाओं को जारी किए गए मानदंडों के अनुसार किया जाता है।

v) अचल आस्तियाँ तथा मूल्यहास

(क) अचल आस्तियों को संचयी मूल्यहास घटाकर परंपरागत लागत पर दर्शाया गया है।

(ख) मूल्यहास का प्रावधान सीधी रेखा पद्धति के आधार पर निम्नलिखित दरों पर किया गया है:

| आस्तियाँ | मूल्यहास दर |
|--|-------------|
| स्वयं के भवन | 5% |
| फर्नीचर एवं फिक्चर | 25% |
| कार्यालय उपकरण | 25% |
| अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण | 25% |
| कम्प्यूटर व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर | 25% |
| मोटर वाहन | 25% |
| मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण पर मूल्यहास प्रौद्योगिकी के पुराने होने के आधार पर लिया गया है। | 33.33% |

(ग) वर्ष के दौरान अर्जित आस्तियों के संबंध में मूल्यहास खरीद वर्ष में समूचे वर्ष के लिए प्रदान किया गया है तथा वर्ष के दौरान बेची गई आस्तियों के बारे में बिक्री वर्ष में कोई मूल्यहास नहीं किया गया है।

(घ) जहाँ किसी अवक्षयी आस्ति को निपटा दिया गया है, त्याग दिया गया है, गिरा दिया गया है अथवा नष्ट कर दिया गया है ऐसी स्थिति में निवल अधिशेष या कमी को लाभ और हानि लेखे में समायोजित किया गया है।

vi) अवक्षय

आस्तियों के रख-रखाव की राशि को हर तुलन-पत्र की तारीख को आंतरिक अथवा बाह्य कारणों से आस्ति के मूल्य में हुए अवक्षय के लिए प्रावधान अथवा गत अवधियों में हुई अवक्षय हानियों के प्रावधानों को रिवर्स करने के लिए पुनरीक्षित किया गया है।

vii) विदेशी मुद्रा लेन-देनों के लिए लेखांकन

क) विदेशी मुद्रा में मूल्यांकित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा व्यापार संघ (फेडआई) द्वारा अधिसूचित दर पर अंतरित किया गया है।

- ख) आय तथा व्यय मदों को वर्ष के दौरान विनिमय की औसत दरों पर अंतरित किया गया है।
- ग) बकाया विदेशी मुद्रा विनिमय संविदाओं को निर्दिष्ट परिपक्वता अवधियों के लिए फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर पुनर्मूल्यांकित किया गया है तथा इससे होने वाले लाभ/हानि को लाभ और हानि लेखे में शामिल किया गया है।
- घ) गारंटियों, स्वीकृतियों, परांकनों तथा अन्य दायित्वों के संबंध में आकस्मिक देयताओं को वर्ष के अंत में फेडाई द्वारा अधिसूचित विनिमय दरों पर दर्शाया गया है।

viii) गारंटियाँ

ई सी जी सी पॉलिसियों के अधीन अरक्षित खण्ड के लिए गारंटियों का प्रावधान परियोजनाओं के पूरे होने तक संभावित हानियों को ध्यान में रखकर किया गया है।

ix) डेरिवेटिव

बैंक अपनी आस्ति देयताओं की हेजिंग के लिए डेरिवेटिव संव्यवहारों जैसे ब्याज दर स्वैप, करेंसी स्वैप, अंतर करेंसी ब्याज दर स्वैप तथा वायदा दर करारों में भी डील करता है। भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार ये संव्यवहार हेजिंग के उद्देश्य से किए जाते हैं तथा उपचित आधार पर हिसाब में लिए जाते हैं। बकाया डेरिवेटिव संव्यवहारों के बारे में मात्रात्मक तथा गुणात्मक प्रकटन "लेखों की टिप्पणियों" में वित्तीय संस्थाओं के लिए प्रकटन मानक विषयक भारतीय रिज़र्व बैंक के मास्टर परिपत्र के अनुरूप किए जाते हैं।

x) कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान

- क) बैंक में भविष्य निधि, ग्रेच्युटी निधि और पेंशन परिभाषित कर्मचारी लाभ निधि योजनाएं हैं इन निधियों में अंशदान लाभ-हानि खाते को नामे कर किया जाता है।
- ख) ग्रेच्युटी तथा पेंशन परिभाषित कर्मचारी लाभ लाभकारी देयताएँ हैं। इन देयताओं के लिए प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अनुमानित एकक जमा पद्धति के आधार पर किया जाता है।
- ग) छुट्टी नकदीकरण के प्रति देयता के लिए वर्ष के अंत में बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर प्रावधान किया गया है।

xi) आय पर करों का लेखांकन

- क) संबंधित संविधि के अधीन भुगतान योग्य चालू कर के लिए प्रावधान किया गया है।
- ख) कर योग्य आय और लेखांकन आय के बीच समय अंतर की दृष्टि से आस्थगित कर की गणना विद्यमान कर दरों पर तथा अधिनियमित विधि अथवा तुलन-पत्र की सम दिनांक को प्रमुखतः अधिनियमित विधि के अनुसार की गई है। आस्थगित कर आस्तियों को केवल उसी सीमा तक हिसाब में लिया गया है जिस सीमा तक उनकी वसूली की समुचित निश्चितता है।

xii) प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ तथा आकस्मिक आस्तियाँ

प्रावधान, "आकस्मिक देयताएँ तथा आकस्मिक आस्तियाँ" भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आई सी ए आई) द्वारा जारी लेखा मानक 29 के अनुसार हिसाब में लिए जाते हैं। बैंक केवल उन प्रावधानों को हिसाब में लेता है जब वर्तमान दायित्व व किसी विगत घटना का परिणाम हो। हालांकि यह संभव है कि इस दायित्व से उपजे आर्थिक लाभ संबंधी राशि का भुगतान दायित्व की राशि के सही आकलन के निर्धारण के बाद किया जाए।

आकस्मिक देयताएँ तभी प्रकट की जाती हैं जब आर्थिक लाभ संबंधी राशि का भुगतान किए जाने की संभावना बहुत ही कम हो।

आकस्मिक आस्तियों को न ही हिसाब में लिया जाता है तथा न ही उन्हें वित्तीय विवरणों में प्रकट किया जाता है।

II लेखों की टिप्पणियाँ – सामान्य निधि

1. एजेंसी लेखा

चूँकि एक्जिम बैंक इराक में भारतीय संविदाकारों से संबंधित कतिपय सौदों को सुगम बनाने के लिए केवल एक एजेंसी के रूप में कार्य कर रहा है अतएव भारत सरकार को समनुदेशित ₹ 45.54 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 42.96 बिलियन) की राशि सहित बैंक को सूचित की गई एजेंसी खाते में धारित ₹ 41.15 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 38.82 बिलियन) की समतुल्य राशि की विदेशी मुद्रा की प्राप्य राशियाँ उपर्युक्त तुलन-पत्र में शामिल नहीं की गई हैं।

2. आयकर

बैंक की पूँजी संपूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा अभिदत्त है तथा बैंक में कोई अन्य शेयर पूँजी नहीं है। अतः भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम 1981 की धारा 23 (2) के अनुसार केन्द्र सरकार को अंतरणीय लाभ अधिशेष को लाभांश नहीं कहा जा सकता। परिणामस्वरूप वाद सं. आई टी ए. सं. 2025/मुंबई/2000 में 18 दिसंबर, 2006 को कर अपील न्यायाधीकरण (टी ए टी) द्वारा पारित निर्णय के आलोक में लाभांश वितरण पर कोई कर देय नहीं है, अतः इसके लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

3. (क) आकस्मिक देयताएँ

गारंटियों में ₹ 1.92 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 2.73 बिलियन) की समाप्त गारंटियाँ शामिल हैं, जिन्हें बहियों में से निरस्त किया जाना बाकी है।

(ख) दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत “बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है” के रूप में दिखाई गई ₹ 1.85 बिलियन (पिछले वर्ष ₹ 1.85 बिलियन) की राशि अधिकांशतः बैंक के उधारकर्ता/चूककर्ताओं द्वारा बैंक के विरुद्ध किए गए दावों/प्रतिदावों से संबंधित है जो बैंक द्वारा उनके विरुद्ध शुरू की गई विधिक कार्रवाई के कारण है। बैंक के सॉलिसिटर्स की राय में कोई भी दावा/प्रतिदावा गुणवत्ता योग्य नहीं है तथा कोई भी मामला अभी तक अंतिम सुनवाई तक नहीं पहुंचा है; अतः व्यावसायिक सलाह के आधार पर इस संबंध में कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

(ग) वायदा विनिमय संविदाएँ, मुद्रा/ब्याज दर स्वैप्स

i) यथा 31 मार्च, 2016 को बकाया वायदा विनिमय संविदाओं की पूरी तरह से हेजिंग की गई है। बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के 7 जुलाई, 1999 के परिपत्र संदर्भ सं. एम पी डी. बी सी.187/07.01.279/1999-2000 एवं उसके बाद जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार आस्ति-देयता प्रबंध के प्रयोजनार्थ डेरिवेटिव सौदे (ब्याज दर स्वैप, वायदा कर करार तथा मुद्रा-सह-ब्याज दर स्वैप) करता है। बैंक अपनी आवश्यकताओं तथा बाजार स्थितियों के आधार पर सौदे करता है तथा उनका निपटान करता है। बकाया डेरिवेटिव सौदों को ब्याज दर के उतार-चढ़ाव के आधार पर निपटाया जाता है जिसकी आस्ति देयता प्रबंधन समिति (एल्को) द्वारा निगरानी और बोर्ड द्वारा समीक्षा की जाती है। डेरिवेटिव के ऋण समतुल्य की गणना भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित ‘मौजूदा ऋण जोखिम’ पद्धति के अनुसार की जाती है। डेरिवेटिव के आधार बिंदु (पी वी 01) के उचित मूल्य तथा कीमत मूल्य को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित अनुसार ‘लेखों की टिप्पणियों’ में अलग से प्रकट किया गया है। वायदा दर संविदाओं से होने वाले लाभ या हानि को संविदा की पूरी अवधि के लिए परिशोधित किया गया है। वायदा विनिमय संविदाओं के निरस्तीकरण से उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि को वर्ष के लिए आय/व्यय के रूप में हिसाब में लिया जाता है।

ii) बैंक को ग्राहकों/गैर ग्राहकों के लिए ‘लॉग डेटेड फॉरेन करेंसी रूपी स्वैप्स’ संव्यवहारों के लिए ‘मार्केट मेकर’ की भूमिका निभाने की अनुमति प्राप्त है।

(घ) मुद्रा विनिमय दर के उतार-चढ़ाव पर लाभ/हानि

विदेशी मुद्रा में उल्लिखित आस्तियों तथा देयताओं को वर्ष के अंत में भारतीय विदेशी मुद्रा डीलर संघ (फेडआई) द्वारा अधिसूचित दरों पर अंतरित किया जाता है। आय तथा व्यय मदों को वार्षिक औसत विनिमय दर पर अंतरित किया जाता है। चालू वर्ष के दौरान विदेशी मुद्रा परिचालनों से अर्जित एवं धारित आय के अंतरणों पर सांकेतिक लाभ ₹ 0.12 बिलियन (गत वर्ष ₹ 0.07 बिलियन) है।

4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों संबंधित प्रकटीकरण: सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को विलंबित भुगतान संबंधी कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अपेक्षित अनुसार-अतिरिक्त सूचना

5. पूँजी

(क)

| | विवरण | यथा 31 मार्च, 2016 को | यथा 31 मार्च, 2015 को |
|-------|--|--------------------------|--------------------------|
| (i) | जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी अनुपात (सी आर ए आर) | 14.55% | 15.34% |
| (ii) | जोखिम आस्तियों की तुलना में मुख्य पूँजी अनुपात | 13.04% | 13.80% |
| (iii) | जोखिम आस्तियों की तुलना में अनुपूरक पूँजी अनुपात | 1.51% | 1.54% |

- (ख) यथा 31 मार्च, 2016 को टीयर-II पूँजी के रूप में जुटाए गए और बकाया गौण ऋण की राशि: ₹ कुछ नहीं (गत वर्ष: ₹ कुछ नहीं)

- (ग) जोखिम भारित आस्तियाँ-

(बिलियन ₹)

| | विवरण | यथा 31 मार्च, 2016 को | यथा 31 मार्च, 2015 को |
|------|---------------------------------------|--------------------------|--------------------------|
| (i) | तुलन-पत्र में 'शामिल' मदें | 587.32 | 486.66 |
| (ii) | तुलन-पत्र में 'शामिल नहीं की गई' मदें | 146.78 | 141.12 |

- (घ) तुलन-पत्र की तारीख को शेयरधारित का स्वरूप: भारत सरकार द्वारा पूर्णतः अभिदत्त।

- जोखिम आस्तियों की तुलना में पूँजी का अनुपात और अन्य मानदंडों का निर्धारण भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा वित्तीय संस्थाओं के लिए निर्धारित पूँजी पर्याप्तता मानदंडों के अनुसार किया गया है।

6. यथा 31 मार्च, 2016 को आस्ति-गुणवत्ता और ऋण-संकेन्द्रण

(क) निवल ऋणों और अग्रिमों की तुलना में गैर-निष्पादक आस्तियों की प्रतिशतता: 0.86 (गत वर्ष 0.60)

(ख) निर्धारित आस्ति वर्गीकरण श्रेणियों के अंतर्गत निवल गैर-निष्पादक आस्तियों की राशि और प्रतिशतता:

(बिलियन ₹)

| विवरण | यथा 31 मार्च, 2016 को | | यथा 31 मार्च, 2015 को | |
|------------------|-----------------------|---------|-----------------------|---------|
| | राशि | प्रतिशत | राशि | प्रतिशत |
| अवमानक आस्तियाँ | 8.55 | 0.86 | 5.10 | 0.60 |
| संदिग्ध आस्तियाँ | - | - | - | - |
| हानि आस्तियाँ | - | - | - | - |
| योग | 8.55 | 0.86 | 5.10 | 0.60 |

(ग) वर्ष के दौरान निम्नलिखित मदों के लिए किए गए प्रावधान:

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|--|---------|---------|
| मानक आस्तियाँ | 4.11 | 3.61 |
| अनर्जक आस्तियाँ | 15.28 | 9.73 |
| निवेश (जो अग्रिम के स्वरूप को छोड़कर अन्य स्वरूप के हैं) | 2.47 | (1.20) |
| आयकर | 1.38 | 4.10 |

(घ) अनर्जक आस्तियों में घट-बढ़:

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|--|---------|---------|
| वर्ष के आरंभ में निवल अनर्जक-आस्तियाँ | 5.10 | 3.21 |
| जोड़ें: वर्ष के दौरान नई अनर्जक-आस्तियाँ | 9.80 | 5.01 |
| घटाएं: वर्ष के दौरान वसूलियाँ/उन्नयन | 6.35 | 3.12 |
| वर्ष की समाप्ति पर निवल अनर्जक-आस्तियाँ | 8.55 | 5.10 |

(ङ) अनर्जक-आस्तियों (जिसमें ऋण, बॉन्ड और अग्रिम के रूप में डिबेंचर और अंतर- कंपनी जमा राशियाँ शामिल हैं) के लिए प्रावधान (मानक आस्तियों के लिए प्रावधान को छोड़कर)

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|--|---------|---------|
| वर्ष के आरंभ में प्रारंभिक जमा शेष | 20.43 | 12.75 |
| जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए प्रावधान | 15.28 | 9.73 |
| घटाएं: अतिरिक्त प्रावधान (बट्टे खाते में डालने/पुनरांकित*) | 1.51 | 2.05 |
| वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अंतिम शेष | 34.20 | 20.43 |

(* अनर्जक आस्तियों की बिक्री पर आस्ति पुनर्निर्माण कंपनियों की प्रतिभूति रसीदों की रिडेंप्शन के लिए रिजर्व निधि में अंतरित राशि को शामिल करते हुए)

(च) बैंक द्वारा जारी चुकौती आश्वासन पत्र (लेटर ऑफ कम्फर्ट)

बैंक द्वारा वर्ष के दौरान बैंक ऑफ इंडिया को ₹ 0.22 बिलियन की राशि के लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किए गए। यथा 31 मार्च, 2016 को इन प्रतिबद्धताओं पर कोई वित्तीय दायित्व नहीं उत्पन्न हुआ।

(छ) प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|-----------------------|---------|---------|
| प्रावधान कवरेज अनुपात | 80.35% | 80.59% |

(ज) जमा, अग्रिमों, ऋणों तथा एन पी ए का संकेन्द्रण

जमा राशियों का संकेन्द्रण

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|--|---------|---------|
| 20 सबसे बड़े जमाकर्ताओं की कुल राशि | 0.82 | 0.46 |
| बैंक की कुल जमा राशियों में 20 सबसे बड़े जमाकर्ताओं का प्रतिशत | 55.80% | 30.40% |

अग्रिमों का संकेन्द्रण

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| 20 सबसे बड़े उधारकर्ताओं को कुल ऋण | 154.51 | 118.63 |
| बैंक की कुल अग्रिमों के इन उधारकर्ताओं के ऋणों का प्रतिशत | 15.07% | 13.64% |

अग्रिमों की गणना डेरिवेटिव सहित अग्रिम मानदंडों पर भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र डीबीआर. एफआईडी. एफ आई सी. सं.4/01.02.00/2015-16 दिनांकित 1 जुलाई, 2015 में परिभाषित अनुसार की गई है।

एक्सपोजर का संकेन्द्रण

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों को एक्सपोजर | 209.13 | 189.72 |
| बैंक के बीस सबसे बड़े उधारकर्ताओं/ग्राहकों के कुल एक्सपोजर में इन उधारकर्ताओं/ग्राहकों के एक्सपोजर का प्रतिशत | 10.50% | 10.87% |

एक्सपोजर की गणना एवं निवेश एक्सपोजर पर भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र डीबीआर. एफआईडी. एफआईसी सं. 4/01.02.00/2015-16 दिनांकित 1 जुलाई, 2015 में परिभाषित अनुसार की गई है।

भारत सरकार द्वारा गारंटीत विदेशी बैंकों/वित्तीय संस्थाओं को ऋणों को भारत सरकार की ओर से दिए गए ऋण माना गया है तथा उन्हें एकल समूह उधारकर्ताओं की श्रेणी में नहीं माना गया है।

अनर्जक आस्तियों का संकेन्द्रण

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|-----------------------------------|---------|---------|
| शीर्ष चार एन पी ए खातों का कुल ऋण | 8.88 | 8.28 |

I. क्षेत्रवार अनर्जक आस्तियाँ:

| क्रम सं. | क्षेत्र | क्षेत्र विशेष में कुल अग्रिमों की तुलना में अनर्जक आस्तियों का प्रतिशत | |
|----------|--|--|---------|
| | | 2015-16 | 2014-15 |
| 1. | कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां | - | - |
| 2. | उद्योग (अति लघु तथा लघु, मध्यम एवं बड़े) | 4.17 | 2.94 |
| 3. | सेवाएँ | - | - |
| 4. | व्यक्तिगत ऋण | - | - |

II. अनर्जक आस्तियों (एनपीए) की घट-बढ़:

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|---|--------------|--------------|
| 1 अप्रैल को सकल एनपीए (प्रारंभिक शेष) (क) | 25.53 | 15.96 |
| वृद्धि: | | |
| (i) वर्ष के दौरान नए एन पी ए | 20.44 | 14.49 |
| (ii) ब्याज-निधीयन | (0.02) | 1.41 |
| (iii) विनिमय दर घट-बढ़ | 0.89 | 0.36 |
| उपखंड योग (ख) | 21.31 | 16.26 |
| घटाएँ: | | |
| (i) उन्नयन | 2.55 | 0.28 |
| (ii) वसूली (उन्नत खातों से वसूली को छोड़कर) | 0.84 | 5.32 |
| (iii) बट्टा | 0.71 | 1.09 |
| (iv) विनिमय दर घट-बढ़ | - | - |
| उपखंड योग (ग) | 4.10 | 6.69 |
| यथा 31 मार्च को सकल एनपीए अंतिम शेष (क+ख-ग) | 42.74 | 25.53 |

- डीबीआर परिपत्र सं. डीबीआर. सं. बीपी. बीसी. 1/21.04.048/2015-16 दिनांकित 1 जुलाई, 2015 के अनुलग्नक भाग सी-2 के अनुसार सकल एन पी ए

III. विदेशों में आस्तियाँ, अनर्जक आस्तियाँ तथा राजस्व:

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|--------------|---------|---------|
| कुल आस्तियाँ | 119.76 | 95.59 |
| कुल एन पी ए | 5.37 | 1.40 |
| कुल राजस्व | 5.58 | 5.49 |

उक्त आंकड़े बैंक की लंदन शाखा से संबंधित हैं जिसने अपने परिचालन अक्टूबर 2010 से प्रारंभ किए।

IV. तुलन पत्र से इतर प्रायोजित एसपीवी (जिन्हें लेखा मानकों के अनुरूप समेकित किया जाना है)

| प्रायोजित एस पी वी का नाम | |
|---------------------------|--------|
| घरेलू | विदेशी |
| - | - |

(झ) आस्ति पुनर्निर्माण हेतु वर्ष के दौरान प्रतिभूतिकरण कंपनी/पुनर्निर्माण कंपनी को बेची गई वित्तीय आस्तियाँ:

(बिलियन ₹)

| क्र. सं. | विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|----------|--|---------|---------|
| (i) | खातों की संख्या | 3 | 8 |
| (ii) | प्रतिभूतिकरण कंपनी/पुनर्निर्माण कंपनी को बेचे गए खातों का कुल मूल्य (प्रावधानों का निवल) | 0.97 | 3.72 |
| (iii) | कुल प्रतिफल | 0.58 | 4.76 |
| (iv) | पूर्ववर्ती वर्षों में स्थानांतरित खातों के संबंध में वसूल किया गया अतिरिक्त प्रतिफल | - | - |
| (v) | निवल बही मूल्य पर कुल लाभ | (0.39) | 1.04 |

- "पुनर्निर्माण कंपनियों को बेची गई आस्तियों" को भारतीय रिजर्व बैंक के मास्टर परिपत्र डी बी ओ डी सं. एफ आई डी. एफ आई सी. 2/01.02.00/2006-07 दिनांकित 1 जुलाई, 2006 और उसके बाद के दिशा-निर्देशों में परिभाषित अनुसार हिसाब में लिया गया है।

(ज) अनर्जक निवेश

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|------------------------------------|---------|---------|
| वर्ष के आरंभ में प्रारंभिक जमा शेष | 0.59 | 0.52 |
| वर्ष के दौरान परिवर्द्धन | 0.10 | 0.09 |
| वर्ष के दौरान घटाई गई राशियाँ | 0.04 | 0.02 |
| वर्ष की समाप्ति पर अंतिम शेष | 0.65 | 0.59 |
| धारित कुल प्रावधान | 0.65 | 0.59 |

(ट) निवेशों में मूल्यहास के लिए प्रावधान

(बिलियन ₹)

| विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| वर्ष के आरंभ में प्रारंभिक जमा शेष | 2.50 | 3.62 |
| जोड़ें: | | |
| (i) वर्ष के दौरान किये गये प्रावधान/(प्रतिलेखन) | 2.82 | (1.12) |
| (ii) वर्ष के दौरान निवेश घट-बढ़ आरक्षित लेखे से विनियोग, यदि कोई है | - | - |
| घटाएं: | | |
| (i) वर्ष के दौरान बढ़टा खाता | 0.24 | - |
| (ii) निवेश घट-बढ़ आरक्षित लेखे में अंतरण, यदि कोई है | - | - |
| वर्ष की समाप्ति पर अंतिम शेष | 5.08 | 2.50 |

(ठ) वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान पुनर्संचित खातों का विवरण

(बिलियन ₹)

| श्रेणी | विवरण | सीडीआर प्रणाली | एसएमई ऋण प्रणाली | अन्य |
|-----------------------------------|---|----------------|------------------|------|
| पुनर्संचित की गई मानक आस्तियाँ | खातों की संख्या | - | - | - |
| | बकाया राशि | - | - | - |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | - | - | - |
| पुनर्संचित की गई अवमानक आस्तियाँ | खातों की संख्या | - | - | - |
| | बकाया राशि | - | - | - |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | - | - | - |
| पुनर्संचित की गई संदिग्ध आस्तियाँ | खातों की संख्या | - | - | - |
| | बकाया राशि | - | - | - |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | - | - | - |
| कुल | खातों की संख्या | - | - | - |
| | बकाया राशि | - | - | - |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | - | - | - |

गत वर्ष (वित्तीय वर्ष 2014-15 के दौरान पुनर्संचित खातों का विवरण)

(बिलियन ₹)

| श्रेणी | विवरण | सीडीआर प्रणाली | एसएमई ऋण प्रणाली | अन्य |
|-----------------------------|---|----------------|------------------|-------|
| पुनर्संचित मानक आस्तियाँ | खातों की संख्या | 5 | 2 | 14 |
| | बकाया राशि | 4.10 | 0.19 | 13.78 |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | 0.47 | 0.01 | 1.07 |
| पुनर्संचित अवमानक आस्तियाँ | खातों की संख्या | 1 | - | - |
| | बकाया राशि | 0.67 | - | - |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | 0.17 | - | - |
| पुनर्संचित संदिग्ध आस्तियाँ | खातों की संख्या | - | - | - |
| | बकाया राशि | - | - | - |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | - | - | - |
| कुल | खातों की संख्या | 6 | 2 | 14 |
| | बकाया राशि | 4.77 | 0.19 | 13.78 |
| | परित्यागित राशि (वास्तविक राशि में कमी) | 0.64 | 0.01 | 1.07 |

टिप्पणी: यथा 31 मार्च, 2015 को एक उधारकर्ता का आवेदन ऋण पुनर्संचना के लिए प्राप्त हुआ जिनके अंतर्गत कुल राशि ₹ 0.28 बिलियन है।

(ड) ऋण सहायता

| | विवरण | पूँजी निधियों की तुलना में प्रतिशतता* | कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टी सी ई) [®] | कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता |
|------|-----------------------------|---------------------------------------|---|-------------------------------------|
| i) | सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता | 19.61 | 0.95 | 1.64 |
| ii) | सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह | 37.15 | 1.80 | 3.10 |
| iii) | 10 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता | 133.31 | 6.45 | 11.14 |
| iv) | 10 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह | 204.62 | 9.89 | 17.10 |

*31 मार्च, 2015 को पूँजी निधियाँ

[®] कुल ऋण सहायता (टी सी ई): ऋण + अग्रिम राशियाँ + उपयोग न की गई मंजूरियाँ + गारंटियाँ + एल सी + डेरीवेटिव्स के कारण ऋण जोखिम।

- 1) बैंकों और समुद्रपारीय संस्थाओं को प्रदान किए गए ऐसे ऋण, जिनकी गारंटी भारत सरकार ने दी है, उन्हें उनके आदेशानुसार दिया गया माना गया है, अतः उन पर एकल/समूह उधारकर्ता के रूप में विचार नहीं किया गया है।
- 2) यथा 31 मार्च, 2016 को एक उधारकर्ता को ऋण कुल निधियों के 15% से अधिक था। जिसे निदेशक मंडल/प्रबंध समिति का अनुमोदन प्राप्त था। यथा 31 मार्च, 2016 को इस उधारकर्ता का एक्सपोजर बैंक की निधि का 19.61% था।

गत वर्ष:

| | विवरण | पूँजी निधियों की तुलना में प्रतिशतता* | कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टी सी ई) [®] | कुल आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता |
|------|-----------------------------|---------------------------------------|---|-------------------------------------|
| i) | सबसे बड़ा एकल उधारकर्ता | 19.53 | 0.92 | 1.64 |
| ii) | सबसे बड़ा उधारकर्ता समूह | 42.79 | 2.02 | 3.58 |
| iii) | 10 सबसे बड़े एकल उधारकर्ता | 142.21 | 6.71 | 11.90 |
| iv) | 10 सबसे बड़े उधारकर्ता समूह | 230.57 | 10.88 | 19.30 |

* यथा 31 मार्च, 2014 को पूँजी निधि

[®] कुल ऋण सहायता (टी सी ई): ऋण + अग्रिम राशियाँ + उपयोग न की गई मंजूरियाँ + गारंटियाँ + एल सी + डेरीवेटिव्स के कारण ऋण जोखिम।

- 1) बैंकों और समुद्रपारीय संस्थाओं को प्रदान किए गए ऐसे ऋण, जिनकी गारंटी भारत सरकार ने दी है, उन्हें उनके आदेशानुसार दिया गया माना गया है, अतः उन पर एकल/समूह उधारकर्ता के रूप में विचार नहीं किया गया है।
- 2) यथा 31 मार्च, 2015 को दो उधारकर्ताओं को ऋण कुल निधियों के 15% से अधिक था। जिसे निदेशक मंडल/प्रबंध समिति का अनुमोदन प्राप्त था। यथा 31 मार्च, 2015 को इन उधारकर्ताओं का एक्सपोजर बैंक की निधि का 19.53% तथा 19.50% था।
- 3) यथा 31 मार्च, 2015 को एक उधारकर्ता समूह को ऋण कुल निधियों के 40% से अधिक था। जिसे निदेशक मंडल/प्रबंध समिति का अनुमोदन प्राप्त था। यथा 31 मार्च, 2015 को इस उधारकर्ता समूह का एक्सपोजर बैंक की निधि का 43% था।

(ढ) पाँच सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्रों को ऋण सहायता

| | क्षेत्र | कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टीसीई) | ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता |
|------|------------------------------|--|------------------------------------|
| i) | लौह धातु और धातु प्रसंस्करण | 9.41 | 7.16 |
| ii) | ई पी सी सेवाएँ | 8.59 | 6.53 |
| iii) | वस्त्र एवं परिधान प्रसंस्करण | 7.78 | 5.92 |
| iv) | तेल एवं गैस | 7.39 | 5.62 |
| v) | औषधि एवं फार्मास्युटिकल्स | 6.31 | 4.80 |

गत वर्ष:

| क्षेत्र | कुल ऋण सहायता की तुलना में प्रतिशतता (टीसीई) | ऋण आस्तियों की तुलना में प्रतिशतता |
|----------------------------------|--|------------------------------------|
| i) ई पी सी सेवाएँ | 12.41 | 10.06 |
| ii) तेल एवं गैस | 10.08 | 8.17 |
| iii) लौह धातु और धातु प्रसंस्करण | 9.36 | 7.59 |
| iv) वस्त्र एवं कपड़ा | 7.54 | 6.12 |
| v) औषधि एवं फार्मास्युटिकल्स | 5.83 | 4.72 |

- “ऋण सहायता” की गणना भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा परिभाषित अनुसार की गई है।

बैंकों को ऋण सहायता और समुद्रपारीय सत्ताओं की ऋण-व्यवस्थाएँ/क्रेता-ऋण को, इसमें शामिल नहीं किया गया है।

(ण) गैर-सरकारी ऋण प्रतिभूतियों में निवेश के संबंध में निर्गमकर्ता वर्ग

(बिलियन ₹)

| क्रम सं. | निर्गमकर्ता | राशि | राशि | | | |
|----------|--|--------|---|---|---|--------------------------|
| | | | निजी नियोजन के माध्यम से किये गये निवेश की राशि | “निवेश कोटि से कम स्तर” की धारित प्रतिभूतियाँ | धारित-दर निर्धारित न की गई प्रतिभूतियाँ | “असूचीबद्ध” प्रतिभूतियाँ |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1 | सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम | 0.04 | - | - | 0.04 | 0.04 |
| 2 | वित्तीय संस्थाएँ | 2.23 | 1.99 | - | 0.24 | 2.23** |
| 3 | बैंक | 0.27 | 0.10 | - | 0.17 | 0.17 |
| 4 | निजी कंपनियाँ | 24.02 | 22.90 | - | 24.02 | 22.42* |
| 5 | सहायक कंपनी/संयुक्त उद्यम | 0.0032 | - | - | 0.0032 | 0.0032 |
| 6 | अन्य | 1.00 | - | - | 1.00 | 1.00 |
| 7 | मूल्य में कमी के लिए धारित प्रावधान [#] | 4.64 | - | - | - | - |
| | कुल | 27.56 | 24.99 | - | 25.47 | 25.86 |

[#] प्रावधान की गई कुल राशि को ही कॉलम 3 में दिखाया गया है।

* इसमें से ₹ 21.87 बिलियन आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (ए आर सी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीद में निवेश तथा ₹ 0.50 बिलियन ऋण की राशि पुनर्संरचना के कारण अर्जित शेयर/डिबेंचर में निवेश की गई हैं।

** जिनमें से ₹ 1.99 बिलियन की राशि भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से यू एस डॉलर/भारतीय रुपये के स्वैप संव्यवहारों से प्राप्त हुई।

उक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 में रिपोर्ट की गई राशियाँ परस्पर अनन्य (म्युचुअली एक्सक्लूसिव) नहीं हैं।

गत वर्ष:

(बिलियन ₹)

| क्रम सं. | निर्गमकर्ता | राशि | राशि | | | |
|----------|--|--------------|---|---|---|--------------------------|
| | | | निजी नियोजन के माध्यम से किये गये निवेश की राशि | “निवेश कोटि से कम स्तर” की धारित प्रतिभूतियाँ | धारित-दर निर्धारित न की गई प्रतिभूतियाँ | “असूचीबद्ध” प्रतिभूतियाँ |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1 | सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम | 0.04 | - | - | 0.04 | 0.04 |
| 2 | वित्तीय संस्थाएँ | 2.41 | 2.17 | - | 0.24 | 2.41** |
| 3 | बैंक | 0.32 | 0.15 | - | 0.17 | 0.17 |
| 4 | निजी कंपनियाँ | 23.58 | 22.48 | - | 23.58 | 22.14* |
| 5 | सहायक कंपनी/संयुक्त उद्यम | 0.0032 | - | - | 0.0032 | 0.0032 |
| 6 | अन्य | - | - | - | - | - |
| 7 | मूल्य में कमी के लिए धारित प्रावधान [#] | 2.09 | - | - | - | - |
| | कुल | 26.35 | 24.80 | - | 24.03 | 24.76 |

[#] प्रावधान की गई कुल राशि को ही कॉलम 3 में दिखाया गया है।

* इसमें से ₹ 21.60 बिलियन आस्ति पुनर्संरचना कंपनियों (ए आर सी) द्वारा जारी प्रतिभूति रसीद में निवेश तथा ₹ 0.53 बिलियन ऋण की राशि पुनर्संरचना के कारण अर्जित शेयर/डिबेंचर में निवेश की गई हैं।

** जिनमें से ₹ 2.17 बिलियन की राशि भारतीय रिज़र्व बैंक के अनुमोदन से यू एस डॉलर/भारतीय रुपये के स्वैप संव्यवहारों से प्राप्त हुई।

उक्त कॉलम 4, 5, 6 और 7 में रिपोर्ट की गई राशियाँ परस्पर अनन्य (म्युचुअली एक्सक्लूसिव) नहीं हैं।

7. तरलता (लिक्विडिटी)

क) रुपया आस्तियों और देयताओं का परिपक्वता स्वरूप; और

ख) विदेशी मुद्रा आस्तियों और देयताओं का परिपक्वता स्वरूप।

(बिलियन ₹)

| मदें | 1 वर्ष से कम या उसके समतुल्य | 1 वर्ष से अधिक 3 वर्षों तक | 3 वर्षों से अधिक 5 वर्षों तक | 5 वर्षों से अधिक 7 वर्षों तक | 7 वर्षों से अधिक | योग |
|------------------------|------------------------------|----------------------------|------------------------------|------------------------------|------------------|----------|
| रुपया आस्तियाँ | 338.83 | 205.26 | 134.96 | 103.22 | 232.11 | 1,014.38 |
| विदेशी मुद्रा आस्तियाँ | 246.42 | 232.52 | 204.66 | 135.57 | 207.51 | 1,026.68 |
| कुल आस्तियाँ | 585.25 | 437.78 | 339.62 | 238.79 | 439.62 | 2,041.06 |
| रुपया देयताएँ | 318.18 | 180.11 | 60.55 | 83.28 | 240.76 | 882.88 |
| विदेशी मुद्रा देयताएँ | 217.14 | 299.16 | 241.15 | 157.24 | 105.12 | 1,019.81 |
| कुल देयताएँ | 535.32 | 479.27 | 301.70 | 240.52 | 345.88 | 1,902.69 |

गत वर्ष

(बिलियन ₹)

| मदें | 1 वर्ष से कम या उसके समतुल्य | 1 वर्ष से अधिक 3 वर्षों तक | 3 वर्षों से अधिक 5 वर्षों तक | 5 वर्षों से अधिक 7 वर्षों तक | 7 वर्षों से अधिक | योग |
|------------------------|------------------------------|----------------------------|------------------------------|------------------------------|------------------|----------|
| रुपया आस्तियाँ | 294.62 | 188.00 | 186.60 | 111.75 | 235.25 | 1,016.22 |
| विदेशी मुद्रा आस्तियाँ | 183.22 | 226.71 | 185.29 | 130.55 | 195.71 | 921.48 |
| कुल आस्तियाँ | 477.84 | 414.71 | 371.89 | 242.30 | 430.96 | 1,937.70 |
| रुपया देयताएँ | 293.85 | 157.42 | 92.41 | 67.86 | 257.69 | 869.23 |
| विदेशी मुद्रा देयताएँ | 181.91 | 217.60 | 199.48 | 139.74 | 176.76 | 915.49 |
| कुल देयताएँ | 475.76 | 375.02 | 291.89 | 207.60 | 434.45 | 1,784.72 |

- आस्तियों और देयताओं के परिपक्वता स्वरूप के लिए आस्तियों और देयताओं की विभिन्न मदों का समूहन आस्ति-देयता प्रबंधन प्रणाली से संबंधित यथा 31 दिसंबर, 1999 के भारतीय रिज़र्व बैंक के परिपत्र डी बी एस. एफ आई डी. सं. सी-11/01.02.00/1999-2000 के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार निर्दिष्ट समय-समूहों में किया गया है।

(ग) रेपो लेन-देन

(बिलियन ₹)

| विवरण | वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया | वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया | वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया | यथा 31 मार्च, 2016 को बकाया |
|---------------------------------------|-----------------------------------|----------------------------------|-------------------------------------|--------------------------------|
| रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियाँ | | | | |
| i) सरकारी प्रतिभूतियाँ | - | - | - | - |
| ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ | - | - | - | - |
| रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियाँ | | | | |
| i) सरकारी प्रतिभूतियाँ | - | - | - | - |
| ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ | - | - | - | - |

गत वर्ष

(बिलियन ₹)

| विवरण | वर्ष के दौरान न्यूनतम बकाया | वर्ष के दौरान अधिकतम बकाया | वर्ष के दौरान दैनिक औसत बकाया | यथा 31 मार्च, 2016 को बकाया |
|---------------------------------------|-----------------------------------|----------------------------------|-------------------------------------|--------------------------------|
| रेपो के अंतर्गत बेची गई प्रतिभूतियाँ | | | | |
| i) सरकारी प्रतिभूतियाँ | - | - | - | - |
| ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ | - | - | - | - |
| रेपो के अंतर्गत खरीदी गई प्रतिभूतियाँ | | | | |
| i) सरकारी प्रतिभूतियाँ | - | 0.30 | 0.001 | - |
| ii) कार्पोरेट ऋण प्रतिभूतियाँ | - | - | - | - |

8. भारतीय रिज़र्व बैंक के 01 जुलाई, 2015 के दिशा-निर्देशों के अनुसार डेरिवेटिव जोखिमों का प्रकटीकरण

क) गुणात्मक प्रकटीकरण

1. बैंक बाजार जोखिमों को कम करने के उद्देश्य से मुख्यतः अपने तुलन-पत्र जोखिमों को हेज करने तथा प्रभावी न्यून लागत निधियों को जुटाने के लिए वित्तीय डेरिवेटिव का उपयोग करता है। बैंक वर्तमान में भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत केवल ओवर दि काउंटर (ओ टी सी) ब्याज दर तथा मुद्रा डेरिवेटिव आदि का ही उपयोग करता है।
2. डेरिवेटिव संव्यवहारों में दो जोखिम (i) बाजार जोखिम अर्थात् ब्याज दरों/विनिमय दरों के प्रतिकूल प्रचलन से बैंक को संभावित हानि (ii) ऋण जोखिम अर्थात् प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा अपने दायित्व के निर्वहन में चूक से हानि की संभावना, विहित रहते हैं। बैंक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित एक डेरिवेटिव नीति लागू है, जिसका उद्देश्य संपूर्ण आस्ति देयता स्थिति तथा संव्यवहार स्तर पर ही जोखिम प्रबंधन उद्देश्यों के अनुरूप डेरिवेटिव उत्पादों का प्रयोग करने, नियंत्रण तथा निगरानी उपायों की स्थापना सहित नियामक प्रलेखन तथा लेखा संबंधी मुद्दों को परिभाषित किया गया है। इसमें बाजार जोखिम को नियंत्रित करने तथा प्रबंध करने (स्टॉप लॉस लिमिट, ओपन पोजिशन

लिमिट, टेनर लिमिट, सेटलमेंट तथा प्रीसेटलमेंट लिमिट, पी वी 01 लिमिट आदि) संबंधी जोखिम मानदंडों को भी निर्धारित किया गया है।

3. बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन समिति (एल्को) बैंक के मिड ऑफिस, जो डेरिवेटिव संव्यवहारों से जुड़े बाजार जोखिमों का आकलन और निगरानी करता है, की सहायता से बाजार जोखिम प्रबंधन कार्य की देख-रेख करती है।
4. यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की बहियों में बकाया सभी डेरिवेटिव संव्यवहारों को हेजिंग के उद्देश्य से लिया गया है तथा आस्ति-देयता बहियों में दर्शाया गया है। इन संव्यवहारों पर आय को बीमांकिक आधार पर हिसाब में लिया गया है।
5. आकस्मिक देयताओं के अंतर्गत बकाया वायदा दर संविदाओं में ब्याज दर स्वैप शामिल नहीं हैं जो कि डेरिवेटिव नीति के अनुपालन के संदर्भ में है।

ख) मात्रात्मक प्रकटन

(बिलियन ₹)

| क्र. सं. | विवरण | 2015-16 | | 2014-15 | |
|----------|---|------------------|--------------------|------------------|--------------------|
| | | मुद्रा डेरिवेटिव | ब्याज दर डेरिवेटिव | मुद्रा डेरिवेटिव | ब्याज दर डेरिवेटिव |
| 1 | डेरिवेटिव (सांकेतिक मूल राशि) | | | | |
| | क) हेजिंग के लिए | 348.75 | 224.74 | 314.24 | 208.11 |
| | ख) ट्रेडिंग के लिए | - | - | - | - |
| 2 | मार्कड-टू-मार्केट स्थितियाँ | | | | |
| | क) आस्ति (+) | - | 1.68 | - | 1.47 |
| | ख) देयता (-) | 38.01 | - | 37.92 | - |
| 3 | ऋण सहायता | 22.77 | 4.41 | 21.36 | 2.74 |
| 4 | ब्याज दर में एक प्रतिशत परिवर्तन का संभावित प्रभाव (100*पी वी 01) | | | | |
| | क) हेजिंग डेरिवेटिव पर | 14.78 | 9.14 | 14.49 | 8.97 |
| | ख) ट्रेडिंग डेरिवेटिव पर | - | - | - | - |
| 5 | वर्ष के दौरान 100*पी वी 01 का अधिकतम और न्यूनतम | | | | |
| | क) हेजिंग पर | | | | |
| | i) अधिकतम | 15.75 | 9.85 | 14.55 | 8.97 |
| | ii) न्यूनतम | 13.60 | 7.98 | 12.13 | 6.08 |
| | ख) ट्रेडिंग पर | | | | |
| | i) अधिकतम | - | - | - | - |
| | ii) न्यूनतम | - | - | - | - |

ग) एक्सचेंजों में खरीद-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव के संबंध में प्रकटन

| क्र. सं. | विवरण | राशि |
|----------|--|------|
| 1. | वर्ष के दौरान एक्सचेंजों में खरीद-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की सांकेतिक मूल राशि (लिखत-वार) | - |
| 2. | यथा 31 मार्च, 2016 को एक्सचेंजों में खरीद-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की बकाया सांकेतिक मूल राशि (लिखत-वार) | - |
| 3. | एक्सचेंजों में खरीद-बेचे गए ब्याज दर डेरिवेटिव की सांकेतिक मूल राशि बकाया किंतु "हाइली इफेक्टिव" नहीं (लिखत-वार) | - |
| 4. | एक्सचेंजों में खरीद-बेचे गए दर डेरिवेटिव का मार्क-टू-मार्केट मूल्य बकाया किंतु "हाइली इफेक्टिव" नहीं (लिखत-वार) | - |

घ) वायदा दर करार एवं ब्याज दर स्वैप पर प्रकटीकरण

(बिलियन ₹)

| क्र. सं. | विवरण | 2015-16 | | 2014-15 | |
|----------|--|---|----------|---|----------|
| | | हेजिंग | ट्रेडिंग | हेजिंग | ट्रेडिंग |
| 1. | स्वैप करारों का मूल सांकेतिक मूल्य | 224.74 | - | 208.11 | - |
| 2. | प्रतिपक्षी पार्टी द्वारा करार के दायित्वों का निर्वहन न करने पर संभावित हानि | 0.65 | - | 0.68 | - |
| 3. | स्वैप्स से उत्पन्न ऋण जोखिम का संकेंद्रण | सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं। | - | सभी संव्यवहार अनुमोदित ऋण जोखिम सीमाओं के अंदर हैं। | - |
| 4. | स्वैप बही का सही मूल्य | 1.68 | - | 1.47 | - |

स्वैप की प्रकृति तथा शर्तें: सभी संव्यवहार बैंक की आस्ति-देयताओं से संबंधित हैं तथा इन्हें बैंक की आस्ति-देयता प्रबंधन स्थिति की हेजिंग के उद्देश्य से किया गया है।

9. परिचालनात्मक परिणाम:

| क्रम सं | विवरण | 2015-16 | 2014-15 |
|---------|---|---------|---------|
| i) | औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में ब्याज आय | 8.12 | 8.03 |
| ii) | औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में गैर-ब्याज आय | 0.48 | 0.53 |
| iii) | औसत कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालन-लाभ | 2.48 | 2.33 |
| iv) | औसत आस्तियों पर प्रतिफल | 0.30 | 0.79 |
| v) | प्रति (स्थायी) कर्मचारी निवल लाभ (₹ बिलियन में) | 0.010 | 0.023 |

- परिचालनात्मक परिणामों के लिए कार्यशील निधियों तथा कुल आस्तियों को गत लेखा वर्ष के अंत में, अनुवर्ती छमाही के अंत में तथा समीक्षाधीन वर्ष के अंत में, आंकड़ों के औसत के रूप में लिया गया है। ('कार्यशील निधियाँ' कुल आस्तियों से संबंधित हैं)।
- प्रति कर्मचारी निवल लाभ की गणना करने के लिए सभी संवर्गों में सभी पूर्णकालिक स्थायी कर्मचारियों को हिसाब में लिया गया है।

10. अचल आस्तियों के विवरण

अचल आस्तियों के विवरण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अचल आस्तियों के लिए जारी लेखा मानक-10 के अनुसार नीचे दिए गए हैं।

(बिलियन ₹)

| विवरण | परिसर | अन्य | कुल |
|---------------------------------|-------|------|------|
| सकल ब्लॉक | | | |
| यथा 31 मार्च, 2015 को लागत | 1.70 | 0.85 | 2.55 |
| परिवर्द्धन | 0.03 | 0.08 | 0.11 |
| निपटान | - | 0.03 | 0.03 |
| यथा 31 मार्च, 2016 को लागत (क) | 1.73 | 0.90 | 2.63 |
| मूल्यहास | | | |
| यथा 31 मार्च, 2015 को संचित | 0.77 | 0.73 | 1.50 |
| वर्ष के दौरान प्रावधान | 0.07 | 0.09 | 0.16 |
| निपटान पर हटाया गया | - | 0.03 | 0.03 |
| यथा 31 मार्च, 2016 को संचित (ख) | 0.84 | 0.79 | 1.63 |
| निवल ब्लॉक (क-ख) | 0.89 | 0.11 | 1.00 |

गत वर्ष :

(बिलियन ₹)

| विवरण | परिसर | अन्य | कुल |
|---------------------------------|-------|------|------|
| सकल ब्लॉक | | | |
| यथा 31 मार्च, 2014 को लागत | 1.36 | 0.81 | 2.17 |
| परिवर्द्धन | 0.34 | 0.07 | 0.41 |
| निपटान | - | 0.03 | 0.03 |
| यथा 31 मार्च, 2015 को लागत (क) | 1.70 | 0.85 | 2.55 |
| मूल्यहास | | | |
| यथा 31 मार्च, 2014 को संचित | 0.70 | 0.66 | 1.36 |
| वर्ष के दौरान प्रावधान | 0.07 | 0.10 | 0.17 |
| निपटान पर हटाया गया | - | 0.03 | 0.03 |
| यथा 31 मार्च, 2015 को संचित (ख) | 0.77 | 0.73 | 1.50 |
| निवल ब्लॉक (क-ख) | 0.93 | 0.12 | 1.05 |

11. सरकारी अनुदानों का लेखा

भारत सरकार ने बैंक द्वारा विदेशी सरकारों, बैंकों/संस्थाओं को प्रदान की गई विशिष्ट ऋण-व्यवस्थाओं के प्रति बैंक को ब्याज समकरण राशि अदा करने के लिए सहमति दी है और उसे उपचय आधार पर हिसाब में लिया गया है।

12. खंड रिपोर्टिंग

बैंक के परिचालनों में प्रमुखतः एक खंड अर्थात् वित्तीय कार्यकलाप शामिल हैं अतः इसे एकल व्यवसाय खंड में शामिल किया गया है। बैंक के भौगोलिक खंडों को घरेलू परिचालनों एवं अंतरराष्ट्रीय परियोजना में वर्गीकृत किया गया है। इन परिचालनों का घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर वर्गीकरण मुख्यतः संव्यवहार के स्थान पर जोखिम तथा प्रतिफल से संबंधी आधारित हैं।

(बिलियन ₹)

| विवरण | घरेलू परिचालन | | अंतरराष्ट्रीय परिचालन | | कुल | |
|----------|---------------|---------|-----------------------|---------|----------|---------|
| | 2015-16 | 2014-15 | 2015-16 | 2014-15 | 2015-16 | 2014-15 |
| राजस्व | 82.31 | 70.82 | 5.50 | 5.38 | 87.81 | 76.21 |
| आस्तियाँ | 1,032.40 | 891.57 | 119.78 | 92.68 | 1,152.18 | 984.25 |

13. संबंधित पक्षकार प्रकटन

भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा मानक-18 के अंतर्गत संबंधित पक्षकार प्रकटन किया गया है :

- संबंध
 - (i) संयुक्त उद्यम:
 - ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सल्टेंट्स लिमिटेड
 - (ii) शीर्ष प्रबंधन:
 - श्री यदुवेन्द्र माथुर, (अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक)
 - श्री डेविड रस्कीना (उप प्रबंध निदेशक)
 - श्री देबाशिस मल्लिक (उप प्रबंध निदेशक)

- बैंक से संबंधित पक्षकार शेष राशियां तथा लेन-देनों का सारांश नीचे दिया गया है:

(मिलियन ₹)

| विवरण | संयुक्त उद्यम | |
|--|---------------|---------|
| | 2015-16 | 2014-15 |
| मंजूर ऋण | - | - |
| जारी गारंटियाँ | 3.26 | 4.57 |
| प्राप्त ब्याज | - | - |
| प्राप्त गारंटी कमीशन | 0.02 | 0.01 |
| प्रदत्त सेवाओं के एवज में प्राप्त भुगतान | 0.03 | 0.01 |
| स्वीकार की गई जमा राशियाँ | 10.20 | 7.12 |
| सावधि जमा राशियों पर प्रदत्त ब्याज | 0.74 | 0.60 |
| बट्टाकृत/अपलेखीकृत की गई राशि | - | - |

वर्ष के अंत में बकाया ऋण राशि: शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)

वर्ष के अंत में बकाया गारंटियाँ: ₹ 3.26 मिलियन (गत वर्ष ₹ 4.57 मिलियन)

वर्ष के दौरान बकाया निवेश राशि: ₹ 3.23 मिलियन (गत वर्ष ₹ 3.23 मिलियन)

वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम ऋण राशि: शून्य (गत वर्ष शून्य रुपये)

वर्ष के दौरान बकाया अधिकतम गारंटियाँ: ₹ 3.26 मिलियन (गत वर्ष ₹ 4.57 मिलियन)

यथा 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के दौरान बैंक के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारियों द्वारा किए गए बैंक के संव्यवहार का विवरण नीचे दिया गया है:

(मिलियन ₹)

| विवरण | प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारी गण | |
|---|------------------------------|---------|
| | 2015-16 | 2014-15 |
| भत्ते सहित वेतन | 7.00 | 5.55 |
| वर्ष के दौरान स्वीकार की गई जमा राशियाँ | 1.00 | 1.00 |
| वर्ष के अंत में बकाया जमा राशियाँ | 5.17 | 5.03 |
| वर्ष के दौरान जमा राशियों पर भुगतान की गई ब्याज | 0.75 | 1.63 |
| भाड़े का भुगतान | 0.24 | 0.24 |

14. आय पर कर का लेखांकन

(क) चालू वर्ष के लिए कर प्रावधान का विवरण:

| | (बिलियन ₹) |
|--------------------------------------|------------|
| (i) आय पर कर | 7.65 |
| (ii) घटाकर: निवल आस्थगित कर आस्तियाँ | 6.28 |
| | 1.37 |

(ख) आस्थगित कर आस्तियाँ:

प्रमुख करों के संदर्भ में आस्थगित कर देयताओं तथा आस्तियों का संगठन नीचे दिया गया है:

| विवरण | (बिलियन ₹) |
|--|------------|
| आस्थगित कर आस्तियाँ | |
| 1) अस्वीकार्य प्रावधान (निवल) | 19.47 |
| 2) अचल आस्तियों पर मूल्यहास | 0.04 |
| | 19.51 |
| घटाएं: आस्थगित कर देयताएं | |
| 1) बॉन्ड निर्गम खर्च का परिशोधन | 0.59 |
| 2) धारा 36 (1) (viii) के अंतर्गत सृजित विशेष रिज़र्व | 4.40 |
| | 4.99 |
| निवल आस्थगित कर आस्तियाँ (तुलन-पत्र के 'आस्तियाँ' पक्ष में 'अन्य आस्तियों' में शामिल) | 14.52 |

15. संयुक्त उद्यम में हित की वित्तीय रिपोर्टिंग

I.

| | संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था | देश | धारिता का प्रतिशत | |
|---|--|------|-------------------|---------|
| | | | वर्तमान वर्ष | गत वर्ष |
| क | ग्लोबल प्रोक्योरमेंट कन्सलटेंट्स लिमिटेड | भारत | 28% | 28% |

II संयुक्त रूप से नियंत्रित संस्था में हित से संबंधित आस्तियों, देयताओं और आय तथा व्यय की कुल राशि निम्नलिखित है:

| | (मिलियन ₹) | | | | |
|---------------------------|------------|---------|---------------|---------|---------|
| देयताएँ | 2015-16 | 2014-15 | आस्तियाँ | 2015-16 | 2014-15 |
| पूँजी एवं आरक्षित निधियाँ | 21.75 | 20.29 | अचल आस्तियाँ | 0.14 | 0.06 |
| ऋण | - | - | निवेश | 9.27 | 6.87 |
| अन्य देयताएँ | 3.41 | 7.08 | अन्य आस्तियाँ | 15.75 | 20.44 |
| कुल | 25.16 | 27.37 | कुल | 25.16 | 27.37 |

आकस्मिक देयताएँ: शून्य (गत वर्ष: शून्य)

(मिलियन ₹)

| व्यय | 2015-16 | 2014-15 | आय | 2015-16 | 2014-15 |
|------------|--------------|-------------|--------------------------|--------------|--------------|
| अन्य व्यय | 8.96 | 8.09 | परामर्शी आय | 11.80 | 10.54 |
| प्रावधान | 1.40 | 0.37 | ब्याज आय तथा निवेश से आय | 0.56 | 0.53 |
| | | | अन्य आय | 0.17 | (0.15) |
| कुल | 10.36 | 8.46 | कुल | 12.53 | 10.92 |

नोट: जी पी सी एल के वित्तीय वर्ष 2015-16 के आंकड़े अलेखापरिष्कृत एवं अस्थायी हैं।

16. आस्तियों का अनर्जन

बैंक की आस्तियों में से अधिकांश आस्तियाँ वित्तीय आस्तियाँ हैं जिन पर 'आस्तियों के अनर्जन' संबंधी लेखामानक-28 लागू नहीं होता है। बैंक के मत से यथा 31 मार्च, 2016 को आस्तियों का कोई अनर्जन नहीं हुआ है जिससे इस लेखा मानक के अंतर्गत प्रावधान किया जाए।

17. कर्मचारी लाभ

बैंक ने भारतीय सनदी लेखाकार संगठन द्वारा कर्मचारी लाभों पर, यथा 01 अप्रैल, 2007 से जारी लेखामानक -15 को अपनाया है। कर्मचारी लाभों से उत्पन्न देयता को बैंक की बहियों में दायित्व के विद्यमान मूल्य पर हिसाब में लिया गया है जिसमें तुलन-पत्र की तारीख को आयोजनागत आस्तियों के सही मूल्य को घटाया गया है।

क) बैंक के तुलन-पत्र में हिसाब में ली गई राशि

(बिलियन ₹)

| विवरण | पेंशन निधि | ग्रेज्युटी |
|--|------------|------------|
| अवधि के अंत में आयोजनागत आस्तियों का सही मूल्य | 0.719 | 0.090 |
| अवधि के अंत में हित दायित्वों का वर्तमान मूल्य | 0.773 | 0.117 |
| निधीयन स्थिति | (0.054) | (0.027) |
| अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई पूर्व सेवा लागत | - | - |
| अवधि के अंत में हिसाब में न ली गई परिवर्ती देयताएं | - | - |
| अवधि के अंत में तुलन पत्र में हिसाब में ली गई निवल देयता | 0.054 | 0.027 |

ख) बैंक के लाभ और हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय

(बिलियन ₹)

| विवरण | पेंशन निधि | ग्रेच्युटी |
|---|------------|------------|
| वर्तमान सेवा लागत | 0.025 | 0.008 |
| ब्याज मूल्य | 0.053 | 0.007 |
| नियोजित आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल | (0.042) | (0.006) |
| बीमांकिक हानि/लाभ | 0.144 | (0.017) |
| विगत सेवा लागत – गैर निहित लाभ | - | - |
| विगत सेवा लागत – निहित लाभ | - | - |
| परिवर्ती दायित्व | - | - |
| लाभ एवं हानि खाते में हिसाब में लिया गया व्यय | (0.057) | 0.027 |
| नियोक्ता द्वारा योगदान | (0.021) | (0.016) |

ग) बीमांकिक अनुमानों का सारांश

| विवरण | पेंशन निधि | ग्रेच्युटी |
|---|------------|------------|
| बट्टा दर (प्रति वर्ष) | 7.70% | 8.07% |
| आस्तियों पर अपेक्षित प्रतिफल की दर (प्रति वर्ष) | 7.60% | 7.60% |
| वेतन वृद्धि दर (प्रति वर्ष) | 7.00% | 7.00% |

उपरोक्त के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2015-16 के लिए निधिक देयताओं के वर्तमान मूल्य में वृद्धि के लिए छुट्टी नकदीकरण की परिभाषित लाभ देयता ₹ 0.09 बिलियन हो गई है, जिसका पूर्ण रूप से प्रावधान कर दिया गया है।

18. सेबी के दिनांक 29 अक्टूबर, 2013 के परिपत्र के अनुपालन में भारतीय निर्यात-आयात बैंक द्वारा जारी किए गए विभिन्न बॉन्डों के लिए डिबेंचर ट्रस्टियों के संपर्क विवरण नीचे दिए गए हैं।

डिबेंचर ट्रस्टी

एक्सिस ट्रस्टी सर्विसेस लि.

प्राधिकृत व्यक्ति: श्री मकरंद कुलकर्णी

पता:

दूसरी मंजिल, वाडिया इंटरनेशनल सेंटर

पांडुरंग बुधकर मार्ग,

वरली, मुंबई - 400025.

टेलीफोन: (022) 24255226

फैक्स: (022) 4325 3000

19. जहाँ कहीं आवश्यक समझा गया है, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनर्समूहित किया गया है। जिन मामलों में भारतीय रिज़र्व बैंक के निदेशानुसार पहली बार प्रकटन किया गया है, उन मामलों में गतवर्ष के आंकड़े नहीं दिए गए हैं।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से
श्री यदुवेन्द्र माथुर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सुश्री रीता तेवतिया

श्री राजीव ऋषि

श्री डेविड रस्कीना

श्री अमर सिन्हा

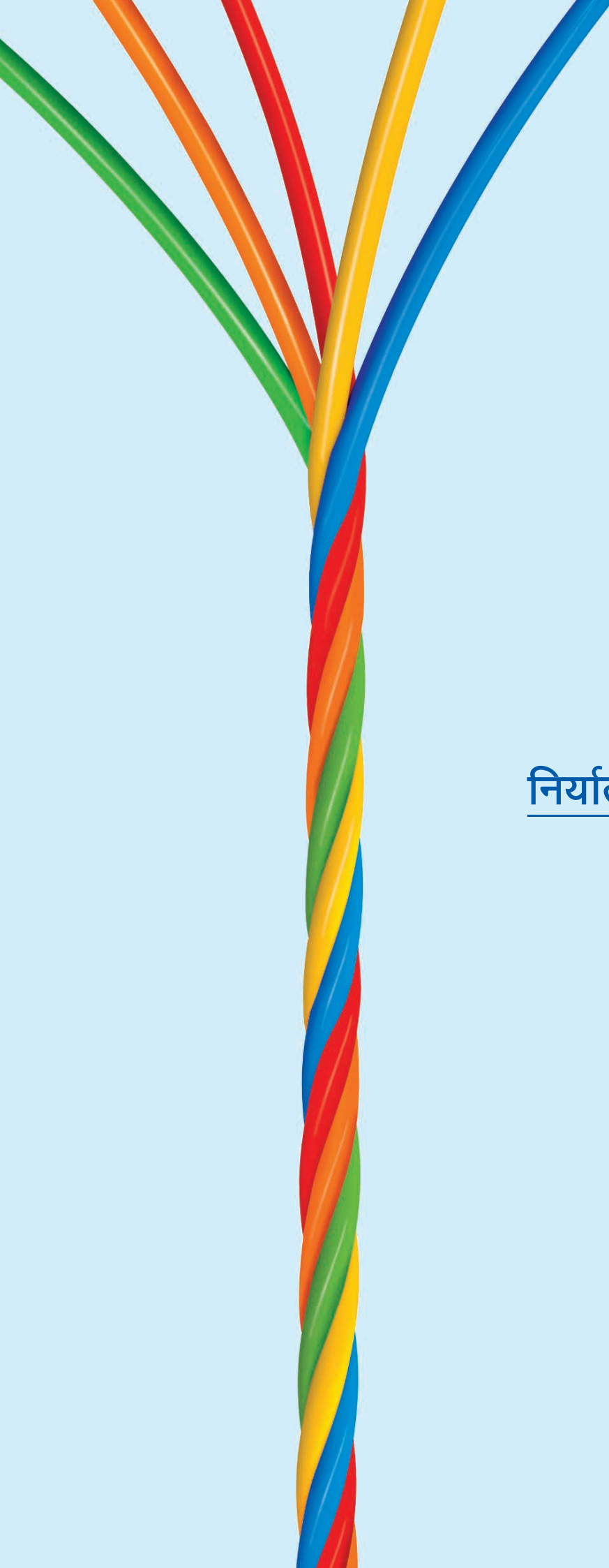
श्री किशोर खरात

श्री देवाशिस मल्लिक

श्री पंकज जैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते सोराब एस. इंजीनियर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म रजि नं. 110417डब्ल्यू
(सीए एन डी. अंकलेसरिया)
पार्टनर
(एम सं. 010250)

नई दिल्ली, 18 मई, 2016



निर्यात विकास कोष

निदेशकों की रिपोर्ट

भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम 1981 (एक्जिम बैंक अधिनियम) की धारा 15 में निर्दिष्ट है कि एक्जिम बैंक उस तिथि से या जब से केंद्रीय सरकार उसे इसके लिए अधिसूचित करे या निर्दिष्ट करे एक विशेष निधि की स्थापना करेगा जिसे निर्यात विकास निधि के नाम से जाना जाएगा। तदनुसार 31 मार्च, 1986 को केंद्रीय सरकार की एक अधिसूचना के जरिए निर्यात विकास निधि की स्थापना की गई।

31 मार्च, 1986 को केंद्रीय सरकार द्वारा ₹ 100 मिलियन की राशि निर्यात विकास निधि में जमा की गई। इसके बाद केंद्रीय सरकार द्वारा फिर 23 मार्च, 1987 को ₹ 35 मिलियन की राशि और 29 मार्च, 1989 को केंद्रीय सरकार द्वारा ₹ 6.52 मिलियन की राशि इस निधि में जमा की गई। इस राशि के निवेश पर अर्जित ब्याज और टैक्स आदि की अदायगी के बाद इस खाते में जमा यह राशि यथा 31 मार्च, 1996 को बढ़कर ₹ 350.60 मिलियन हो गई। भारत सरकार की अनुमति और निदेशक मण्डल के अनुमोदन के बाद इस राशि में से ₹ 250 मिलियन की राशि को बैंक की सामान्य निधि के अंतर्गत सिंकिंग फंड नामक एक रिजर्व निधि में अंतरित कर दिया गया। इस सिंकिंग फंड का उद्देश्य बैंक के उन ऋण-व्यवस्था/क्रेता ऋण संव्यवहारों से होने वाली हानियों को समायोजित करना था जिनके लिए भारतीय निर्यात ऋण गारंटी बीमा निगम (ई सी जी सी) का बीमा कवर प्राप्त नहीं था। 31 मार्च, 2016 तक ई डी एफ के अंतर्गत निधियाँ बढ़कर ₹ 755.13 मिलियन हो गईं।

एक्जिम बैंक की स्थापना के लिए संसद में पारित अधिनियम में विहित शर्तों के अनुसार निर्यात विकास निधि के अन्तर्गत राशि का उपयोग भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए किए जाने वाले शोध, प्रशिक्षण, सर्वेक्षण, बाजार आसूचना आदि सहित केवल उन संव्यवहारों के वित्तपोषण के लिए किया जा सकेगा जिनका वित्तपोषण अन्य बैंकों/वित्तीय संस्थाओं द्वारा किया जाना संभव नहीं होगा। इस निधि के उपयोग के संबंध में एक्जिम बैंक अधिनियम की धारा 17 के अंतर्गत निम्नलिखित अनुसार प्रावधान किए गए हैं:

- क) अधिनियम की धारा 17(1) एक्जिम बैंक को केंद्रीय सरकार की पूर्व अनुमति से भारत या भारत से बाहर निर्यातों के वित्तपोषण की अनुमति देती है।
- ख) अधिनियम की धारा 17(2) के अनुसार एक्जिम बैंक को ऐसे किसी कार्य के लिए केंद्रीय सरकार की अनुमति मांगने से पहले यह स्वयं सुनिश्चित करना होगा कि बैंकों या वित्तीय संस्थाओं या अन्य एजेंसियों द्वारा सामान्य व्यावसायिक दशाओं में इस प्रकार के संव्यवहार नहीं किए जाते हैं या इस प्रकार के संव्यवहार के लिए ऋण या अग्रिम प्रदान नहीं किए जाते हैं।
- ग) अधिनियम की धारा 17(3) के अनुसार एक्जिम बैंक को इस प्रकार का अनुमोदन देने से पूर्व केंद्रीय सरकार द्वारा यह सुनिश्चित किया जाएगा कि वह इस बात से पूरी तरह से संतुष्ट है कि एक्जिम बैंक के लिए यह सुविधा भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

इस प्रकार ईडीएफ भारत सरकार को ऐसे संव्यवहारों के निधीयन का अवसर देता है जो अन्यथा मानक बैंकिंग व्यवस्था के अंतर्गत एक्जिम बैंक द्वारा अथवा किसी अन्य बैंक/वित्तीय संस्था द्वारा वित्तपोषित नहीं किए जा सकते हैं।

वित्तीय सेवाएँ विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने एक्जिम बैंक अधिनियम की धारा 17(1) के अनुसार एक्जिम बैंक को ई डी एफ के अंतर्गत ₹ 9 बिलियन की एक बी सी एन ई आई ए-क्रेता ऋण सुविधा स्थापित करने की अनुमति दी है जिसके जरिए भारत से ईरान को माल व सेवाओं के निर्यात का वित्तपोषण करने के लिए चुनिन्दा ईरानी बैंकों को सहायता प्रदान की जाएगी। सभी आवश्यक अनुमोदनों के उपरांत ई डी एफ द्वारा 23 दिसंबर, 2014 को 7 ईरानी बैंकों के साथ उन्हें 4 साल की ऋण अदायगी-स्थगन अवधि के साथ 12 साल के लिए ₹ 9 बिलियन की ऋण सहायता के लिए एक अम्ब्रेला फ्रेमवर्क करार सम्पन्न किया गया। ईरानी बैंकों द्वारा इस ऋण का उपयोग भारत से माल व सेवाओं के आयात के वित्तपोषण के लिए किया जाएगा। ईरानी बैंकों को दी गई इस क्रेता ऋण सुविधा को ईरान सरकार की सोवरेन गारंटी प्राप्त है। करार की शर्तों के अनुसार ₹ 9 बिलियन की इस ऋण सहायता को परस्पर सहमति और भारत सरकार के अनुमोदन से बढ़ाया भी जा सकेगा।

तत्पश्चात वित्तीय सेवाएँ विभाग द्वारा ₹ 9 बिलियन की इस ऋण सहायता को बढ़ाकर ₹ 30 बिलियन करने का अनुमोदन दिया गया। तदनुसार ई डी एफ द्वारा 4 मई, 2016 को 7 ईरानी बैंकों के साथ संशोधित करार सम्पन्न किया गया। ₹ 30 बिलियन की इस राशि का उपयोग भारत से स्टील रेल के आयात के वित्तपोषण सहित चाबहार पोर्ट के विकास के लिए किया जाएगा।

इस फ्रेमवर्क करार के अंतर्गत भारत से ईरान को 150,000 टन स्टील रेल के निर्यात के लिए ₹ 8.19 बिलियन की राशि के लिए बैंक ऑफ इंडस्ट्री एंड माईन, ईरान के साथ एक संविदा को अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है तथा इस संविदा के अंतर्गत व्यक्तिगत करार पत्र जारी किया जा चुका है। ईरान की ओर से एल सी खोली जा चुकी है और जून 2016 से निर्यात प्रारम्भ होना निर्धारित है। शेष स्टील रेल निर्यात की संविदा और चाबहार पोर्ट के विकास संबंधी परियोजना पर बातचीत अंतिम चरण में है।

₹ 30 बिलियन राशि की उपरोक्त क्रेता ऋण सुविधा के लिए ई डी एफ फंड में भारत सरकार द्वारा अतिरिक्त राशि डालने अथवा ई डी एफ हेतु निधियाँ जुटाने के लिए भारत सरकार द्वारा गारंटी जारी करने संबंधी प्रस्ताव केन्द्र सरकार के पास विचाराधीन है। तात्कालिक निधीयन आवश्यकताओं हेतु अन्तरिम व्यवस्था के रूप में एक्जिम बैंक अपनी सामान्य निधि के अंतर्गत अधिकतम ₹ 9 बिलियन तक की राशि जुटा सकेगा और फिर इस राशि को ई डी एफ में निवेश कर सकेगा या ई डी एफ को उधार दे सकेगा जो ई डी एफ द्वारा दीर्घावधि के लिए निधियाँ जुटाने की व्यवस्था तक के लिए होगी।

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में

भारत के राष्ट्रपति

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

- हमने भारतीय निर्यात-आयात बैंक की निर्यात विकास निधि के संलग्न 31 मार्च, 2016 के तुलन-पत्र और साथ ही उक्त तारीख को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की निर्यात विकास निधि के लाभ और हानि लेखे एवं समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह विवरणी तथा लेखा नीतियों एवं अन्य विवरणात्मक आँकड़ों की लेखा परीक्षा की है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेवारी

- बैंक प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम 1981 ("अधिनियम") तथा उसके अधीन विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करने के लिए उत्तरदायी है। इस जिम्मेवारी में बैंक की आस्तियों को सुरक्षा प्रदान करने तथा धोखाधड़ी एवं अन्य अनियमितताओं को रखने हेतु अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप समुचित लेखा प्रविष्टियाँ; उचित लेखा नीतियों का चयन एवं अनुप्रयोग; उचित एवं मितव्ययी अनुमानों को तैयार करना; तथा उसकी डिज़ाइन, कार्यान्वयन तथा वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आवश्यक आंतरिक नियंत्रण शामिल है ताकि इन विवरणों में धोखाधड़ी अथवा भूलवश भी कोई मिथ्या सूचना न आने पाए।

लेखा परीक्षक की जिम्मेवारी

- हमारी जिम्मेवारी इन वित्तीय विवरणों की हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा के आधार पर रिपोर्ट देना है।
- हमने यह लेखा परीक्षा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप की है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन करते हुए अपनी लेखा परीक्षा को इस प्रकार निष्पादित और नियोजित करें ताकि तर्कपूर्ण रूप से यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन वित्तीय विवरणों

में किसी प्रकार की कोई महत्वपूर्ण जानकारी भ्रामक नहीं है।

- लेखा परीक्षा के अंतर्गत वित्तीय विवरणों में राशियों एवं प्रकटीकरण को प्रमाणित करने वाले साक्ष्यों की परीक्षण आधार पर जाँच करना शामिल है। इसके लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पूर्णतया लेखा परीक्षकों के निर्णय पर निर्भर है जिसमें महत्वपूर्ण विवरणों के संबंध में भूल अथवा धोखाधड़ी के चलते भ्रामक मिथ्याकथन जोखिमों का आकलन करना शामिल है। इन जोखिमों के मूल्यांकन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के संबंध में लेखा परीक्षकों के विचार से इन विवरणों को त्रुटिरहित ढंग से तैयार करने में बैंक के आंतरिक प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों एवं बैंक के प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण अनुमानों के आकलन के साथ ही समग्र वित्तीय विवरणों के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन करना भी शामिल है।

- हमें विश्वास है कि लेखा परीक्षा के लिए हमारे द्वारा प्राप्त किए गए साक्ष्य पर्याप्त और समुचित हैं तथा हमारे लेखा परीक्षा अभिमत के लिए तर्क संगत आधार प्रदान करते हैं।

अभिमत

- हमारी राय तथा सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उक्त लेखा विवरण तथा उन पर लेखा टिप्पणियाँ भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम 1981 तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप हैं तथा भारत में सामान्यतः मान्य लेखा मानकों के अनुरूप सच्ची और सही स्थिति प्रदर्शित करते हैं:

- यथा 31 मार्च, 2016 को बैंक की निर्यात विकास निधि के मामले में;
- 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता;

अन्य विधिक तथा विनियामक मामलों पर रिपोर्ट

- तुलन पत्र, तथा लाभ हानि खाता भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम तथा उसके अंतर्गत विरचित विनियमों के प्रावधानों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

9. हम यह रिपोर्ट करते हैं कि:

- (i) लेखा परीक्षा के लिए हमारी अधिकतम जानकारी और विश्वास के अनुसार जो तथ्य और स्पष्टीकरण आवश्यक थे वे सब हमने प्राप्त किए हैं और वे संतोषजनक हैं।
- (ii) बैंक के संव्यवहार, जो हमारे संज्ञान में लाए गए हैं, बैंक की शक्तियों के अंतर्गत हैं।

10. हमारी राय में तुलन पत्र तथा लाभ और हानि लेखा भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी अनिवार्य लेखा परीक्षा मानकों के अनुरूप हैं।

11. हम यह भी रिपोर्ट करते हैं कि:

- (i) तुलन पत्र, लाभ-हानि खाता बैंक की लेखा बहियों और विवरणों के अनुरूप हैं।
- (ii) हमारे विचार में और हमारे परीक्षण के आधार पर बैंक द्वारा विधि निर्धारित अनुसार इन बहियों का उचित अभिलेख रखा गया है।

कृते सोराब एस. इंजीनियर एंड कं.

सनदी लेखाकार

फर्म रजिस्ट्रेशन संख्या 110417डब्ल्यू

सीए एन.डी. अंकलेसरिया

पार्टनर

सदस्यता सं -10250

नई दिल्ली, 18 मई, 2016

तुलन-पत्र यथा 31 मार्च, 2016 को

निर्यात विकास निधि

| | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
|--|-------------------------------------|-------------------------------------|
| देयताएँ | | |
| 1. ऋण: | | |
| (क) सरकार से | - | - |
| (ख) अन्य स्रोतों से | - | - |
| 2. अनुदान: | | |
| (क) सरकार से | 128,307,787 | 128,307,787 |
| (ख) अन्य स्रोतों से | - | - |
| 3. उपहार, दान, उपकृतियाँ: | | |
| (क) सरकार से | - | - |
| (ख) अन्य स्रोतों से | - | - |
| 4. अन्य देयताएँ | 182,248,318 | 165,598,318 |
| 5. लाभ और हानि लेखा | 444,577,173 | 413,285,665 |
| योग | 755,133,278 | 707,191,770 |
| आस्तियाँ | | |
| 1. बैंक शेष | | |
| (क) चालू खातों में | 476,740 | 582,274 |
| (ख) अन्य जमा खातों में | 563,000,000 | 530,800,000 |
| 2. निवेश | - | - |
| 3. ऋण एवं अग्रिम: | | |
| (क) भारत में | - | - |
| (ख) भारत के बाहर | 8,505,318 | 8,505,318 |
| 4. भुनाए गए, पुनर्भुनाए गए विनिमय बिल और वचन-पत्र: | | |
| (क) भारत में | - | - |
| (ख) भारत के बाहर | - | - |
| 5. अन्य आस्तियाँ | | |
| (क) निम्नलिखित पर उपचित ब्याज | | |
| i) ऋण एवं अग्रिम | - | - |
| ii) निवेश/बैंक शेष | 9,519,517 | 10,272,475 |
| (ख) प्रदत्त अग्रिम आय कर | 173,631,703 | 157,031,703 |
| (ग) अन्य | - | - |
| योग | 755,133,278 | 707,191,770 |

निर्यात विकास निधि

| | इस वर्ष (यथा 31.03.2016 को) ₹ | गत वर्ष (यथा 31.03.2015 को) ₹ |
|--|-------------------------------------|-------------------------------------|
| आकस्मिक देयताएँ | | |
| i) स्वीकृतियाँ, गारंटियाँ, परांकन तथा अन्य दायित्व | - | - |
| ii) वायदा विनियम संविदाओं की बकाया राशियों पर | - | - |
| iii) हमीदारी एवं वचनबद्धताओं पर | - | - |
| iv) अंशतः प्रदत्त निवेशों पर अनाहूत देयताएँ | - | - |
| v) बैंक पर दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है | - | - |
| vi) संग्रहण के लिए बिल | - | - |
| vii) सहभागिता प्रमाण-पत्रों पर | - | - |
| viii) भुनाये गये/पुनःभुनाये गये बिल | - | - |
| ix) अन्य राशियाँ जिनके लिए बैंक आकस्मिक रूप से जिम्मेदार है | - | - |

टिप्पणी: भारतीय निर्यात-आयात बैंक अधिनियम, 1981 (अधिनियम) की धारा 15 की शर्तों के अनुसार बैंक द्वारा निर्यात विकास निधि की स्थापना की गई है। अधिनियम की धारा 17 की शर्तों के अनुसार, किसी भी ऋण अथवा अग्रिम की मंजूरी से पहले अथवा ऐसी कोई व्यवस्था करने से पहले भारतीय निर्यात-आयात बैंक को केन्द्र सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना होगा।

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से
श्री यदुवेन्द्र माथुर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सुश्री रीता तेवतिया

श्री राजीव ऋषि

श्री डेविड रस्कीना

श्री अमर सिन्हा

श्री किशोर खरात

श्री देबाशिस मल्लिक

श्री पंकज जैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते सोराब एस. इंजीनियर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म रजि नं. 110417डब्ल्यू
(सीए एन डी. अंकलेसरिया)
पार्टनर
(एम सं. 010250)

नई दिल्ली, 18 मई, 2016

लाभ और हानि लेखा यथा 31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए

निर्यात विकास निधि

| | इस वर्ष ₹ | गत वर्ष ₹ |
|--|-------------------|-------------------|
| व्यय | | |
| 1. ब्याज | - | - |
| 2. अन्य व्यय | - | - |
| 3. आगे ले जाया गया लाभ | 47,941,508 | 48,756,753 |
| योग | 47,941,508 | 48,756,753 |
| आयकर के लिए प्रावधान | 16,650,000 | 16,640,000 |
| तुलन-पत्र में अंतरित शेष लाभ | 31,291,508 | 32,116,753 |
| | 47,941,508 | 48,756,753 |
| आय | | |
| 1. ब्याज और बट्टा | | |
| (क) ऋण एवं अग्रिम | - | - |
| (ख) निवेश/बैंक शेष | 47,941,508 | 48,756,753 |
| 2. विनिमय, कमीशन, दलाली और फीस | - | - |
| 3. अन्य आय | - | - |
| 4. तुलन-पत्र को ले जायी गयी हानि | - | - |
| योग | 47,941,508 | 48,756,753 |
| लाभ नीचे लाया गया | 47,941,508 | 48,756,753 |
| पूर्ववर्ती वर्षों की आधिक्य आय/ब्याज कर के प्रावधान का प्रतिलेखन | - | - |
| | 47,941,508 | 48,756,753 |

बोर्ड के लिए और उनकी ओर से
श्री यदुवेन्द्र माथुर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

सुश्री रीता तेवतिया

श्री राजीव ऋषि

श्री डेविड रस्कीना

श्री अमर सिन्हा

श्री किशोर खरात

श्री देबाशिस मल्लिक

श्री पंकज जैन

हमारी सम दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार
कृते सोराब एस. इंजीनियर एण्ड कंपनी
सनदी लेखाकार
फर्म रजि नं. 110417डब्ल्यू
(सीए एन डी. अंकलेसरिया)
पार्टनर
(एम सं. 010250)

नई दिल्ली, 18 मई, 2016

Strengthening Partnerships for Sustainable Development and Prosperity

Global partnerships have evolved as the world increasingly focuses on sustainable development and shared prosperity. In an increasingly globalized world, sustainable development can be achieved through collaboration among state and non-state partners, including international organizations, development banks, aid agencies, governments at all levels, business, academia, think tanks, civil society organizations, among others. Such partnerships generate employment and economic opportunities for all segments of the population. India has successfully carved its place in the global arena as a partner in economic development; and initiatives by institutions like Exim Bank of India highlight such endeavors. Over the years, the Bank has forged important partnerships with other like-minded institutions the world over.

The cover page of this Annual Report reflects the theme of partnerships between countries and institutions for sustainable development with the symbolic representation of intertwining threads leading to the formation of a strong rope. With Exim Bank's support, Indian companies, execute sustainable projects across sectors and across geographies assisting people who are at the bottom of the pyramid. The Bank is actively engaging with different partners to attain the objective of helping to raise the living standard of partner countries through strategic intervention. Green bonds issued by the Bank (the first international issue from India) would support green financing and the Bank's intervention in financing renewable energy will go a long way in supporting environment friendly and sustainable infrastructure in partner countries; a win-win situation for the partner country as well as India and the global community. A large number of projects supported by Exim Bank overseas have changed the socio-economic landscape of partner countries in generating employment, upgrading transport infrastructure by constructing road and railways, providing food and energy security and improving healthcare services, enhancing connectivity through telecommunication, among others. In addition, many of these projects support employment and growth of manufacturing sector in India, as major components of inputs in these projects are secured from India, thus consistently supporting initiatives of the Government such as 'Make in India.'

Exim Bank is committed towards strengthening such partnerships, focusing on sustainable development and strategically maximising socio-economic benefits.

Exim Bank is proud to be an active partner of the Government of India's initiatives of hosting the BRICS Annual Meeting and the African Development Bank's Annual Meetings in 2016 and 2017, respectively.

Contents

| | |
|-------------------------|----|
| Board of Directors | 02 |
| Chairman's Statement | 04 |
| Management | 08 |
| Economic Environment | 09 |
| Directors' Report | 19 |
| Business Operations | 25 |
| Financial Statements | 53 |
| Export Development Fund | 89 |

Board of Directors



Shri Yaduvendra Mathur
Chairman & Managing Director
Export-Import Bank of India



Ms. Rita Teaotia
Secretary
Department of Commerce
Ministry of Commerce & Industry



Shri Ramesh Abhishek
Secretary
Department of Industrial Policy & Promotion
Ministry of Commerce & Industry



Shri Amar Sinha
Secretary
Economic Relations & DPA
Ministry of External Affairs



Dr. M. D. Patra
Executive Director
Reserve Bank of India



Shri Kishor Kharat
Managing Director & CEO
IDBI Bank Ltd.



Ms. Geetha Muralidhar
Chairman cum Managing Director
ECGC Ltd.



Shri David Rasquinha
Deputy Managing Director
Export-Import Bank of India



Shri Debasish Mallick
Deputy Managing Director
Export-Import Bank of India



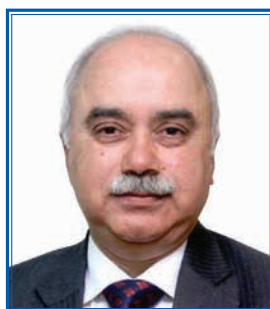
Dr. Arvind Subramanian
Chief Economic Adviser
Department of Economic Affairs
Ministry of Finance



Shri Pankaj Jain
Joint Secretary
Department of Financial Services
Ministry of Finance



Smt. Arundhati Bhattacharya
Chairperson
State Bank of India



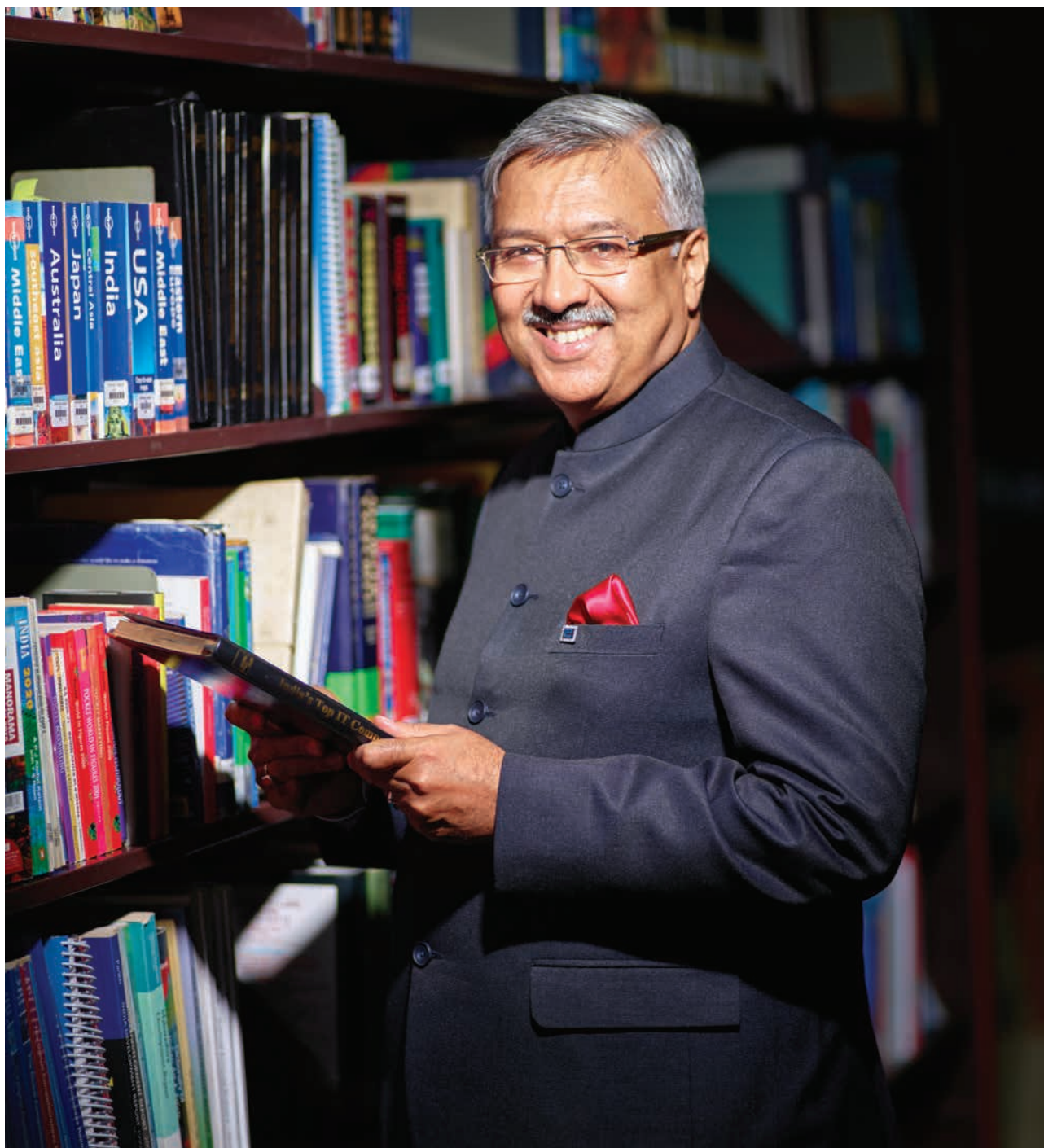
Shri Rajeev Rishi
Chairman & Managing Director
Central Bank of India



Smt. Usha Ananthasubramanian
Managing Director & CEO
Punjab National Bank

(As on May 18, 2016)

Chairman's Statement



The year gone by posed several challenges to the global economy, which was reflected, *inter alia*, by uneven growth and a decline in world trade. The Indian economy, however, stood out amidst the turmoil in developed countries and emerging markets and was one of the fastest growing major economies of the world. For India's banking sector, the year was not an ordinary one. In the backdrop of a global slowdown, increasing non-performing

loans saw banks grappling with a sluggish industrial growth and sharply deteriorating corporate results. While stress in the corporate sector has shown some signs of moderation, the risks of low demand and weak debt servicing capacity remain. As a result, though Exim Bank withstood the turbulence of the past year in terms of operating results, it has reported lower net profit for the year. The Reserve Bank of India has initiated a string of measures to

improve the health of the financial sector and strong leadership for reforms are expected to stabilise the corporate sector soon.

Exim Bank has vigorously pursued with its mission to promote Brand India and support Indian companies in their globalisation efforts. Over the last two years there has been firm support from the Government of India in the form of regular infusion of capital in the Bank and this is expected to be maintained as the role and expectations from the institution have been scaled up, especially for strategic project exports. Exim Bank continues to maintain healthy capital to risk assets ratio and credit ratings on par with the sovereign.

Business Initiatives

The Bank's balance sheet has now crossed the ₹ 1 trillion mark. Our Lines of Credit have been extended to 63 countries in the developing world for financing crucial infrastructure projects in sectors as diverse as power, roads, health systems and information and communication technology. Indian project exporters have made further inroads with the help of Buyer's Credit from Exim Bank under the National Export Insurance Account (NEIA). The number of countries on the positive list of the NEIA increased from 53 to 78 in the year, with scope for further additions. The Bank has a ready pipeline of projects for similar support in the future, with contracts at various stages of negotiation.

Additionally, the Government of India has introduced a financing scheme to enable Exim Bank offer concessional finance to strategically important infrastructure projects outside India. The first such loan has been approved under this scheme, for the Maitree Super Thermal Power Project in Bangladesh. It is a matter of pride and satisfaction that Indian companies are increasingly securing large value contracts abroad, especially in the infrastructure space.

Steps have been taken to operationalise the Export Development Fund, a special fund created by the Government of India and administered by Exim Bank. The Fund has concluded an umbrella Framework Agreement with seven Iranian banks for

a Buyer's Credit facility of ₹ 30 billion to finance the export of goods and services from India to Iran. It is envisaged that the facility will be used to finance the import of steel rails from India, and the development of the Chabahar port in Iran.

Exim Bank is committed to expanding the footprint of Indian project expertise across the globe, through funded and non-funded assistance, as well as advisory services. The Bank offers funding solutions for setting up new export oriented units, their expansion, modernisation, purchase of equipment, and also research and development. Our lending programmes for export capability creation and overseas investment finance have led to several success stories in the past decades. Indian companies have availed of finance from Exim Bank to fund their overseas investments in sectors as diverse as engineering goods, paper products, oil and gas, chemicals, software and textiles; in countries spread from Australia to Romania to Antigua. Exim Bank is proud of select Indian corporates which have scaled new heights in partnership with the Bank.

Exim Bank, at the same time, is conscious of a responsibility towards rural India. It is our endeavour that rural India receives its due share of the pie that the India story has to offer. The Bank supports the globalisation of enterprises based in rural areas of the country. For over a decade now, the Bank has assisted micro, small and medium enterprises with marketing support for their products in overseas markets. Our efforts in this direction have yielded positive results, and products such as Manipur black pottery, Chennapatna wooden products, Kolhapuri footwear, tribal art, handicrafts and handloom products, among many others, have found their way to various markets. Besides placing such products in traditional brick-and-mortar outlets, the Bank has also engaged with e-commerce platforms to extend the reach of the MSME sector beyond India's boundaries. The Bank's success in generating export orders for Indian manufacturers and rural entrepreneurs is a matter of immense satisfaction vis-à-vis our promotional role.

The Bank has also had to address key issues related to product development and design. In

addition to cities, the Bank reached out to small towns in interior India, organising workshops on a variety of subjects. The Bank provided a platform to rural artisans to display and sell their products in several fairs and exhibitions attracting international customers.

In terms of resources, Exim Bank maintained its stature in the international debt and capital markets. The first dollar denominated bonds out of India in 2016 were issued by Exim Bank. The Bank diversified into a new currency by venturing into CNH bonds.

Research and Analysis

Research and Analysis has always been an important focus area for Exim Bank. The Bank's research studies on regions, sectors and trade policy are well received in government and academic circles in the country. This year, our studies on trade potential with various regions covered Cambodia, Lao PDR, Myanmar, Vietnam (together known as 'CLMV'), China, Iran, Pakistan, Russia, Turkey, Southern Africa, West Africa and Latin America. Sectoral studies included defence equipment, leather, organic products and steel. Among contemporary issues, the Bank brought out a study called '*International Solar Alliance: Nurturing Possibilities*', which outlined challenges and strategies towards achieving greater electrification amongst member countries of the International Solar Alliance. The Bank is committed to expand its research and analysis into both traditional and modern subjects of relevance to the external sector.

Institutional Interaction

With an exemplary track record as a consultant, the Bank continues to be awarded consultancy assignments in developing countries. The International Trade Centre, Geneva, awarded the Bank an assignment on building institutional capacity for export credit and insurance, to enhance trade competitiveness in Rwanda. The assignment was awarded under its *Supporting Indian Trade and Investment for Africa Project*. The Commonwealth Secretariat commissioned Exim Bank to assist the Sri Lanka Export Credit Insurance Corporation to operationalise recommendations made in an earlier assignment, also undertaken by Exim Bank.

Exim Bank further strengthened its traditional bonds with partner institutions around the world. With a view to providing a common platform to multilateral institutions and Indian companies, Exim Bank organised a series of seminars on business opportunities in projects funded by the World Bank and Asian Development Bank. The seminars attracted suppliers, contractors and consultants from India, making it possible for them to have direct interface with officials from multilateral institutions.

In recent years, the Bank has deepened its reach in the African continent. *The Africa-India Partnership Day* organised by Exim Bank is among the most well attended events held at the Annual Meetings of the African Development Bank (AfDB) Group. The year also witnessed the third edition of the India-Africa Forum Summit held at New Delhi, the largest ever gathering of African leaders in India. The announcement of a US\$ 10 billion line of credit at the summit reinforced the significance of Africa for India. Exim Bank organised a *Focus Africa* seminar during the summit, which attracted eminent persons from governments, institutions and the business world. The Bank held the inaugural meeting of the Kukuza Project Development Company (KPDC), set up to facilitate Indian participation in infrastructure projects in Africa, on the sidelines of the Summit. KPDC is a joint venture floated by Exim Bank, AfDB, IL&FS and State Bank of India.

Exim Bank had taken the lead in forming the Asian Exim Banks Forum in 1996. In its twentieth year, the Forum evolved as an effective mechanism for economic co-operation and sharing best practices in various aspects of export credit agency operations.

India has the presidency of the BRICS Forum for 2016, with Exim Bank being the nominated member development bank from India under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism. The Bank entered into a multilateral co-operation agreement with development banks of the BRICS nations, expressing intent to engage with the New Development Bank promoted by member countries.

Board of Directors

There have been changes on the Board of the

Bank. Ms. Rita Teatota, Commerce Secretary, Department of Commerce, Ministry of Commerce & Industry, Shri Rajeev Rishi, Chairman & Managing Director, Central Bank of India, Shri B.K. Batra, Deputy Managing Director, IDBI Bank Ltd., Shri Kishor Kharat, Managing Director & CEO, IDBI Bank Ltd., Shri Alok Tandon, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Financial Services, Smt. Usha Ananthasubramanian, Managing Director & CEO, Punjab National Bank, Shri Pankaj Jain, Joint Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Shri Amar Sinha, Secretary (Economic Relations), Ministry of External Affairs, and Shri Ramesh Abhishek, Secretary, Department of Industrial Policy & Promotion, Ministry of Commerce & Industry, have been appointed as Directors on the Board.

Smt. V. R. Iyer, Chairman & Managing Director, Bank of India, Shri M.S. Raghavan, Chairman & Managing Director, IDBI Bank Ltd., Shri Rajeev Kher, Secretary, Department of Commerce, Ministry of Commerce &

Industry, Shri B.K. Batra, Deputy Managing Director, IDBI Bank Ltd., Shri Alok Tandon, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Financial Services, Ms. Sujata Mehta, Secretary (Economic Relations), Ministry of External Affairs, and Shri Amitabh Kant, Secretary, Department of Industrial Policy & Promotion, Ministry of Commerce & Industry, relinquished their directorships consequent upon completion of their term or change in office. The Bank gratefully acknowledges their invaluable contributions as Directors.

A year is but a milestone in the journey of an organisation. Now in the 35th year of its existence, Exim Bank will have to address the new reality of a fall in world trade on the one hand and the unprecedented increase in stressed assets in India on the other. The Bank has continuously evolved over the years, adapting its role and functions to the changing order of the global and domestic markets. I have no doubt that Team Exim Bank is geared up to face the challenges of the present.



Yaduvendra Mathur
Chairman & Managing Director

Management



Sitting from Left to Right- Harsha Bangari, Deepali Agrawal, Rima Marphatia, Debasish Mallick, Yaduvendra Mathur, David Rasquinha, Sangeeta Sharma, Sunita Sindwani, Manjiri Bhalerao, Daya Chandrabhas

Standing from Left to Right- Nadeem Panjetan, Prahalathan Iyer, Mukul Sarkar, Sriram Subramaniam, Sudatta Mandal, David Sinate, Gaurav Bhandari, Utpal Gokhale, Samuel Joseph



C. P. Ravindranath Menon
(Currently on deputation to
New Development Bank, Shanghai)



Economic Environment

GLOBAL ECONOMY

Global growth moderated to 3.1 per cent in 2015 from 3.4 per cent in 2014¹, primarily reflecting a continued fall in growth in emerging market and developing economies amidst post-crisis lows in commodity prices, weaker capital flows and subdued global trade. Growth in the emerging market and developing economies moderated for the fifth consecutive year (4 per cent in 2015, compared to 4.6 per cent in 2014), while a modest increase was seen in the advanced economies (1.9 per cent in 2015, compared to 1.8 per cent in 2014).

World Trade

Growth in volume of global merchandise trade is estimated to fall by 2.4 per cent in 2015¹ compared to 3.2 per cent in 2014, stemming from falling import demand in China, Brazil and other emerging economies, falling prices for oil and other primary commodities, as well as significant fluctuations in exchange rates. The world trade prices of non-fuel primary commodities¹ contracted by 17.5 per cent in US dollar terms in 2015, while oil prices lost momentum and contracted by 47.2 per cent during the same period.

Private Capital Flows in Emerging Market Economies

Net private inflows to emerging economies witnessed a steep fall to a 13-year low of US\$ 240 billion in 2015, as compared to US\$ 1 trillion in the preceding year. Much of the fall was accounted for by net outflows from China, which is estimated to have seen a retrenchment of non-resident capital to the tune of US\$ 110 billion, after average annual inflows of US\$ 387 billion from FY 2010-14.

Current Account Balance of Emerging Market Economies

The current account balance of emerging economies turned into a deficit of 0.2 per cent of GDP in 2015 from a surplus of 0.5 per cent of GDP seen in 2014. The current account surplus of the Middle East region turned deficit primarily owing to a fall in oil revenues. At the same time, the current account deficit of Sub-Saharan Africa, Latin America and the Caribbean widened further.

Source: 1) International Monetary Fund (IMF) World Economic Outlook (WEO), April, 2016

2) Department of Agriculture and Co-operation (DAC), Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Government of India

External Debt of Emerging Economies

External debt of emerging economies, as a percentage of exports of goods and services, increased to 78.4 per cent in 2014 (as per latest data available) as compared to 75.5 per cent in 2013. Overall, the debt service payment ratio of the developing economies increased to 8.9 per cent in 2014 from 8.4 per cent in 2013.

INDIAN ECONOMY

The Indian economy grew at 7.6 per cent during FY 2015-16, compared to 7.2 per cent in the preceding year, becoming one of the fastest growing major economies in the world. Growth was mainly on the back of positive factors such as higher public investment, buoyant consumption and lower interest rates. It is noteworthy that economic growth continued to pick up despite subdued global demand that has significantly dampened India's exports and two consecutive years of below-normal monsoons, which impacted farm output and productivity.

Agriculture

The Indian agricultural sector registered a slow but positive growth of 1.1 per cent in FY 2015-16, as compared to a contraction of 0.2 per cent in the previous year due to drought. A decline in production of food grains in FY 2015-16 at 0.5 per cent was not as steep as the decline of 4.9 per cent witnessed in the previous year². Similarly, a decline in production of oilseeds at an estimated 4.1 per cent, was much lower compared to a 16 per cent decline recorded in the previous year. Sectoral growth was mainly driven by allied segments consisting of livestock products, forestry and fisheries, with a combined growth of 5.0 per cent in FY 2015-16. The share of agriculture and allied sector in GDP, declined to 15.3 per cent in FY 2015-16 from 16.3 per cent in the previous year.

Industry

The industrial sector registered a strong growth of 7.3 per cent in FY 2015-16 compared to 5.9 per cent in the previous year. Accounting for 17.5 per cent of the GDP in FY 2015-16, manufacturing was the main driver of the sectoral growth, with growth of 9.5 per cent during the year,

followed by mining and quarrying, electricity, gas and water supply and construction. The share of industry in GDP remained unchanged at 31.2 per cent in FY 2015-16.

Growth of the general Index of Industrial Production (IIP) was at 2.4 per cent in FY 2015-16 as compared to 2.8 per cent in FY 2014-15. As per the sectoral classification of IIP, industrial production in electricity slowed down with a growth of 5.6 per cent during FY 2015-16 from 8.4 per cent recorded in the preceding year; while growth of mining and manufacturing increased to 2.2 per cent and 2 per cent, respectively, in FY 2015-16, from 1.4 per cent and 2 per cent, respectively, in FY 2014-15.

According to use-based classification of IIP, growth in consumer goods, basic goods and intermediate goods were at 3.5 per cent, 3.0 per cent and 2.5 per cent, respectively, in FY 2015-16, while capital goods witnessed a decline of 2.9 per cent. Manufacturing growth was mainly driven by furniture (44.3 per cent), motor vehicles, trailers and semi-trailers (7.5 per cent), wearing apparel (6.7 per cent), coke, refined petroleum products and nuclear fuel (6 per cent), chemicals and chemical products and radio, TV and communication equipments (3.8 per cent each), wood and products of wood and cork (3.2 per cent), paper and paper products (3.1 per cent), textiles (2.6 per cent), machinery and equipment (2.2 per cent), other non-metallic products (1.5 per cent) and fabricated metal products, except machinery and equipment (1.4 per cent).

Services

While the services sector continued to be the major driver of the economy, growth moderated to 9.2 per cent in FY 2015-16 from 10.3 per cent in FY 2014-15, mainly reflecting significant slowdown in the growth of public administration, defence and other services to 6.9 per cent from 10.7 per cent and moderation in the growth of financial, real estate and professional services to 10.3 per cent from 10.6 per cent; and in trade, hotels, transport, communication and broadcasting services from 9.8 per cent to 9.5 per cent during the same period. The share

of the services sector in India's GDP stood at 53.5 per cent in FY 2015-16 as against 52.5 per cent in FY 2014-15.

Infrastructure

The overall growth of the eight infrastructure and core sectors, viz., coal, crude oil, natural gas, petroleum refinery products, fertilizers, steel, cement and electricity eased to 2.7 per cent in FY 2015-16 from 4.5 per cent in FY 2014-15. During the period, industries that registered a decline in growth were natural gas ((-) 4.2 per cent), steel and crude oil ((-) 1.4 per cent each). Performance of the fertilizer industry has improved substantially by registering a growth of 11.3 per cent compared to a contraction of 0.1 per cent in the previous year. Other sectors i.e. electricity, cement, coal and refinery products recorded a growth of 5.2 per cent, 4.7 per cent, 4.6 per cent and 3.8 per cent, respectively.

Inflation

Headline inflation, based on the Consumer Price Index (CPI) (combined for rural and urban areas), moderated to 4.9 per cent during FY 2015-16 as against 6.0 per cent in FY 2014-15. Moderation in CPI inflation was broad-based, supported by lower inflation of food articles and items under the non-food, non-fuel category. Lower non-food, non-fuel category was largely supported by moderation on inflation of housing (rent), transport, communication, education and other services.

Headline wholesale price index (WPI) inflation declined following the global trend of declining commodity and producer prices. WPI inflation has remained in the negative territory since November 2014 and was (-) 2.5 per cent in FY 2015-16 as compared to 2.0 per cent in FY 2014-15. WPI-based food inflation continues to remain moderate at 3.2 per cent during FY 2015-16, despite the below average monsoon this year and the sporadic spurt in the prices of pulses and a few other essential commodities in the second half of the year.

Capital Markets

India's Net Foreign Direct Investment during FY 2015-16 stood at US\$ 36.0 billion, up from US\$ 32.6 billion in the preceding year. Net portfolio investment in India decreased sharply to (-) US\$ 3.6 billion in FY 2015-16 from US\$ 40.9 billion in the preceding year.

Foreign Trade and Balance of Payments

Reflecting the subdued global trade owing to the decline in global commodity prices and weak demand, the value of India's merchandise exports during FY 2015-16 amounted to US\$ 262 billion, as compared to US\$ 310.3 billion recorded in the preceding year. India's imports during FY 2015-16 amounted to US\$ 380.4 billion, registering a decline of 15.1 per cent from US\$ 448.0 billion during the preceding year.

Export of Petroleum products fell to US\$ 30.4 billion during FY 2015-16, which was a decline of 46.4 per cent over the previous year. At the same time, non-oil exports also witnessed an overall fall of 8.7 per cent during FY 2015-16. Most of the major commodities exported by India registered a negative growth during this period.

Oil imports during FY 2015-16 amounted to US\$ 82.9 billion, which was 40.1 per cent lower compared to that in the previous year. Non-oil imports during FY 2015-16 stood at US\$ 297.5 billion, which was 3.9 per cent lower than that of the previous year.

Overall, trade deficit for FY 2015-16 narrowed to US\$ 118.4 billion, as compared to US\$ 137.7 billion during FY 2014-15.

Services exports recorded a fall of 2.4 per cent to US\$ 154.3 billion during FY 2015-16, as against US\$ 158.1 billion during FY 2014-15. Software exports registered a growth of 1.4 per cent at US\$ 74.2 billion during FY 2015-16, as against US\$ 73.1 billion recorded in FY 2014-15. India's services imports increased by 3.7 per cent in FY 2015-16 to US\$ 84.6 billion, as compared to US\$ 81.6 billion during FY 2014-15. Overall, service surplus for FY 2015-16 was lower at US\$ 69.7 billion compared to US\$ 76.5 billion witnessed in FY 2014-15.

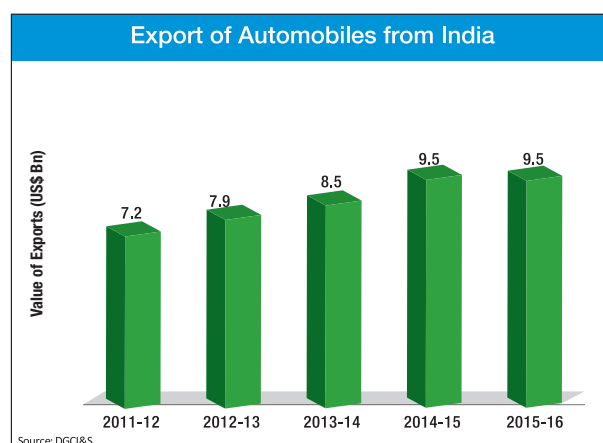
During the same period, net inflows under the capital and financial account also declined to US\$ 23.2 billion from US\$ 27.8 billion.

India's foreign exchange reserves increased to US\$ 360.2 billion as at end-March, 2016, from US\$ 341.6 billion as at end-March 2015. India's external debt increased to US\$ 485.6 billion at end-March 2016 from US\$ 475.0 billion as at end-March 2015, mainly reflecting increase in long-term debt component.

PERFORMANCE OF SELECT SECTORS

Automotives

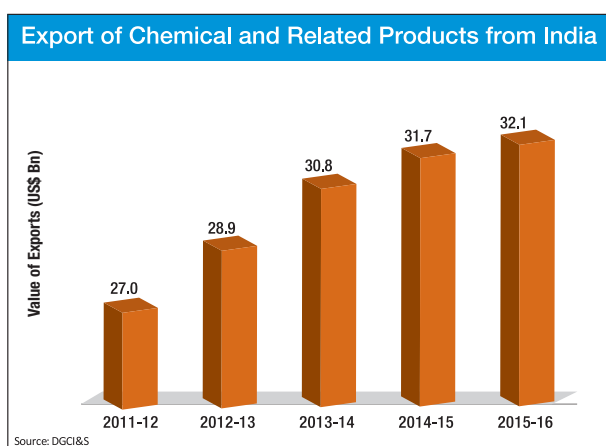
The automobile sector continued its revival in FY 2015-16 with production growing at a year-on-year (y-o-y) rate of 2.6 per cent during the year. Sales witnessed robust growth in all segments of automobiles. On the other hand, the export performance of the industry was dismal, with overall automobile exports declining by 0.4 per cent in FY 2015-16, as compared to a growth of 12.4 per cent in the previous period. The spurt in the number of MNCs foraying into the Indian market bears testimony not only to the potential of the domestic market but also to the capability of the country to act as a manufacturing hub to serve the overseas market. The turnover of the auto component industry increased from US\$ 30.8 billion in FY 2009-10 to US\$ 38.5 billion in FY 2014-15, registering a CAGR of 4.6 per cent, as per the latest estimates by Automotive Component Manufacturers Association of India. In addition, industry exports have increased from US\$ 4.2 billion in FY 2009-10 to US\$ 11.2 billion in FY 2014-15, witnessing a robust CAGR of 21.7 per cent. A major proportion of exports of auto components are accounted by Europe (36.4 per cent of total in FY 2014-15),



followed by Asia (25.3 per cent) and North America (23.2 per cent). The cumulative foreign direct investment (FDI) inflows into the Indian automobile industry during the period April 2000-March 2016 amounted to US\$ 15.1 billion.

Chemicals

The chemical industry is a significant contributor to India's national economic growth. The Index of Industrial Production (IIP) for chemicals and chemical products grew by 3.8 per cent during FY 2015-16, after registering a marginal decline of (-) 0.3 per cent

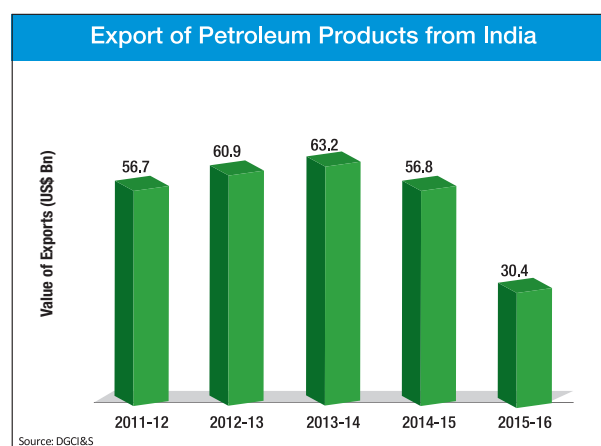


during FY 2014-15. The growth in IIP for chemicals and chemical products was higher than the 2.4 per cent growth in the overall IIP during this period. In terms of exports, chemical and related products (including pharmaceuticals) witnessed a year-on-year growth of 1.3 per cent during FY 2015-16 to reach US\$ 32.1 billion. Chemical and related products had a share of 12.3 per cent in the overall exports during this period, registering nearly two percentage point increase over FY 2014-15. The Indian chemical industry (other than fertilizers) was among the top 10 sectors attracting cumulative FDI inflows of US\$ 11.9 billion during the period April 2000-March 2016 with a share of 4.1 per cent in total FDI inflows (US \$ 288.6 billion) into India.

Petroleum Products

The Government of India started encouraging energy companies to invest in refineries at the end of the 1990s, thus helping the country to become a net exporter of petroleum products in 2001, despite being a significant importer of crude oil. According to the Petroleum Planning and Analysis Cell, production of petroleum products by refineries

and fractionators stood at 231.3 million metric tons (MMT) during FY 2015-16, as compared to 220.7 MMT in the previous fiscal year. With substantial increase in refining capacity in India, exports of petroleum products have picked up since FY 2005-06, although the slowdown in global economy has affected the exports in recent years. Amidst an increasingly challenging environment of declining prices and rising competition, exports of petroleum products witnessed a sharp decline of (-) 46.4 per cent during FY 2015-16, to reach a level of US\$ 30.4 billion from



US\$ 56.8 billion during the previous year. The share of petroleum product exports in total exports has witnessed a consistent increase from 15.7 per cent in FY 2009-10 to 20.1 per cent in FY 2013-14. However, this export share exhibited a decline in the fiscal year FY 2014-15 to touch 18.3 per cent and further to 11.6 per cent during FY 2015-16. During April 2000 - March 2016, petroleum and natural gas sector received FDI inflows of US\$ 6.7 billion.

Textiles and Garments

The textile and garment industry through its contribution to industrial output, employment and exports, plays a critical role in the Indian economy. The industry is estimated to account for 5 per cent of national GDP, 14 per cent of overall IIP and about 14 per cent of the country's exports. India was the second largest exporter of textiles and apparel in 2014 (as per latest data available), with a share of approximately 5 per cent in the global textile and apparel trade, with garments accounting for nearly 55 per cent of the total textile and apparel exports from India. During FY 2015-16, exports of textiles and allied products from India amounted to

US\$ 36.3 billion, showing a year-on-year decline of (-) 2.4 per cent. During the same period, exports of readymade garments grew at a more robust year-on-year rate of 0.8 per cent. During April 2000-March 2016, FDI inflows into the textile sector (including dyed and printed) stood at US\$ 1.9 billion.

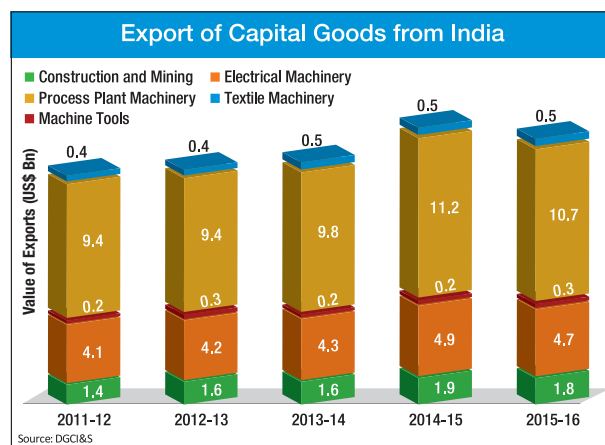
Pharmaceuticals

The Indian pharmaceutical market is the third largest in terms of volume and the thirteenth largest in terms of value globally. The export of pharmaceutical products was valued at US\$ 12.9 billion in FY 2015-16, registering a year-on-year growth of nearly 11.4 per cent. Share of pharmaceuticals in India's total exports has increased from 3.7 per cent in FY 2014-15 to 4.9 per cent in FY 2015-16. The major export destinations for India's pharmaceutical sector during FY 2015-16 were: the USA (with a share of 39.0 per cent) followed by South Africa (4.1 per cent), the UK (3.6 per cent), Nigeria (3.0 per cent) and Russia (2.7 per cent).

Capital Goods

The capital goods industry is a strategic segment for any economy. Some of the prominent capital goods

produced in India include heavy electrical machinery, textile machinery, machine tools, earthmoving and construction equipment including mining equipment, road construction equipment, printing machinery, dairy machinery, industrial refrigeration and industrial furnaces. In FY 2015-16, the capital goods industry registered a negative year over year growth of



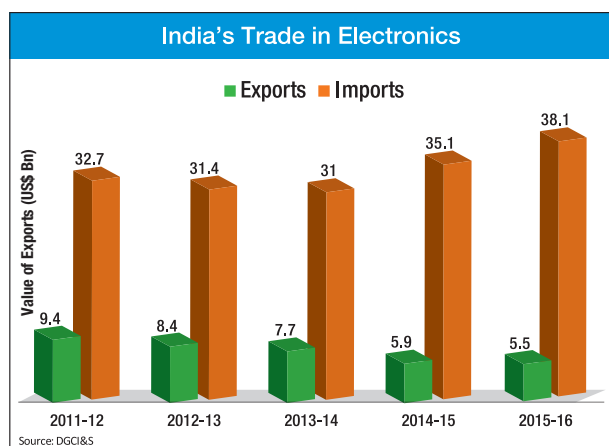
2.9 per cent, after witnessing a recovery in FY 2014-15. During FY 2015-16, capital goods exports also declined by (-) 4.0 per cent over the corresponding period of the previous year to reach US\$ 18.0 billion. Imports of capital goods during the same period registered a year-on-year growth of 4.1 per cent to reach US\$ 41.1 billion.



Hon'ble Union Minister for External Affairs, Smt. Sushma Swaraj visited the Export-Import Bank of India on January 30, 2016.

Electronics

While the CAGR for India's electronic item imports remained strong during FY 2011-12 to FY 2015-16 at 3.9 per cent, India's electronic item exports recorded a CAGR of (-) 12.4 per cent during the same period. During FY 2015-16, India's export of electronic items declined for the fourth consecutive year to reach US\$ 5.5 billion. Import of electronic items during the same period were valued at US\$ 38.1 billion, witnessing a year-on-year growth of 8.7 per cent. During FY 2015-16, major export



destinations for Indian electronic goods were the USA (16.8 per cent share), UAE (10.0 per cent), China (5.9 per cent), Singapore (5.3 per cent) and the UK (5.0 per cent). In the case of imports, China was the predominant source, accounting for 56.3 per cent of India's total imports of electronic goods. Other major source countries were South Korea (6.5 per cent), Singapore (5.3 per cent), the USA (4.5 per cent), Malaysia (4.2 per cent) and Germany (2.7 per cent).

Food Processing

The food processing sector is one of the major sectors in India in terms of production, growth, consumption and export, and has been accorded a priority status by the Government of India. The Indian food processing industry accounts for 32 per cent of the country's total food market and 13 per cent of India's exports. India's food processing sector covers fruits and vegetables, spices, meat and poultry, milk and milk products, alcoholic and non-alcoholic beverages, fisheries, plantation, grain processing and other consumer product groups like confectionery, chocolates and cocoa products, soya-based products, mineral water and high protein foods. Processed food exports increased at a CAGR of 11.2 per cent during the period FY 2010-11

to FY 2015-16, from US\$ 10.6 billion to US\$ 18.0 billion.

MAJOR POLICY CHANGES DURING FY 2015-16

Credit Policy

- Repo rate was reduced, in phases, from 7.50 per cent in June 2015 to 6.75 per cent in March 2016. Reverse repo rate stood automatically adjusted at 5.75 per cent.
- Statutory Liquidity Ratio (SLR) was unchanged at 21.5 per cent in March 2016.

Trade Policy

- The government has expanded the coverage of the Merchandise Export from India Scheme (MEIS) by adding 110 new items in October 2015. The incentive rate/country coverage of 2,228 items has been enhanced.
- The Directorate General of Foreign Trade (DGFT) launched a 'DGFT' mobile application in June 2015, which allows exporters/importers to access foreign trade policy and other related documents in an easy-to-use searchable format and check status of transmission of various authorisations and shipping bills, etc.
- A Council for Trade Development and Promotion has been constituted in July 2015, to ensure continuous dialogue with the governments of states/union territories on measures for providing an international trade-enabling environment and for making the states active partners in boosting India's exports.
- In September 2015, DGFT, in collaboration with the Indian Institute of Foreign Trade (IIFT), launched 'Niryat Bandhu at Your Desktop', an online certificate programme in export-import business.

Investment Policy

- A consolidated foreign direct investment (FDI) up to 49 per cent is allowed in defence sector under automatic route from the earlier government approved route. Proposals for foreign investment in excess of 49 per cent will be considered by Foreign Investment Promotion Board.

- FDI policy on Construction Development sector has been liberalised by relaxing the norms pertaining to minimum area, minimum capitalisation and repatriation of funds or exit from the project.
- 100 per cent FDI under automatic route is permitted in completed projects for operation and management of townships, malls/shopping complexes and business centres.
- Up to 100 per cent FDI has been allowed in coffee/rubber/cardamom/palm oil and olive oil plantations via the automatic route.
- Consolidated FDI up to 74 per cent is allowed in private sector banks.
- 100 per cent FDI is permitted under automatic route in Duty Free Shops located and operated in the Customs bonded areas.
- Regional Air Transport Service (RSOP) is eligible for foreign investment up to 49 per cent under automatic route.
- 100 per cent FDI is now permitted under automatic route in Limited Liability Partnerships (LLP) operating in sectors/activities where 100 per cent FDI is allowed, through the automatic route and there are no FDI-linked performance conditions.
- 100 per cent FDI has been allowed in the broadcasting sector, in DTH, teleports, mobile TV and cable networks. Of this, 49 per cent is allowed under automatic route and beyond that will need permission from Foreign Investment Promotion Board.
- As for the up-linking of non-news and current affairs TV channels, 100 per cent FDI has been permitted under the automatic route.

Statistical Snapshot of the World Economy

(% change)

| | 2011 | 2012 | 2013 | 2014 | 2015 (E) | 2016 (P) |
|---|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|---------------|
| I. World output (Real GDP) | 4.2 | 3.5 | 3.3 | 3.4 | 3.1 | 3.2 |
| (A) Advanced Economies | 1.7 | 1.2 | 1.2 | 1.8 | 1.9 | 1.9 |
| United States | 1.6 | 2.2 | 1.5 | 2.4 | 2.4 | 2.4 |
| Canada | 3.1 | 1.7 | 2.2 | 2.5 | 1.2 | 1.5 |
| Euro Area | 1.6 | -0.9 | -0.3 | 0.9 | 1.6 | 1.5 |
| UK | 2.0 | 1.2 | 2.2 | 2.9 | 2.2 | 1.9 |
| Japan | -0.5 | 1.7 | 1.4 | -0.03 | 0.5 | 0.5 |
| | | | | | | |
| (B) Emerging & Developing Economies | 6.3 | 5.3 | 4.9 | 4.6 | 4.0 | 4.1 |
| Emerging and Developing Asia | 7.8 | 6.9 | 6.9 | 6.8 | 6.6 | 6.4 |
| China | 9.5 | 7.7 | 7.7 | 7.3 | 6.9 | 6.5 |
| India | 6.6 | 5.6 | 6.6 | 7.2 | 7.3 | 7.5 |
| Latin America and the Caribbean | 4.9 | 3.2 | 3.0 | 1.3 | -0.1 | -0.5 |
| Middle East and North Africa | 4.6 | 5.1 | 2.1 | 2.6 | 2.3 | 2.9 |
| Sub-Saharan Africa | 5.0 | 4.3 | 5.2 | 5.1 | 3.4 | 3.0 |
| CIS countries | 4.8 | 3.5 | 2.1 | 1.1 | -2.8 | -1.1 |
| Russia | 4.3 | 3.5 | 1.3 | 0.7 | -3.7 | -1.8 |
| Emerging and Developing Europe | 5.4 | 1.2 | 2.8 | 2.8 | 3.5 | 3.5 |
| | | | | | | |
| II. World Merchandise Trade (Vol. Gr.) | 6.9 | 2.5 | 3.1 | 3.2 | 2.4 | 2.8 |
| Global Merchandise Exports (US\$ bn) | 17,913 | 18,049 | 18,486 | 18,591 | 16,266 | 15,739 |
| | | | | | | |
| III. World Trade Prices (US\$, % change) | | | | | | |
| Manufactures | 6.4 | 0.5 | -1.0 | -0.7 | -4.0 | -2.7 |
| Oil | 31.6 | 1.0 | -0.9 | -7.5 | -47.2 | -31.6 |
| Non-fuel primary commodities | 18.0 | -10.0 | -1.4 | -4.0 | -17.5 | -9.4 |

Note: E = Estimates; P = Projections

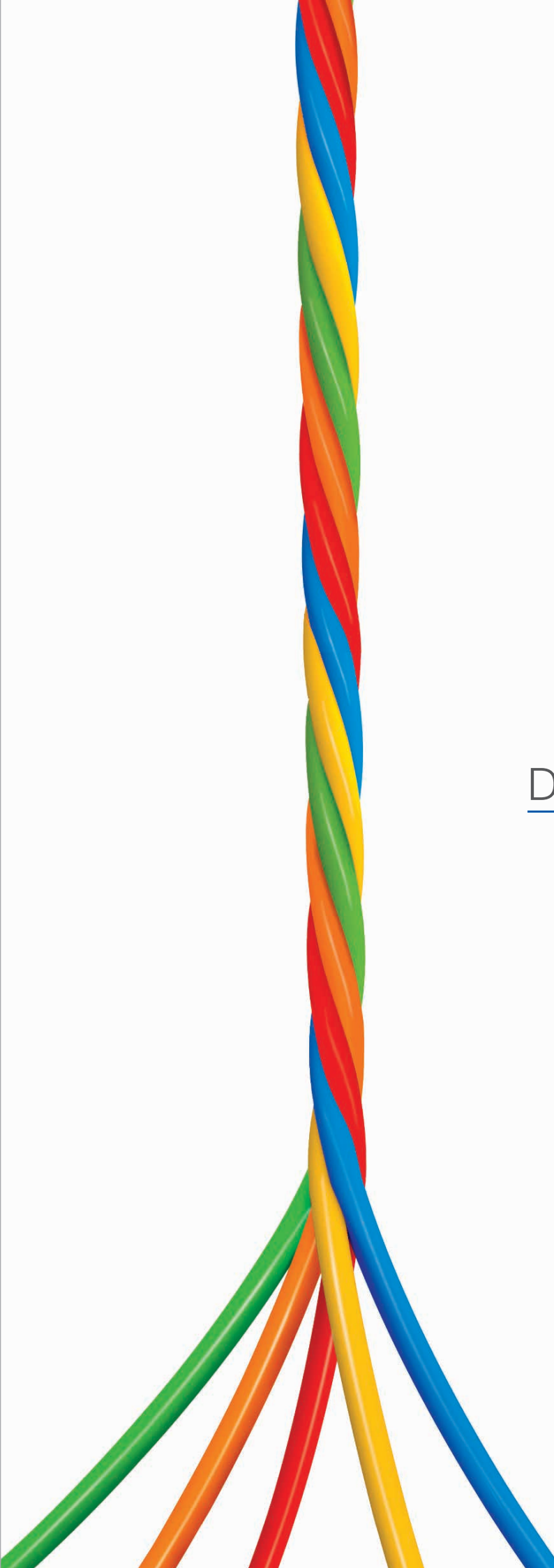
Source: IMF, World Economic Outlook (WEO) April 2016

Statistical Snapshot of the Indian Economy

| INDICATORS | 2010-11 | 2011-12 | 2012-13 | 2013-14 | 2014-15 | 2015-16 |
|--|---------------|---------------|-------------------------|-------------------------|-------------------------|---------------------------|
| GDP (at current prices, US\$ billion) | 1708.5 | 1823.2 | 1828.9 | 1863.9 | 2041.9 | 2075.8¹ |
| Real GDP Growth (%) | 8.9 | 6.7 | 5.6^{**} | 6.6^{**} | 7.2^{**} | 7.6^{***} |
| Sectoral Share in GDP (%) | | | | | | |
| Agriculture & allied activities | 14.6 | 18.5 | 17.8 ^{**} | 17.5 ^{**} | 16.3 ^{**} | 15.3 ^{***} |
| Industry | 27.9 | 32.5 | 31.9 ^{**} | 31.5 ^{**} | 31.2 ^{**} | 31.2 ^{***} |
| Services | 57.5 | 49.0 | 50.3 ^{**} | 51.0 ^{**} | 52.5 ^{**} | 53.5 ^{***} |
| Inflation rate (WPI, annual avg. %) | 9.6 | 8.9 | 7.4 | 6.0 | 2.0 | -2.5 |
| Inflation rate (CPI, annual avg. %) | 10.4 | 8.3 | 10.2 | 9.5 | 6.0 | 4.9 |
| Gross Fiscal Deficit (% of GDP) | 4.8 | 5.9 | 4.9 | 4.5 | 4.1 | 3.9^e |
| Exchange Rate (₹/US\$, avg.) | 45.6 | 47.9 | 54.4 | 60.5 | 61.1 | 65.5 |
| Exchange Rate (₹/Euro, avg.) | 60.2 | 65.9 | 70.1 | 81.2 | 77.5 | 72.3 |
| Exports (US\$ billion) | 249.8 | 306.0 | 300.4 | 314.4 | 310.3 | 262.0 |
| % change | 39.8 | 22.5 | -1.8 | 4.7 | -1.3 | -15.6 |
| Oil Exports (US\$ billion) | 36.4 | 56.7 | 60.9 | 63.2 | 56.7 | 30.4 |
| % change | 29.0 | 55.9 | 7.3 | 3.8 | -10.2 | -46.4 |
| Non-oil Exports (US\$ billion) | 213.4 | 249.2 | 239.5 | 251.2 | 253.6 | 231.6 |
| % change | 41.8 | 16.8 | -3.9 | 4.9 | 0.9 | -8.7 |
| Imports (US\$ billion) | 369.8 | 489.3 | 490.7 | 450.2 | 448.0 | 380.4 |
| % change | 28.2 | 32.3 | 0.3 | -8.3 | -0.5 | -15.1 |
| Oil Imports (US\$ billion) | 106.0 | 155.0 | 164.0 | 164.8 | 138.3 | 82.9 |
| % change | 21.6 | 46.2 | 5.9 | 0.4 | -16.0 | -40.1 |
| Non-oil Imports (US\$ billion) | 263.8 | 334.3 | 326.7 | 285.4 | 309.7 | 297.5 |
| % change | 31.1 | 26.7 | -2.3 | -12.6 | 8.5 | -3.9 |
| Trade Balance (US\$ billion) | -120.0 | -183.3 | -190.3 | -135.8 | -137.7 | -118.4 |
| Services Exports (US\$ billion)* | 124.6 | 140.9 | 145.7 | 151.8 | 158.1 | 154.3 |
| Software Exports (US\$ billion)* | 53.1 | 62.2 | 65.9 | 69.4 | 73.1 | 74.2 |
| Services Imports (US\$ billion)* | 80.6 | 76.9 | 80.8 | 78.7 | 81.6 | 84.6 |
| Services Balance (US\$ billion)* | 44.0 | 64.0 | 64.9 | 73.1 | 76.5 | 69.7 |
| Current Account Balance (CAB) (US\$ billion)* | -47.9 | -78.2 | -87.8 | -32.4 | -26.8 | -22.1 |
| CAB as percentage of GDP (%) | -2.8 | -4.2 | -4.8 | -1.7 | -1.3 | -1.1 |
| Forex Reserves (US\$ billion) | 304.8 | 294.4 | 292.0 | 304.2 | 341.6 | 360.2 |
| External Debt (US\$ billion) | 317.9 | 360.8 | 409.4 | 446.2 | 475.0 | 485.6 |
| External Debt to GDP Ratio (%) | 18.2 | 21.1 | 22.4 | 23.8 | 23.8 | 23.7 |
| Short Term Debt/Total Debt (%) | 20.4 | 21.7 | 23.6 | 20.5 | 18.0 | 17.2 |
| Total Debt Service Ratio (%) | 4.4 | 6.0 | 5.9 | 5.9 | 7.6 | 8.8 |
| Gross FDI (US\$ billion) | 36.0 | 46.6 | 34.3 | 36.0 | 45.1 | 55.4 |
| GDRs/ADRs (US\$ billion) | 2.0 | 0.6 | 0.2 | 0.02 | 1.3 | 0.4 |
| FII (net) (US\$ billion) | 29.4 | 16.8 | 27.6 | 5.0 | 40.9 | -3.5 |
| FDI Outflows (US\$ billion) | 17.2 | 10.9 | 7.1 | 9.2 | 4.0 | 8.8 |

¹-EAC, GOI's Provisional Estimate; ^e-GOI's estimates; ¹-IIF Estimates; ^{*}-Data from 2009-10 onwards is given by RBI as per new format of standard presentation of BoP statistics based on guidelines set out in IMF Balance of Payment Manual; ^{**}-Data as per the revised base year 2011-12.

Sources: Economic Survey, Various issues; Union Budget; RBI Monthly Bulletin, Annual Report & Weekly Statistical Supplement; Ministry of Finance; CSO; Ministry of Commerce & Industry; Institute of International Finance (IIF).



Directors' Report



Board of Directors' Meeting in progress.

The Directors are pleased to present the report of the working of the Bank with the audited Balance Sheet and accounts for the year ended March 31, 2016.

REVIEW OF OPERATIONS AND FINANCIAL PERFORMANCE

Loan Assets

The Bank approved loans aggregating ₹ 725.76 billion under various lending programmes during FY 2015-16 as against ₹ 576.84 billion during FY 2014-15. Loan disbursements during FY 2015-16 were ₹ 518.22 billion as against ₹ 385.08 billion during FY 2014-15, while loan repayments during FY 2015-16 amounted to ₹ 398.17 billion, as against ₹ 294.47 billion in FY 2014-15. Gross loan assets as on March 31, 2016 were ₹ 1,025.37 billion, registering an increase of 18 per cent over the previous year. Rupee loans and advances accounted for 34 per cent of the total loan assets as on March 31, 2016, while the balance 66 per cent were in foreign currency. Short-term loans accounted for 18 per cent of the total loans and advances as on March 31, 2016.

Non-Funded Facilities

During the year, the Bank sanctioned non-funded facilities aggregating ₹ 26.94 billion as against ₹ 59.68 billion in FY 2014-15, comprising project guarantees, financial guarantees and Letters of Credit. The Bank's aggregate non-funded portfolio, comprising Guarantees, Letters of Credit and Standby Letters of Credit, as on March 31, 2016, stood at ₹ 115.55 billion as against ₹ 108.47 billion as on March 31, 2015, representing a growth of 7 per cent. Guarantees issued during FY 2015-16 amounted to ₹ 25.69 billion as

against ₹ 42.25 billion in FY 2014-15. Letters of Credit opened during FY 2015-16 amounted to ₹ 7.66 billion as against ₹ 5.96 billion in FY 2014-15. Guarantees in the books of the Bank as on March 31, 2016 were ₹ 105.78 billion as against ₹ 102.13 billion as on March 31, 2015 and Letters of Credit as on March 31, 2016 amounted to ₹ 9.77 billion as against ₹ 6.34 billion as on March 31, 2015.

Income/Expenditure

The Bank registered Profit before tax of ₹ 4.53 billion on account of General Fund during FY 2015-16 as against a Profit of ₹ 11.35 billion for the year FY 2014-15. After providing for income tax of ₹ 1.38 billion, Profit after tax amounted to ₹ 3.16 billion during FY 2015-16 as against ₹ 7.26 billion during FY 2014-15. The main reason for the decrease in profit is an increase of 121% in provisions for contingencies from ₹ 939 crore for the year ended March 31, 2015 to ₹ 2,077 crore for the year ended March 31, 2016. The higher provisioning



Exim Bank signed an MOU with Government of Andhra Pradesh to support the exporters in achieving higher exports by facilitation of market linkages through its market advisory services.



Exim Bank signed a Memorandum of Co-operation with GoCoop Solutions and Services Pvt. Ltd., India's first social marketplace for easy and transparent sourcing of craft products.

is on account of additional provisions made for Non Performing Assets (NPAs) covering incremental slippages during the quarter ended March 31, 2016 as also additional provisioning on stressed assets to cushion apprehended future defaults. Out of this profit, an amount of ₹ 0.53 billion is transferred to Reserve Fund. In addition, the Bank has transferred ₹ 0.15 billion to Sinking Fund and ₹ 2.17 billion to Special Reserve under section 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961. The balance of ₹ 0.32 billion will be transferred to Government of India (GOI) as provided in the Export-Import Bank of India Act, 1981.

Business income including interest on loans, exchange, commission, brokerage and fees, etc. during FY 2015-16 was ₹ 55.65 billion as compared to ₹ 48.63 billion in FY 2014-15. Investment income, interest on bank deposits, etc. during FY 2015-16 was ₹ 32.16 billion as compared to ₹ 27.58 billion in FY 2014-15. Interest expenses in FY 2015-16 at ₹ 60.78 billion were higher by ₹ 6.81 billion mainly due to the increase in borrowings. Administrative expenses as a per cent of total expenses (excluding provisions for contingencies) worked out to 2.52 per cent during FY 2015-16 as against 2.38 per cent during FY 2014-15.

Profit before tax of the Export Development Fund during FY 2015-16 was ₹ 47.94 million as against ₹ 48.76 million during FY 2014-15. After providing for tax of ₹ 16.65 million, the post tax profit amounted to ₹ 31.29 million as against ₹ 32.12 million during FY 2014-15. The profit of ₹ 31.29 million is carried forward to next year.

Borrowings

Total borrowings of the Bank were at ₹ 933.17 billion as on March 31, 2016, higher by 18.56 per cent compared to total borrowings of ₹ 787.11 billion as on March 31, 2015.

Resources

During the year, the Bank received capital of ₹ 13 billion from the Government of India. As on March 31, 2016, the Bank's total resources including paid-up capital of ₹ 63.59 billion and reserves of ₹ 51.27 billion aggregated ₹ 1,048.03 billion. Exim Bank's resource base includes Bonds, Certificates of Deposits, Commercial Paper, Term Deposits, Term Loans and foreign currency deposits/borrowings/long-term swaps. During the year, the Bank raised borrowings of varying maturities aggregating ₹ 369.65 billion comprising rupee resources of ₹ 231.83 billion and foreign currency resources of US\$ 2.08 billion equivalent. Foreign currency resources of US\$ 1.80 billion equivalent were raised through bonds, bilateral/club/syndicated loans and US\$ 0.28 billion by way of Buy-Sell swaps/on-shore deposits. As on March 31, 2016, the Bank had a pool of foreign currency resources equivalent to US\$ 10.64 billion and outstanding Rupee Resources of ₹ 470.13 billion. Market borrowings as on March 31, 2016, constituted 100 per cent of the total borrowings and 89 per cent of the total resources of the Bank.

Foreign Currency Resources

During FY 2015-16, the Bank raised foreign currency resources aggregating US\$ 1.80 billion equivalent (excluding raised and repaid during the year). The Bank issued 5.5-year US\$ 500 million



An MoU was signed with Export-Import Bank of Malaysia Berhad, to strengthen co-operation in financing, guaranteeing and other financial mechanism to support projects of mutual interest.



Exim Bank signed a Memorandum of Understanding with Dubai Economic Council, Government of Dubai to enhance co-operation in the areas of economic research and facilitating bilateral trade and investment.

Eurodollar bonds in January 2016. The issuance marked the first dollar denominated bonds out of India for 2016. The transaction was priced with minimal new issue premium amidst very tentative markets (i.e. against a very conservative market backdrop with volatility in equity markets, declining crude prices and simmering geopolitical tensions), where most of the highly rated, repeat issuers from Asia have paid higher single digit new issue premium for their issuances from the start of the year. These bonds are included in the Emerging Market Bond Index. The Bank also raised CNH Bonds aggregating CNH 600 million in August 2015 in two tranches by way of private placement through London Branch. Through this transaction, the Bank was able to further diversify into a new currency and the size and pricing of the deal has further established the Bank's stature in the international debt markets. The investor is one of the largest insurance companies in Taiwan. The Bank also issued Uridashi Bonds (denominated in a foreign currency and sold directly to Japanese household investors) in November 2015 in two tranches of AUD 164.50 million and US\$ 42.80 million. The issuance marked the Bank's fourth issuance in the Uridashi markets and has further established the Bank's name as a repeat issuer in the Japanese markets. During February 2016, the Bank accessed the Japanese markets again by way of a Ninja Loan (syndicated loan arranged in Japan for foreign companies or institutions) of US\$ 120 million. So far, the Bank has raised Foreign Currency resources in diverse currencies including Australian Dollars,

Euros, Japanese Yen, Mexican Peso, Offshore Renminbi, Singapore Dollars, South African Rand, Swiss Francs, Turkish Lira and United States Dollars.

International and Domestic Rating

The Bank is rated Baa3 (Positive) by Moody's, BBB- (Stable) by Standard and Poors, BBB- (Stable) by Fitch Ratings and BBB+ (Stable) by Japan Credit Rating Agency (JCRA). All the above ratings are of investment grade or above and are the same as the sovereign rating. The Bank's domestic debt instruments continued to enjoy the highest rating viz., 'AAA' from the rating agencies, CRISIL and ICRA for long term instruments and A1+ from the rating agencies CRISIL, ICRA and CARE for short term instruments.

Asset Quality

As per RBI prudential norms for Financial Institutions a credit/loan facility in respect of which interest and/or principal has remained



Exim Bank concluding a Line of Credit Agreement for US\$ 24 million extended to the Republic of Côte d'Ivoire.

overdue for more than 90 days, is defined as a Non-Performing Asset (NPA). The Bank's gross NPAs at ₹ 42.75 billion worked out to 4.17 per cent of the total loans and advances as on March 31, 2016 as compared to 2.94 per cent as on March 31, 2015. The Bank's NPAs (net of provisions) of ₹ 8.55 billion as on March 31, 2016 were at 0.86 per cent of loans and advances. The NPA Provision Coverage Ratio (PCR) as on March 31, 2016 was 80 per cent.

Asset Classification

'Sub-standard assets' are those where interest and/or principal remains overdue for more than 90 days. Sub-standard assets that have remained as NPAs for a period exceeding 12 months are classified as 'doubtful assets.' 'Loss assets' are those considered uncollectable. Out of gross NPAs at 4.17 per cent as on March 31, 2016, sub-standard assets worked out to 2.76 per cent and doubtful assets worked out to 1.41 per cent. Net NPAs at 0.86 per cent of net loans and advances as on March 31, 2016, are fully towards sub-standard assets, while doubtful assets have been fully provided for. The Bank did not have loss assets as on March 31, 2016.

Capital Adequacy

The Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) was 14.55 per cent as on March 31, 2016, as compared to 15.34 per cent as on March 31, 2015, as against a minimum 9 per cent norm stipulated by RBI. The Debt-Equity Ratio as on March 31, 2016 was 8.12:1 as compared to 7.95:1 as on March 31, 2015.

Exposure Norms

Reserve Bank of India (RBI) has prescribed credit exposure limits for All-India Term Lending Institutions at 15 per cent of the financial institutions' capital funds, effective from March 31, 2002, for exposure to individual borrowers and at 40 per cent for group borrowers. An additional exposure up to 5 per cent (i.e. a total exposure up to 20 per cent of capital funds of the Financial Institution for Single Borrowers and 45 per cent of capital funds for Borrower Groups) can be taken in exceptional circumstances, with the prior approval of the Board. The exposure ceilings for individual borrowers and borrower groups can be exceeded by an additional five percentage points (i.e. 5 per cent of total capital funds) and ten percentage points (i.e. 10 per cent of total capital funds), respectively (over and above the maximum limits of 20 per cent and 45 per cent, respectively), provided the



Handing over of HAL-DO-228-202 (K) aircraft by Hindustan Aeronautics Limited to the National Coast Guard of Mauritius, supported under Line of Credit of US\$ 46 million extended to the Government of Republic of Mauritius.



Exim Bank's publication on "Enhancing India's Trade Relations with LAC: Focus on Select Countries" was released during the India-Latin America and Caribbean Conclave organised by CII in New Delhi.

additional credit exposure is on account of infrastructure projects in India. The Bank's credit exposures to single and group borrowers as at March 31, 2016 were within the limits stipulated by RBI. There was one borrower as on March 31, 2016 for whom exposure over 15% of capital funds was assumed with the approval of the Board/Management Committee. Exposure to this borrower as on March 31, 2016 stood at 19.61% of the capital funds of the Bank.

RBI has advised Financial Institutions to adopt internal limits on exposures to specific industry sectors so that the exposures are evenly spread over various sectors. The industry exposure limits adopted by the Bank for each industry sector are 15 per cent of the Bank's credit exposure to all industry sectors. The Bank's exposure to a single industry sector was not more than 15% per cent of its total exposure as at March 31, 2016.



Business Operations

Exim Bank as a Financier
of Exports

PROJECTS, PRODUCTS AND SERVICES EXPORTS

The Bank provides a range of export credit products like finance for export of projects and consultancy services, capital equipment finance, export project cash-flow deficit finance and guarantees. The Bank is equipped to offer a comprehensive financing package to Indian project exporters including funded support and project related guarantee facilities.

Export Contracts

During FY 2015-16, 95 contracts amounting to ₹ 225.51 billion covering 39 countries were secured by 50 Indian exporters, as against 105 contracts worth ₹ 497.81 billion covering 40 countries, secured by 56 Indian exporters during FY 2014-15. The contracts secured during the year comprised 55 turnkey contracts valued at ₹ 114.12 billion, 18 construction contracts valued at ₹ 97.87 billion, 10 supply contracts valued at ₹ 12.37 billion and 12 technical consultancy and services contracts valued at ₹ 1.15 billion.

There has been an apparent decline in the project export contracts secured by Indian companies during the year ended March 31, 2016, vis-à-vis the previous year; this actually reflects a data gap. Under the Working Group Mechanism, the Bank had to mandatorily accord post-award approval to all project export contracts above US\$ 100 mn; consequently, the Bank also served



Exim Bank assisted Wockhardt Ltd., Mumbai, for its R & D activities and capital expenditure.

as a central agency for collation of data on project export contracts secured by Indian companies. Subsequently, the RBI, in July 2014, decided to dispense with the structure of the Working Group. The RBI further announced that Exim Bank/commercial banks can now consider awarding post-award approvals without any monetary limit and permit subsequent changes in the terms of post award approval within the relevant Foreign Exchange Management Act guidelines/regulations. In view of the above developments, the Bank no longer has access to comprehensive data on project exports. The figures for the current financial year, therefore, represent only those project export



Expansion of Upper Ruvu Water Treatment Plant in Tanzania executed by VA Tech Wabag Ltd., India, under Line of Credit of US\$ 178.125 million to the Government of the United Republic of Tanzania.



Dredger and other vessels supplied under Line of Credit of US\$ 862 million to the Government of Bangladesh.

contracts that were referred to the Bank for approval and assistance and are not comparable with figures for the previous year.

Some major projects:

- Engineering, Procurement, Construction contract for design, construction, installation, commissioning and testing of Border Infrastructure Project in Oman, being executed by Engineering Projects (India) Ltd.
- Contract of Design Competition for the Re-Front End Engineering Design and Engineering, Procurement, Construction and Commissioning of the Effluent Treatment Plant of the Refinery and Petrochemical Integrated Development project, Pengerang, Malaysia, being executed by VA Tech Wabag Ltd.
- Contract for design, supply, installation, testing and commissioning of 183 km double circuit 400 kV overhead transmission line and double wired 72 fibres optical ground wire in Abu Dhabi, being executed by KEC International Ltd.
- Execution of a Road construction and maintenance project in Madrid City, Spain, being executed by IL&FS Transportation Networks Ltd.
- Engineering, Procurement and Construction of 2X35 MW Peat-Fired Power Plant in Rwanda, being executed by Shapoorji Pallonji & Company Pvt. Ltd.
- Contract of Engineering, Procurement and Construction of Floating, Production, Storage and Offloading vessel awarded to Shapoorji Pallonji & Company Pvt. Ltd.'s Joint Venture, Armada Madura EPC Ltd. (AMEL), Marshall Islands.

Export Credits and Guarantees

During the year, the Bank approved loans aggregating ₹ 262.24 billion by way of supplier's credit, buyer's credit and finance for Project Exports as against ₹ 249.61 billion during the previous year. Disbursements amounting to ₹ 260.10 billion were made during the year, as compared to ₹ 135.68 billion during the previous year. Guarantees sanctioned and issued during the year amounted to ₹ 16.41 billion and ₹ 20.99 billion, respectively, as against ₹ 45.33 billion and ₹ 19.93 billion during the previous year. These guarantees pertain to overseas projects in sectors such as power generation, transmission and distribution and infrastructure development.

Buyer's Credit

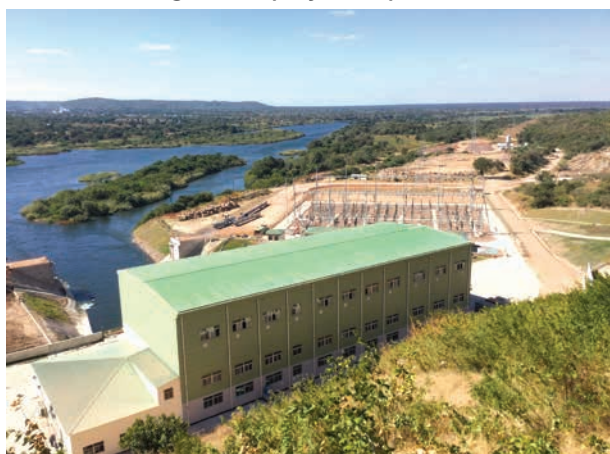
Buyer's Credit is a unique programme of Exim Bank under which the Bank facilitates Indian exports by way of extending credit facility to overseas buyers for financing their imports from India. Under Buyer's Credit programme, Exim Bank makes payment of eligible value to Indian exporters, without recourse to them. During FY 2015-16, the Bank extended short term Buyer's Credit facility aggregating ₹ 5.17 billion to 6 overseas companies. Disbursements under Buyer's Credit Programme aggregated ₹ 15.80 billion for exports to countries that include Bangladesh, Cote d'Ivoire, Ghana, Kenya, Mozambique, Nigeria, South Africa, Tanzania, Thailand, UAE, USA, Uganda, United Kingdom, Zambia and Zimbabwe. The products exported under Buyer's Credit included transport vehicles and auto spare parts, engineering goods,



Exim Bank assisted Welspun Group for setting up a grid connected 17 MW Solar power project.

agro-based products and commodities, gold and diamond jewellery, steel wires and wire rods, fuel and furnace oil, yarn, etc. Several exporters from small and medium enterprises were beneficiaries under the Buyer's Credit Programme, receiving non-recourse payment.

The Bank has laid strong emphasis on enhancing India's Project Exports, the funding options for which have been strengthened with the introduction of the Buyer's Credit under GOI's National Export Insurance Account (BC-NEIA) programme. The Bank has sanctioned an aggregate amount of US\$ 2.19 billion, for 22 projects, valued at US\$ 2.49 billion, as on March 31, 2016, including the supply, erection and commissioning of a water treatment plant and distribution to reservoirs across the Dambulla region in Sri Lanka; setting up of an integrated LPG and bitumen storage facility at the Beira Port in Mozambique; plant and design-build contract for civil, mechanical and engineering works for the Aluthgama, Mathugama and Agalawatta integrated water supply project in Sri Lanka; plant and design – build contract for civil, mechanical and engineering works for Polgahawela, Pothuhera and Alawwa Integrated Water Supply Project in Sri Lanka; Plant and Design–Build Contract for Civil, Mechanical and Engineering Works for Kundasale-Haragama Water Supply Project in Sri Lanka; and supply of vehicles and spares to Zimbabwe, Tanzania and Senegal. The Bank has also given in-principle commitments for an aggregate amount of US\$ 5.11 billion supporting 36 projects valued at US\$ 6.27 billion, under the BC-NEIA at the behest of several leading Indian project exporters.



120 MW Itezhi tezhi Hydro power project in Zambia part financed under the Bank's Lines of Credit Programme.



Exim Bank extended a Line of Credit (LOC) of US\$ 50 million to the Government of the Co-operative Republic of Guyana, for financing a Road Linkage Project in Guyana.

Lines of Credit

Exim Bank extends Lines of Credit (LOCs) to overseas financial institutions, regional development banks, sovereign governments and other entities overseas, to enable buyers in those countries to import developmental and infrastructure projects, equipment, goods and services from India, on deferred credit terms. During the year, the Bank extended nine LOCs, aggregating US\$ 2.61 billion, to support export of projects, goods and services from India. LOCs extended by Exim Bank during the year include LOCs to the Governments of Bangladesh, Cote d'Ivoire, Democratic Republic of Congo, Guinea, Guyana, Myanmar, Tanzania and Zimbabwe. These LOCs will finance and catalyse exports by way of financing projects such as electricity interconnection project, development of power distribution project, strengthening of health systems, renovation/upgradation of thermal power plant, implementation of a microwave radio link, road linkage project and financing various social and infrastructure development projects (such as power, railways, road transportation, information and communication technology, shipping, health and technical education sectors). Exim Bank has built up a portfolio of 203 LOCs spread across 63 countries, with credit commitments aggregating US\$ 14.27 billion, under which projects are at various stages of implementation.

Concessional Financing Scheme of GoI

Government of India has approved a new financing scheme to enable Exim Bank to offer concessional finance to support Indian companies bidding for strategically important infrastructure projects

abroad. The Indian company under the Scheme must be owned by resident Indian citizens and must be producing domestically at least 75% of the items required for the execution of the project. Under the scheme, Exim Bank has sanctioned a loan of US\$ 1.60 billion to the Bangladesh-India Friendship Power Company Ltd., a 50:50 JV company of Bangladesh Power Development Board, Bangladesh and NTPC Ltd., India, to finance the 2x660 MW Maitree Super Thermal Power Project in Rampal, Bangladesh, awarded to Bharat Heavy Electricals Ltd. through an International Competitive Bidding Process.

BUILDING EXPORT COMPETITIVENESS

The Bank operates a range of financing programmes aimed at enhancing the export competitiveness of Indian companies. During FY 2015-16, Exim Bank sanctioned loans aggregating ₹ 236.53 billion under programmes for enhancing export competitiveness. Disbursements amounted to ₹ 230.31 billion under these programmes.

Loans to Export Oriented Units

During the year, the Bank approved term loans of ₹ 67.50 billion to 52 export oriented units. Disbursements amounted to ₹ 59.51 billion. Under the Production Equipment Finance Programme, 12 exporting companies were sanctioned ₹ 10.26 billion for financing acquisition of production equipment. Disbursements amounted to



Exim Bank financed Armada Madura EPC Ltd's. contract of Engineering, Procurement and Construction of Floating, Production, Storage and Offloading (FPSO) vessel, Marshall Islands valued at US\$ 500 million.

₹ 10.15 billion. 11 companies were sanctioned long-term working capital loans aggregating ₹ 4.50 billion. Disbursements amounted to ₹ 3.81 billion.

Technology Upgradation Fund Scheme (TUFS)

Exim Bank is one of the nodal agencies appointed by the Ministry of Textiles, GOI, to establish and approve the eligibility of projects under TUFS and release subsidy directly to the approved projects. As on March 31, 2016, the Bank has accorded approval for 225 projects with aggregate cost of ₹ 182.36 billion. Loans approved and disbursed



In line with 'Act East' policy of Government of India, Exim Bank has undertaken special initiative to promote Indian investments in the CLMV (Cambodia, Lao PDR, Myanmar and Vietnam) region. The Bank held seminars during the year to disseminate information on various investment opportunities in the region, to Indian private sector companies.



Exim Bank assisted PMP Auto Components Pvt. Ltd. for setting up a facility for manufacturing wiper systems in Puebla, Mexico, to cater the demands of Volkswagen AG.

aggregate ₹ 65.52 billion and ₹ 34.20 billion, respectively. The Bank's assistance under TUFs to the textile industry is spread across various segments in textile manufacturing and covers several states in India.

Overseas Investment Finance Programme

The Bank has a comprehensive programme covering equity finance, loans, guarantees and advisory services to support Indian outward investment. During the year, 31 corporates were sanctioned funded and non-funded assistance aggregating ₹ 56.96 billion for part financing their overseas investments in 15 countries. So far, Exim Bank has provided finance to 563 ventures set up by 436 companies in 78 countries. Overseas investments supported during the year include acquisition of a colouring business for food, beverages and industrial pigments in Australia, establishment of a university in Antigua, acquisition of a company manufacturing engineering products



1250 TCD Capacity Sulphurless White Sugar Plant at Komenda, Ghana, financed under Exim Bank's Line of Credit of US\$ 35 million to the Government of Ghana.

in Romania and acquisition of a logistics company in Australia.

Aggregate assistance extended for overseas investment amounts to ₹ 491.46 billion covering various sectors including pharmaceuticals, home furnishings, readymade garments, construction, paper and paper products, textiles, garments, chemicals, dyes, computer software and IT, engineering goods, natural resources (coal and forests), metal and metal processing, agriculture, agro-based products, steel, oil and gas.



Exim Bank assisted Manipal Education (Mauritius) Pvt. Ltd., Mauritius, for establishing American University of Antigua Inc., Antigua which has affiliations with 30 hospitals in the USA for clinical rotations and is one of the modern medical schools in the Caribbean.

STANDBY LETTERS OF CREDIT (SBLC) / LETTERS OF CREDIT (LC)

To facilitate the transactions of Export-Oriented Units, the Bank issues LCs mainly for imports financed by the Bank. The Bank also extends financial guarantees by way of guarantees / SBLCs to enable Export Oriented Units raise funds at competitive rates. During the year, the Bank issued financial guarantees amounting to ₹ 4.71 billion. The Bank's financial guarantee portfolio stood at ₹ 46.31 billion as on March 31, 2016, as against ₹ 58.18 billion as on March 31, 2015. During the year, the Bank opened 209 LCs aggregating ₹ 7.66 billion. The Bank also handles negotiation/ collection of export documents. The Bank handled 2,115 export documents worth ₹ 38.05 billion.



Business Operations

Exim Bank as a Facilitator
of Exports

GRASSROOTS BUSINESS INITIATIVES

The Bank, through its grassroots initiatives, envisages supporting globalisation of enterprises based out of rural India. The programme seeks to address the needs of relatively disadvantaged sections of society while creating expanded opportunities for traditional craftspeople and artisans and rural entrepreneurs of the country.

During the year, the Bank provided support to a Punjab based social enterprise that works with around 2,500 women artisans for their empowerment and also for the revival of the languishing Phulkari art. The intervention by the Bank was aimed at part financing the working capital requirements of the organisation. The Bank, in partnership with the enterprise, organised a design development workshop for 30 master artisans in Thuha village of Patiala district of Punjab. Intervention in the form of lending support was also provided to a Rajasthan based organisation, which works with nearly 3,500 artisans with an objective of ensuring sustainable livelihoods for artisans and farmers. The Bank also supported two organisations based in Uttar Pradesh for part financing the cost of setting up of production centres for Indian gooseberry (Amla) processing and Handloom Products. During the year, the Bank continued its support to a Society based in Sri-kalahasthi, Andhra Pradesh, engaged in the production of wooden handicrafts and Kalamkari products; a company based in Bangalore, Karnataka, engaged in the production of Handloom Products; a Nilgiris, Tamil Nadu based social enterprise which works with nearly 2,000 artisans, mostly from the tribal communities, promoting agro-ecological products; and enhanced its support to a social enterprise



A four-month design development workshop organised by Exim Bank for Purkal Stree Shakti Samiti, Uttarakhand.

sourcing off-the-loom products from handlooms in Bhagalpur, Bihar.

The Bank has been supporting and assisting rural artisans and craftsmen of handicraft products to gain domestic as well as international presence by organising design development workshops. The Bank also helped an Uttarakhand based Society working for the last 25 years in the field of education, health and income-generation of marginalised and underprivileged sections of the rural community, in organising a product and design development training workshop for select 25 master women artisans from nearly all the villages surrounding Purkal region in Dehradun, Uttarakhand. The Society, working with nearly 1,200 artisans, has been engaged in the production of handicrafts using appliqué and patchwork techniques. The Bank also supported a month-long workshop aimed at training 50 master artisans on creative and modern handloom designs, based in villages in and around Darrang District, Assam.

The workshops supported by the Bank have been immensely successful in addressing the key issues related to product development and design and have



Exim Bank supported artisans to showcase Traditional and Tribal Folk Paintings at Art Exhibitions in Mumbai, New Delhi and Chennai.





Exim Bank supported Skill Development and Capacity Building Training for Mandakini Women Weavers, Uttarakhand.

helped the artisans develop product prototypes, which have a wider appeal in both the domestic and international markets.

MARKETING ADVISORY SERVICES

The Bank plays a promotional role and seeks to create and enhance export capabilities and international competitiveness of Indian companies through its Marketing Advisory Services. The Bank provides assistance to Indian firms in their globalisation efforts by locating overseas distributor(s)/buyer(s)/partner(s) for their products and services. Exim Bank also assists in identification of opportunities overseas for setting up plants or projects or for acquisition of companies overseas. The Bank leverages its high international standing, in-depth knowledge and understanding of the international markets and well established institutional linkages, coupled with its physical presence, to support Indian companies in their marketing initiatives on a success fee basis.

During the year, the Bank signed mandates with 10 new companies to assist in marketing of their products and services. A total of 75 orders in domestic as well as overseas markets were generated for various products. The success stories include placement of steel link chains for material handling purposes at the sea-port and warehouses in Colombia, Manipur's black pottery products to a retail chain in the United States and hand-woven textile to e-commerce companies in India and the United States. Several handicraft items and tribal and folk paintings were also placed across India and orders were generated for laminated tubes and bottles in Sri Lanka. The Bank also supported and assisted in placement of handicraft and handloom items such as block printed bags, paintings, handmade paper products, hand-woven stoles, paper cutting metal artefacts, jute products, embroidery textiles, pottery, handmade carpets, Kolhapuri footwear, Chennapatna wooden products and wood carving and inlay.



Exim Bank supported various Handicraft and Handloom products.



Exim Bank sponsored several artisans to participate at Surajkund Mela and Kala Ghoda Festival.

Besides product placement, the Bank also assisted Indian companies in identifying partners overseas:

- A Letter of Intent was signed between Shapoorji Pallonji Group and Big Stone Investment Pvt. Ltd., Maldives, for designing and development of an Island Resort in Maldives.
- A vendor agreement was signed by Panchachuli Women Weavers Association with USA based e-commerce company Novica to sell hand-woven products in the USA market via its e-commerce platform.

Workshops/Training Programmes

The Bank in collaboration with National Institute of Design (NID) supported Jaipur based Anoothi, by organising a design intervention and product development workshop. The 10 day workshop was attended by 22 rural women who were trained in mastering the block printing techniques enabling new product development using the traditional and combination technique of block printing and embroidery.



Exim Bank sponsored Product Development Workshop in Block Printing for women artisans of Jaipur based Anoothi Self Help Group.

The Bank along with Mandakini Women Weavers Association, Uttarakhand, organised a 6-month training programme for 35 women weavers in spinning, weaving and knitting. Through this programme, the women affected during the Kedarnath flood have gained sustainable livelihood.

Events/Exhibitions

The Bank in partnership with Surajkund Mela Authority assisted 15 craftsmen to display and sell their products at Surajkund Mela which was held in Haryana during February 2016. The internationally acclaimed event drew large number of buyers and helped the artisans find new market opportunities.



Exim Bank supported Anoothi for showcasing its Block Printed home textiles range at Home Expo in New Delhi.

The Bank also supported weavers and artisans during the Kala Ghoda Arts Festival event held in Mumbai during February 2016. The Festival served as a platform for grassroots artisans to showcase their products and helped in securing several new enquiries and direct sales.

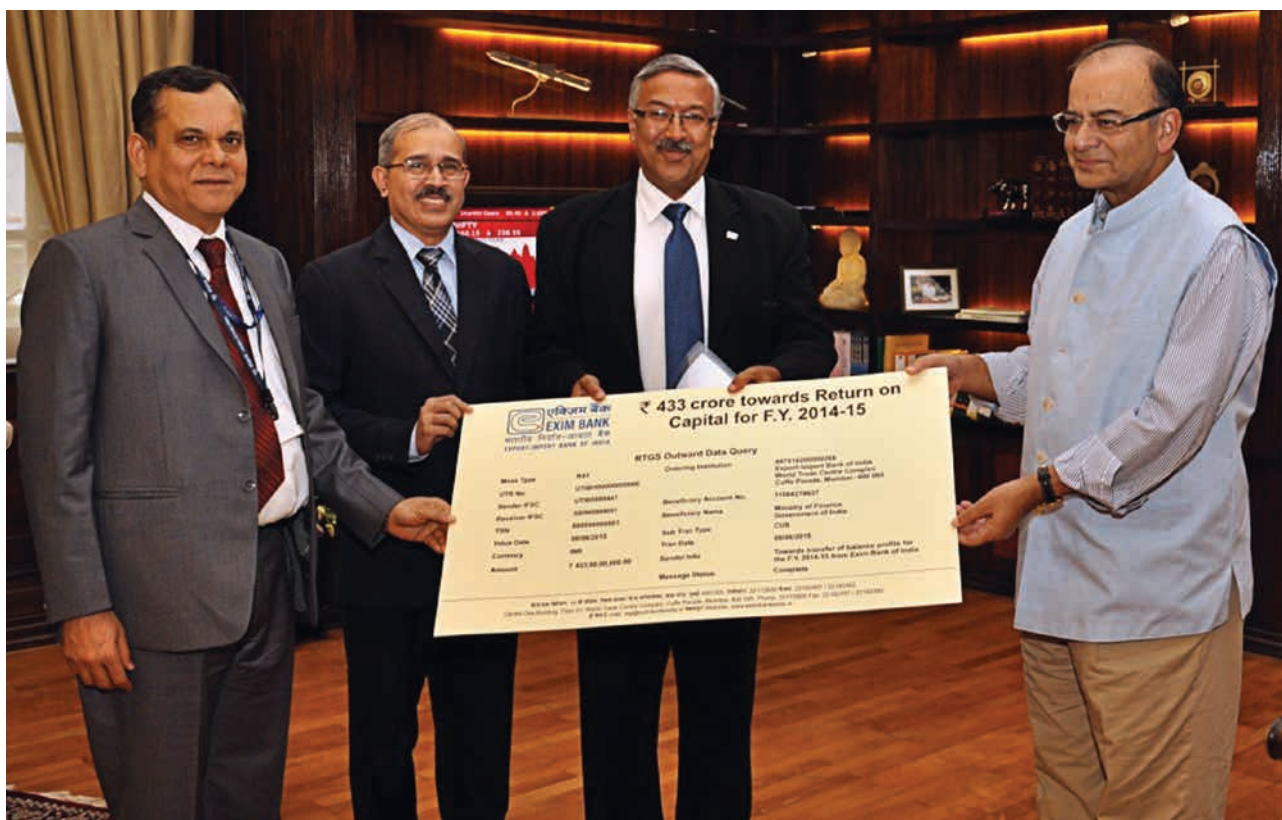
The Bank, in association with Concern India Foundation and Secure Giving, organised and supported Traditional and Tribal Art Exhibitions in Chennai, Mumbai and New Delhi. Traditional and tribal paintings originating from various states across India; namely, West Bengal, Gujarat, Odisha, Madhya Pradesh, Rajasthan, Bihar, Telangana and Andhra Pradesh were exhibited and sold.

The Bank also offered assistance to Jaipur based, Anoothi, by way of booth space at Home Expo India event in New Delhi. The event was organised by Export Promotion Council for Handicrafts. The event provided access to a large number of buyers and helped Anoothi find new business opportunities in both local and overseas markets.



Business Operations

Exim Bank as a Promoter
of Exports



Presenting the RTGS receipt of ₹ 4.33 billion as Balance of Net Profit transferred to the Government of India for FY 2014-15.

RESEARCH AND ANALYSIS

The Bank's Research and Analysis Group offers a range of research insights on aspects of international economics, trade and investments through qualitative and quantitative research techniques. The research work carried out in the Group under the broad classification of regional, sectoral and policy related studies, are published in the form of Occasional Papers, Working Papers, Books, etc.

The research studies undertaken during the year are:



Dr. Donald Kaberuka, former President, African Development Bank, spoke on "Promoting Africa-India Investment in the New Global Landscape" at the Bank's Commencement Day Annual Lecture.

- Multilateral Development Bank-Funded Projects: Recent Trends and Opportunities for Indian Exporters
- Potential for Trade of Organic Products from India
- Value Addition Chains and Trade in Manufactured Commodities in Southeast Asia
- Indian Steel Industry: Export Prospects
- International Solar Alliance: Nurturing Possibilities
- Defence Equipment Industry: Achieving Self-Reliance and Promoting Exports
- India's Services Sector: An Analysis
- Focus Africa: Enhancing India's Engagements with Southern African Development Community (SADC)
- Act East: Enhancing India's Engagements with Cambodia, Lao PDR, Myanmar and Vietnam (CLMV)
- Export from West Bengal: Potential and Strategy
- Make in India for the World: Realising Export Potential of Railways



Exim Bank supported construction of a 5-Star Hotel by Shapoorji Pallonji Mideast LLC in Sierra Leone.

- Indian Leather Industry: Perspective and Strategies
- Enhancing India's Trade Relations with Africa: A Brief Analysis
- Turkey: A Study of India's Trade and Investment Potential
- Enhancing India's Trade Relations with LAC: Focus on Select Countries
- Potential for Enhancing India's Trade with Russia: A Brief Analysis
- Potential for Enhancing India's Trade with China: An Update
- Potential for Enhancing India's Trade with Pakistan: A Brief Analysis
- Potential for Enhancing India's Trade with Iran: A Brief Analysis
- Enhancing India's Trade Relations with ECOWAS: A Brief Analysis

INFORMATION AND ADVISORY SERVICES

The Bank provides a wide range of information, advisory and support services, which complement its financing programmes. These services are provided on a fee basis to Indian companies and overseas entities. The scope of services includes market-related information, sector and feasibility studies, technology supplier identification, partner search, capacity building exercises, investment facilitation and development of joint ventures both in India and abroad.

In 2015, the International Trade Centre (ITC), Geneva, under its 'Supporting Indian Trade and Investment for Africa (SITA) Project', awarded to Exim Bank an assignment for institution capacity

building for export credit and insurance to enhance trade competitiveness in Rwanda. The objective of the assignment was to establish the rationale for a separate entity to cater to the growing requirements of export credit and export credit insurance for promoting international trade of Rwanda, as also for suggesting a viable operating model for the proposed agency. The assignment is part of a multi-phased project of the ITC under SITA.

During the year, the Bank was commissioned by the Commonwealth Secretariat to carry out a follow-on assignment to assist the Sri Lanka Export Credit Insurance Corporation (SLECIC) towards operationalising the recommendations made by the Bank as part of an earlier assignment completed in FY 2013-14. The follow-on assignment entailed strengthening the export credit institutional structure in Sri Lanka, inter alia, comprising SLECIC, commercial banks and the government policy and regulatory framework. The objective of the assignment was to enhance the trade competitiveness of Sri Lanka by facilitating greater flow of export credit and by deepening and broadening the export base of the country.

International Solar Alliance (ISA) was conceived in the backdrop of the COP21 in France in 2015, as a coalition of 121 solar resource rich countries, receiving almost 300 days of sunlight, located between the Tropic of Cancer and the Tropic of Capricorn. The Alliance envisages addressing the energy needs of these countries and providing a platform to collaborate on addressing the identified gaps through a common agreed approach.



Exim Bank signed two Agreements for Lines of Credit for US\$ 34.50 million and US\$ 109.942 million with the Government of the Democratic Republic of Congo.



Exim Bank delegation during the flag-off ceremony at the Mumbai Port Trust on the occasion of shipment of vehicles and spare parts by Ashok Leyland Ltd. to Zimbabwe, financed under Bank's Buyer's Credit Programme.

Exim Bank in its effort towards supporting the initiative of the Government of India, has undertaken a Study titled "International Solar Alliance: Nurturing Possibilities", outlining key challenges and strategies towards bringing in greater electrification amongst the ISA countries. The Study also has devised a 'co-operation framework' and a financial and policy support mechanism for ISA members to take this initiative forward.

MULTILATERAL FUNDED PROJECTS OVERSEAS

The Bank provides a package of information and support services to Indian companies to help improve their prospects for securing business in projects funded by the World Bank, Asian Development Bank (ADB), African Development Bank (AfDB) and European Bank for Reconstruction and Development (EBRD). Projects funded by such Multilateral Funding Agencies present attractive business opportunities for suppliers, contractors and consultants. Recognising the potential for increasing effective participation by Indian firms

in such multilateral funded projects, Exim Bank has been organising seminars in association with Multilateral Agencies.

The Bank in association with the ADB organised a series of seminars on business opportunities in ADB funded projects at Chennai, New Delhi, Guwahati and Jaipur. The seminars have enabled sharing of information on the nature of business opportunities for suppliers, contractors and consultants under multilateral funded projects and outlined learnings for Indian companies for effective participation in such projects. Similarly, two seminars on business opportunities in the World Bank funded projects were organised at New Delhi and Bengaluru. A workshop on procurement reforms in World Bank funded projects was also organised at New Delhi.

A knowledge sharing seminar on 'Energy Efficiency Financing for Indian Banks' was organised by the Bank in association with EBRD in Mumbai. At the seminar, the EBRD delegation presented the energy efficiency financing track-record of the EBRD, which has allowed it to grow its energy efficiency investments to approximately 25 per cent of the overall annual business volume of the Bank. The aim of the seminar was to create interest among Indian Banks to adopt similar energy efficiency financing structures in their institutions, so as to identify more consistently energy efficiency opportunities among their clients and, hence, to scale up this business line.

EXIMIUS CENTRE FOR LEARNING

The Eximius Centre for Learning (ECL), Mumbai, is responsible for the overall conduct, coordination and implementation of programmes, seminars



Exim Bank's Research Study titled, "Exports from West Bengal: Potential and Strategy" released by Ms. Mamata Banerjee, Hon'ble Chief Minister of West Bengal.



Exim Bank organised Interactive Sessions in various cities for Indian Exporters on the Government of India's new Indian Development and Economic Assistance Scheme (IDEAS) Guidelines on Lines of Credit (LOCs) to Overseas Governments.

and workshops for Indian exporters and importers with a view to enhance their awareness as also to facilitate India's international trade and investment. Seminars and conferences for exporters and importers are organised on topics of contemporary interest.

The seminars were conducted with speakers from trade associations, Federation of Indian Export Organisations, Directorate General of Foreign Trade, Customs, ECGC Ltd. and leading commercial banks. During the financial year, ECL conducted 17 export promotion seminars for exporters in Tier I and Tier II cities in various regions as follows:

- Two seminars in Delhi and Ahmedabad on "Capacity Building Programme on Promoting Trade and Investments with BRICS countries" in association with Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry.
- Seminars in Srinagar on "India's Competitiveness in Foreign Trade" and at Shillong on "Opportunities and Challenges in Foreign Trade" in association with CII.
- A seminar at Bhubaneswar on "International Trade Facilitation" in association with World Trade Centre.
- A series of 9 seminars were conducted in association with FIEO on topics such as "Opportunities and Challenges in Foreign Trade", "Enhancing Foreign Trade in India", "Energising Entrepreneurs for International Trade", "Promoting International Trade and Investments" in Noida, Pune, Vizag, Varanasi, Madurai, Mangalore, Jaipur, Vadodara and Kanpur.
- A seminar on "Opportunities in Foreign Trade" at Mysore in association with Federation of Karnataka Chamber of Commerce and Industry.

- In order to promote and facilitate 'Niryat Bandhu Scheme' of MOCI-GOI for promoting first generation entrepreneurs, ECL, in association with the DGFT and Texprocil, organised a seminar at Bhiwandi, Thane.
- A seminar on "Enhancing Foreign Trade in India" at Goa in partnership with Goa Chamber of Commerce and Industry.

INSTITUTIONAL LINKAGES

The Bank has fostered a network of alliances and institutional linkages with multilateral agencies, export credit agencies, banks and financial institutions, trade promotion bodies and investment promotion boards to help create an enabling environment for supporting trade and investment.

Exim Bank entered into a multilateral co-operation agreement, along with Chairmen/Presidents of other member development banks of BRICS (Brazil, Russia, India, China and South Africa) nations, expressing their intent to co-operate with the New Development Bank (NDB) promoted by the BRICS nations. This Agreement is aimed at setting a broader agenda for co-operation



Exim Bank supported execution of Chennai Metro Rail Project by Afcons Infrastructure Ltd. by way of cash flow deficit financing of ₹ 1 billion.

with the NDB guided by the existing international banking practices; the principles of equality, mutual benefit and responsible financing; and the existing partnership among the BRICS national development banks. The Agreement is expected to enhance co-operation between BRICS development banks and the NDB, individually or collectively, on sharing of information, knowledge and experiences; extending guarantees and counter guarantees; co-financing; and issuance of bonds, among others. The Agreement was signed in the presence of Heads of States/Governments of the BRICS countries in Ufa, Russia during the BRICS Summit 2015.

The Bank also entered into a co-operation agreement with Brazilian Development Bank (BNDES) at Ufa, Russia on the sidelines of the 2015 Annual Meetings of the BRICS Interbank Co-operation Mechanism. This Memorandum of Understanding (MOU) is aimed at sharing of knowledge, information and best practices; capacity building of personnel, including project development skills; promotion of joint events, research and programmes; development of effective and sustainable financing solutions for projects of mutual interest, including projects in third countries, such as PPP projects; and co-financing.

For development of the export market for Craft products and sharing of the knowledge on social

enterprises, Exim Bank signed an MOC with GoCoop Solutions and Services Pvt. Ltd. (GoCoop). GoCoop.com, India's first social marketplace for easy and transparent sourcing of craft products, is an e-commerce platform that enables co-operatives, community-based artisans and weavers to list and sell their produce online. The technology platform developed by GoCoop and its marketing services provides co-operatives in India with access to national and international markets, fair and efficient business dealings and the means to raise the standard of living of millions of low-income producers.

Exim Bank entered into a co-operation agreement with Export-Import Bank of Malaysia Berhad, to strengthen co-operation in financing, guaranteeing and other financial mechanism to support projects of interest to both the Banks. The MOU was signed in Tokyo, on the sidelines of the 21st Annual Meeting of the Asian Exim Banks Forum.

Asian Exim Banks Forum

The Twenty First Annual Meeting of the Asian Exim Banks Forum (AEBF) was held in Tokyo, Japan, in December 2015. The theme for the meeting was "World's Massive Infrastructure Needs and Export Credit Agencies." The Meeting was hosted and



Exim Bank's publication titled "Enhancing India's Trade Relations with Africa: A Brief Analysis" being released at the hands of Mr. Arun Jaitley, Hon'ble Union Minister for Finance, Corporate Affairs and Information and Broadcasting, Government of India, during Exim Bank's Seminar on "Focus Africa" in New Delhi.



Participants of the 32nd Training Programme of the Asian Exim Banks Forum on 'Infrastructure Financing', hosted by Export-Import Bank of India at Mamallapuram, Tamil Nadu.

chaired by the Japan Bank for International Co-operation and had representatives at the highest level from member institutions, viz., Australia, China, India, Indonesia, Japan, Korea, Malaysia, Philippines, Thailand and Vietnam. The meeting also saw the participation of Asian Development Bank, the multilateral financing institution, as a permanent invitee and three Observer Institutions from Iran, Mongolia and Sri Lanka. Turk Eximbank was unanimously approved by all the AEBF regular members and admitted as an Associate member to the Forum.

In 1996, Exim Bank took the initiative of forming AEBF. While export credit agencies are generally considered as competitors as they support their respective national exports, the objective of the Forum is to collaborate while competing. AEBF seeks to enhance economic co-operation and forge stronger linkages among its member institutions, thereby fostering a long-term relationship within the Asian Exim Banks' community.

The forum also provides a sound platform for knowledge sharing by way of training programs that have helped the staff of the member institutions learn the best practices in areas as diverse as project financing, capital markets, ship financing, SME financing, commodity financing, country risk, cross border investment, etc. Three training programmes were hosted during the year by the member institutions, including a training programme on 'Infrastructure Finance' hosted by Export-Import Bank of India at Mamallapuram, Tamil Nadu, India in January 2016.

India-Africa Forum Summit

The third edition of the India-Africa Forum Summit (IAFS) was held during October 26-29, 2015, in New Delhi. On the sidelines of the IAFS, Exim Bank held the inaugural meeting of the Kukuza Project Development Company (KPDC) which was set up to facilitate Indian participation in infrastructure projects in Africa. KPDC is Exim Bank's joint venture company with IL&FS, AfDB and State Bank of India.

The Bank also organised a seminar titled "Focus Africa" on October 27, 2015, which was inaugurated by Mr. Arun Jaitley, Union Minister for Finance, Corporate Affairs and Information and Broadcasting, Government of India. The Seminar saw participation of senior level delegates from institutions and Governments of the African countries and senior representatives from the African and Indian business community. There was also a special session by Mrs. Nirmala Sitharaman, Union Minister of State (Independent Charge) for Commerce and Industry, Government of India. Mr. Piyush Goyal, Union Minister of State (Independent Charge) for Power, Coal, New and Renewable Energy, Government of India, also spoke at the seminar.

The Bank organised a number of bilateral meetings with representatives from African nations during the IAFS to improve the Bank's relations with corresponding institutions and governments in Africa.

Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions

The Global Network of Exim Banks and Development Finance Institutions (G-NEXID) was set up in Geneva in March 2006 through the Bank's initiative, under the auspices of UNCTAD. With the active support of



Exim Bank of India signed the constitutive documents for setting up the Kukuza Project Development Company in Africa to facilitate Indian participation in infrastructure projects in Africa. The other shareholders in the company are the IL&FS Group, African Development Bank and State Bank of India.

a number of other Exim Banks and Development Finance Institutions from various developing countries, the network has endeavoured to foster enhanced South-South trade and investment and co-operation.

Award for Business Excellence

Exim Bank and Confederation of Indian Industry (CII) joined hands in 1994, to promote 'excellence' among Indian companies through the 'CII-Exim Bank Award for Business Excellence' for best Total Quality Management (TQM) practices adopted by an Indian company. The Award is based on the European Foundation for Quality Management (EFQM) model. The award, which is an annual ceremony, is a prestigious and befitting industry recognition given to a company after being assessed by panels of trained assessors through a transparent and rigorous methodology based on the EFQM Model.



Exim Bank supported a contract valued at US\$ 81.69 million for supply, erection and commissioning of 30 million litres per day water treatment plant and distribution to 9 reservoirs across Dambula region in central Sri Lanka. The project is being executed by VA Tech Wabag Ltd.

In 2015, there were 22 companies which received varying levels of recognition. Bhilai Steel Plant and Rallis India Limited were adjudged as the Prize Winners of the CII-Exim Bank Award for Business Excellence.

International Economic Research Award

The International Economic Research Award was instituted by the Bank in 1989. The objective of the Award is to promote research in international economics, trade, development and related financing, by Indian nationals at universities and academic institutions in India and abroad. The Award consists of a sum of Rupees Three Hundred and Fifty Thousand and a citation. The winner for the year 2014 is Dr. Kalyan Shankar, for his doctoral thesis titled "Analysis of Inter-Country Value Addition Chains in the Trade of Select Manufacture Commodities among Select South East Asian Economies". Dr. Shankar received his degree in 2011 from the University of Pune.

Commencement Day Annual Lecture

Exim Bank's Commencement Day Annual Lecture series, instituted in 1986, has earned recognition as an important milestone in contributing to the debate and discussions on contemporary trade and development issues impacting the global economy. The lecture for the year 2016 was delivered by Dr. Donald Kaberuka, who was the President of the African Development Bank from 2005 until 2015 and is currently the Hauser Leader in Residence, Harvard Kennedy School. Dr. Kaberuka spoke on the topic "Promoting Africa-India Investment in the new global landscape."



Exim Bank supported one upcoming induction furnace-based billet manufacturing plant in Bangladesh under the Buyer's Credit facility to BSRM Steel Mills Ltd., Bangladesh.

BRICS Interbank Co-operation Mechanism

India has assumed the Chairmanship of BRICS Forum for 2016 and the Bank, being the nominated member development bank from India, has assumed the Presidency of the BRICS Interbank Co-operation Mechanism. The Bank organised a Technical Group meeting in Udaipur, during March 10-11, 2016, to discuss various areas for furthering co-operation among member development banks. During India's Chairmanship, the Bank has planned a series of events and seminars, including the Annual Meeting and the Financial Forum of the BRICS Interbank Co-operation Mechanism.

Exim Bank of India BRICS Economic Research Award

During India's Presidency under the BRICS Interbank Co-operation Mechanism, the Bank has instituted the Exim Bank of India BRICS Economic Research Award, with the objective to encourage and stimulate advanced research on economics related topics of contemporary relevance to the member nations of BRICS. The Award, comprising of a citation and prize money of Rupees 1.5 million

(approximately US\$ 20,000) would be supported by the Bank. The jury will accept as entries doctoral theses written by nationals of any of the five member nations of BRICS, who have been awarded a doctorate or accepted for award of a doctorate from any recognised nationally accredited University or academic institution globally.

ADFIAP Award

The Bank was conferred the Outstanding Development Project Award 2016 under the "Trade Development" category by the Association of Development Financing Institutions in Asia and the Pacific (ADFIAP) during its 39th Annual Meeting held in Apia, Samoa. The ADFIAP Development Award recognises and honours ADFIAP member institutions, which have assisted projects that have created a development impact in their respective countries. Awards are given to members, which in the judgment of the ADFIAP Awards Board, have implemented or enhanced outstanding and innovative development projects during the immediate past year. ADFIAP has recognised Exim Bank's contribution to development by conferring



Exim Bank won the Outstanding Development Project Award from ADFIAP.

the Trade Development Awards for the Bank's various innovative products. The ADFIAP Trade Development Award was in recognition of Exim Bank's support to Nyaborongo Hydropower Plant at Rwanda which contributes nearly 18 per cent to the national power grid, as the country strives to reach its target of 563 MW by 2017.

Exim Bank's support to Indian States for promotion of exports

Being the premier export finance institution of the country, set up to finance, facilitate and promote India's international trade, the Bank has been actively engaged in promoting exports from Indian

states and supporting regional entrepreneurs to explore opportunities overseas.

The Bank brought out a Study titled, "Exports from West Bengal: Potential and Strategy", highlighting industries which are traditionally strong in the State and which could be further strengthened, while addressing the challenges faced by them in the State. The Study was released at the 2nd Global Bengal Business Summit in January 2016 by the Hon'ble Chief Minister of West Bengal.

With its presence through Regional Offices (ROs) in various Indian States, the Bank is desirous of further extending funding facilities to various exporters so as to provide them opportunity to access the global market. Towards this end, the Bank and the Government of Andhra Pradesh have entered into an MOU for promotion of exports from Andhra Pradesh. Exim Bank seeks to support the exporters having operations in Andhra Pradesh in achieving higher exports by facilitation of market linkages through its market advisory services, which will assist in identifying suitable partners. Besides, the Bank would help develop skills through capacity building workshops and help the exporters' participation in select trade fairs and exhibitions.



Business Operations

Exim Bank's Institutional
Infrastructure

HUMAN RESOURCES MANAGEMENT

The Bank's staff, comprising management graduates, chartered accountants, bankers, economists, legal, library and documentation experts, engineers, linguists, human resources and IT specialists, numbered 325 on March 31, 2016. The professional team of 275, is supported by administrative officers. The Bank – a “learning organisation”, organises various group training programmes, facilitating continuous upgradation of skills of its staff. Officers are also nominated for customised training programmes and seminars, aimed at developing and enhancing skill sets for handling highly specialised portfolios. During FY 2015-16, 245 officers attended training programmes and seminars on various subjects relevant to the Bank's operations ranging from working capital management & interpretation of financial statements, project planning, project monitoring and control systems, trade finance, credit risk, rupee resources, interpersonal communication & organizational effectiveness, information security and leadership development.

During FY 2015-16, 70% of the Bank's officers were nominated for 38 training programmes conducted by reputed institutes. 10 group training programmes were arranged on topics including Project and Infrastructure Financing, Financial Modeling for Project Finance, Project Appraisal: Tools and Techniques, Corporate Banking, Basics of Credit Appraisal, Financing MSMEs, Forensic Accounting and Investigative Audit, Risk Management in Challenging Environment, Management of NPAs, Basel II IRB Approach of Managing Credit Risk in



Exim Bank part financed the acquisition of 100% equity stake of Johnson Metall SRL (JM SRL), Romania, by Harsha Engineers Ltd., Ahmedabad.

Banks, Basel III issues and Challenges in Banking, Challenges of Leadership, Top Management Safety Leadership, Managing Chaos; Dynamic Time Management, Achieving leadership through people, Programme for Retiring Executives, International Conference on Big Data and Knowledge Discovery and Corporate Grooming, Etiquette and Fine Dining Skills and Team Building.

REPRESENTATION OF SCHEDULED CASTES, SCHEDULED TRIBES AND OTHER BACKWARD CLASSES

Of the total staff of 325 in the Bank's service as on March 31, 2016, there were 33 Scheduled Caste, 21 Scheduled Tribe and 49 Other Backward Class staff members. Training in Information Technology and other areas such as effective presentation, leadership, communication and language skills, was provided to these staff members. The Bank



Release of Exim Bank's study "Research and Development in BRICS: An Insight" during a joint FICCI-Exim Bank Capacity Building Programme on Promoting Trade and Investments with BRICS Countries.

continues to grant scholarships for scheduled caste and scheduled tribe and other backward class students at the Indian Institute of Foreign Trade, New Delhi and has also instituted scholarships for reserved category students of the Kalinga Institute of Industrial Technology University, Odisha; the North Eastern Regional Institute of Science and Technology, Arunachal Pradesh; the Delhi School of Economics and the Jawaharlal Nehru University, New Delhi.

INTERNAL COMPLAINTS COMMITTEE UNDER "THE SEXUAL HARASSMENT OF WOMEN AT WORKPLACE (PREVENTION, PROHIBITION AND REDRESSAL) ACT, 2013"

In compliance with the Act, the Bank has constituted a Complaints Committee for considering complaints of sexual harassment of women at workplace as defined under the Act. The Bank considers the safety of its employees to be very important and seeks to provide a safe working environment at the workplace. The committee held regular meetings and also initiated awareness sessions for all employees at all offices of the Bank.

TREASURY

The Bank's integrated treasury handles fund management functions including investment of surplus funds, money market and forex operations and securities trading. The Bank has segregated front/middle/back office functions and has set up a state-of-the-art dealing room. The range of products offered by the Bank's treasury to its borrowers include foreign exchange deals, collection/negotiation of export documents, issuance of inland/foreign letters of credit/guarantees, structured loans, etc. The Bank



Exim Bank was awarded a prize for its in-house magazine "Eximius" and for OL implementation in "B" Region by Reserve Bank of India.



Presentation of Exim Bank's International Economic Research Annual Award 2014 by Dr. Arvind Subramanian, Chief Economic Adviser, Government of India, to the Award winner, Dr. V. Kalyan Shankar.

uses financial derivative transactions for raising cost effective funds and hedging its balance sheet exposures, with an objective of reducing market risks. The Bank is a member of the Indian Financial Network (INFINET) and has registration authority status from Institute for Development Research in Banking Technology (IDRBT), the certifying authority. The Bank holds a digital certificate to deal through the Negotiated Dealing System - Order Matching segment (NDS-OM) of RBI, which provides the electronic dealing platform for trading in GOI securities. The securities/foreign exchange transactions of the Bank are routed through the Guaranteed Settlement Facility provided by the Clearing Corporation of India Ltd. (CCIL). The Bank is an active member of Collateralised Borrowing and Lending Obligation segment of CCIL. The Bank is also a member of Clearcorp Order Matching System (CROMS), the Repo Dealing System of CCIL. CROMS is a Straight Through Processing enabled anonymous Order Matching Platform launched by CCIL for facilitating dealing in market repos in all kinds of Government Securities on T+0/ T+1 basis. CCIL acts as a central counterparty to all CROMS trades and settlements are guaranteed by CCIL. The Bank has centralised SWIFT facility (with connectivity to London branch) which is capable of handling multiple Bank Identifier Codes.

PROGRESS IN IMPLEMENTATION OF THE OFFICIAL LANGUAGE POLICY

During FY 2015-16, the Bank continued its efforts to strengthen the implementation of the Official Language Policy of GOI. In compliance with the provisions of Section 3 (3) of the Official Language



Exim Bank assisted TVS Asianics Supply Chain Solutions Pte. Ltd., Singapore to acquire 55% stake in Australia based 'Transtar International Freight'.

Act, circulars, press releases, notices and reports were issued in bilingual form. In compliance with Rule 5 of the Official Language Rule 1976, letters received in Hindi were responded to in Hindi.

The Annual Programme for FY 2015-16, received from the Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, GOI, was implemented through an action plan, prepared to achieve targets on various parameters. Towards this end, Official Language Implementation Committees at Bank's Head Office and Regional Offices reviewed and monitored the progress on quarterly basis. Hindi workshops were organised to impart training in Hindi to officers of the Bank, as per the targets. Use of Unicode was encouraged and officers were given training to use software/facilities available for working in Hindi on computers. The Bank has actively participated in the meetings of Town Official Language Implementation Committees (TOLIC)/State Level Bankers' Committees/Official Language Implementation Committee of the Department of Financial Services and Official Language Implementation Committee of Reserve Bank of India for Banks and Financial Institutions and implemented the decisions taken in these meetings.

A scheme offering incentives aimed at encouraging officers to learn and use Hindi in their day-to-day work is in place in the Bank. The Bank's in-house magazine 'Eximius' includes a Hindi section. Officers were encouraged to contribute articles in Hindi and best articles were rewarded. The Bank has increasingly encouraged its officers to participate in inter-bank Hindi competitions organised under the

aegis of TOLICs and RBI. Hindi training needs of the officers were identified and they were nominated for training for attaining working knowledge of Hindi. In pursuance of the Government's directives, a Hindi fortnight commencing from September 1, 2015 was celebrated in the Bank.

The Bank maintains its corporate website both in Hindi and English. Information related to business and operations of the Bank was updated and made available on Hindi website for wider dissemination.

Apart from literature on the Bank's operations and procedures, select Occasional Papers were translated into Hindi. Hindi versions of all the issues of 'Eximius: Export Advantage', a quarterly publication of the Bank, were published under the title 'Eximius: Niryaat Laabh'. Issues of 'Agri Export Advantage', a bi-monthly publication of the Bank, were also published in Hindi under the title 'Krishi Niryaat Laabh'. In addition to Hindi and English, it is translated in 10 other Indian languages and distributed.



Exim Bank organised a six-month long design development workshop for phulkari products.

In pursuance of Government policy regarding progressive use of Hindi, new Hindi books, particularly on foreign trade, commerce, finance, banking, information technology and other subjects were added to the Bank's library (Knowledge Centre). The Bank's efforts for accelerating the use of Hindi for official purposes received recognition from various authorities. Town Official Language Implementation Committee (TOLIC), Mumbai, constituted under the aegis of Department of Official Language, Ministry of Home Affairs, GOI, awarded the First prize to the Bank's Head Office for commendable performance in implementing Hindi among all



Exim Bank supported Rajkot-based Antilla Propack for supplying Laminated Tubes to a Sri Lankan importer.

Financial Institutions for the year FY 2014-15. Bank's Pune Regional Office and Kolkata Regional Office were also awarded Prizes by TOLIC Pune and TOLIC Kolkata, respectively, for commendable performance in implementing Hindi in their Offices. The Bank's in-house journal 'Eximius' was awarded a prize consecutively for the fifth time under bilingual magazine category amongst 32 participating Banks/Financial Institutions, by Reserve Bank of India for FY 2014-15. Reserve Bank of India also awarded the Bank a prize for Hindi implementation in B Region for FY 2014-15. Bank's staff members

also secured prizes for various competitions organised under the aegis of TOLICs.

INFORMATION TECHNOLOGY

The Bank continued its initiatives in enhancing the use of knowledge management tools, communication across its various constituents for better sharing of information, user empowerment and system intelligence capabilities. Systems were supported and upgraded in various areas including those of operational business intelligence, bank-wide system, document management and workflow, networks, infrastructure and security. The Bank strengthened its practices and procedures in compliance with international standards for IT Governance. The Bank's revamped corporate website (www.eximbankindia.in) continued to disseminate information in an organised manner on business opportunities and leads in international trade and also on the various research activities conducted by the Bank. Besides, it features relevant information on the Bank's various lending programmes and information and advisory services. The Bank also maintains websites for the Asian



Team building programmes were conducted by Exim Bank for its staff members.

Exim Bank Forum. Exim Bank is the first and only financial institution who initiated and implemented RTGS/NEFT and is now independently handling payments and settlements. Bank integrated its core banking system with payment channels (RTGS/NEFT and SWIFT) which not only improved the fund management but also brought the funds appropriation cycle to real time. Bank switched to system based asset monitoring and implemented early warning signals to avoid future slippages. The Bank implemented SharePoint portal for automation of the internal processes and moved towards digitisation in line with Digital India initiative.

CORPORATE GOVERNANCE

Exim Bank ensures transparency and integrity in communication and makes available full, accurate and clear information to all concerned. The Bank is committed to and is continuously striving to ensure compliance with best practices of corporate governance as relevant to the Bank. The Bank has established a framework of strategic control and is continuously reviewing its efficacy. Business/financial performance related matters, analytical data/information are reported to the Board/Management Committee of the Board (MC) periodically for review. The Bank has put in place a Board approved Compliance Policy and a senior official has been made responsible in respect of compliance issues with all applicable statutes, regulations and other procedures, policies as laid down by the GOI/RBI and other regulators and the Board and deviation, if any is reported to the Audit Committee (AC). The Bank's Board held

5 meetings and the MC held 8 meetings during the year.

AUDIT COMMITTEE

The Bank's AC of the Board provides direction to the total audit function of the Bank in order to enhance its effectiveness as a management tool and to follow-up on all issues raised in the statutory/external/internal/concurrent audit reports and RBI inspection reports. The AC reviews the quarterly financial statements every quarter before submission of the same to the Board. The AC also periodically reviews the functioning of the Bank's Fund Management Committee (FMC) and Asset-Liability Management Committee. The AC met 6 times during FY 2015-16.

ASSET-LIABILITY MANAGEMENT

The Asset-Liability Management Committee (ALCO) of the Bank oversees the monitoring and management of market risk with support from the Bank's mid-office. Liquidity/interest rate risks are managed by ALCO as per the Integrated Risk Management Policy approved by the Board. The role of the ALCO includes, inter alia, reviewing the Bank's currency-wise structural liquidity and interest-rate sensitivity positions vis-a-vis prudential limits prescribed by the RBI/Board, monitoring results of periodical stress testing of cash flows and identifying a suitable Asset Liability Management (ALM) strategy based on the quantum of interest-rate risk as measured through: a) assessment of sensitivity of net interest income and b) sensitivity of economic value, using duration-



Africa-India Partnership Day, jointly organised by Exim Bank, African Development Bank and FICCI, at Abidjan, Côte d'Ivoire.



A Seminar on 'Focus Africa' was organised by Exim Bank during the India-Africa forum Summit in New Delhi.

gap analysis, to interest rate movement. Regular stress testing of currency-wise liquidity position is carried out and a Contingency Funding Plan is drawn up periodically to estimate the worst-case fund shortfall in each currency. Value-at-risk is computed for the Bank's held-for-trading and available-for-sale portfolio of GOI securities. The FMC decides on the investments/disinvestments and raising of resources as per the Fund Management/Resources Plan approved by the Board at the beginning of each financial year and reviewed during the year. The AC of the Board periodically reviews the functioning of the ALCO/FMC.

RISK MANAGEMENT

The Bank has an Integrated Risk Management Committee (IRMC), which is independent of operating groups and reports directly to the top management. The IRMC reviews the Bank's position in regard to various risks (portfolio, liquidity, interest rate, off-balance sheet and operational risks) and oversees the operations of the ALCO, the FMC and the Credit Risk Management Committee (CRMC), all of which have cross-functional representation. While the ALCO deals with issues relating to ALM policy and processes and analyses the overall market risk (liquidity, interest-rate risk and currency risk) of the Bank, the CRMC deals with credit policy and procedures and analyses, manages and controls credit risk on a Bank-wide basis. The Bank has in place an advanced Credit Risk Model that enables a broad-based credit decision support (by incorporating a range of qualitative as

well as quantitative parameters/measures) and better portfolio management capability. A Rating Committee is in place to independently review the credit ratings assigned by sponsor officers to the respective proposals. The Bank also undertakes an annual review of the Business Continuity and Disaster Recovery Plans of all its offices. Each plan is vetted for completeness with regard to critical Business Continuity Risk Events and safeguards in place, for mitigating the impact thereof.

CREDIT MONITORING GROUP

To provide focused attention to monitoring of loan accounts which are under stress and also strengthening of recovery measures for NPAs, the Bank has a dedicated group, Loan Administration Group, which takes pro-active steps towards loan recovery as per the Board-approved Loan Monitoring and Recovery Policy; and towards preventing slippage of standard assets into NPAs, rehabilitation of NPAs which are viable and also focuses on recovery from NPA accounts where legal action is to be pursued for recovery. A system of ABC classification of loan accounts (including system for monitoring credit rating migration) is in place. Monthly reviews of overdues and NPAs are done by separate Committees. The Bank accords highest priority to recovery of NPAs through a multi-pronged strategy comprising legal action, sale of assets through Court Receiver, negotiations, one-time settlements, possession and subsequent sale of assets under provisions of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act (SARFAESI Act).

An independent Screening Committee, comprising a retired judge and two eminent persons with rich experience in the fields of law and banking, has been constituted for examining and recommending all settlement proposals and assignment to Asset Reconstruction Companies, for consideration by the Competent Authority.

KYC, AML AND PML MEASURES OF THE BANK

The Bank has a policy approved by the Board on 'Know Your Customer (KYC), Anti-Money Laundering (AML) and Prevention of Money Laundering (PML)' measures. The Policy conforms to RBI guidelines in the matter. The KYC, AML and PML policy covers:

- a) Customer Acceptance Policy
- b) Customer Identification Procedure
- c) Monitoring of transactions
- d) Risk Management

The Bank has access to the Bankers Accuity Database, an online database service, a product of one of the world's leading business publishers, Reed Business Information, part of the Reed Elsevier Group. It is a compliance database for bankers. Accuity's enhanced Global Watch List is a comprehensive collection of caution lists from all major sanctioning bodies, law enforcement agencies and financial regulators worldwide. All the customers of the Bank are subjected to KYC standards, which establish the identity of the natural/legal person and those of the 'beneficial owners'. Implementation of KYC policies and procedures covers identification of term deposit holders, correspondent banks, recruitment of new staff members and counter-party identification with regard to treasury transactions. The Bank obtains data required for ensuring compliance by its counter-party banks with regard to KYC norms through a suitable questionnaire. The Bank also maintains information in respect of certain transactions in accordance with the procedure and manner as may be specified by RBI and SEBI, as

the case may be, from time to time. Such records are maintained for a period of ten years from the date of the transaction. The Bank has appointed a Principal Officer responsible for its KYC, AML and PML measures. The KYC and AML Policy is on the Bank's website.

FAIR PRACTICES CODE FOR LENDERS

The Bank has in place, a Board approved policy on Fair Practices Code for Lenders framed in line with RBI guidelines. The policy is reviewed every year.

RIGHT TO INFORMATION

Exim Bank of India, as a public authority as defined in the Right to Information Act, 2005, is compliant with the Act. Citizens of India may apply for information under the provisions of the Act by communicating the same to the Central Public Information Officer of the Bank or any of the Assistant Public Information Officers of the Bank as mentioned on the website.

JOINT VENTURE

Global Procurement Consultants Ltd. (GPCL) conceived and promoted by Export-Import Bank of India as a private sector outfit in the year 1996, is a joint venture between Exim Bank and 11 other reputed private and public sector companies. GPCL was a pioneering concept brought to reality through a synergetic partnership among industry leaders in sectors such as Agriculture, Energy, Industries, Mining, Transportation, Water Resources and more. GPCL, in the past year, has broadened its range of services built around the procurement function to cover areas such as project identification, concept studies, preparation and review of reports, functioning as a lender's engineer, undertaking due diligence of a project, project monitoring, evaluation, capacity building and a variety of support services to the bilateral and multilateral lending agencies. The company recorded a consultancy income of ₹ 44.59 million in 2015-16 with a pre-tax profit of ₹ 12.70 million.



Financial Statements

Independent Auditor's Report

To The President of India Report on the Financial Statements

1. We have audited the accompanying financial statements of the General Fund of the Export-Import Bank of India ('the Bank'), which comprises of the Balance Sheet as at 31st March, 2016 and the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement for the year then ended and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. The Management of the Bank is responsible for the preparation of the financial statements in accordance with the Export-Import Bank of India Act, 1981 ('the Act') and the Regulations framed thereunder. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements, that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

4. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
5. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statements in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Bank's Management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
6. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

7. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements, give the information in accordance with the requirements of the Act and the Regulations framed thereunder and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
 - i) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the General Fund of the Bank as at 31st March, 2016;
 - ii) In the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended 31st March, 2016; and

- iii) In the case of the Cash Flow Statement, of the cash flows for the year ended 31st March, 2016.

Report on Other Legal and Regulatory Matters

8. The Balance Sheet, the Profit and Loss Account and the Cash Flow Statement have been drawn up in accordance with the provisions of the Act and the Regulations framed thereunder.
9. We report that:
- We have obtained all the information and explanations which, to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
 - The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.
10. In our opinion, the Balance Sheet, Profit and Loss Account and Cash Flow Statement comply with the mandatory Accounting

Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.

11. We further report that:

- The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of accounts and the returns.
- In our opinion, proper books of accounts as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.

For **SORAB S. ENGINEER & CO.**
Chartered Accountants
Firm Registration No. 110417W

CA N.D. ANKLESARIA
PARTNER
MEMBERSHIP NO. 10250

New Delhi, 18th May, 2016.

Balance Sheet as at 31st March, 2016

| | | GENERAL FUND | |
|---|------------------|--------------------------------------|--|
| | | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
| LIABILITIES | SCHEDULES | | |
| 1. Capital | I | 63,593,663,881 | 50,593,663,881 |
| 2. Reserves | II | 51,274,380,950 | 48,432,478,706 |
| 3. Profit and Loss Account | III | 315,800,000 | 4,330,000,000 |
| 4. Notes, Bonds and Debentures | | 758,415,735,967 | 654,813,805,834 |
| 5. Bills Payable | | - | - |
| 6. Deposits | IV | 20,957,976,444 | 20,145,564,929 |
| 7. Borrowings | V | 153,792,093,951 | 112,145,856,396 |
| 8. Current Liabilities and Provisions for Contingencies | | 54,223,325,895 | 50,853,115,547 |
| 9. Other Liabilities | | 49,604,540,404 | 42,934,844,838 |
| Total | | 1,152,177,517,492 | 984,249,330,131 |
| ASSETS | | | |
| 1. Cash and Bank Balances | VI | 54,437,772,262 | 45,119,549,425 |
| 2. Investments | VII | 53,555,303,809 | 49,820,071,236 |
| 3. Loans and Advances | VIII | 979,917,321,381 | 834,209,687,541 |
| 4. Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/Rediscounted | IX | 11,250,000,000 | 14,890,000,000 |
| 5. Fixed Assets | X | 1,001,849,707 | 1,041,036,561 |
| 6. Other Assets | XI | 52,015,270,333 | 39,168,985,368 |
| Total | | 1,152,177,517,492 | 984,249,330,131 |
| CONTINGENT LIABILITIES | | | |
| i) Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations | | 63,035,684,000 | 54,510,751,000 |
| ii) On outstanding forward exchange contracts | | 1,606,793,100 | 11,975,645,800 |
| iii) On underwriting commitments | | - | - |
| iv) Uncalled Liability on partly paid investments | | 160,936,200 | 122,925,000 |
| v) Claims on the Bank not acknowledged as debts | | 1,851,000,000 | 1,853,700,000 |
| vi) Bills for collection | | - | - |
| vii) On participation certificates | | - | - |
| viii) Bills Discounted/Rediscounted | | - | - |
| ix) Other monies for which the Bank is contingently liable | | 53,009,168,100 | 54,684,530,400 |
| Total | | 119,663,581,400 | 123,147,552,200 |

'Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Shri Yaduvendra Mathur
Chairman & Managing Director

Ms. Rita Teaotia

Shri Rajeev Rishi

Shri David Rasquinha

Shri Amar Sinha

Shri Kishor Kharat

Shri Debasish Mallick

Shri Pankaj Jain

As per our attached report of even date
For **Sorab S. Engineer & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 110417W

(CA N. D. Anklesaria)
Partner
M. No. 010250

New Delhi, May 18, 2016

Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2016

GENERAL FUND

| EXPENDITURE | | This year ₹ | Previous year ₹ |
|---|------------------|-----------------------|-----------------------|
| | SCHEDULES | | |
| 1. Interest | | 60,220,521,575 | 53,354,962,719 |
| 2. Credit Insurance, Fees and Charges | | 557,465,467 | 618,707,736 |
| 3. Staff Salaries, Allowances, etc. and Terminal Benefits | | 573,498,843 | 482,132,649 |
| 4. Directors' and Committee Members' Fees and Expenses | | - | 75,872 |
| 5. Audit Fees | | 1,008,000 | 1,008,000 |
| 6. Rent, Taxes, Electricity and Insurance Premia | | 180,182,761 | 156,851,013 |
| 7. Communication expenses | | 41,107,755 | 40,675,200 |
| 8. Legal Expenses | | 46,859,764 | 26,971,262 |
| 9. Other Expenses | XII | 733,331,105 | 611,717,185 |
| 10. Depreciation | | 158,350,644 | 171,021,434 |
| 11. Provision for loan losses/contingencies depreciation on investments | | 20,764,754,808 | 9,389,101,183 |
| 12. Profit carried down | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |
| Total | | 87,810,322,607 | 76,206,989,561 |
| Provision for Income Tax [net of Deferred tax credit of ₹ 6,276,735,814 (previous year - Deferred tax credit of ₹ 2,081,376,848)] | | 1,375,539,641 | 4,095,022,482 |
| Balance of profit transferred to Balance Sheet | | 3,157,702,244 | 7,258,742,826 |
| | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |
| INCOME | | | |
| 1. Interest and Discount | XIII | 82,937,552,343 | 71,478,625,732 |
| 2. Exchange, Commission, Brokerage and Fees | | 2,679,635,294 | 3,232,767,339 |
| 3. Other Income | XIV | 2,193,134,970 | 1,495,596,490 |
| 4. Loss carried to Balance Sheet | | - | - |
| Total | | 87,810,322,607 | 76,206,989,561 |
| Profit brought down | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |
| Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back | | - | - |
| | | 4,533,241,885 | 11,353,765,308 |

'Notes to Accounts' attached.

For and on behalf of the Board

Shri Yaduvendra Mathur
Chairman & Managing Director

Ms. Rita Teaotia

Shri Rajeev Rishi

Shri David Rasquinha

Shri Amar Sinha

Shri Kishor Kharat

Shri Debasish Mallick

Shri Pankaj Jain

As per our attached report of even date
For **Sorab S. Engineer & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 110417W

(CA N. D. Anklesaria)
Partner
M. No. 010250

New Delhi, May 18, 2016

Schedules to the Balance Sheet

GENERAL FUND

| | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
|---|--------------------------------------|--|
| Schedule I: Capital: | | |
| 1. Authorised | 100,000,000,000 | 100,000,000,000 |
| 2. Issued and Paid-up: (Wholly subscribed by the Central Government) | 63,593,663,881 | 50,593,663,881 |
| Schedule II: Reserves: | | |
| 1. Reserve Fund | 35,679,061,886 | 35,153,159,642 |
| 2. General Reserve | - | - |
| 3. Other Reserves: | | |
| Investment Fluctuation Reserve | - | - |
| Sinking Fund (Lines of Credit) | 1,955,319,064 | 1,809,319,064 |
| 4. Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961 | 13,640,000,000 | 11,470,000,000 |
| | 51,274,380,950 | 48,432,478,706 |
| Schedule III: Profit and Loss Account: | | |
| 1. Balance as per annexed accounts | 3,157,702,244 | 7,258,742,826 |
| 2. Less: Appropriations: | | |
| - Transferred to Reserve Fund | 525,902,244 | 1,091,742,826 |
| - Transferred to Investment Fluctuation Reserve | - | - |
| - Transferred to Sinking Fund | 146,000,000 | 137,000,000 |
| - Transferred to Special Reserve u/s 36(1)(viii) of the Income Tax Act, 1961 | 2,170,000,000 | 1,700,000,000 |
| 3. Balance of the net profits (Transferable to the Central Government in terms of Section 23(2) of the EXIM Bank Act, 1981) | 315,800,000 | 4,330,000,000 |
| Schedule IV: Deposits: | | |
| (a) In India | 20,957,976,444 | 20,145,564,929 |
| (b) Outside India | - | - |
| | 20,957,976,444 | 20,145,564,929 |

| | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
|---|--------------------------------------|--|
| Schedule V: Borrowings: | | |
| 1. From Reserve Bank of India: | | |
| a) Against Trustee Securities | - | - |
| b) Against Bills of Exchange | - | - |
| c) Out of the National Industrial Credit (Long Term Operations) Fund | - | - |
| 2. From Government of India | - | - |
| 3. From Other Sources: | | |
| a) In India | 27,982,259,380 | 20,086,246,078 |
| b) Outside India | 125,809,834,571 | 92,059,610,318 |
| | 153,792,093,951 | 112,145,856,396 |
| Schedule VI: Cash and Bank Balances: | | |
| 1. Cash in Hand | 441,091 | 400,030 |
| 2. Balance with Reserve Bank of India | 1,166,198,086 | 5,451,484 |
| 3. Balances with other Banks: | | |
| a) In India | | |
| i) in current accounts | 1,923,368,204 | 746,537,449 |
| ii) in other deposit accounts | 17,235,150,000 | 25,870,200,000 |
| b) Outside India | 32,863,504,658 | 18,496,960,462 |
| 4. Money at call and short notice/ Lending under CBLO | 1,249,110,223 | - |
| | 54,437,772,262 | 45,119,549,425 |

| | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
|---|--------------------------------------|--|
| Schedule VII: Investments: (net of diminution in value, if any) | | |
| 1. Securities of Central and State Governments | 30,641,326,101 | 25,556,314,956 |
| 2. Equity Shares and Stocks | 1,925,667,391 | 1,700,753,740 |
| 3. Preference Shares and Stocks | 24,667,500 | 113,023,300 |
| 4. Notes, Debentures and Bonds | 19,963,642,817 | 22,449,979,240 |
| 5. Others | 1,000,000,000 | - |
| | 53,555,303,809 | 49,820,071,236 |
| Schedule VIII: Loans and Advances: | | |
| 1. Foreign Governments | 311,369,649,152 | 275,616,942,773 |
| 2. Banks: | | |
| a) In India | 118,556,386,266 | 99,380,409,358 |
| b) Outside India | - | - |
| 3. Financial Institutions: | | |
| a) In India | - | - |
| b) Outside India | 29,378,726,376 | 27,206,870,787 |
| 4. Others | 520,612,559,587 | 432,005,464,623 |
| | 979,917,321,381 | 834,209,687,541 |
| Schedule IX: Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted/Rediscounted: | | |
| a) In India | 11,250,000,000 | 14,890,000,000 |
| b) Outside India | - | - |
| | 11,250,000,000 | 14,890,000,000 |

| | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
|--|--------------------------------------|--|
| Schedule X: Fixed Assets: (At cost less depreciation) | | |
| 1. Premises | | |
| Gross Block b/f | 1,699,706,684 | 1,360,999,990 |
| Additions during the year | 34,815,571 | 338,706,694 |
| Disposals during the year | - | - |
| Gross Block as at the end of the year | 1,734,522,255 | 1,699,706,684 |
| Accumulated Depreciation | 847,175,825 | 774,233,945 |
| Net Block | 887,346,430 | 925,472,739 |
| 2. Others | | |
| Gross Block b/f | 845,735,505 | 805,305,468 |
| Additions during the year | 84,937,149 | 67,309,381 |
| Disposals during the year | 33,792,022 | 26,879,344 |
| Gross Block as at the end of the year | 896,880,632 | 845,735,505 |
| Accumulated Depreciation | 782,377,355 | 730,171,683 |
| Net Block | 114,503,277 | 115,563,822 |
| | 1,001,849,707 | 1,041,036,561 |
| Schedule XI: Other Assets: | | |
| 1. Accrued interest on: | | |
| a) investments/bank balances | 10,120,323,475 | 8,965,770,682 |
| b) loans and advances | 13,606,131,376 | 10,968,139,181 |
| 2. Deposits with sundry parties | 33,666,234 | 29,453,044 |
| 3. Advance Income Tax paid (net) | 9,425,982,298 | 7,665,368,624 |
| 4. Others [including Deferred tax asset of ₹ 14,515,647,472 (previous year - ₹ 8,238,911,658)] | 18,829,166,950 | 11,540,253,837 |
| | 52,015,270,333 | 39,168,985,368 |
| Schedule XII: Other Expenses: | | |
| 1. Export Promotion Expenses | 46,065,093 | 35,031,827 |
| 2. Expenses on and related to Data Processing | 18,424,976 | 26,327,975 |
| 3. Repairs and Maintenance | 169,754,863 | 122,245,579 |
| 4. Printing and Stationery | 10,741,599 | 9,878,219 |
| 5. Others | 488,344,574 | 418,233,585 |
| | 733,331,105 | 611,717,185 |

| | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
|--|--------------------------------------|--|
| Schedule XIII: Interest and Discount: | | |
| 1. Interest and Discount on loans and advances/bills discounted/rediscounted | 52,846,706,783 | 45,288,786,392 |
| 2. Income on Investments/bank balances | 30,090,845,560 | 26,189,839,340 |
| | 82,937,552,343 | 71,478,625,732 |
| Schedule XIV: Other Income: | | |
| 1. Net Profit on sale/revaluation of investments | 1,937,820,580 | 1,175,251,780 |
| 2. Net Profit on sale of land, buildings and other assets | 303,034 | 2,269,893 |
| 3. Others | 255,011,356 | 318,074,817 |
| | 2,193,134,970 | 1,495,596,490 |

Note:

Deposits under 'Liabilities' [ref. Schedule IV (a)] include 'on shore' foreign currency deposits aggregating US\$ 294.11 million (Previous year US\$ 298.29 million) kept by counter party banks/institutions with Exim Bank against reciprocal rupee deposits/bonds. Cash and Bank Balances under 'Assets' [ref. Schedule VI 3(a) (ii)] include rupee deposits aggregating ₹ 16.72 billion (Previous year ₹ 15.61 billion) on account of swaps. Investments under 'Assets' [ref. Schedule VII 4] include bonds aggregating ₹ 1.99 billion (Previous year ₹ 2.17 billion) on account of swaps.

Cash Flow Statement for the year ended March 31, 2016

| Particulars | Amount (₹ million) | |
|--|---------------------------|---------------------------|
| | Year ended March 31, 2016 | Year ended March 31, 2015 |
| CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES | | |
| Net Profit before tax and extra-ordinary items | 4,533.2 | 11,353.8 |
| Adjustments for: | | |
| - (Profit)/Loss on sale of fixed assets (Net) | (0.3) | (2.3) |
| - (Profit)/Loss on sale of Investments (Net) | (1,937.8) | (1,175.3) |
| - Depreciation | 158.4 | 171.0 |
| - Discount/Expenses on bond issues written off | 152.7 | 120.8 |
| - Transfer from Investment Fluctuation Reserve | - | - |
| - Provisions/Write Off of Loans/Investments and other provisions | 20,764.8 | 9,389.1 |
| - Others | - | - |
| | 23,671.0 | 19,857.1 |
| Adjustments for: | | |
| - Other Assets | (4,648.0) | (2,595.2) |
| - Current Liabilities | (12,462.4) | 14,386.7 |
| CASH GENERATED FROM OPERATIONS | 6,560.6 | 31,648.6 |
| Payment of income tax/interest tax | (7,675.3) | (6,345.3) |
| NET CASH FLOW FROM OPERATING ACTIVITIES | (1,114.7) | 25,303.3 |
| CASH FLOW FROM INVESTING ACTIVITIES | | |
| - Net purchase of fixed assets | (118.9) | (402.5) |
| - Net change in investments | (1,797.4) | (9,482.3) |
| NET CASH USED IN/RAISED FROM INVESTING ACTIVITIES | (1,916.3) | (9,884.8) |
| CASH FLOW FROM FINANCING ACTIVITIES | | |
| - Equity capital infusion | 13,000.0 | 13,000.0 |
| - Loans borrowed (net of repayments made) | 145,746.9 | 71,966.5 |
| - Loans lent, bills discounted and rediscounted (net of repayments received) | (142,067.6) | (103,116.3) |
| - Dividend on equity shares and tax on dividend (Balance of Net profits transferred to Central Government) | (4,330.0) | (3,390.0) |
| NET CASH USED IN/RAISED FROM FINANCING ACTIVITIES | 12,349.3 | (21,539.8) |
| NET INCREASE/(DECREASE) IN CASH AND CASH EQUIVALENTS | 9,318.3 | (6,121.3) |
| OPENING CASH AND CASH EQUIVALENTS | 45,119.5 | 51,240.8 |
| CLOSING CASH AND CASH EQUIVALENTS | 54,437.8 | 45,119.5 |

For and on behalf of the Board

Shri Yaduvendra Mathur
Chairman & Managing Director

Ms. Rita Teatolia

Shri Rajeev Rishi

Shri David Rasquinha

Shri Amar Sinha

Shri Kishor Kharat

Shri Debasish Mallick

Shri Pankaj Jain

As per our attached report of even date
For **Sorab S. Engineer & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 110417W

(CA N. D. Anklesaria)
Partner
M. No. 010250

New Delhi, May 18, 2016

Significant Accounting Policies and Notes to Accounts

I SIGNIFICANT ACCOUNTING POLICIES

i) Financial Statements

a) Basis of preparation

The Balance Sheet and Profit and Loss account of Export-Import Bank of India (Exim Bank) (General Fund and Export Development Fund) have been prepared in accordance with the accounting principles followed in India. The financial statements have been prepared under the historical cost convention on an accrual basis unless otherwise stated. The accounting policies that are applied by the Bank are consistent with those used in the previous year. The form and manner in which the Balance Sheet and the Profit and Loss Account of Exim Bank are prepared have been provided in the Export-Import Bank of India, General Regulations, 1982 approved by the Board of Directors with the previous approval of Government of India under Section 39 (2) of Export-Import Bank of India Act, 1981 (28 of 1981). Certain important financial ratios / data are disclosed as part of the “Notes to Accounts” in terms of Reserve Bank of India (RBI) Circular DBS.FID.No.C-18/01.02.00/2000-01 dated August 13, 2005 and thereafter.

b) Use of estimates

The preparation of financial statements requires the management to make estimates and assumptions considered in the reported amount of assets and liabilities (including contingent liabilities) as of the date of the financial statements and the reported income and expenses for the reporting period. The management believes that the estimates used in the preparation of the financial statements are prudent and reasonable.

ii) Revenue Recognition

Income/Expenditure is recognised on accrual basis except in respect of interest on Non-performing Assets (NPA)/Non-performing Investments and “Stressed Assets”, commitment charges and dividend which are accounted on cash basis. NPAs are determined as per RBI guidelines issued to All-India Term Lending Institutions. Discount/redemption premium offered on Exim Bank Bonds has been amortised over the tenure of the bond and included in interest expenses.

iii) Asset Classification and Provisioning

Loans and Advances shown in Balance Sheet comprise only principal outstanding net of provisions for Non-Performing Assets (NPA). Interest receivables are grouped under “Other Assets”.

Loan Assets are classified into the following groups: Standard Assets, Sub-standard Assets, Doubtful Assets and Loss Assets, taking into consideration the degree of credit weaknesses and extent of dependence on collateral security for realisation of dues. Classification of loan assets and provisioning are as per RBI guidelines issued to All-India Term Lending Institutions.

iv) Investments

The entire investment portfolio is classified under three categories:

- a) “Held to Maturity” (the securities acquired with the intention to hold them to maturity),
- b) “Held for Trading” (the securities acquired with the intention to trade by taking advantage of the short term price/interest rate movements, etc.) and
- c) “Available for Sale” (the balance investments).

The investments are further classified as:

- i) Government securities
- ii) Other approved securities
- iii) Shares
- iv) Debentures and Bonds
- v) Subsidiaries/Joint Ventures
- vi) Others (Commercial Papers, Mutual Fund Units, etc.)

The classification of various instruments of investments, categorisation, shifting among categories, valuation and provisioning of investments are done in accordance with the norms laid down by RBI to All-India Term Lending Institutions.

v) Fixed Assets and Depreciation

- (a) Fixed Assets are stated at historical cost less accumulated depreciation.
- (b) Depreciation is provided for on straight-line method basis at the following rates:

| Asset | Depreciation Rate |
|---|-------------------|
| Owned Buildings | 5% |
| Furniture and Fixtures | 25% |
| Office Equipments | 25% |
| Other Electrical Equipments | 25% |
| Computers and Computer Software | 25% |
| Motor Vehicles | 25% |
| Mobile Phones and other electronics items subject to rapid technological obsolescence | 33.33% |

- (c) In respect of assets acquired during the year, depreciation is provided for the entire year in the year of purchase and in respect of assets sold during the year, no depreciation is provided in the year of sale.
- (d) When a depreciable asset is disposed off, discarded, demolished or destroyed, the net surplus or deficit is adjusted in the Profit and Loss Account.

vi) Impairment

The carrying amounts of assets are reviewed at each Balance Sheet date based on internal/external factors to provide for impairment in the value of the assets or reverse impairment losses recognised in previous periods, as applicable. Impairment loss is recognised when the carrying amount of an asset exceeds recoverable amount.

vii) Accounting for Foreign Currency Transactions

- a) Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers' Association of India (FEDAI) at year end.
- b) Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year.
- c) Outstanding foreign exchange contracts are revalued at rates of exchange notified by the FEDAI for specified maturities and the resulting profits/losses are included in the Profit and Loss account.
- d) Contingent liabilities in respect of guarantees, acceptances, endorsements and other obligations are stated at the rates of exchange notified by FEDAI at year end.

viii) Guarantees

Provisioning for guarantees is made taking into account the likely losses on projects till their completion, for uncovered portion under ECGC policies.

ix) Derivatives

The Bank presently deals in derivative contracts such as Interest Rate Swaps, Currency Swaps, Cross-Currency Interest Rate Swaps and Forward Rate Agreements, for hedging its assets and liabilities. Based on RBI Guidelines, the above derivatives undertaken for hedging purposes are accounted on accrual basis. Qualitative and Quantitative disclosures pertaining to outstanding derivative contracts are reported in the "Notes to Accounts" in accordance with RBI's Master Circular "Disclosure norms for Financial Institutions" on the Balance Sheet date.

x) Provision for Employee Benefits

- a) Provident Fund, Gratuity Fund and Pension Fund are defined benefit schemes administered by the Bank and the Bank's contributions to these funds are charged to the Profit and Loss Account for the year.
- b) Gratuity and Pension are defined benefit obligations. Liabilities towards these obligations are provided for on the basis of actuarial valuation at the end of each financial year based on the projected unit credit method.
- c) Liability towards leave encashment is provided for on the basis of actuarial valuation at year end.

xi) Accounting for taxes on Income

- a) Provision for current tax is made, based on the tax payable under the relevant statute.
- b) Deferred tax on timing difference between taxable income and accounting income is accounted for, using the tax rates and the tax law enacted or substantially enacted as on the Balance Sheet date. Deferred tax assets are recognised only to the extent that there is a virtual certainty of realisation.

xii) Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets

As per AS 29 – “Provisions, Contingent Liabilities and Contingent Assets” issued by the Institute of Chartered Accountants of India (ICAI), the Bank recognises provisions only when it has a present obligation as a result of a past event, it is probable that an outflow of resources embodying economic benefits will be required to settle the obligation and when a reliable estimate of the amount of the obligation can be made.

Contingent liabilities are disclosed unless the possibility of an outflow of resources embodying economic benefit is remote.

Contingent assets are neither recognised nor disclosed in the financial statements.

II NOTES TO ACCOUNTS – GENERAL FUND**1. Agency Account**

As Exim Bank is acting only in the capacity of an agency to facilitate certain transactions in Iraq relating to Indian contractors, foreign currency receivables advised to the Bank equivalent to ₹ 45.54 billion (previous year ₹ 42.96 billion) held on agency account including a sum of ₹ 41.15 billion (previous year ₹ 38.82 billion) assigned to Government of India (GOI) are not included in the above Balance Sheet.

2. Income-Tax

The capital of the Bank is wholly subscribed by the Central Government and the Bank does not have any share capital. The balance of profit transferable to the Central Government in accordance with Section 23 (2) of The Export-Import Bank of India Act, 1981 is not termed as dividend. Consequently, dividend distribution tax is considered not payable, in the light of the judgement passed by the Income Tax Appellate Tribunal in case no. ITA No. 2025/Mum/2000 on December 18, 2006 and hence, no provision has been made for the same.

3. a) Contingent Liabilities

Guarantees include expired guarantees of ₹ 1.92 billion (previous year ₹ 2.73 billion), yet to be cancelled in books.

b) Claims not acknowledged as debts

The amount of ₹ 1.85 billion (previous year ₹ 1.85 billion) shown under Contingent Liabilities as “Claims on the Bank not acknowledged as debts”, pertains to claims/counter-claims filed against the Bank mostly by Bank’s defaulting borrowers in response to legal action initiated against them by the Bank. None of the claims/counter-claims is considered as maintainable in the opinion of Bank’s solicitors and none of them has reached the stage of final hearing. Based on professional advice, no provision is considered necessary.

c) Forward Exchange Contracts, Currency/Interest Rate Swaps

- i) The outstanding forward exchange contracts as at March 31, 2016 have been fully hedged. The Bank undertakes derivatives transactions (Interest Rate Swaps, Forward Rate Agreements and Currency-cum-interest rate swaps), for the purpose of Asset-Liability Management as per RBI guidelines issued vide circular Ref. No. MPD.BC.187/07.01.279/1999-2000 dated July 7, 1999 and thereafter. The Bank also unwinds and re-enters such transactions based on requirements/market conditions. The outstanding derivative transactions are captured in the interest rate sensitivity position, which is monitored by the Asset Liability Management Committee (ALCO) and reviewed by the Board. The credit equivalent of derivatives is arrived at as per ‘Current Exposure’ method prescribed by RBI. The fair value and the price value of a basis point (PV01) of derivatives are disclosed separately in the ‘Notes to Accounts’ as stipulated by RBI. The premium or discount arising at inception of forward exchange contracts is amortised over the life of the contracts. Any profit or loss arising on cancellation of forward exchange contracts is recognized as income/expense for the year.
- ii) The Bank is permitted to be a ‘market maker’ for offering long-dated Foreign Currency - Rupee Swaps to clients/non-clients.

d) Profit/Loss on Exchange fluctuation

Assets and liabilities denominated in foreign currency are translated at the exchange rate notified by the Foreign Exchange Dealers’ Association of India (FEDAI) at year end. Income and expenditure items are translated at the average rates of exchange during the year. The notional profit on such translation of the retained earnings on foreign currency operations during the current year is ₹ 0.12 billion (previous year ₹ 0.07 billion).

4. Disclosure relating to Micro, Small and Medium Enterprises under the Micro, Small and Medium Enterprises Act, 2006: There have been no reported cases of delayed payments to Micro, Small and Medium Enterprises.

ADDITIONAL INFORMATION AS REQUIRED BY RESERVE BANK OF INDIA

5. Capital

(a)

| | Particulars | As on March 31, 2016 | As on March 31, 2015 |
|-------|-------------------------------------|-------------------------|-------------------------|
| (i) | Capital to Risk Assets Ratio (CRAR) | 14.55% | 15.34% |
| (ii) | Core CRAR | 13.04% | 13.80% |
| (iii) | Supplementary CRAR | 1.51% | 1.54% |

(b) The amount of subordinated debt raised and outstanding as on March 31, 2016 as Tier-II capital: ₹ NIL (previous year: ₹ NIL).

(c) Risk weighted assets –

(₹ billion)

| | Particulars | As on March 31, 2016 | As on March 31, 2015 |
|------|---------------------------|-------------------------|-------------------------|
| (i) | 'On' balance sheet items | 587.32 | 486.66 |
| (ii) | 'Off' balance sheet items | 146.78 | 141.12 |

(d) The share holding pattern as on the date of the balance sheet: Capital wholly subscribed by the Government of India.

- The CRAR and other related parameters have been determined as per the extant capital adequacy norms prescribed by RBI for the Financial Institutions (FIs).

6. Asset quality and credit concentration as on March 31, 2016

(a) Percentage of net Non-performing Assets (NPAs) to net loans and advances: 0.86 (previous year 0.60).

(b) Amount and percentage of net NPAs under the prescribed asset classification categories:

(₹ billion)

| Particulars | As on March 31, 2016 | | As on March 31, 2015 | |
|---------------------|----------------------|------------|----------------------|------------|
| | Amount | Percentage | Amount | Percentage |
| Sub-standard Assets | 8.55 | 0.86 | 5.10 | 0.60 |
| Doubtful Assets | - | - | - | - |
| Loss Assets | - | - | - | - |
| Total | 8.55 | 0.86 | 5.10 | 0.60 |

(c) Amount of provisions made during the year towards:

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| Standard Assets | 4.11 | 3.61 |
| NPAs | 15.28 | 9.73 |
| Investments (other than those in the nature of advance) | 2.47 | (1.20) |
| Income Tax | 1.38 | 4.10 |

(d) Movement in net NPAs:

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| Net NPAs at the beginning of the year | 5.10 | 3.21 |
| Add: New NPAs during the year | 9.80 | 5.01 |
| Less: Recoveries/upgradations during the year | 6.35 | 3.12 |
| Net NPAs at the end of the year | 8.55 | 5.10 |

(e) Provisions for Non-Performing Assets (comprising loans, bonds and debentures in the nature of advance and inter-corporate deposits) (excluding provision for standard assets)

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| Opening balance as at the beginning of the year | 20.43 | 12.75 |
| Add: Provisions made during the year | 15.28 | 9.73 |
| *Less: Write off/write back of excess provision | 1.51 | 2.05 |
| Closing balance at the end of the year | 34.20 | 20.43 |

(*including amounts transferred to Reserve for Redemption of Security Receipts of Asset Reconstruction Companies (ARCs) on sale of NPAs to ARCs)

(f) Letters of Comfort issued by the Bank

During the year, the Bank has issued Letters of Comfort to Bank of India aggregating ₹ 0.22 billion. As on March 31, 2016, no financial obligation has arisen on the above commitments.

(g) Provisioning Coverage Ratio (PCR)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|--------------------------|---------|---------|
| Provision Coverage Ratio | 80.35% | 80.59% |

(h) Concentration of Deposits, Advances, Exposures and NPAs

Concentration of Deposits

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| Total Deposits of twenty largest depositors | 0.82 | 0.46 |
| Percentage of deposits of twenty largest depositors to total deposits of the Bank | 55.80% | 30.40% |

Concentration of Advances

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|--|---------|---------|
| Total advances to twenty largest borrowers | 154.51 | 118.63 |
| Percentage of advances to Twenty largest borrowers to total advances of the Bank | 15.07% | 13.64% |

Advances computed as per definition of Credit Exposure including derivatives furnished in RBI Master circular on Exposure Norms DBR.FID.FIC.No.4/01.02.00/2015-16 dated July 01, 2015.

Concentration of Exposures

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|--|---------|---------|
| Total exposures to twenty largest borrowers/customers | 209.13 | 189.72 |
| Percentage of exposures to twenty largest borrowers/customers to total exposure of the Bank on borrowers/customers | 10.50% | 10.87% |

Exposure computed based on credit and investment exposure as prescribed in RBI Master Circular on Exposure norms for financial institutions: DBR.FID.FIC.No.4/01.02.00/2015-16 dated July 01, 2015.

Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.

Concentration of NPAs

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| Total exposure to top four NPA accounts | 8.88 | 8.28 |

I. Sector-wise NPAs:

| Sr No | Sector | Percentage of NPAs to Total Advances in that sector | |
|-------|--|---|---------|
| | | 2015-16 | 2014-15 |
| 1. | Agriculture and allied activities | - | - |
| 2. | Industry (Micro and Small, Medium and Large) | 4.17 | 2.94 |
| 3. | Services | - | - |
| 4. | Personal Loans | - | - |

II. Movement of NPAs

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|--------------|--------------|
| Gross NPAs as on 1 st April (opening balance) (A) | 25.53 | 15.96 |
| Additions: | | |
| (i) Fresh NPAs during the year | 20.44 | 14.49 |
| (ii) Interest funding | (0.02) | 1.41 |
| (iii) Exchange Fluctuation | 0.89 | 0.36 |
| Sub-Total (B) | 21.31 | 16.26 |
| Less:- | | |
| (i) Up gradations | 2.55 | 0.28 |
| (ii) Recoveries (excluding recoveries made from upgraded accounts) | 0.84 | 5.32 |
| (iii) Write-offs | 0.71 | 1.09 |
| (iv) Exchange fluctuation | - | - |
| Sub-Total (C) | 4.10 | 6.69 |
| Gross NPAs as on 31st March (closing balance) (A+B-C) | 42.74 | 25.53 |

- Gross NPAs as per Appendix Part C-2 of DBR circular DBR.No.BP.BC.1/21.04.048/2015-16 dated July 01, 2015.

III. Overseas Assets, NPAs and Revenue

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---------------|---------|---------|
| Total Assets | 119.76 | 95.59 |
| Total NPAs | 5.37 | 1.40 |
| Total Revenue | 5.58 | 5.49 |

The above figures pertain to Bank's London branch, which started operations in October, 2010.

IV. Off-balance sheet SPVs sponsored
(which are required to be consolidated as per accounting norms)

| Name of the SPV sponsored | |
|---------------------------|----------|
| Domestic | Overseas |
| - | - |

- (i) Financial Assets sold during the year to Securitisation Company (SC)/Reconstruction Company (RC) for asset reconstruction

(₹ billion)

| Sr No. | Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|--------|--|---------|---------|
| (i) | Number of Accounts | 3 | 8 |
| (ii) | Aggregate value (net of provisions) of accounts sold to SC/RC | 0.97 | 3.72 |
| (iii) | Aggregate consideration | 0.58 | 4.76 |
| (iv) | Consideration realised in respect of accounts transferred in earlier years | - | - |
| (v) | Aggregate gain over net book value | (0.39) | 1.04 |

- The “Assets sold to Reconstruction Companies” have been reckoned as defined in RBI Master Circular DBOD No. FID.FIC.2/01.02.00/2006-07 dated July 01, 2006 and thereafter.

- (j) Non-performing Investments

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| Opening balance as at the beginning of the year | 0.59 | 0.52 |
| Additions during the year | 0.10 | 0.09 |
| Reductions during the year | 0.04 | 0.02 |
| Closing balance at the end of the year | 0.65 | 0.59 |
| Total provisions held | 0.65 | 0.59 |

- (k) Provisions for depreciation in investments

(₹ billion)

| Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---|---------|---------|
| Opening balance as at the beginning of the year | 2.50 | 3.62 |
| Add: | | |
| (i) Provisions made during the year/(written back) | 2.82 | (1.12) |
| (ii) Appropriation, if any, from Investment Fluctuation Reserve Account during the year | - | - |
| Less: | | |
| (i) Write off during the year | 0.24 | - |
| (ii) Transfer, if any, to Investment Fluctuation Reserve Account | - | - |
| Closing balance as at the end of the year | 5.08 | 2.50 |

(I) Particulars of accounts restructured during FY 2015-16

(₹ billion)

| Category | Details | CDR Mechanism | SME Debt Mechanism | Others |
|------------------------------------|--|---------------|--------------------|--------|
| Standard Advances restructured | Number of Borrowers | - | - | - |
| | Amount Outstanding | - | - | - |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | - | - | - |
| Sub-Standard Advances restructured | Number of Borrowers | - | - | - |
| | Amount Outstanding | - | - | - |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | - | - | - |
| Doubtful Advances restructured | Number of Borrowers | - | - | - |
| | Amount Outstanding | - | - | - |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | - | - | - |
| Total | Number of Borrowers | - | - | - |
| | Amount Outstanding | - | - | - |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | - | - | - |

Previous year (Particulars of accounts restructured during FY 2014-15)

(₹ billion)

| Category | Details | CDR Mechanism | SME Debt Mechanism | Others |
|------------------------------------|--|---------------|--------------------|--------|
| Standard Advances restructured | Number of Borrowers | 5 | 2 | 14 |
| | Amount Outstanding | 4.10 | 0.19 | 13.78 |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | 0.47 | 0.01 | 1.07 |
| Sub-Standard Advances restructured | Number of Borrowers | 1 | - | - |
| | Amount Outstanding | 0.67 | - | - |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | 0.17 | - | - |
| Doubtful Advances restructured | Number of Borrowers | - | - | - |
| | Amount Outstanding | - | - | - |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | - | - | - |
| Total | Number of Borrowers | 6 | 2 | 14 |
| | Amount Outstanding | 4.77 | 0.19 | 13.78 |
| | Sacrifice (diminution in the fair value) | 0.64 | 0.01 | 1.07 |

Note: Application for restructuring of loans aggregating ₹ 0.28 billion in respect of 1 borrower was under process as on March 31, 2015.

(m) Credit Exposure

| | Particulars | Percentage to Capital Funds* | Percentage to Total Credit Exposure (TCE)@ | Percentage to Total Assets |
|------|-----------------------------|------------------------------|--|----------------------------|
| i) | Largest single borrower | 19.61 | 0.95 | 1.64 |
| ii) | Largest borrower group | 37.15 | 1.80 | 3.10 |
| iii) | 10 largest single borrowers | 133.31 | 6.45 | 11.14 |
| iv) | 10 largest borrower groups | 204.62 | 9.89 | 17.10 |

*Capital Funds as on March 31, 2015

@TCE: Loans + Advances + Un-utilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.

- 1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.
- 2) There was 1 borrower as on March 31, 2016 for whom exposure over 15% of capital funds was assumed with the approval of the Board/Management Committee. Exposure to this borrower as on March 31, 2016 stood at 19.61% of the capital funds of the Bank.

Previous Year

| | Particulars | Percentage to Capital Funds* | Percentage to Total Credit Exposure (TCE)@ | Percentage to Total Assets |
|------|-----------------------------|------------------------------|--|----------------------------|
| i) | Largest single borrower | 19.53 | 0.92 | 1.64 |
| ii) | Largest borrower group | 42.79 | 2.02 | 3.58 |
| iii) | 10 largest single borrowers | 142.21 | 6.71 | 11.90 |
| iv) | 10 largest borrower groups | 230.57 | 10.88 | 19.30 |

*Capital Funds as on March 31, 2014

@TCE: Loans + Advances + Un-utilised Sanctions + Guarantees + LCs + Credit exposure on account of derivatives.

- 1) Credit exposure to banks and overseas institutions guaranteed by GOI/assumed at the behest of GOI, not considered for single/group borrower exposure.
- 2) There were 2 borrowers as on March 31, 2015 for whom exposure over 15% of capital funds was assumed with the approval of the Board/Management Committee. Exposure to these borrowers as on March 31, 2015 stood at 19.53% and 19.50% of the capital funds of the Bank.
- 3) There was 1 borrower group as on March 31, 2015 for whom exposure over 40% of capital funds was assumed with the approval of the Board/Management Committee. Exposure to this borrower group as on March 31, 2015 stood at 43% of the capital funds of the Bank.

(n) Credit exposure to the five largest industrial sectors

| | Sector | Percentage to Total Credit Exposure (TCE) | Percentage to Loan Assets |
|------|-------------------------------------|---|---------------------------|
| i) | Ferrous metals and Metal Processing | 9.41 | 7.16 |
| ii) | EPC Services | 8.59 | 6.53 |
| iii) | Textiles and Garments Processing | 7.78 | 5.92 |
| iv) | Oil and Gas | 7.39 | 5.62 |
| v) | Drugs and Pharmaceuticals | 6.31 | 4.80 |

Previous Year

| | Sector | Percentage to Total Credit Exposure (TCE) | Percentage to Loan Assets |
|------|-------------------------------------|---|---------------------------|
| i) | EPC Services | 12.41 | 10.06 |
| ii) | Oil and Gas | 10.08 | 8.17 |
| iii) | Ferrous metals and Metal Processing | 9.36 | 7.59 |
| iv) | Textiles and Garments | 7.54 | 6.12 |
| v) | Drugs and Pharmaceuticals | 5.83 | 4.72 |

- The “credit exposure” has been reckoned as defined by RBI.

Exposure to banks and exposure under Lines of Credit/Buyer's Credit to overseas entities have been excluded.

(o) Issuer categories in respect of Investments in Non - Government Securities

(₹ billion)

| Sr. No. | Issuer | Amount | Amount of | | | |
|---------|--|--------------|---|--|---------------------------|----------------------------|
| | | | Investment made through private placement | “below investment grade” Securities held | “unrated” Securities held | “unlisted” Securities held |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1 | PSUs | 0.04 | - | - | 0.04 | 0.04 |
| 2 | Fls | 2.23 | 1.99 | - | 0.24 | 2.23** |
| 3 | Banks | 0.27 | 0.10 | - | 0.17 | 0.17 |
| 4 | Private corporate | 24.02 | 22.90 | - | 24.02 | 22.42* |
| 5 | Subsidiaries/Joint ventures | 0.0032 | - | - | 0.0032 | 0.0032 |
| 6 | Others | 1.00 | - | - | 1.00 | 1.00 |
| 7 | Provision held towards depreciation [#] | 4.64 | - | - | - | - |
| | Total | 27.56 | 24.99 | - | 25.47 | 25.86 |

[#]Only aggregate amount of provision held to be disclosed in column 3

*Out of which ₹ 21.87 billion represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 0.50 billion of investments are in shares/debentures acquired as part of loan restructuring.

**Out of which ₹ 1.99 billion were by way of US\$/INR Swap undertaken with RBI approval.

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

Previous Year

(₹ billion)

| Sr. No. | Issuer | Amount | Amount of | | | |
|---------|--|--------------|---|--|---------------------------|----------------------------|
| | | | Investment made through private placement | “below investment grade” Securities held | “unrated” Securities held | “unlisted” Securities held |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | (7) |
| 1 | PSUs | 0.04 | - | - | 0.04 | 0.04 |
| 2 | FIs | 2.41 | 2.17 | - | 0.24 | 2.41** |
| 3 | Banks | 0.32 | 0.15 | - | 0.17 | 0.17 |
| 4 | Private corporates | 23.58 | 22.48 | - | 23.58 | 22.14* |
| 5 | Subsidiaries/Joint ventures | 0.0032 | - | - | 0.0032 | 0.0032 |
| 6 | Others | - | - | - | - | - |
| 7 | Provision held towards depreciation [#] | 2.09 | - | - | - | - |
| | Total | 26.35 | 24.80 | - | 24.03 | 24.76 |

[#]Only aggregate amount of provision held to be disclosed in column 3

*Out of which ₹ 21.60 billion represents investment in security receipts issued by Asset Reconstruction Companies (ARCs) and ₹ 0.53 billion of investments are in shares/debentures acquired as part of loan restructuring.

**Out of which ₹ 2.17 billion were by way of US\$/INR Swap undertaken with RBI approval.

Amounts reported under columns 4, 5, 6 and 7 above are not mutually exclusive.

7. Liquidity

- Maturity pattern of rupee assets and liabilities; and
- Maturity pattern of foreign currency assets and liabilities.

(₹ billion)

| Items | Less than or equal to 1 year | More than 1 year upto 3 years | More than 3 years upto 5 years | More than 5 years upto 7 years | More than 7 years | Total |
|------------------------------|------------------------------|-------------------------------|--------------------------------|--------------------------------|-------------------|----------|
| Rupee assets | 338.83 | 205.26 | 134.96 | 103.22 | 232.11 | 1,014.38 |
| Foreign currency assets | 246.42 | 232.52 | 204.66 | 135.57 | 207.51 | 1,026.68 |
| Total Assets | 585.25 | 437.78 | 339.62 | 238.79 | 439.62 | 2,041.06 |
| Rupee liabilities | 318.18 | 180.11 | 60.55 | 83.28 | 240.76 | 882.88 |
| Foreign currency liabilities | 217.14 | 299.16 | 241.15 | 157.24 | 105.12 | 1,019.81 |
| Total Liabilities | 535.32 | 479.27 | 301.70 | 240.52 | 345.88 | 1,902.69 |

Previous Year

(₹ billion)

| Items | Less than or equal to 1 year | More than 1 year upto 3 years | More than 3 years upto 5 years | More than 5 years upto 7 years | More than 7 years | Total |
|------------------------------|------------------------------|-------------------------------|--------------------------------|--------------------------------|-------------------|----------|
| Rupee assets | 294.62 | 188.00 | 186.60 | 111.75 | 235.25 | 1,016.22 |
| Foreign currency assets | 183.22 | 226.71 | 185.29 | 130.55 | 195.71 | 921.48 |
| Total Assets | 477.84 | 414.71 | 371.89 | 242.30 | 430.96 | 1,937.70 |
| Rupee liabilities | 293.85 | 157.42 | 92.41 | 67.86 | 257.69 | 869.23 |
| Foreign currency liabilities | 181.91 | 217.60 | 199.48 | 139.74 | 176.76 | 915.49 |
| Total Liabilities | 475.76 | 375.02 | 291.89 | 207.60 | 434.45 | 1,784.72 |

- For the maturity pattern of assets and liabilities, the bucketing of various items of assets and liabilities in the specified time buckets have been done in accordance with the RBI Guidelines on Asset Liability Management System issued vide circular DBS.FID.No.C-11/01.02.00/1999-2000 dated December 31, 1999 and thereafter.

(c) Repo Transactions

(₹ billion)

| Particulars | Minimum outstanding during the year | Maximum outstanding during the year | Daily Average outstanding during the year | Outstanding as on March 31, 2016 |
|--|-------------------------------------|-------------------------------------|---|----------------------------------|
| Securities sold under repos | | | | |
| i) Government Securities | - | - | - | - |
| ii) Corporate Debt Securities | - | - | - | - |
| Securities purchased under reverse repos | | | | |
| i) Government Securities | - | - | - | - |
| ii) Corporate Debt Securities | - | - | - | - |

Previous Year

(₹ billion)

| Particulars | Minimum outstanding during the year | Maximum outstanding during the year | Daily Average outstanding during the year | Outstanding as on March 31, 2015 |
|--|-------------------------------------|-------------------------------------|---|----------------------------------|
| Securities sold under repos | | | | |
| i) Government Securities | - | - | - | - |
| ii) Corporate Debt Securities | - | - | - | - |
| Securities purchased under reverse repos | | | | |
| i) Government Securities | - | 0.30 | 0.001 | - |
| ii) Corporate Debt Securities | - | - | - | - |

8. Disclosure on risk in derivatives in terms of RBI Guidelines dated July 01, 2015**a) Qualitative Disclosure**

1. The Bank uses financial derivative transactions predominantly for raising cost-effective funds and hedging its balance sheet exposures, with the objective of reducing market risk. The Bank currently deals only in over-the-counter (OTC) interest rate and currency derivatives, of the type permitted by RBI.
2. Derivative transactions carry: (i) market risk i.e. the probable loss that the Bank may incur as a result of adverse movements in interest rates/exchange rates and (ii) credit risk i.e. the probable loss the Bank may incur if the counter-parties fail to meet their obligations. The Bank has in place a Derivative Policy approved by the Board, which aims at synchronising the risk management objectives at the transaction level with those of the overall ALM position. The policy defines the use of permitted derivative products consistent with business goals of the Bank, lays down the control and monitoring systems and deals with regulatory, documentation and accounting issues. The policy also prescribes suitable risk parameters to control and manage market risk on derivative trades undertaken in the treasury book (stop-loss limits, open position limits, tenor limits, settlement and pre-settlement risk limits, PV01 limits).
3. The ALCO of the Bank oversees management of market risks with support from the Bank's Mid-Office, which measures, monitors and reports market risk associated with derivative transactions.
4. All derivative transactions outstanding in the Bank's books as on March 31, 2016 have been undertaken for hedging purposes and are in the ALM book. The income on such transactions has been accounted for on accrual basis.
5. Interest Rate Swaps (IRS) and Currency Swaps are not included in Outstanding Forward Exchange Contracts under Contingent Liabilities as per the Derivative Policy.

b) Quantitative Disclosure

(₹ billion)

| Sr. No. | Particulars | 2015-16 | | 2014-15 | |
|---------|--|----------------------|---------------------------|----------------------|---------------------------|
| | | Currency Derivatives | Interest rate derivatives | Currency Derivatives | Interest rate derivatives |
| 1 | Derivatives (Notional Principal Amount) | | | | |
| | a) For hedging | 348.75 | 224.74 | 314.24 | 208.11 |
| | b) For trading | - | - | - | - |
| 2 | Marked to Market Positions | | | | |
| | a) Asset (+) | - | 1.68 | - | 1.47 |
| | b) Liability (-) | 38.01 | - | 37.92 | - |
| 3 | Credit Exposure | 22.77 | 4.41 | 21.36 | 2.74 |
| 4 | Likely impact of one percentage change in interest rate (100*PV01) | | | | |
| | a) on hedging derivatives | 14.78 | 9.14 | 14.49 | 8.97 |
| | b) on trading derivatives | - | - | - | - |
| 5 | Maximum and Minimum of 100*PV01 observed during the year | | | | |
| | a) on hedging | | | | |
| | i) Maximum | 15.75 | 9.85 | 14.55 | 8.97 |
| | ii) Minimum | 13.60 | 7.98 | 12.13 | 6.08 |
| | b) on trading | | | | |
| | i) Maximum | - | - | - | - |
| | ii) Minimum | - | - | - | - |

c) Disclosure on Interest Rate derivatives traded on exchanges

| Sr. No. | Particulars | Amount |
|---------|---|--------|
| 1. | Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives undertaken during the year (instrument-wise) | - |
| 2. | Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding as on 31 st March, 2016 (instrument-wise) | - |
| 3. | Notional Principal amount of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise) | - |
| 4. | Mark-to-market value of exchange traded interest rate derivatives outstanding and not "highly effective" (instrument-wise) | - |

d) Disclosure on Forward Rate Agreements and Interest rate swaps

(₹ billion)

| Sr. No. | Particulars | 2015-16 | | 2014-15 | |
|---------|---|--|---------|--|---------|
| | | Hedging | Trading | Hedging | Trading |
| 1. | The Notional Principal of swap agreements | 224.74 | - | 208.11 | - |
| 2. | Losses, which would be incurred if counter parties failed to fulfill their obligations under the agreements | 0.65 | - | 0.68 | - |
| 3. | Concentration of credit risk arising from Swaps | All transactions fall within approved credit exposure limits | - | All transactions fall within approved credit exposure limits | - |
| 4. | The fair value of the swap book | 1.68 | - | 1.47 | - |

Nature and Terms of Swaps: All transactions have underlying assets/liabilities and have been undertaken for the purpose of hedging the Bank's ALM position.

9. Operating results

| Sr. No. | Particulars | 2015-16 | 2014-15 |
|---------|--|---------|---------|
| i) | Interest income as a percentage to average working funds | 8.12 | 8.03 |
| ii) | Non-interest income as a percentage to average working funds | 0.48 | 0.53 |
| iii) | Operating profit as a percentage to average working funds | 2.48 | 2.33 |
| iv) | Return on average assets | 0.30 | 0.79 |
| v) | Net Profit per (permanent) employee (in ₹ billion) | 0.010 | 0.023 |

- For operating results, the working funds and total assets have been taken as the average of the figures as at the end of the previous accounting year and the end of the accounting year under report. (The "working funds" refer to the total assets).
- All permanent, full-time employees in all cadres have been reckoned for computing per employee net profit.

10. Details of Fixed Assets

Details of Fixed Assets are given below as prescribed in AS -10 Accounting for Fixed Assets issued by the ICAI.

(₹ billion)

| Particulars | Premises | Others | Total |
|---|----------|--------|-------|
| Gross Block | | | |
| Cost as on 31 st March 2015 | 1.70 | 0.85 | 2.55 |
| Additions | 0.03 | 0.08 | 0.11 |
| Disposals | - | 0.03 | 0.03 |
| Cost as on 31 st March 2016 (A) | 1.73 | 0.90 | 2.63 |
| Depreciation | | | |
| Accumulated as on 31 st March 2015 | 0.77 | 0.73 | 1.50 |
| Provided during the year | 0.07 | 0.09 | 0.16 |
| Eliminated on Disposals | - | 0.03 | 0.03 |
| Accumulated as on 31 st March 2016 (B) | 0.84 | 0.79 | 1.63 |
| Net Block (A-B) | 0.89 | 0.11 | 1.00 |

Previous Year

(₹ billion)

| Particulars | Premises | Others | Total |
|---|----------|--------|-------|
| Gross Block | | | |
| Cost as on 31 st March 2014 | 1.36 | 0.81 | 2.17 |
| Additions | 0.34 | 0.07 | 0.41 |
| Disposals | - | 0.03 | 0.03 |
| Cost as on 31 st March 2015 (A) | 1.70 | 0.85 | 2.55 |
| Depreciation | | | |
| Accumulated as on 31 st March 2014 | 0.70 | 0.66 | 1.36 |
| Provided during the year | 0.07 | 0.10 | 0.17 |
| Eliminated on Disposals | - | 0.03 | 0.03 |
| Accumulated as on 31 st March 2015 (B) | 0.77 | 0.73 | 1.50 |
| Net Block (A-B) | 0.93 | 0.12 | 1.05 |

11. Accounting for Government grants

GOI has agreed to pay interest equalisation amount to the Bank towards specific Lines of Credit extended by the Bank to foreign governments, overseas banks / institutions and the same is accounted on accrual basis.

12. Segment Reporting

The operations of the Bank predominantly comprise of only one business segment i.e. financial activities and hence, have been considered as representing a single business segment.

The geographic segments of the Bank are categorised as Domestic Operations and International Operations. The categorisation of operations as domestic or international is primarily based on the risk and reward associated with the place of the transaction.

(₹ billion)

| Particulars | Domestic Operations | | International Operations | | Total | |
|-------------|---------------------|---------|--------------------------|---------|----------|---------|
| | 2015-16 | 2014-15 | 2015-16 | 2014-15 | 2015-16 | 2014-15 |
| Revenue | 82.31 | 70.82 | 5.50 | 5.38 | 87.81 | 76.21 |
| Assets | 1,032.40 | 891.57 | 119.78 | 92.68 | 1,152.18 | 984.25 |

13. Related party disclosures

As per AS-18 Related Party Disclosure issued by the ICAI, the Bank's related parties are disclosed below:

- Relationship

- (i) Joint Ventures :

- Global Procurement Consultants Ltd.

- (ii) Key Managerial Personnel:

- Shri Yaduvendra Mathur (Chairman and Managing Director)

- Shri David Rasquinha (Deputy Managing Director)

- Shri Debasish Mallick (Deputy Managing Director)

- The Banks' related party balances and transactions are summarised as follows:

(₹ million)

| Particulars | Joint Venture | |
|------------------------------------|---------------|---------|
| | 2015-16 | 2014-15 |
| Loans granted | - | - |
| Guarantees issued | 3.26 | 4.57 |
| Interest received | - | - |
| Guarantee commission received | 0.02 | 0.01 |
| Receipts towards services rendered | 0.03 | 0.01 |
| Term Deposit Accepted | 10.20 | 7.12 |
| Interest on Term Deposits | 0.74 | 0.60 |
| Amounts written-off/written-back | - | - |

Loans outstanding at year-end: NIL (previous year Nil)

Guarantees outstanding at year-end: ₹ 3.26 million (previous year ₹ 4.57 million)

Investments outstanding at year end: ₹ 3.23 million (previous year ₹ 3.23 million)

Maximum Loan outstanding during the year: Nil (previous year Nil)

Maximum Guarantees outstanding during the year: ₹ 3.26 million (previous year ₹ 4.57 million)

The details of transactions of the Bank with its Key Managerial Personnel during the year ended 31 March, 2016 are given below:

(₹ million)

| Particulars | Key Managerial Personnel | |
|---|--------------------------|---------|
| | 2015-16 | 2014-15 |
| Salary including perquisites | 7.00 | 5.55 |
| Deposits accepted during the year | 1.00 | 1.00 |
| Outstanding Deposits at the end of the year | 5.17 | 5.03 |
| Interest on Deposits paid during the year | 0.75 | 1.63 |
| Rent paid | 0.24 | 0.24 |

14. Accounting for Taxes on Income

(a) Details of Provision for Tax for current year:

(₹ billion)

| | |
|-----------------------------------|------|
| (i) Tax on Income | 7.65 |
| (ii) Less: Net deferred tax Asset | 6.28 |
| | 1.37 |

(b) Deferred Tax Asset:

The composition of deferred tax assets and liabilities into major items is given below:

| Particulars | (₹ billion) |
|--|-------------|
| <u>Deferred Tax Assets</u> | |
| 1) Provision Disallowed (Net) | 19.47 |
| 2) Depreciation on Fixed Assets | 0.04 |
| | 19.51 |
| <u>Less: Deferred Tax Liability</u> | |
| 1) Amortisation of Bond issue expenses | 0.59 |
| 2) Special Reserve created under section 36(1)(viii) | 4.40 |
| | 4.99 |
| Net Deferred Tax Assets [included in 'Other Assets' in the 'Assets' side of the Balance Sheet] | 14.52 |

15. Financial Reporting of Interest in Joint Ventures

I.

| | Jointly Controlled Entities | Country | Percentage of holding | |
|---|-------------------------------------|---------|-----------------------|---------------|
| | | | Current Year | Previous Year |
| A | Global Procurement Consultants Ltd. | India | 28% | 28% |

II. Aggregate amount of assets, liabilities, income and expenses related to the interest in the jointly controlled entities is as under:

(₹ million)

| Liabilities | 2015-16 | 2014-15 | Assets | 2015-16 | 2014-15 |
|----------------------|--------------|--------------|--------------|--------------|--------------|
| Capital and Reserves | 21.75 | 20.29 | Fixed Assets | 0.14 | 0.06 |
| Loans | - | - | Investments | 9.27 | 6.87 |
| Other Liabilities | 3.41 | 7.08 | Other Assets | 15.75 | 20.44 |
| Total | 25.16 | 27.37 | Total | 25.16 | 27.37 |

Contingent Liabilities: NIL (previous year: NIL)

(₹ million)

| Expenses | 2015-16 | 2014-15 | Income | 2015-16 | 2014-15 |
|----------------|--------------|-------------|--|--------------|--------------|
| Other Expenses | 8.96 | 8.09 | Consultancy Income | 11.80 | 10.54 |
| Provisions | 1.40 | 0.37 | Interest income and Income from investment | 0.56 | 0.53 |
| | | | Other Income | 0.17 | (0.15) |
| Total | 10.36 | 8.46 | Total | 12.53 | 10.92 |

Note: The figures for GPCL for FY 2015-16 are unaudited and provisional.

16. Impairment of Assets

A substantial portion of the Bank's assets comprise of 'financial assets' to which Accounting Standard 28 "Impairment of Assets" is not applicable. In the opinion of the Bank, there is no impairment of its assets (to which the standard applies) as at March 31, 2016 requiring recognition in terms of the said standard.

17. Employee Benefits

The Bank has adopted Accounting Standard 15 – Employee Benefits, issued by The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) w.e.f. April 01, 2007. The Bank recognises in its books the liability arising out of Employee Benefits as present value of obligations as reduced by the fair value of plan assets on the Balance Sheet date.

A) Amount to be recognised in the Balance Sheet

(₹ billion)

| Particulars | Pension Fund | Gratuity |
|--|--------------|----------|
| Fair value of Plan Assets at the end of the period | 0.719 | 0.090 |
| Present value of Benefit Obligation at the end of the period | 0.773 | 0.117 |
| Funded Status | (0.054) | (0.027) |
| Unrecognised past service cost at the end of the period | - | - |
| Unrecognised transitional liability at the end of the period | - | - |
| Net Liability recognised in the Balance Sheet | 0.054 | 0.027 |

B) Expense to be recognised in the Profit and Loss Account

(₹ billion)

| Particulars | Pension Fund | Gratuity |
|---|--------------|----------|
| Current Service Cost | 0.025 | 0.008 |
| Interest Cost | 0.053 | 0.007 |
| Expected Return on Plan Assets | (0.042) | (0.006) |
| Actuarial Losses/(Gains) | 0.144 | (0.017) |
| Past Service Cost – Non-vested Benefit | - | - |
| Past Service Cost – vested benefit | - | - |
| Transitional liability | - | - |
| Expense recognised in Profit and Loss Account | (0.057) | 0.027 |
| Contributions by Employer | (0.021) | (0.016) |

C) Summary of Actuarial Assumptions

| Particulars | Pension Fund | Gratuity |
|--|--------------|----------|
| Discount Rate (p.a.) | 7.70% | 8.07% |
| Expected Rate of Return on Assets (p.a.) | 7.60% | 7.60% |
| Salary Escalation Rate (p.a.) | 7.00% | 7.00% |

In addition to the above, for the year 2015-16 the amount of Defined Benefit Obligation of Leave Encashment works out to ₹ 0.09 billion, which has been fully provided for.

18. In terms of SEBI circular dated October 29, 2013 the contact details of the Debenture Trustee for various Bonds issued by Export-Import Bank of India is as given below:

DEBENTURE TRUSTEE

AXIS Trustee Services Ltd.

Designated Person: Mr. Makarand Kulkarni

Address:

2nd Floor, Wadia International Center,

Pandurang Budhkar Marg,

Worli, Mumbai - 400 025

Tel: (022) 2425 5226

Fax: (022) 4325 3000

Email: kulkarni.makarand@axisbank.com

Website: www.axistrustee.com

19. Previous year's figures have been regrouped, wherever necessary. In cases where disclosures have been made for the first time in terms of RBI guidelines, previous year's figures have not been mentioned.

For and on behalf of the Board

Shri Yaduvendra Mathur

Chairman & Managing Director

Ms. Rita Teaotia

Shri Rajeev Rishi

Shri David Rasquinha

Shri Amar Sinha

Shri Kishor Kharat

Shri Debasish Mallick

Shri Pankaj Jain

As per our attached report of even date

For **Sorab S. Engineer & Co.**

Chartered Accountants

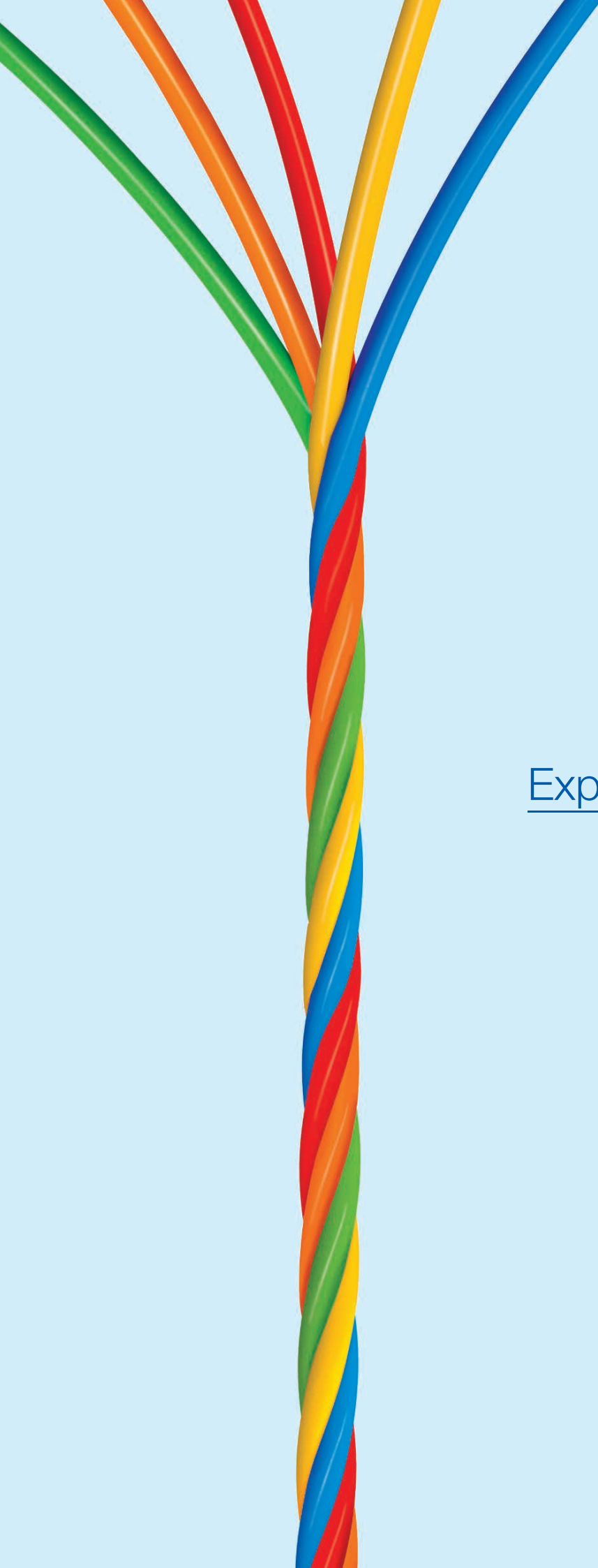
Firm Regn. No. 110417W

(CA N. D. Anklesaria)

Partner

M. No. 010250

New Delhi, May 18, 2016



Export Development Fund

DIRECTORS' REPORT

As per Section 15 of the Export-Import Bank of India Act, 1981 (Exim Bank Act), Exim Bank, with effect from such date as the Central Government may, by notification, appoint, the Exim Bank, shall establish a special fund to be called the Export Development Fund (EDF). Accordingly, the EDF was duly set up by a Central Government notification on March 31, 1986.

The Central Government, on March 31, 1986, transferred an initial corpus of ₹ 100 million to the EDF. Subsequently, the Central Government transferred further amounts of ₹ 35 million on March 23, 1987 and ₹ 6.52 million on March 29, 1989. This corpus, along with interest accrued by way of investment and net of tax paid to the Central Government, had grown to an aggregate sum of ₹ 350.60 million by March 31, 1996. Out of the total EDF corpus, an amount of ₹ 250 million was transferred, with Board and GOI approval, to a Reserve, termed the 'Sinking Fund (SF) Reserve', under the Bank's General Fund. The purpose of the SF Reserve was to absorb losses pertaining to Exim Bank's lending under export Lines of Credit (LOCs)/ Buyer's Credit, which did not enjoy insurance cover from the Export Credit Guarantee Corporation of India (ECGC). As on March 31, 2016, the EDF corpus has grown to ₹ 755.13 million.

As per the Statement of Objects and Reasons in the Bill placed before the Parliament seeking setting up of Export-Import Bank of India, the Export Development Fund is to be utilised mainly for the purposes of research, training, survey, market intelligence, etc. in connection with the country's international trade as well as for financing proposals which are unlikely to be supported by banks and financial institutions. Utilisation of the EDF is governed by Section 17 of the Exim Bank Act, as under:

- a) Section 17[1] of the Act permits Exim Bank to (inter alia) extend loans and advances in or outside India for the purpose of exports, with the prior approval of the Central Government.
- b) Section 17[2] of the Act requires that Exim Bank, prior to seeking such approval of the Central Government, shall satisfy itself that "...banking or financial institutions or other agencies are not likely to grant such loan or advance, or to enter into any such arrangement in the ordinary course of business."
- c) Section 17[3] of the Act mandates that before giving its approval, the Central Government shall satisfy itself that such a facility would be necessary as a matter of priority in the interests of the international trade of India.

The EDF, thus, offers itself as a useful avenue for the GOI to facilitate international trade and cross-border investment related activities that may not be amenable to standard financing by Exim Bank or other banks/ financial institutions.

The Department of Financial Services, Ministry of Finance (DFS) conveyed the approval of the Central Government under Section 17 (1) of the Exim Bank Act, for domiciling in the EDF a Buyer's Credit Facility (under NEIA) of ₹ 9 billion to be extended to select Iranian banks for financing export of goods and services from India to Iran. Pursuant to receipt of all necessary approvals, the EDF, on December 23, 2014, concluded an umbrella Framework Agreement with seven Iranian banks for a Buyer's Credit Facility of ₹ 9 billion with a tenor of up to 12 years, including a moratorium of up to 4 years, to finance the export of goods and services from India to Iran. The Buyer's Credit Facility to the Iranian banks is backed by Sovereign Guarantee of the Government of Iran. In terms of the Framework Agreement, the amount of ₹ 9 billion may be increased by mutual consent, subject to GOI approval.

Subsequently, DFS conveyed its approval to enhancement of the facility covered under the Framework Agreement from ₹ 9 billion to ₹ 30 billion. Accordingly, the EDF, on May 4, 2016, entered into an Amendatory Agreement to the Framework Agreement with the aforesaid seven Iranian Banks for the enhanced Facility of ₹ 30 billion. The Facility amount of ₹ 30 billion is envisaged for utilisation for financing import of steel rails from India and development of the Chabahar port in Iran.

Under the Framework Agreement, an amount of ₹ 8.19 billion, for financing contract for supply of 150,000 tonnes of steel rails from India to The Railways of the Islamic Republic of Iran through Bank of Industry and Mine, Iran, has since been approved and the Individual Letter Agreement to cover the above contract has been executed. Letter of Credit has been opened by the Iranian side and the shipments under the contract are scheduled to commence from June 2016. Financing for the balance steel rails contract and Chabahar Development Port Project is at various stages of negotiation/finalisation.

The proposal for GOI funding additional corpus in the EDF, or issuing suitable guarantee for raising debt fund in the EDF, to fund the above Buyer's Credit Facility of ₹ 30 billion, is currently under consideration by the Central Government. As an interim measure, to meet the immediate funding requirements, Exim Bank may raise funds through appropriate market instruments in the General Fund, for an amount not exceeding ₹ 9 billion and invest in/onlend to the EDF, pending a long term modality for fund raising by the EDF.

Independent Auditor's Report

To

The President of India

Report on the Financial Statements

1. We have audited the accompanying financial statements of the Export Development Fund of the Export-Import Bank of India ('the Bank'), which comprises of the Balance Sheet as at 31st March, 2016 and the Profit and Loss Account for the year then ended and a summary of significant accounting policies and other explanatory information.

Management's Responsibility for the Financial Statements

2. The Management of the Bank is responsible for the preparation of the financial statements in accordance with the Export-Import Bank of India Act, 1981 ('the Act') and the Regulations framed thereunder. This responsibility also includes maintenance of adequate accounting records in accordance with the provisions of the Act for safeguarding of the assets of the Bank and for preventing and detecting frauds and other irregularities; selection and application of appropriate accounting policies; making judgements and estimates that are reasonable and prudent; and design, implementation and maintenance of adequate internal financial controls, that were operating effectively for ensuring the accuracy and completeness of the accounting records, relevant to the preparation and presentation of the financial statements that give a true and fair view and are free from material misstatement, whether due to fraud or error.

Auditor's Responsibility:

3. Our responsibility is to express an opinion on these financial statements based on our audit.

4. We conducted our audit in accordance with the Standards on Auditing issued by the Institute of Chartered Accountants of India. Those Standards require that we comply with ethical requirements and plan and perform the audit to obtain reasonable assurance about whether the financial statements are free from material misstatement.
5. An audit involves performing procedures to obtain audit evidence about the amounts and disclosures in the financial statements. The procedures selected depend on the auditor's judgement, including the assessment of the risks of material misstatement of the financial statements, whether due to fraud or error. In making those risk assessments, the auditor considers internal control relevant to the Bank's preparation and fair presentation of the financial statements, in order to design audit procedures that are appropriate in the circumstances. An audit also includes evaluating the appropriateness of accounting policies used and the reasonableness of the accounting estimates made by the Bank's management, as well as evaluating the overall presentation of the financial statements.
6. We believe that the audit evidence we have obtained is sufficient and appropriate to provide a basis for our audit opinion.

Opinion

7. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the said financial statements give the information in accordance with the requirements of the Act and the Regulations framed thereunder and give a true and fair view in conformity with the accounting principles generally accepted in India:
 - i) In the case of the Balance Sheet, of the state of affairs of the Export Development Fund of the Bank as at 31st March, 2016;
 - ii) In the case of the Profit and Loss Account, of the profit for the year ended 31st March 2016.

Report on Other Legal and Regulatory Matters:

8. The Balance Sheet and the Profit and Loss Account have been drawn up in accordance with the provisions of the Act and the Regulations framed thereunder.
9. We report that:
 - i) We have obtained all the information and explanations which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of our audit and have found them to be satisfactory.
 - ii) The transactions of the Bank, which have come to our notice, have been within the powers of the Bank.
10. In our opinion, the Balance Sheet and Profit and Loss Account comply with the mandatory accounting Standards issued by the Institute of Chartered Accountants of India.
11. We further report that:
 - i) The Balance Sheet and Profit and Loss Account dealt with by this report, are in agreement with the books of accounts and the returns.
 - ii) In our opinion, proper books of accounts as required by law have been kept by the Bank so far as appears from our examination of those books.

For **SORAB S. ENGINEER & CO.**
Chartered Accountants
 Firm Registration No. 110417W

CA N.D. ANKLESARIA
PARTNER
 MEMBERSHIP NO. 10250
 New Delhi, 18th May, 2016.

Balance Sheet as at 31st March, 2016

EXPORT DEVELOPMENT FUND

| | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
|--|--------------------------------------|--|
| LIABILITIES | | |
| 1. Loans: | | |
| a) From Government | - | - |
| b) From Other Sources | - | - |
| 2. Grants: | | |
| a) From Government | 128,307,787 | 128,307,787 |
| b) From Other Sources | - | - |
| 3. Gifts, Donations, Benefactions: | | |
| a) From Government | - | - |
| b) From Other Sources | - | - |
| 4. Other Liabilities | 182,248,318 | 165,598,318 |
| 5. Profit and Loss Account | 444,577,173 | 413,285,665 |
| Total | 755,133,278 | 707,191,770 |
| ASSETS | | |
| 1. Bank Balances: | | |
| a) in current accounts | 476,740 | 582,274 |
| b) in other deposit accounts | 563,000,000 | 530,800,000 |
| 2. Investments | - | - |
| 3. Loans and Advances: | | |
| a) In India | - | - |
| b) Outside India | 8,505,318 | 8,505,318 |
| 4. Bills of Exchange and Promissory Notes Discounted, Rediscounted: | | |
| a) In India | - | - |
| b) Outside India | - | - |
| 5. Other Assets: | | |
| a) Accrued interest on: | | |
| i) Loans and Advances | - | - |
| ii) Investments/bank balances | 9,519,517 | 10,272,475 |
| b) Advance Income Tax paid | 173,631,703 | 157,031,703 |
| c) Others | - | - |
| Total | 755,133,278 | 707,191,770 |

EXPORT DEVELOPMENT FUND

| | This year (As at 31.03.2016) ₹ | Previous year (As at 31.03.2015) ₹ |
|--|--------------------------------------|--|
| CONTINGENT LIABILITIES | | |
| i) Acceptances, Guarantees, Endorsements and other obligations | - | - |
| ii) On outstanding forward exchange contracts | - | - |
| iii) On underwriting commitments | - | - |
| iv) Uncalled Liability on partly paid investments | - | - |
| v) Claims on the Bank not acknowledged as debts | - | - |
| vi) Bills for collection | - | - |
| vii) On participation certificates | - | - |
| viii) Bills Discounted/Rediscounted | - | - |
| ix) Other monies for which the Bank is contingently liable | - | - |

Note:

The Bank has established Export Development Fund in terms of Section 15 of Export-Import Bank of India Act, 1981 (The Act). In terms of Section 17 of the Act, before granting any loan or advance or entering into any such arrangement, Exim Bank has to obtain the prior approval of the Central Government.

For and on behalf of the Board

Shri Yaduvendra Mathur
Chairman & Managing Director

Ms. Rita Teatia

Shri Rajeev Rishi

Shri David Rasquinha

Shri Amar Sinha

Shri Kishor Kharat

Shri Debasish Mallick

Shri Pankaj Jain

As per our attached report of even date
For **Sorab S. Engineer & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 110417W

(CA N. D. Anklesaria)
Partner
M. No. 010250

New Delhi, May 18, 2016

Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2016

EXPORT DEVELOPMENT FUND

| | This year ₹ | Previous year ₹ |
|--|-------------------|--------------------|
| EXPENDITURE | | |
| 1. Interest | - | - |
| 2. Other Expenses | - | - |
| 3. Profit carried down | 47,941,508 | 48,756,753 |
| Total | 47,941,508 | 48,756,753 |
| Provision for Income Tax | 16,650,000 | 16,640,000 |
| Balance of profit transferred to Balance Sheet | 31,291,508 | 32,116,753 |
| | 47,941,508 | 48,756,753 |
| INCOME | | |
| 1. Interest and Discount: | | |
| a) loans and advances | - | - |
| b) investments/bank balances | 47,941,508 | 48,756,753 |
| 2. Exchange, Commission, Brokerage and Fees | - | - |
| 3. Other Income | - | - |
| 4. Loss carried to Balance Sheet | - | - |
| Total | 47,941,508 | 48,756,753 |
| Profit brought down | 47,941,508 | 48,756,753 |
| Excess Income/Interest tax provision of earlier years written back | - | - |
| | 47,941,508 | 48,756,753 |

For and on behalf of the Board

Shri Yaduvendra Mathur
Chairman & Managing Director

Ms. Rita Teatolia

Shri Rajeev Rishi

Shri David Rasquinha

Shri Amar Sinha

Shri Kishor Kharat

Shri Debasish Mallick

Shri Pankaj Jain

As per our attached report of even date
For **Sorab S. Engineer & Co.**
Chartered Accountants
Firm Regn. No. 110417W

(CA N. D. Anklesaria)
Partner
M. No. 010250

New Delhi, May 18, 2016

हमारी वैश्विक पहुंच

प्रधान कार्यालय

केन्द्र एक भवन, 21वीं मंजिल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल,
कफ़ परेड, मुंबई - 400 005.

फोन: (91 22) 22172600 | फैक्स: (91 22) 22182572

ई-मेल: ccg@eximbankindia.in | वेबसाइट: www.eximbankindia.in

भारत स्थित कार्यालय

अहमदाबाद

साकार II, पहली मंजिल, एलिसब्रिज शॉपिंग सेंटर के आगे,
एलिसब्रिज पी. ओ., अहमदाबाद - 380 006.
फोन: (91 79) 26576852/26576843 | फैक्स: (91 79) 26577696
ई-मेल: eximahro@eximbankindia.in

बैंगलोर

रमणश्री आर्केड, चौथी मंजिल, 18, एम. जी. रोड, बैंगलोर - 560 001.
फोन: (91 80) 25585755/25589101-04 | फैक्स: (91 80) 25589107
ई-मेल: eximbri@eximbankindia.in

चंडीगढ़

सी-213, एलान्ते कार्यालय,
औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, चंडीगढ़
फोन: (91 172) 4629171-73 | फैक्स: (91 172) 4629175
ई-मेल: eximcro@eximbankindia.in

चेन्नै

ओवरसीज टॉवर्स, चौथी एवं पाँचवी मंजिल
नं. 756-एल, अन्ना सलाई, चेन्नै - 600 002.
टेलीफोन: (91 44) 28522830/31
टेलीफैक्स: (91 44) 28522832
ई-मेल: eximchro@eximbankindia.in

गुवाहाटी

नेडफी हाउस, चौथी मंजिल,
जी. एस. रोड, दिसपुर, गुवाहाटी - 781 006.
फोन: (91 361) 2237607/609 | फैक्स: (91 361) 2237701
ई-मेल: eximgro@eximbankindia.in

हैदराबाद

गोल्डन एडिफिस, दूसरी मंजिल, 6-3-639/640, राज भवन रोड,
खैरताबाद सर्कल, हैदराबाद - 500 004.
फोन: (91 40) 23307816-21 | फैक्स: (91 40) 23317843
ई-मेल: eximhro@eximbankindia.in

कोलकाता

वाणिज्य भवन, चौथी मंजिल, (अंतरराष्ट्रीय व्यापार सुगमीकरण केंद्र),
1/1 बुड स्ट्रीट, कोलकाता - 700 016.
फोन: (91 33) 22833419/20 | फैक्स: (91 33) 22891727
ई-मेल: eximkro@eximbankindia.in

नई दिल्ली

स्टेट्समैन हाउस, तल मंजिल, 148, बाराखंबा रोड, नई दिल्ली - 10 001.
फोन: (91 11) 23474800 | फैक्स: (91 11) 23322758/23321719
ई-मेल: eximndro@eximbankindia.in

पुणे

44, शंकरशेठ रोड, पुणे - 411 037.
फोन: (91 20) 26403000 | फैक्स: (91 20) 26458846
ई-मेल: eximpro@eximbankindia.in

विदेश स्थित कार्यालय

आबिदजान

5वीं मंजिल, अजयूर बिल्डिंग, 18-डॉक्टर क्रोजे रोड,
प्लेत्यो-आबिदजान, कोत दि'वार
फोन: (225) 20 24 29 511, मोबाइल: (225) 79707149
फैक्स: (225) 20 24 29 50 | ई-मेल: eximabidjan@eximbankindia.in

आदिस अबाबा

बोले कीफले केटेमा, केबेले - 19 (03/05),
हाउस नं. 105-बी, आदिस अबाबा, इथियोपिया
फोन: (251 116) 630079 | फैक्स: (251 1163) 610170
ई-मेल: aaro@eximbankindia.in

दुबई

लेवल 5, टेनेसी 1बी, गेट प्रीसिक्ट बिल्डिंग नं. 3,
दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केन्द्र, पी ओ बॉक्स नं. 506541, दुबई, यू.ए.ई.
फोन: (971 4) 3637462 | फैक्स: (971 4) 3637461
ई-मेल: eximdubai@eximbankindia.in

जोहान्सबर्ग

दूसरी मंजिल, सैंडटन सिटी दिवन टॉवर्स ईस्ट,
सैंडहर्स्ट एक्सटेंशन-3, सैंटन 2196, दक्षिण अफ्रीका
फोन: (27 11) 3265103/13 | फैक्स: (27 11) 7844511
ई-मेल: eximjro@eximbankindia.in

सिंगापुर

20, कोलियर, # 10-02, सिंगापुर-049319.
फोन: (65) 65326464 | फैक्स: (65) 65352131
ई-मेल: eximsingapore@eximbankindia.in

वाशिंगटन डी. सी.

1750 पेंसिल्वेनिया एवेन्यू एन. डब्ल्यू. सूइट 1202,
वाशिंगटन डी. सी. 20006, संयुक्त राज्य अमेरिका.
फोन: (1202) 223 3238 | फैक्स: (1202) 785 8487
ई-मेल: eximwashington@eximbankindia.in

यांगून

हाउस नं. 54/ए, तल मंजिल, बोराच्युत मार्ग,
डैगन टाउनशिप, यांगून, म्यांमार
फोन: (95) 1389520 | मोबाइल: (95) 1389520
ई-मेल: eximyangan@eximbankindia.in

लंदन शाखा

5वीं मंजिल, 35 किंग स्ट्रीट,
लंदन- ई सी 2वी 8 बीबी, यूनाइटेड किंगडम.
फोन: (44) 20 77969040 | फैक्स: (44) 20 76000936
ई-मेल: eximlondon@eximbankindia.in



Our Global Footprint

Head Office

Centre One Building, 21st Floor, World Trade Centre Complex,
Cuffe Parade, Mumbai - 400 005.
Ph.: (91 22) 22172600 | Fax: (91 22) 22182572
E-mail: ccg@eximbankindia.in | Website: www.eximbankindia.in

Domestic Offices

AHMEDABAD

Sakar II, 1st Floor, Next to Ellisbridge Shopping Centre,
Ellisbridge P. O., Ahmedabad - 380 006.
Ph.: (91 79) 26576852/26576843 | Fax: (91 79) 26577696
E-mail: eximahro@eximbankindia.in

BANGALORE

Ramanashree Arcade, 4th Floor, 18, M. G. Road,
Bangalore - 560 001.
Ph.: (91 80) 25585755/25589101-04 | Fax: (91 80) 25589107
E-mail: eximbro@eximbankindia.in

CHANDIGARH

C- 213, Elante offices, Industrial Area phase 1, Chandigarh
Ph.: (91 172) 4629171-73 | Fax: (91 172) 4629175
E-mail : eximcro@eximbankindia.in

CHENNAI

Overseas Towers, 4th and 5th Floor, 756-L,
Anna Salai, Chennai - 600 002.
Ph.: (91 44) 28522830/31 | Fax: (91 44) 28522832
E-mail: eximchro@eximbankindia.in

GUWAHATI

NEDFi House, 4th Floor, GS Road, Dispur, Guwahati - 781 006.
Ph.: (91 361) 2237607/609 | Fax: (91 361) 2237701
E-mail: eximgro@eximbankindia.in

HYDERABAD

Golden Edifice, 2nd Floor, 6-3-639/640, Raj Bhavan Road,
Khairatabad Circle, Hyderabad - 500 004.
Ph.: (91 40) 23307816-21 | Fax: (91 40) 23317843
E-mail: eximhro@eximbankindia.in

KOLKATA

Vaniya Bhawan, 4th Floor, (International Trade Facilitation Centre),
1/1 Wood Street, Kolkata - 700 016.
Ph.: (91 33) 22833419/20 | Fax: (91 33) 22891727
E-mail: eximkro@eximbankindia.in

NEW DELHI

Statesman House, Ground Floor,
148, Barakhamba Road, New Delhi - 110 001.
Ph.: (91 11) 23474800 | Fax: (91 11) 23322758/23321719
E-mail: eximndro@eximbankindia.in

PUNE

44, Shankarsheth Road, Pune - 411 037.
Ph.: (91 20) 26403000 | Fax: (91 20) 26458846
E-mail: eximpro@eximbankindia.in

Overseas Offices

ABIDJAN

5th Floor, Azur Building, 18-Docteur Crozet Road,
Plateau, Abidjan, Côte d'Ivoire
Ph.: (225) 20 24 29 51 | Mobile: (225) 79707149
Fax: (225) 20 24 29 50
Email: eximabidjan@eximbankindia.in

ADDIS ABABA

Bole Kifle Ketema, Kebele - 19, (03/05),
House No. 015-B, Addis Ababa, Ethiopia.
Ph.: (251 116) 630079 | Fax: (251 116) 610170
E-mail: aaro@eximbankindia.in

DUBAI

Level 5, Tenancy 1B, Gate Precinct Building No. 3, Dubai
International Financial Centre, PO Box No. 506541,
Dubai, UAE.
Ph.: (971 4) 3637462 | Fax: (971 4) 3637461
E-mail: eximdubai@eximbankindia.in

JOHANNESBURG

2nd Floor, Sandton City Twin Towers East,
Sandhurst Ext. 3, Sandton 2196,
Johannesburg, South Africa.
Ph.: (27 11) 3265103/13 | Fax: (27 11) 7844511
E-mail: eximjro@eximbankindia.in

SINGAPORE

20, Collyer Quay, #10-02, Singapore 049319.
Ph.: (65) 65326464 | Fax: (65) 65352131
E-mail: eximsingapore@eximbankindia.in

WASHINGTON D.C.

1750 Pennsylvania Avenue NW, Suite 1202,
Washington D.C. 20006,
United States of America.
Ph.: (1 202) 223 3238 | Fax: (1 202) 785 8487
E-mail: eximwashington@eximbankindia.in

YANGON

House No. 54/A, Ground Floor, Boyarynyunt Street,
Dagon Township, Yangon, Myanmar
Ph.: (95) 1389520 | Mobile: (95) 1389520
Email: eximyangon@eximbankindia.in

London Branch

5th Floor, 35 King Street,
London EC2V 8BB, United Kingdom
Phone: (44) 20 77969040 | Fax: (44) 20 76000936
E-Mail: eximlondon@eximbankindia.in



केन्द्र एक भवन, 21वीं मंज़िल, विश्व व्यापार केन्द्र संकुल, कफ़ पारेड, मुंबई - 400 005.
फोन: +91-22-22172600 • फैक्स: +91-22-22182572 • ई-मेल: ccg@eximbankindia.in • वेबसाइट: www.eximbankindia.in

Centre One Building, Floor 21, World Trade Centre Complex, Cuffe Parade, Mumbai - 400 005.
Tel.: +91-22-22172600 • Fax: +91-22-22182572 • Email: ccg@eximbankindia.in • www.eximbankindia.in